THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 50 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.4 2080 मंगलवार, 9 मई 2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

वायुसेना का मिग-21 क्रैश, 3 की मौत

हनुमानगढ़, 8 मई (एजेंसियां)। हनुमानगढ़ में सोमवार सुबह मिग-21 फाइटर जेट क्रैश हो गया। फाइटर जेट बहलोल नगर इलाके में एक घर पर गिरा। इस घर में रहने वाली 3 महिलाओं की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि पायलट सुरक्षित है। हादसे के बाद घटनास्थल पर बड़ी संख्या में ग्रामीण जमा हो गए हैं। मृतकों के नाम बशोकौर (45), बंतो (60) और लीला देवी (55) हैं। पायलट राहुल अरोड़ा (25) ने पैराशूट से कूदकर अपनी जान बचाई। उन्हें सूरतगढ़ भेजा गया है। एयरफोर्स ने कहा, मिग-21 ट्रेनिंग उड़ान पर था। उड़ान के दौरान पायलट को इमरजेंसी सिचुएशन का पता चला, उसने एयरक्राफ्ट को संभालने की कोशिश की। जब वह ऐसा नहीं कर पाया, तो उसने विमान से इजेक्ट करने का फैसला किया। सूरतगढ़ एयरबेस से करीब 25 किलोमीटर दूर पायलट मिला।

मणिपुर हिंसा प्रभावितों का पुनर्वास करो : सुप्रीम कोर्ट

धार्मिक स्थलों की हिफाजत करें, आदिवासियों के वकील बोले-हम पर हमलों का खतरा

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को मणिपुर हिंसा के चलते विस्थापित हुए लोगों पर चिंता जाहिर की। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से कहा कि यह मानवीय संकट है। विस्थापित हुए लोगों के पुनर्वास के लिए जरूरी कदम उठाए जाएं। राहत कैंपों में दवाओं और खाने-पीने जैसी जरूरी चीजों का इंतजाम हो। साथ ही राज्य में धार्मिक स्थलों की हिफाजत के लिए भी कदम उठाए जाएं।

मणिपुर में 6 दिन पहले एक रैली के दौरान मैतेई और नगा-कुकी समुदायों के बीच हिंसा भड़क गई थी। हिंसा में 54 लोगों की जान चली गई। मणिपुर में अब तक 23 हजार लोगों को विस्थापित किया जा चुका है। सुप्रीम कोर्ट में मणिपुर ट्राइबल फोरम और हिल एरिया कमेटी ने याचिकाएं दाखिल की हैं। इनमें हिंसा की एसआईटी जांच और मैतेई समुदाय को एसटी लिस्ट में शामिल किए जाने के हाईकोर्ट के आदेश का विरोध किया गया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की बेंच इस मामले की सुनवाई कर रही है। अगली सुनवाई 17 मई को होगी। केंद्र ने कहा, 2 दिन में कोई हिंसक घटना नहीं हुई। केंद्र और मणिपुर सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा, पिछले 2 दिन से कोई हिंसक घटना नहीं हुई है। रविवार को कर्फ्यू में भी ढील दी गई थी। राहत कैंप बनाए गए हैं। यहां खाने और दवाओं की व्यवस्था है। निगरानी हेलिकॉप्टर्स और ड्रोन से की जा रही है। शांति बैठकें करवा रहे हैं। केवल धार्मिक स्थलों की ही नहीं, बल्कि लोगों और उनकी संपत्ति की भी सुरक्षा की जा रही है। सीएपीएफ की 35 टुकड़ियां तैनात की गई हैं। पैरामिलिट्री और सेना भी मौजूद है। हमारी अपील है कि अभी रिजर्वेशन के मसले पर सुनवाई ना की जाए।

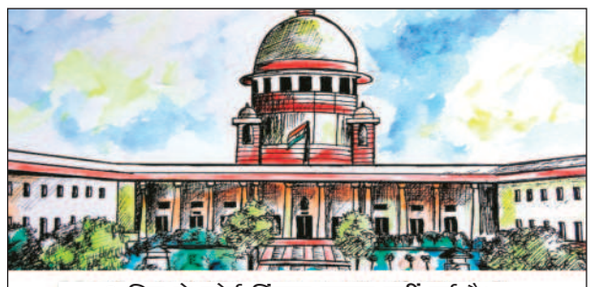

2 दिन से कोई हिंसक घटना नहीं हुई है। निगरानी हेलिकॉप्टर्स और ड्रोन से की जा रही है। शांति बैठकें करवा रहे हैं।

पूरा विवाद है क्या

मणिपुर की लगभग 38 लाख की आबादी में से आधे से ज्यादा मैतेई समुदाय के लोग हैं। मणिपुर के लगभग 10 प्रतिशत क्षेत्रफल में फैली इंफाल घाटी मैतेई समुदाय बहुल है। हाल ही में मणिपुर हाईकोर्ट ने राज्य सरकार को मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) में शामिल करने के लिए आदेश जारी किए हैं।

मैतेई समुदाय के लोगों का तर्क है कि 1949 में भारतीय संघ में विलय से पूर्व उन्हें रियासतकाल में जनजाति का दर्जा प्राप्त था। पिछले 70 साल में मैतेई आबादी 62 प्रतिशत से घटकर लगभग 50 प्रतिशत के आसपास रह गई है। अपनी सांस्कृतिक पहचान के लिए मैतेई समुदाय आरक्षण मांग रहा है। मणिपुर की नगा और कुकी जनजाति मैतेई समुदाय को आरक्षण देने के विरोध में है। राज्य के 90 प्रतिशत क्षेत्र में रहने वाले नगा और कुकी राज्य की आबादी का 34 प्रतिशत हैं।

टेक्सास मॉल गोलीबारी में रंगारेड्डी के जिला जज की बेटी की मौत

शव को हैदराबाद लाने की कोशिश

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अमेरिका के टेक्सास के एक मॉल में शनिवार को हुई गोलीबारी में मारे गए आठ लोगों में हैदराबाद की सत्ताईस वर्षीय थाटिकोंडा ऐश्वर्या रेड्डी की पहचान की गई है। तेलंगाना के रंगारेड्डी जिला एवं सत्र न्यायाधीश टी. नरसी रेड्डी की बेटी ऐश्वर्या रेड्डी पिछले पांच साल से अमेरिका में रह रही थी।

परिवार के मुताबिक उसने आखिरी बार अपनी मां अरुणा से बात की थी और उसे बताया था कि वह अपने एक पुरुष दोस्त के साथ मॉल जा रही है। सरूरनगर में रहने वाले ऐश्वर्या के एक चचेरे भाई ने कहा कि वह अपने करियर में अच्छा कर रही थीं और हाल ही में उन्हें प्रमोशन मिला था। उन्होंने कहा कि साल 2020 में पूर्वी मिशिगन विश्वविद्यालय से निर्माण प्रबंधन में स्नातकोत्तर पूरा करने के बाद ऐश्वर्या रेड्डी टेक्सास में एक स्थानीय फर्म के साथ प्रोजेक्ट इंजीनियर के रूप में काम कर रही थी। साल 2018 में अमेरिका जाने से पहले ऐश्वर्या ने उस्मानिया विश्वविद्यालय से सिविल इंजीनियरिंग में डिग्री हासिल की थी। बाद में डलास में गोली चलने की जानकारी होने पर जब मां ने फोन किया तो उन्हें कोई जवाब नहीं मिला और ऐश्वर्या का फोन बाद में स्विच ऑफ हो गया था। >14

एयरबस सी295 ने भरी पहली उड़ान भारतीय वायुसेना की बढ़ेगी ताकत

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। भारत के लिए बन रहे एयरबस सी295 विमान ने पहली उड़ान भरी है। एयरबस डिफेंस ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट कर इसकी जानकारी साझा की है। एयरबस ने ट्वीट में लिखा कि भारत के लिए बने एयरबस सी295 ने सफलतापूर्वक अपनी पहली उड़ान भरी। इसके साथ ही भारत को इस विमान की डिलीवरी इस साल के अंत तक होने का रास्ता साफ हो गया है।

कई गुना बढ़ जाएगी भारतीय वायुसेना की ताकत :

भारत के एयरोस्पेस प्रोग्राम के लिए सी295 की पहली उड़ान बेहद अहम है। इससे भारतीय वायुसेना दुनिया में सी295 विमानों की सबसे बड़ी ऑपरेटर बन जाएगी। इससे भारतीय वायुसेना की ताकत भी कई गुना बढ़ जाएगी। बता दें कि सी295 एक सैन्य परिवहन विमान है। फिलहाल भारतीय सशस्त्र बल अपनी परिवहन जरूरतों के लिए 1960 की पीढ़ी के पुराने एवरो विमानों पर निर्भर हैं।

सी295 के वायुसेना में शामिल होने के बाद सैन्य परिवहन आसान और ज्यादा बेहतर हो जाएगा। भारत और अमेरिका की रक्षा कंपनी एयरबस के बीच हुए सौदे के तहत 16 सी295 विमानों की आपूर्ति सितंबर 2023 से अगस्त 2025 के बीच की जाएगी।

स्वर्ण मंदिर के पास 2 दिन में दूसरा धमाका

अमृतसर, 8 मई (एजेंसियां)। पंजाब के अमृतसर में गोल्डन टेंपल से 800 मीटर दूर हैरिटेज स्ट्रीट पर सोमवार सुबह 6.30 बजे धमाका हुआ। इस इलाके में 32 घंटे में यह दूसरा ब्लास्ट है।

हालांकि इसमें किसी को नुकसान नहीं पहुंचा। शनिवार रात को भी यहां धमाका हुआ था, जिसमें 6 लोग जख्मी हुए थे। पुलिस का कहना है कि बम को कोल्ड ड्रिंक के टिन में डालकर लटकाया गया था। फोरेंसिक टीमें जांच में जुटी हैं। शुरूआती जांच में कोई भी डेटोनेटर बरामद नहीं हुआ। यह दोनों ही कम डेंसिटी वाले बम थे। ये क्रूड बम हैं।

प्रचार के दौरान बयान पर घिरीं सोनिया गांधी, भाजपा ने ईसी से शिकायत की

बेंगलुरू, 8 मई (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी के उस बयान को लेकर निर्वाचन आयोग में शिकायत दर्ज कराई जिसमें उन्होंने कहा था कि पार्टी किसी को भी कर्नाटक की 'प्रतिष्ठा, संप्रभुता या अखंडता' के लिए खतरा पैदा नहीं करने देगी। भाजपा का एक डेलिगेशन सोमवार को इस शिकायत के साथ चुनाव आयोग से मिलने पहुंचा।

क्या था सोनिया गांधी का बयान : कांग्रेस ने शनिवार को हुबली में एक चुनावी रैली में सोनिया गांधी के भाषण का जिक्र करते हुए एक ट्वीट में कहा था कि कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष ने 6.5 करोड़ कन्नड़ लोगों को एक कड़ा संदेश दिया। पार्टी ने उनकी तस्वीर भी साझा की, जिसमें वह जनसभा को संबोधित करते दिख रही हैं। कांग्रेस ने सोनिया के बयान का जिक्र करते हुए ट्वीट किया था, कांग्रेस किसी को भी कर्नाटक की प्रतिष्ठा, संप्रभुता या अखंडता के लिए खतरा पैदा नहीं करने देगी। सोनिया के इसी बयान को लेकर भाजपा ने चुनाव आयोग का दरवाजा खटखटाया है। शिकायत दर्ज कराने वाली केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे ने इस बयान को चौंकाने वाला और अस्वीकार्य बताया।

आनंद मोहन की रिहाई पर बिहार सरकार को नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने 2 हफ्ते में मांगा जवाब, जी कृष्णैया की पत्नी बोलीं-कोर्ट से न्याय जरूर मिलेगा

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। बिहार के बाहुबली और पूर्व सांसद आनंद मोहन की रिहाई के खिलाफ दायर याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई हुई। कोर्ट ने बिहार सरकार और आनंद मोहन को नोटिस जारी कर रिहाई पर जवाब मांगा है।

नोटिस केंद्रीय गृह मंत्रालय और बिहार सरकार के सेंटेंस रिमेशन बोर्ड को भी दिया है। इसके लिए 2 हफ्ते का समय दिया है। बिहार सरकार से रिहाई से जुड़ा रिकॉर्ड देने को भी कहा है। जस्टिस सूर्यकांत और जेके माहेश्वरी की बेंच ने सुनवाई करते हुए काउंटर एफिडेविट देने को कहा है। साथ ही आनंद मोहन को भी नोटिस सर्व करने का आदेश दिया है। डीएम जी कृष्णैया की पत्नी उमा कृष्णैया ने कहा है कि हमें खुशी है कि सुप्रीम कोर्ट ने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। बिहार सरकार और इसमें शामिल अन्य लोगों को नोटिस जारी किया है। उन्हें 2 सप्ताह के भीतर जवाब देना है। हमें सुप्रीम कोर्ट में न्याय मिलेगा। डीएम जी कृष्णैया की हत्या में दोषी आनंद मोहन को 27 अप्रैल को रिहा कर दिया गया था। 29 अप्रैल को डीएम जी कृष्णैया की पत्नी उमा कृष्णैया ने इस रिहाई को चुनौती दी थी।

उनकी ओर से सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में आनंद मोहन को फिर से जेल भेजने की मांग की गई है। कोर्ट में सीनियर एडवोकेट सिद्धार्थ लूथरा ने उमा कृष्णैया का पक्ष रखा है। बिहार सरकार ने जेल मैनुअल में बदलाव किया था, इसके बाद आनंद मोहन सिंह गुरुवार (27 अप्रैल) सुबह 6:15 बजे सहरसा जेल से रिहा हुए थे।

सीसीटीवी में कैद हुई गो-तस्करों की करतूत

सड़क किनारे खड़ी गाय को ऑल्टो कार में जबरन लादकर ले गए

नागपुर, 8 मई (एजेंसियां)। (महाराष्ट्र) गौ तस्करी करने वाली गैंग को पकड़ने में नागपुर पुलिस को बड़ी कामयाबी मिली है। नागपुर के पांचपावली थाने के अंतर्गत पुलिस ने ऑल्टो कार से गाय की चोरी करने वाले तस्करों को हिरासत में लिया है। गोवंश की चोरी को लेकर पांचपावली थाने के अंतर्गत पुलिस में शिकायत दर्ज की गई थी। पुलिस ने जब सीसीटीवी देखा तो यह बात उजागर हुई कि गौ तस्कर ऑल्टो कार से आए थे और एक छोटी सी कार में गाय को लेकर रफूचक्कर हो गए।

भारत में कोविड-19 के 1,839 मामले आए, उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 25,178 हुई

नयी दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। भारत में सोमवार को कोविड-19 के 1,839 नए मामले सामने आए जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 25,178 हो गई। एक दिन पहले यह संख्या 27,212 थी। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा सोमवार को सुबह आठ बजे जारी अद्यतन आंकड़ों के अनुसार संक्रमितों की संख्या अब 4.49 करोड़ (4,49,71,469) हो गई है। वहीं, संक्रमण से 11 लोगों की मृत्यु होने से मृतक संख्या बढ़कर 5,31,692 हो गई है। मंत्रालय ने बताया कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या कुल संक्रमितों का 0.06 प्रतिशत है। कोविड-19 से ठीक होने की राष्ट्रीय दर 98.76 प्रतिशत दर्ज की गई है। मंत्रालय ने बताया कि बीमारी से ठीक हो चुके लोगों की संख्या बढ़कर 4,44,14,599 हो गई है जबकि मृत्यु दर 1.18 प्रतिशत है। मंत्रालय की वेबसाइट के अनुसार, राष्ट्रव्यापी टीकाकरण अभियान शुरू होने के बाद से देश में कोविड-19 रोधी टीके की अब तक 220.66 खुराक दी जा चुकी है।

गोविंदपुरी इलाके में वकील के मुंशी की गोली मारकर हत्या, पांच गिरफ्तार

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके में फायरिंग की सनसनीखेज वारदात सामने आई है। फायरिंग की घटना में एक वकील के मुंशी की मौत हो गई। दरअसल, बदमाशों ने फायरिंग वकील पर की थी लेकिन गोली उसके मुंशी को जा लगी। इसमें उसकी मौके पर मौत हो गई। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम पूरे मामले की जांच में जुट गई है। इससे पहले, शनिवार को दिल्ली के गोविंदपुरी इलाके में ही फायरिंग की वारदात सामने आई थी, जिसमें गोली एक 17 वर्षीय युवक को लगी थी। इसकी वजह से उसकी मौत हो गई थी।

रामबन में भारी बारिश: कक्षा आठ तक के छात्रों के लिए स्कूल बंद

रामबन, 8 मई (एजेंसियां)। जम्मू कश्मीर के रामबन जिले में भारी बारिश के कारण सोमवार को कक्षा आठ तक के छात्रों के लिए सभी स्कूल बंद कर दिए गए हैं। प्राप्त खबरों के अनुसार किश्तवाड़, डोडा और रामबन के ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा हिमपात हुआ है। रामबन के उपायुक्त मुसर्रत इस्लाम ने कहा, "भारी बारिश के कारण रामबन जिले में कक्षा आठ तक के छात्रों के लिए सभी सरकारी और निजी स्कूल आज बंद रहेंगे।" उन्होंने कहा कि लेकिन अगर कहीं परीक्षाएं होनी हैं तो वह पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार ही होंगी। जिले के ऊंचाई वाले इलाकों में रातभर हुई बर्फबारी के कारण किश्तवाड़, डोडा तथा रामबन के कुछ हिस्सों में शीत लहर चल रही है।

'किसी को डरने की जरूरत नहीं'

मणिपुर हिंसा पर अमित शाह ने की शांति की अपील, कहा- सभी से सलाह के बाद।

इनफाल, 8 मई (एजेंसियां)। मणिपुर हिंसा के बाद कई जिलों में जारी कर्फ्यू के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार कहा कि राज्य में स्थिति नियंत्रण में है। उन्होंने राज्य के लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की। मैतेई समुदाय को अनुसूचित जाति का दर्जा देने की मांग के खिलाफ 3 मई को राज्य में आदिवासी आंदोलन के बाद हिंसा भड़क उठी थी। अमित शाह ने दौरान भरोसा दिया कि मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) दर्जा देने से पहले राज्य सरकार सभी स्टेकहोल्डर्स से बात करेगी। इसके बाद ही कोई फैसला लिया जाएगा।

सभी से चर्चा के बाद होगा फैसला- शाह

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, अदालत ने एक आदेश पारित किया है। इस पर सभी संबंधित हितधारकों के साथ चर्चा की जाएगी और मणिपुर सरकार परामर्श के बाद उचित निर्णय लेगी। किसी व्यक्ति या समूह को डरने की जरूरत नहीं है।

हिंसा में 50 से ज्यादा की मौत

3 मई को कुकी आदिवासी समुदाय ने एक विरोध मार्च का आयोजन किया था। यह मार्च हाई

कोर्ट के उस आदेश के विरोध में था जिसमें राज्य सरकार को बहुसंख्यक हिंदू मैतेई समुदाय को अनुसूचित जनजाति (एसटी) का दर्जा देने के संबंध में केंद्र को सिफारिश भेजने को कहा गया था। मार्च के बाद हिंसा भड़क गई थी, जिसमें गैर-आदिवासी मैतेई समुदाय के लोगों के साथ झड़प हुई थी। हिंसा में अब तक 50 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोगों को हिंसाग्रस्त इलाकों से निकलने के लिए मजबूर होना पड़ा था। 23000 से अधिक विस्थापित वर्तमान में सेना के शिविरों में शरण लिए हुए हैं

महाकाल के दरबार में दानदाताओं का नमन

9 किलो 351 ग्राम चांदी के नागराज व मुकुट किया भेंट

उज्जैन, 8 मई (एजेंसियां)। श्री महाकालेश्वर मंदिर में भक्तों ने मनोकामना पूर्ण होने पर बाबा महाकाल को चांदी के नाग और मुकुट का दान किया है। वहीं उत्तरप्रदेश के श्रद्धालु विवेक वर्मा की ओर से 51,000 रुपये की राशि का चेक मंदिर प्रशासक संदीप सोनी को सौंपा गया। बता दें कि श्री महाकालेश्वर मंदिर में श्रद्धालुगण विभिन्न अवसरों जैसे जन्मदिवस, सालगिरह, वरिष्ठजनों के स्मरण आदि पर स्वर्ण, रजत, नकद राशि आदि समय-समय पर दान करते हैं। साथ ही मन्दिर के प्रकल्पों यथा : निःशुल्क अन्नक्षेत्र हेतु सामग्री, गऊशाला हेतु गो-ग्रास, हरी घास, चारा, चिकित्सा इकाई हेतु जरूरी औषधियां, वैदिक शोध संस्थान के छात्रों, संस्थान हेतु सहायता आदि प्रदान करते हैं।

यूएसः टेक्सास मॉल में हुई फायरिंग में भारतीय युवती की मौत, पिता तेलंगाना में हैं जिला जज

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। टेक्सासः अमेरिका में फायरिंग की घटनाएं लगातार हो रही हैं। एक दिन पहले टेक्सास प्रांत के एक मॉल में हुई फायरिंग की घटना में 9 लोगों की मौत हो गई। फायरिंग की इस घटना में एक भारतीय युवती की भी मौत हो गई। हमलावर की पहचान सामने आ गई है और उसकी उम्र 33 साल रही है। अमेरिका के टेक्सास में डलास शहर के एक मॉल में घुसकर एक बंदूकधारी ने ताबड़तोड़ गोलियां चलानी शुरू कर दी जिससे उसके चपेट आए 9 लोगों की मौत हो गई जबकि सात अन्य लोग घायल भी हो गए।

खुला छोड़ा कार का शीशा, दो लाख रुपये व सोने के कंगन ले गए चोर

सोनीपत, 8 मई (एजेंसियां)। गोहाना सब्जी मंडी में खरीदारी करने आए दंपती को कार का शीशा खुला छोडना महंगा पड़ गया। चोर कार के अंदर से दो लाख रुपये की नकदी और सोने के कंगन चोरी कर ले गए। सब्जी खरीदकर दंपती वापस लौटा तो चोरी का पता लगा। जिस पर आसपास पता किया, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिल सकी। जिसके बाद पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

असिस्टेंट फॉरेस्ट कंजरवेटर को झटका; हाईकोर्ट ने अनिर्वाय सेवानिवृत्ति को ठहराया सही

जबलपुर, 8 मई (एजेंसियां)। असिस्टेंट फॉरेस्ट कंजरवेटर पद से अनिर्वाय सेवा निवृत्ति देकर हटाये जाने के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की गयी थी। हाईकोर्ट जस्टिस संजय द्विवेदी की एकलपीठ ने पाया की स्क्रीनिंग कमेटी ने करियर रिकॉर्ड के आधार पर निर्णय लिया है। सुनवाई के बाद एकलपीठ ने याचिका को खारिज कर दिया। याचिकाकर्ता भगवान दास बडेरिया की तरफ से 2006 में अनिर्वाय सेवा निवृत्ति प्रदान किये जाने के खिलाफ याचिका दायर की गयी थी। याचिका में कहा गया था कि 2005 में एसीआर में ग्रेडिंग वेरी गुड थी। इसके अलावा 2005 में एक वेतन वृद्धि के दंड की सजा को मार्च 2006 में रद्द कर दिया था। इसके बावजूद भी अप्रैल 2006 में उसे अनिर्वाय सेवा निवृत्ति प्रदान कर दी गयी।

भारत के खिलाफ पाक की बड़ी साजिश

राजौरी एलओसी पर बैट एक्शन टीम को किया सक्रिय

राजौरी, 8 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान कभी भी अपनी नापाक हरकतों से बाज नहीं आ सकता। पाकिस्तान एक बार फिर से जम्मू-कश्मीर में आतंकी घटनाओं को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है। लश्कर-ए-तैयबा के नए नाम पीएएफएफ के जरिए आतंकी वारदात की जा रही हैं। इसी बीच खूफियां तंत्रों की तरफ से दावा किया जा रहा है कि पाकिस्तान ने राजौरी सेक्टर में एलओसी के पास अपनी बॉर्डर एक्शन टीम (बैट) को सक्रिय किया है। पाकिस्तान की बैट टीम में आतंकियों के अलावा उसकी स्पेशल फोर्सेज के जवान भी होते हैं। भारतीय सेना के जवानों को निशाना बनाने की साजिश और आतंकियों को सीमा पार कराने के लिए ही पाकिस्तान ने बैट टीम को तैनात किया है।

सूत्रों के मुताबिक पीओके में लंजोत, कालू एरिया समेत 3 जगह पाकिस्तान की बैट टीम के सदस्य सक्रिय हैं। राजौरी में हाल में मारे गए आतंकियों को पाकिस्तान की तरफ से बड़े पैमाने पर हथियार देने का खुलासा भी हुआ है। जिसके बाद सेना और सुरक्षाबलों को और चौकसी के निर्देश दिए गए हैं। सूत्रों का दावा है कि पीओके के पीर कालंजर, डोतिल्ला और केजी टॉप के पास के गांवों में हाल के दिनों में आतंकियों की गतिविधियां बढ़ी हैं।

'शाही परिवार ने देश के लिए खून बहाया'

कपिल सिब्बल ने इंदिरा-राजीव का नाम लेकर पीएम मोदी पर ऐसे किया पलटवार

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कांग्रेस पर किए हमले का जवाब दिया। पीएम नरेंद्र मोदी ने कर्नाटक में चुनाव प्रचार के दौरान राज्य को देश के बाकी हिस्सों से अलग करने की वकालत करने का आरोप लगाया था। सिब्बल ने इसका जवाब देते हुए कहा था कि पीएम ने कहा कांग्रेस शाही परिवार चाहता है कि कर्नाटक भारत से अलग हो जाए, लेकिन मोदी जी देश ने इंदिरा गांधी, राजीव गांधी को भारत के लिए खून बहाते देखा है। ऐसे में क्या एनसीईआरटी से उन तथ्यों को भी मिटाना है? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार 7 मई को मैसूर में

जनसभा संबोधित कर रहे थे। जिसमें उन्होंने कहा था कि कांग्रेस का शाही परिवार कर्नाटक को देश से अलग करना चाहता है। साथ ही ऐसे काम करते हैं जिससे बार-बार संप्रभुता का अपमान होता है। ऐसे में वो राज्य की 'संप्रभुता' की रक्षा करना चाहते हैं। पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के हुबली में एक रैली को संबोधित करने के एक दिन बाद पीएम मोदी ने पार्टी पर हमले किए हैं।

चुनाव आयोग पर साधा था निशाना

इसके एक दिन पहले कपिल सिब्बल ने कांग्रेस पार्टी को नोटिस जारी करने को लेकर चुनाव आयोग पर निशाना साधा था। उन्होंने 7 मई को चुनाव आयोग को कहा था कि आयोग को पीएम मोदी से भी कांग्रेस पर लगाए गए आरोपों को लेकर सबूत मांगना चाहिए। आयोग ने कांग्रेस की ओर से एक विज्ञापन में बीजेपी के खिलाफ लगाए गए भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर सबूत मांगे थे। कांग्रेस ने बीजेपी के खिलाफ अखबारों में 'भ्रष्टाचार रेट कार्ड' विज्ञापन प्रकाशित किया था। जिसके बाद बीजेपी की तरफ से शिकायत दर्ज कराने के बाद आयोग ने नोटिस जारी किया। जिसको लेकर पूर्व कांग्रेस नेता कपिल सिब्बल ने ये सवाल खड़ा किया।

बीजेपी की लूट का करेगी अंत

कांग्रेस पार्टी के आधिकारिक ट्विटर हैंडल से सोमवार को पोस्ट किया गया कि सीपीपी अध्यक्ष सोनिया गांधी ने 6.5 करोड़ कन्नडिगों को एक कड़ा संदेश भेजा है। कांग्रेस किसी को भी कर्नाटक की प्रतिष्ठा, संप्रभुता या अखंडता के लिए खतरा पैदा करने की अनुमति नहीं देगी। साथ ही पार्टी बीजेपी की लूट का अंत करेगी और 6.5 करोड़ कन्नडिगों का हक वापस करेगी।

'जब तक किसी की मौत की सजा पर अमल नहीं हो रहा हो, न आएं सुप्रीम कोर्ट', सीजेआई चंद्रचूड़ ने क्यों कही ये बात

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में भारत के मुख्य न्यायाधीश की कोर्ट में एक दिलचस्प वाकया हुआ। जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने एक वकील से कह दिया कि जब तक मौत की सजा पर अमल न हो रहा हो, सुप्रीम कोर्ट न आएं। सीजेआई चंद्रचूड़ को यहां तक कहना पड़ गया कि हमारी स्थिति समझने की कोशिश कीजिए। दरअसल, कोर्ट में गर्मियों की छुट्टियां होने वाली हैं। ऐसे में एक वकील ने मुख्य न्यायाधीश से एक मामले की सुनवाई के लिए छुट्टियों से पहले की तारीख की मांग की। इस पर जस्टिस चंद्रचूड़ ने कोर्ट में जजों की कमी और टाइमिंग का हवाला देते हुए कहा कि जब तक मौत की सजा पर अमल न हो रहा हो, हम इस समय केस नहीं सुन सकते।

रिटायर हो रहे हैं दो जज

सीजेआई चंद्रचूड़ ने वकील से कहा, "प्लीज, हमारी स्थिति समझने की कोशिश कीजिए। दो जज रिटायर हो रहे हैं। ये आखिरी सप्ताह है। जब तक किसी की मौत की सजा पर अमल न हो रहा हो, हम आखिरी सप्ताह में इसे नहीं सुन सकते। जस्टिस चंद्रचूड़ ने कहा, "मैं बार से ये

कहना चाहता हूं आज हमारे पास 237 मामले सुनवाई के लिए सूचीबद्ध हैं। मैं अनुरोध करता हूं कि आप तभी किसी मामले को उल्लेख करें जब कोई बड़ी इमरजेंसी हो।"

जस्टिस नरसिम्हा के सामने भी आया एक मामला

मुख्य न्यायाधीश के अलावा एक दूसरे जज जस्टिस पीएस नरसिम्हा के सामने भी ऐसा ही मामला आया। एक वकील के तारीख विशेष पर मामले का उल्लेख करने पर जस्टिस नरसिम्हा ने कहा, "चीफ जस्टिस पहले ही इशारा कर चुके हैं कि नए मामले आखिरी सप्ताह में आएंगे। अगर आप आखिरी सप्ताह में कोई खास डेट चाहते हैं तो कोर्ट मास्टर से बात कीजिए। इस तरीके से हम काम नहीं कर पाएंगे।"

सुप्रीम कोर्ट में साल में 200 दिन काम

जस्टिस चंद्रचूड़ ने कुछ दिन पहले एक अंग्रेजी चैनल के कार्यक्रम में बताया था कि देश के सुप्रीम कोर्ट के जज साल भर में 200 दिन (लगभग साढ़े 6 महीने) काम करते हैं। सीजेआई ने शीर्ष अदालत में लंबी शीतकालीन और ग्रीष्मकालीन छुट्टियों का बचाव करते हुए कहा था कि अमेरिकी की सुप्रीम कोर्ट में जज सिर्फ 80 दिन काम होता है। ऑस्ट्रेलिया की सुप्रीम कोर्ट में भी 100 से कम दिन ही काम होता है। वहीं, ब्रिटेन और सिंगापुर की सुप्रीम कोर्ट में 145 दिन काम होता है।

सीजेआई ने दी थी जजों को सीख

दो दिन पहले एक कार्यक्रम में मुख्य न्यायाधीश ने जजों को सोशल मीडिया के दौर में प्रशिक्षित होने की सीख दी थी। उन्होंने हाई कोर्ट की सुनवाई की तमाम 'मजाकिया वायरल क्लिप्स' का उदाहरण देते हुए कहा था कि यह बहुत ही गंभीर बात है। इसे नियंत्रित किए जाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हर शब्द जो हम जज अदालत में कहते हैं, वह सोशल मीडिया के युग में सार्वजनिक दायरे में है।

गोल्डन टेंपल के पास एक और धमाका

अमृतसर में 2 दिन में 2 विस्फोट से हड़कंप; पुलिस का बड़ा खुलासा अमृतसर, 8 मई (एजेंसियां)। पंजाब के अमृतसर में स्वर्ण मंदिर के पास आज एक और धमाका हुआ जिसे लेकर पुलिस ने बड़ा खुलासा किया है। पुलिस को आईएडी धमाके की आशंका है। मौके से मेटल के कई टुकड़े बरामद हुए हैं। हैरानी वाली बात यह है कि आज ब्लास्ट उसी जगह के पास हुआ, जहां शनिवार देर रात भी ब्लास्ट हुआ था। आज सुबह हुए इस धमाके में एक शख्स जख्मी हुआ है। अमृतसर पुलिस का बम निरोधक दस्ता और फॉरेंसिक विभाग की टीमें भी मौके पर पहुंच गई। मेटल डिटेक्टर से आसपास का एरिया खंगाला जा रहा है। साथ ही सीवरेज लाइनें और गटर की भी जांच की जा रही है।

कलयुगी मां ने जन्म के 4 दिन बाद ही 3 लाख में बेचा अपना बच्चा

तिरुवनंतपुरम, 8 मई (एजेंसियां)। केरल पुलिस ने तीन लाख रुपये में अपने बच्चे को बेचने वाली एक महिला को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि एक महिला ने अपने नवजात बच्चे को तिरुवनंतपुरम में एक दंपति को तीन लाख रुपये में बेच दिया था, जिसके बाद महिला को गिरफ्तार किया गया है। दरअसल, बच्चे को बेचे जाने के बारे में जिला बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) ने थंपन्नूर पुलिस को सूचना दी थी, जिसके बाद पुलिस ने इस मामले में कार्रवाई करते हुए एक महिला को उसका बच्चे बेचने के आरोप में गिरफ्तार किया है

'पीएम नरेंद्र मोदी और बीजेपी को माफी मांगनी चाहिए'

संजय सिंह बोले- पहले दिन से कहते आये हैं

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। शराब घोटाला मामले में दो दिन पहले राउज एवेन्यू कोर्ट की आब्जर्वेशन आने के बाद आम आदमी पार्टी की ओर से बीजेपी पर हमला बोलने का सिलसिला जारी है। एक दिन पहल आतिशी ने बीजेपी नेताओं पर हमला बोला था, उसके बाद सीएम अरविंद केजरीवाल ने ट्विटकर कहा कि हम पहले दिन से कहते आये हैं कि शराब घोटाला झूठा है। अब आप के राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने सोमवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बीजेपी और केंद्र सरकार पर हमला बोल दिया है। राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने इस मामले में केंद्र सरकार और बीजेपी दोनों को निशाने पर लिया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी वाले हवा में ही इस घोटाले और जांच की बात करते थे। ईडी और सीबीआई ने शुरू में ही कह दिया कि 100 करोड़ का घोटाला है, लेकिन चार्जशीट में 30 करोड़ की बात कही। वो भी यह कि तीस करोड़ राजेश जोशी के जरिए गोवा चुनाव में खर्च किए गए। छह महीने से ईडी सीबीआई पूरा विभाग गोवा में लगा रहा और फिर कोर्ट में कहा गया कि गोवा चुनाव में सिर्फ 19 लाख रुपये कैश में आप ने खर्च किया है। इसके बाद कोर्ट ने दो लोगों यानी गौतम मल्होत्रा और राजेश जोशी को जमानत दे दी। अब नरेंद्र मोदी और बीजेपी को माफी मांगनी चाहिए। हम पहले दिन से कह रहे हैं कि इसका कोई सबूत नहीं है, लेकिन जबरदस्ती प्रमाण बनाया जा रहा है। चंदन रेड्डी, समीर महेंद्रू, अरुण पिल्लई सबने कहा कि जांच एजेंसियों ने जबरदस्ती बयान लिया है।

करनाल के थाने में एएसआई -होमगार्ड पीटे

करनाल, 8 मई (एजेंसियां)। हरियाणा में करनाल के कुंजपुरा थाना में पूछताछ के लिए बुलाए व्यक्ति के बेटों ने एएसआई व होमगार्ड के साथ मारपीट की। उन्होंने पुलिस कर्मचारियों की वर्दी तक फाड़ दी। इसके साथ उन्होंने अभद्रता की। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

रोहतक में युवक संग भागी युवती

रोहतक, 8 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के रोहतक में एक युवती रात को चरखी दादरी जिले के रहने वाले युवक के साथ फरार हो गई। युवती रात को घरवालों के साथ सोई थी, लेकिन सुबह गायब मिली। जब तलाश की तो पता लगा कि युवती बिना बताए घर से भाग गई। इसकी शिकायत पुलिस को दे दी है।

दो मासूम बच्चियों की मां की संदेहास्पद मौत

खंडवा, 8 मई (एजेंसियां)। खंडवा में एक नवविवाहिता की फांसी के फंदे पर झूलने से मौत हो गई। महिला दो मासूम बच्चियों की मां है, 3 महीने की बेटी के पालने की रस्सी खोली और पलंग पर बांधकर झूल गई। इधर, मृतका के पिता ने दामाद पर बेटी की हत्या का आरोप लगाया है। पुलिस मर्ग कायम कर जांच में जुटी है। मृतका के पास कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है।

बालकृष्णन आयोग: धर्मांतरण करने वाले दलितों को एससी दर्जा मिले या नहीं

लोकसभा चुनाव 2024 से पहले आ सकती है आयोग की रिपोर्ट

बेंगलूरू, 8 मई (एजेंसियां)। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश केजी बालकृष्णन ने कहा है कि धर्मांतरण करने वाले दलितों को अनुसूचित जाति का दर्जा मिलना चाहिए या नहीं, इस बात पर आयोग एक साल के अंदर अपनी रिपोर्ट दे सकता है। बालाकृष्णन उस जांच आयोग के अध्यक्ष हैं जो इस बात की जांच कर रहा है कि क्या सिख और बौद्ध धर्म के अलावा दूसरे धर्मों में जाने वाले दलितों को अनुसूचित जाति का दर्जा मिलना चाहिए या नहीं। जस्टिस बालाकृष्णन की मानें तो यह काम 2024 के चुनाव से पहले पूरा हो सकता है। आयोग को अपना काम पूरा करने के लिए दो साल का समय दिया गया है। हालांकि, जस्टिस बालकृष्णन ने कहा कि उन्हें अभी तक सभी सुविधाएं मुहैया नहीं कराई गई हैं।

'2024 से पहले आ जाएगी रिपोर्ट'

द हिंदू से बातचीत में उन्होंने कहा, सभी सुविधाएं प्रदान नहीं की गई हैं। ऑफिस दिया गया है, अन्य चीजें नहीं हैं। अगर काम शुरू होता है, तो (रिपोर्ट में) केवल एक साल लगेगा, मुझे ऐसा लगता है। यह 2024 से पहले खत्म हो जाएगा। न्यायमूर्ति बालकृष्णन ने सुविधाएं प्रदान करने में सरकार की ओर से किसी भी तरह की देरी से इंकार किया। उन्होंने कहा, सरकार आगे बढ़ रही है।

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

पूर्व मुख्य न्यायाधीश का बयान सुप्रीम कोर्ट में इसी मुद्दे पर चल रही एक बहस में महत्वपूर्ण हो सकता है, जिसमें यह कहा जा रहा है कि क्या सर्वोच्च अदालत को ईसाई धर्म में परिवर्तित होने

दलितों को अनुसूचित जाति का दर्जा देने वाली याचिकाओं पर फैसला लेने से पहले जस्टिस बालकृष्णन आयोग की रिपोर्ट का इंतजार करना चाहिए। ये याचिकाएं 19 साल से सुप्रीम कोर्ट में लंबित हैं। सरकार ने शीर्ष अदालत से जस्टिस बालकृष्णन आयोग की रिपोर्ट आने तक इस पर रुकने को कहा है, लेकिन 12 अप्रैल को हुई पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से सवाल पूछा था। सुनवाई कर रही पीठ से जस्टिस संजय किशन कौल ने सरकार से कहा था कि आपके पास आज एक आयोग है, कल दूसरा हो सकता है। विभिन्न राजनीतिक दल इस मुद्दे पर विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं को ला सकते हैं। 20 साल हो गए हैं। इतने साल में बहुत सारी सामग्री इकठ्ठा हो गई है। अब आप एक नया आयोग गठित कर दें तो वर्तमान आयोग भी उसी के साथ समाप्त हो जाएगा। पीठे के दूसरे जज अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने कहा था कि आइए इस मामले को सुनते हैं जो 19 साल से लंबित है। शरमाते क्यों हैं? हालांकि न्यायमूर्ति अमानुल्लाह ने सरकार के आकलन से सहमति जताई थी कि धार्मिक और भाषाई अल्पसंख्यकों के लिए जस्टिस रंगनाथ मिश्रा आयोग की 2007 की रिपोर्ट में त्रुटिया थीं।

क्या था रंगनाथ मिश्रा आयोग की रिपोर्ट में?

2007 में रंगनाथ मिश्रा आयोग की रिपोर्ट ने सिफारिश की थी कि हिंदू धर्म में जातिगत उत्पीड़न से बचने के लिए इस्लाम और ईसाई धर्म अपनाने वाले दलितों को सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थानों में अनुसूचित जाति के आरक्षण का लाभ लेने की अनुमति दी जानी चाहिए। सरकार ने तर्क दिया था कि रंगनाथ मिश्रा की रिपोर्ट अदूरदर्शी थी और एक कमरे की चार दीवारों के भीतर बैठकर बनाया गया था। याचिकाकर्ताओं के वकीलों सीयू सिंह और कॉलिन गोंसाल्विस, प्रशांत भूषण और फ्रैंकलिन सीज़र थॉमस ने अदालत से न्यायमूर्ति बालकृष्णन की रिपोर्ट का इंतज़ार नहीं करने का आग्रह किया था।

मणिपुर में फंसे हरियाणा के स्टूडेंट्स की होगी घर वापसी

सरकार ने साधा संपर्क; 7 छात्र आईआईटी इंफाल से सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट किए

चंडीगढ़, 8 मई (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने मणिपुर में फंसे प्रदेश के स्टूडेंट्स की वापसी के प्रयास शुरू कर दिए हैं। राज्य के मुख्य सचिव संजीव कौशल की ओर से मणिपुर प्रशासन से बात की गई है। इसके बाद पानीपत के 7 छात्रों को आईआईटी इंफाल से सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट कर दिया गया है। मणिपुर सरकार ने उनकी सुरक्षित वापसी के लिए एक नोडल अधिकारी भी नियुक्त किया है। इससे पहले दंगों में फंसे प्रदेश के छात्रों की राज्यसभा सांसद और कांग्रेस नेता दीपेंद्र हुड्डा ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी थी। उन्होंने सरकार से मांग की कि छात्रों की सुरक्षित घर वापसी सुनिश्चित की जाए।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

मंगलवार, 9 मई, 2023 3

सुविचार

कभी भी किसी को भला बुरा कहने से पहले यह अवश्य सोच ले कि यदि वही शब्द कोई आपसे कहे तो आपको कैसा प्रतीत होगा।

बीमा पॉलिसी धारकों को ठगने वाले गिरोह का भंडाफोड़

कंपनी के रिलेशनशिप मैनेजर समेत 6 गिरफ्तार

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस की साइबर अपराध टीम ने सोमवार को एक अनिवासी भारतीय (एनआरआई) की बीमा पॉलिसी के पैसे को एक फर्जी बैंक खाते में डालने के आरोप में एक निजी बीमा कंपनी के रिलेशनशिप मैनेजर सहित 6 लोगों को गिरफ्तार किया। बाद में, पुलिस को पता चला कि गिरोह ने कई अन्य पॉलिसी धारकों को ठगा है और अवैध धन का इस्तेमाल कर आरोपियों सोने के बिस्कुट खरीदे थे। राचकोंडा के पुलिस आयुक्त डीएस चौहान ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि पुलिस ने रिलेशनशिप मैनेजर के रंगा साई हर्ष, ग्राफिक्स डिजाइनर डी अक्षय कुमार, फूड डिलीवरी बॉय मोहम्मद यासीन अहमद, कैब ड्राइवर एम प्रशांत साई, वी अच्युत, ए प्रकाश रेड्डी को गिरफ्तारी करने के बाद धोखाधड़ी का पर्दाफाश किया और 60 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की। एक अनिवासी भारतीय (एनआरआई) के किशोर हाल ही में अपनी यूनिट लिंक्ड इंश्योरेंस पॉलिसी (यूलिप) के लिए अपना पता अपडेट करने के लिए बीमा कंपनी के कार्यालय गए। कर्मचारियों ने उनके अनुरोध पर पॉलिसी को सरेंडर कर दिया गया और 76 लाख रुपये पहले ही उनके खाते में डाल दिया गया। पॉलिसी को मैच्योरिटी से पहले ही बंद कर दिया गया था और पैसा साउछ इंडियन बैंक में के किशोर कुमार के बैंक खाते में जमा कर दिया गया था। किशोर ने तुरंत रचाकोंडा की साइबर क्राइम पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। एसआईबी में बैंक खाताधारक के किशोर कुमार का विवरण एकत्र करने के बाद, साइबर क्राइम इंस्पेक्टर नरेंद्र गौड़ और उनकी जांचकर्ताओं की टीम ने आईडी प्रूफ एकत्र किए, जो खाते खोलते समय जमा किए गए थे। उन्होंने पाया कि किसी ने पीड़ित के नाम और उसके मूल पैन नंबर का उपयोग करके जाली पैन कार्ड का उपयोग करके धोखाधड़ी से बैंक खाता खोला था। इस बैंक खाते से, जांचकर्ताओं ने पाया कि फर्जी खाते में जमा धन का उपयोग करके मेहदीपट्टनम में एक आभूषण की दुकान पर खरीदारी की गई, जहां जालसाजों ने 56 लाख रुपये का सोना खरीदा।

"मामले की गहराई में जाने के बाद, हमने पाया कि किसी ने बीमा कंपनी को एक ईमेल भेजा था, जिसमें पीड़ित को उसकी निर्धारित परिपक्वता से पहले पॉलिसी बंद करने का अनुरोध किया गया था। अंत में, हमने पाया कि धोखाधड़ी के पीछे कंपनी के रिलेशनशिप मैनेजर साई हर्षा है। श्री चौहान ने कार्यप्रणाली के बारे में बताते हुए, कंपनी के अंदरूनी सूत्र होने के नाते हर्ष के पास उच्च मूल्य वाले ग्राहकों के विवरण तक पहुंच थी। "वह ग्राहकों के डेटा का विश्लेषण करता था और अनिवासी भारतीयों, वरिष्ठ नागरिकों, ग्राहकों के विवरणों की पहचान करता था जो भूल गए थे कि उनकी पॉलिसी परिपक्व हो गई थी, पॉलिसी धारक जिनकी मृत्यु हो गई थी लेकिन उनके नामांकित व्यक्ति को पॉलिसी के बारे में पता नहीं था। आरोपियों के पास से पुलिस ने 14 फर्जी पैन कार्ड, 1 फर्जी आधार कार्ड, 1 फर्जी वोटर आईडी, 10 फर्जी ड्राइविंग लाइसेंस, 10 पासबुक, 376 ग्राम सोना, एक एयरगन, 6 लाख रुपये नकद व अन्य जब्त किए हैं। अब तक पुलिस ने पाया कि आरोपियों ने अवैध रूप से 4 करोड़ रुपये डायवर्ट किए और 2019 के बाद से 19 अपराध किए।

महबूबनगर और गोरखपुर के बीच 14 साप्ताहिक ट्रेनें

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। गर्मी के मौसम में यात्रियों की सुविधा के लिए दक्षिण मध्य रेलवे महबूबनगर-गोरखपुर-महबूबनगर के बीच कई विशेष ट्रेनें चलाने की घोषणा की है। दमरे के अनुसार ट्रेन नंबर 05303 गोरखपुर-महबूबनगर शनिवार को सुबह 8.30 बजे (शनि) को रवाना होकर रविवार को शाम 7.30 बजे महबूबनगर पहुंचेगी। ये ट्रेनें 13 मई से 24 जून तक चलेगी। इसी क्रम में महबूबनगर-गोरखपुर सोमवार को शाम 6 बजे रवाना होकर बुधवार को सुबह 9 बजे गोरखपुर पहुंचेगी। ये ट्रेनें 15 मई से 26 जून तक अपनी सेवा देगी। ये विशेष ट्रेनें दोनों दिशाओं में खलीलाबाद, बस्ती, गोंडा, ऐशबाग, कानपुर सेंट्रल, उरई, वीरांगना लक्ष्मीबाई जक्शन, भोपाल, इटारसी, नागपुर, बल्हारशाह, सिरपुर कागजनगर, बेलमपल्ली, रामागुडम, काजीपेट, मल्काजगिरी, काचीगुडा, शादनगर और जेडचेरला स्टेशनों पर रुकेगी।

नगर पुलिस ऑयुक्त ने कई पुलिस स्टेशनों का निरीक्षण किया

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सिटी पुलिस के हालिया पुनर्गठन के अनुरूप, नए भवनों में नए पुलिस स्टेशनों को समायोजित करने, क्षेत्र में रसद, प्रशासनिक मुद्दों पर प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने के उपायों में तेजी लाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। दक्षिण पूर्व और दक्षिण क्षेत्रों के अपने हाल के दौरे के बाद, शहर के पुलिस प्रमुख सीवी आनंद ने दक्षिण पश्चिम क्षेत्र में हुमायूँ नगर, कुलसुमपुरा, गुड़ीमलकापुर, गोलकोंडा पुलिस स्टेशनों, डीसीपी कार्यालय का निरीक्षण किया। उन्होंने उन नए भवनों का भी निरीक्षण किया जिनमें उपरोक्त कुछ थानों को समायोजित किया जाएगा। अपनी यात्रा के दौरान, श्री आनंद ने ठेकेदारों के साथ निर्माण की प्रगति की समीक्षा की और उनसे लंबित सिविल कार्यों में तेजी लाने और उद्घाटन की तैयारी करने का आग्रह किया। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ-साथ स्टेशनों पर आम जनता के लिए उपलब्ध सुविधाओं, बुनियादी ढांचे, परिचालन तत्परता और सुविधाओं का भी जायजा लिया। अधिकारियों को नए पुलिस स्टेशनों और कार्यालयों और अधिकार क्षेत्र में बदलाव के बारे में आगंतुकों का मार्गदर्शन करने का निर्देश दिया गया।

शहर में घटनाओं की गतिशील प्रकृति का हवाला देते हुए, सीपी आनंद ने अधिकारियों को अपनी नई भूमिकाओं में व्यवस्थित होने तक अधिकारियों को संभालने का आह्वान किया। उन्होंने नई इकाइयों को जल्द से जल्द पूरी तरह कार्यात्मक बनाने के लिए सभी स्तरों पर सभी प्रयासों को लागू करने के महत्व पर बल दिया। संबंधित डीसीपी द्वारा मैन पावर स्टाफिंग, आईटी इंफ्रास्ट्रक्चर और अन्य मामलों से अवगत कराया गया। जी. सुधीर बाबू, आईपीएस अतिरिक्त सीपी ट्रैफिक, किरण खरे, आईपीएस डीसीपी दक्षिण-पश्चिम क्षेत्र, ट्रैफिक डीसीपी और अन्य अधिकारी सीपी आनंद के साथ थे।

मंत्री ने सिकंदराबाद उज्जैन महाकाली बोनालू को लेकर की बैठक, मुहूर्त तय

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने वार्षिक सिकंदराबाद उज्जैन महाकाली अम्मावरी बोनालू के आयोजन को लेकर बैठक की। बैठक में इस वर्ष का मुहूर्त निश्चित किया गया। तय हुआ है कि बोनालू इस साल नौ जुलाई को होगा। इस मामले मंत्री ने बताया कि अगले दिन 10 जुलाई को रंगम (भविष्यवाणी) का आयोजन होगा। इस दौरान नई उज्जैन महाकाली अम्मा कमेटी का शपथ ग्रहण समारोह सोमवार को हुआ। मंत्री तलसानी तलसानी ने इस कार्यक्रम में शिरकत की और बाद में मीडिया से बातचीत की। बोनालू के प्रबंधन को लेकर अधिकारियों के साथ समीक्षा की गई। मंत्री ने अधिकारियों को भक्तों को किसी भी परेशानी से बचने के लिए कदम उठाने की सलाह दी।

गच्चीबौली महिला शाखा चुनाव 21 मई को

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज गच्चीबौली महिला विंग शाखा की एक साधारण सभा एवं चुनाव 21 मई को श्रीकृष्ण गो सेवा मंडल, कोकपेट में सांय 5.30 बजे से आयोजित की जाएगी। अग्रवाल समाज गच्ची बावली महिला शाखा की अध्यक्ष श्रीमती गीता अग्रवाल ने चुनाव अधिकारी के रूप में श्रीमती आशा अग्रवाल को नियुक्त किया और सलाहकार समिति के मनोनीत सदस्य के रूप में भारती गर्ग मनोनीत की गई। वर्ष 23-25 के लिए अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, मानद मंत्री, सह मंत्री, कोषाध्यक्ष, केंद्रीय समिति सदस्य के चुनाव होंगे।

अग्रवाल समाज दुर्गम चेरुवु शाखा का चुनाव 21 को

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज दुर्गम चेरुवू शाखा की वार्षिक साधारण सभा एवं चुनाव रविवार 21 मई को डीएसआर फार्च्यून के क्लब हाउस, माधापुर में आयोजित की जाएगी। एक प्रेस विज्ञप्ति में शाखा के मानद मंत्री संजीव गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि अग्रवाल समाज, दुर्गमचेरुवु की प्रमुख शाखा के साथ-साथ उनकी महिला शाखा की भी साधारण सभा एवं चुनाव संपन्न करवाये जाएँगे। सभा प्रातः 9 बजे आरम्भ होगी।

जीएचएमसी जोनल कमिश्नर को दी जनसमस्याओं की जानकारी

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। खैरताबाद जीएचएमसी के जोनल कमिश्नर रवि किरण से मुलाकात कर गोशामहल विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले मंडलों की जनसमस्याओं की जानकारी स्थानीय बीआरएस नेता आंनद गौड ने दी। गौरतलब है कि श्री गौड हमेशा मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव के निर्देश पर स्थानीय जनसमस्याओं को सुलझा में लगे हुए हैं।

कुछ लंबित कार्यों पर बस्ती वासियों को अंचल आयुक्त रवि किरण के साथ ले जाकर ज्ञापन सौंपा। अंचल आयुक्त रवि किरण किसी भी दल की समस्याओं के समाधान के लिए जी तोड़ मेहनत कर रहे हैं। उन्होंने गोशामहल विधानसभा क्षेत्र की जनता की ओर से मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव व अंचल आयुक्त रवि किरण का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर बस्ती निवासी एम. कृष्णा, एम. धर्मेंद्र, के. देवेंद्र, डी. वेंकटेश, ओ. किशोर, एम. बालराज, डी. नागेश्वर राव, टी. वेंकटेश सहित अन्य ने भाग लिया।

युवती के घर के सामने युवक ने आत्मदाह किया

राजन्ना-सिर्सिला, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। एक 23 वर्षीय युवक ने एक लड़की के घर के सामने खुद को आग लगाने के बाद आत्महत्या कर ली, जिससे वह कथित तौर पर प्यार करता था। यह घटना बोइनपल्ली मंडल के स्तंबमपल्ली में रविवार देर रात हुई। जकरनपल्ली गांधीनगर, निजामाबाद जिले के ब्रम्मनपल्ली के मूल निवासी, रवि तेजा एक मालवाहक वाहन चला रहे थे। रविवार की रात वह अपने वाहन से गांव आया और युवती के सामने पेट्रोल डालकर खुद को आग लगा ली। लड़की के परिजनों द्वारा सूचना दी गई पुलिस मौके पर पहुंची और शव को सिरसिला अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया।

टीएससीएस और आईएपी द्वारा नेकलेस रोड पर रन आयोजित

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। थैलेसीमिया सिकल सेल सोसाइटी (टीएससीएस) ने इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स (आईएपी) के साथ मिलकर आज नेकलेस रोड पर 'वॉक फॉर ए कॉज़'-1 किमी रन/वॉक का आयोजन किया। यह आयोजन विश्व थैलेसीमिया दिवस के अवसर पर वंशानुगत रक्त विकार के बारे में जागरूकता फैलाने और इसे हमेशा के लिए खत्म करने के मिशन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से किया गया था। टॉलीवुड अभिनेता सुधाकर कोमाकुला, रक्षित एटलुरी वॉक के अतिथि थे। टीएससीएस के अध्यक्ष डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल और आईएपी के अध्यक्ष डॉ. लक्ष्मण गरलपति ने सुबह 6 बजे "लव हैदराबाद स्कल्पचर" से इस कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाई। डॉ एन एल श्रीधर, सचिव, आईएपी, और डॉ आरएसवी श्रीकृष्ण, कोषाध्यक्ष, आईएपी, डॉ सुमन जैन, सीईओ और सचिव, टीएससीएस, रत्नावली कोठापल्ली, उपाध्यक्ष, टीएससीएस और एम ए अलीम बेग, संयुक्त सचिव, टीएससीएस और ए शामिल थे। बड़ी संख्या में प्रतिभागी, जिनमें थैलेसीमिया रोगियों के माता-पिता और मित्र, प्रख्यात चिकित्सा पेशेवर और दिग्गज शामिल थे। इस आयोजन के बारे में बात करते हुए, डॉ. चंद्रकांत अग्रवाल ने कहा, "'वॉक फॉर ए कॉज' के लिए भारी संख्या में लोग उमड़ रहे हैं, और हम थैलेसीमिया को हमेशा के लिए खत्म करने के हमारे मिशन के लिए हैदराबाद के लोगों के समर्थन को देखकर रोमांचित हैं। हमें उम्मीद है कि यह कार्यक्रम इस बीमारी के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद करेगा और लोगों को थैलेसीमिया रोगियों और उनके परिवारों की मदद के लिए कार्रवाई करने के लिए प्रेरित करेगा। वॉक पर अपने विचार व्यक्त करते हुए,आईएपीटीसीबी के सचिव डॉ एन एल श्रीधर ने कहा, 'एक स्वस्थ जीवन शैली सभी के लिए महत्वपूर्ण है। थैलेसीमिया से पीड़ित लोगों के लिए, यह जानना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है कि एक स्वस्थ जीवन शैली का अर्थ है 'विकार का प्रबंधन', साथ ही साथ स्वस्थ विकल्प बनाना। थैलेसीमिया एक इलाज योग्य विकार है जिसे रक्त आधान और केलेशन थेरेपी से अच्छी तरह से प्रबंधित किया जा सकता है। टीएससीएस ये सभी सेवाएं निःशुल्क प्रदान कर रहा है।

जन शिकायतों का निस्तारण त्वरित गति से किया जाए : सूर्यलता

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिला राजस्व अधिकारी सूर्यलता ने अधिकारियों को सार्वजनिक रूप से प्राप्त शिकायतों को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का निर्देश दिया है। प्रजावाणी कार्यक्रम के तहत सोमवार को समाहरणालय के सभाकक्ष में लोगों से 30 शिकायतें प्राप्त हुई। प्रजावाणी पिछले 3 वर्षों से कोरोना के कारण नहीं हुई थी, आज आयोजित की गई। इस मौके पर जिला राजस्व अधिकारी सूर्यलता ने कहा कि विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए लोगों द्वारा दिये गये आवेदनों पर अधिकारी अधिक ध्यान दें और शिकायतों का तत्काल समाधान किया जाये तो बेहतर होगा। उन्होंने कहा कि शिकायतों के निस्तारण के तहत शिकायतकर्ताओं की समस्या का समाधान होने तक संबंधित विभागों के अधिकारी निगरानी करें। जनसुनवाई से फरियादी खुश नजर आए। कार्यक्रम में जिले के अधिकारी, कर्मचारी और संबंधित विभागों के अन्य लोगों ने भाग लिया।

डायमंड किंग का व्यक्तित्व एक शोध का विषय : पुरुषोत्तम रूपाला

'डायमंड्स फ़ॉर एवर, सो आर मोरल' पुस्तक का लोकार्पण

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चेंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के तत्वावधान में लव फॉर काऊ फाउंडेशन और श्री पाटीदार समाज हैदराबाद-सिकंदराबाद द्वारा संयुक्त रूप से 'डायमंड्स फ़ॉर एवर, सो आर मोरल' पुस्तक का लोकार्पण किया गया। अवसर पर केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला ने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि वाल्मीकि रामायण सभी ने सुनी होगी। यह भी ज्ञात होगा कि वाल्मीकि ने पूरी रामायण में भगवान राम शब्द का प्रयोग नहीं किया, बल्कि राम को राजा कहा। रामजी को भगवान बनाने का श्रेय तुलसीदासजी को जाता है। तुलसीदासजी ने स्पर्श किया, तो वह भगवान राम बन गये। यह सभी कलम का असर है। दशरथ के पुत्र ब्रह्म राम के रूप में कलम से होता है। लेखक की कलम में वह ताकत है, जिसके जरिये गोविन्द भाई ढोलकिया डायमंड तो थे, पर उसे इंटरनेशनल मार्केटिंग करने का कार्य किया। कलम की इस ताकत के लिए लेखक अरुण तिवारी का आभार। उन्होंने किताब को अंग्रेजी में लिखा, इससे बड़ा चमत्कार क्या होगा। आने वाले समय में इस किताब के आधार पर कोई पीएचडी भी करेगा। अब खजाना खुल गया रिसर्च भी होगी। हमारे पूरे जिला में मेडिकल केयर का कार्य वहीं कर रहे हैं। रिकॉर्ड बना रहे हैं। उन्होंने दादाजी के नाम से अस्पताल बनाया। सौराष्ट्र जहाँ पानी की किल्लत है, वहाँ पानी के लिए कार्य किया। आज दुधाड़ा गाँव में बोटिंग भी की जा सकती है। उन्होंने बदलाव में अहम भूमिका निभाई है। गोविन्द भाई ढोलकिया अब डायमंड से ज्यादा सोलार में एक्टिव हैं। उनका पूरा गाँव सोलार गाँव बन चुका है। मंत्री ने कहा कि डायमंड की फैक्ट्री में लंच के समय जाएँ तो कारीगर और गोविन्द भाई साथ-साथ खाना खाते हैं। सभी के लिए कॉमन किचन है।

पूर्व मिसाइल वैज्ञानिक और लेखक अरुण तिवारी ने कहा कि पुस्तक से आप बहुत कुछ सीख सकते हैं। काकाजी से बहुत कुछ सीखा। गोविन्द भाई ढोलकिया बिना किसी शिक्षा के किशोरावस्था में हीरा घिसने के लिए सौराराष्ट्र से सूरत आये, तो पहले महीने में 103 रुपये पगार मिली। काकाजी ने हीरे का व्यवसाय कैसे होता है, कहाँ से आता है आदि के बारे में जानकारी प्राप्त की और यही सारे जीवन का सार है। इसे जो समझ जाता है, वह फिर कार्य के साथ आगे बढ़ता चला जाता है। जिसे समझ में नहीं आता, वह अपने कार्य को मजदूरी समझकर करता रहता है। काकाजी ने बताया कि जो अपने कार्य को हाथ से करता है, उसको मजदूर कहते हैं और जो दिल से करता है उसे कलाकार कहते हैं। कार्य आपके पास है। दिल से करो। मुझे किताब लिखने का अवसर मिला, तो मैंने इसे दिल से लिखा। इस पुस्तक से आप यह सीख सकते हैं कि आपकी नियति तकदीर है। गोविन्द भाई ढोलकिया ने कहा कि तकदीर अच्छे-अच्छे लोगों से मिलाती है। मेरी पुस्तक में डोंगरेजी महाराज का प्रभाव है। कार्यक्रम में सभी का स्वागत एफटीसीसीआई के अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने किया। श्री पाटीदार समाज, हैदराबाद-सिकंदराबाद के उपाध्यक्ष महेश पटेल, गुजराती सेवा मंडल, सिकंदराबाद के अध्यक्ष घनश्याम पटेल ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम में अतिथियों को उपहार / स्मृति चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया। अवसर पर पाठक की प्रतिक्रिया एनआईपीईआर निदेशक डॉ. शशिबाला सिंह ने प्रस्तुत की। लव फॉर कॉऊ फाउंडेशन के चेयरमैन जसमत भाई पटेल ने आभार व्यक्त किया। अवसर पर अखिल भारतीय रत्न और आभूषण घरेलू परिषद् परिषद सदस्य मोहनलाल जैन, पूर्व सांसद डॉ. जी. विवेक वेंकटस्वामी, पूर्व सांसद के विश्वेश्वर रेड्डी, रिद्धीश जागीरदार व अन्य उपस्थित थे।

यूट्यूबर मनीष कश्यप के वकील बार-बार देते रहे एक दलील

लेकिन सीजेआई चंद्रचूड़ ने एक न सुनी, सिब्बल बोले-ये पत्रकार नहीं, नेता हैं

पटना नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने यूट्यूबर मनीष कश्यप की याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए उन्हें हाईकोर्ट जाने की छूट दी है। 8 मई को सुनवाई के दौरान चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अगुवाई वाली बेंच ने तीखी टिप्पणी करते हुए कहा कि तमिलनाडु एक शांत राज्य है, और आपने वहां अशांति फैलाने की कोशिश की। सुनवाई के दौरान मनीष कश्यप की तरफ से पेश सीनियर एडवोकेट मनिंदर सिंह ने दलील दी कि पहले एफआईआर दर्ज की और अब एनएसए लगा दिया। इस पर चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने जवाब दिया, 'लेकिन आप फेक वीडियो वगैरह बना रहे थे?' इस पर एडवोकेट सिंह ने कहा कि यदि हम पर एनएसए लगाया गया तो इस तरीके से तो सभी अखबारों पर एनएसए लगा दिया जाना चाहिए, जिसमें एक इकोनॉमिक टाइम्स भी शामिल है। उन्होंने भी सस्ते लेबर से जुड़ी खबरें छापी थी।

सुप्रीम कोर्ट में क्या-क्या हुआ?

मनीष कश्यप के वकील की दलील पर चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि यदि आप एनएसए से राहत चाहते हैं तो हाईकोर्ट जा सकते हैं। हम सारी एफआईआर क्लब कर देंगे। इस पर एडवोकेट सिंह ने कहा कि जहां भी पहले एफआईआर रजिस्टर हुई है, यही नियम लागू होता है। इस पर सीजेआई ने सवाल किया कि हमें कॉमन एफआईआर के बारे में बताइए? इस पर तमिलनाडु सरकार की तरफ से पेश सीनियर एडवोकेट कपिल सिब्बल ने कहा कि तमिलनाडु सरकार के काउंटर एफिडेविट में एनेक्सर है।

मनीष कश्यप के वकील ने क्या कहा?

सुनवाई के दौरान मनीष कश्यप के वकील ने कहा कि अगर ऐसे अपराध पर इस लड़के को सलाखों के पीछे भेजा गया, तो इस तर्क से तो सारे पत्रकार जेल में होने चाहिए। इस पर सिब्बल ने टोकते हुए कहा कि वह (मनीष कश्यप) पत्रकार नहीं है, चुनाव भी लड़ चुके हैं। सीजेआई की अगुवाई वाली बेंच ने आगे कहा कि हम तमिलनाडु वाली एफआईआर, पटना ट्रांसफर कर देंगे। इस पर तमिलनाडु सरकार के वकील कपिल सिब्बल ने आपत्ति जताते हुए कहा कि ऐसा नहीं हो सकता है, क्योंकि अपराध अलग हैं। अगर ऐसा किया तो तमिलनाडु की एफआईआर रद्द हो जाएगी। इस पर चीफ जस्टिस ने पूछा कि बिहार वाली एफआईआर किस मामले में दर्ज हैं?

बिहार और तमिलनाडु सरकार ने क्या दलील दी?

बिहार सरकार की दलीलः बिहार सरकार की तरफ से पेश वकील ने बताया कि मनीष कश्यप के ऊपर राज्य में कुल 3 एफआईआर हैं। उन्होंने कहा कि मनीष कश्यप ने पटना में वीडियो बनाए और ऐसा दिखाया जैसे यह तमिलनाडु के हों। इन वीडियो में ऐसा दिखाया कि बिहार के प्रवासियों की हत्या की जा रही है। बिहार सरकार के वकील ने दलील दी कि मनीष कश्यप ने अपने वीडियो में फेक साउंड इफेक्ट इस्तेमाल किए। इसके अलावा तीसरी एफआईआर 2019 के एक केस से जुड़ी है, जिसमें उन्हें हथकड़ी लगाकर गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने अपनी इसी तस्वीर को साझा करते हुए लिखा कि उन्हें इसलिए हथकड़ी लगाई गई कि प्रवासी मजदूरों का मुद्दा उठा रहे हैं।

तमिलनाडु सरकार की दलील

बिहार सरकार की दलील सुनने के बाद चीफ जस्टिस चंद्रचूड़ ने तमिलनाडु सरकार से पूछा कि तमिलनाडु की एफआईआर में क्या है? कपिल सिब्बल ने जवाब देते हुए बताया कि मनीष कश्यप ने कर्नाटक की घटनाओं को दिखाते हुए कहा कि यह सब तमिलनाडु में हो रहा है। फेक वीडियो साझा किये। इन वीडियोज की वजह से ही एडवाइजरी बोर्ड ने एनएसए लगाने को कहा था।

मनीष कश्यप के वकील किस बात पर अड़े थे?

बिहार और तमिलनाडु सरकार की दलील के बाद मनीष कश्यप के वकील एडवोकेट मनिंदर सिंह ने एक बार फिर दलील देनी शुरू की। उन्होंने कहा कि हमारे ऊपर (मनीष कश्यप पर) आरोप है कि हमने 5 मार्च 2023 को अपने चैनल पर दिखाया कि बिहार के मजदूरों को परेशान किया जा रहा है...। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा कि यह अलग-अलग अपराध हैं...। देखिए, उन्होंने फेक वीडियो बनाए और इसे प्रसारित किया।

सीजेआई चंद्रचूड़ ने क्या कहा?

इस पर चीफ जस्टिस ने जवाब दिया तमिलनाडु जैसा राज्य जो शांत है... आपने इस तरह का कुछ शेयर किया और पूरे राज्य में उथल-पुथल की स्थिति बन गई। इस पर मनीष कश्यप के वकील ने कहा, 'लेकिन यह तो हर जगह है...तमाम मीडिया सोर्सेज ने इसे छापा है'। मनीष कश्यप के वकील इस बात पर अड़े रहे कि सीजेआई की अगुवाई वाली बेंच दूसरे संस्थानों की मीडिया रिपोर्ट भी देखे। एडवोकेट मनिंदर सिंह ने कहा, 'यही बात तो और मीडिया संस्थानों ने रिपोर्ट की है... ठीक इसी तरह का एक मामला मणिपुर का था...। इस पर चीफ जस्टिस ने कहा...ठीक है। थैंक यू'।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या आदेश दिया?

चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने मनीष कश्यप की याचिका पर सुनवाई से इनकार करते हुए कहा कि आप हाईकोर्ट जा सकते हैं। बेंच ने कहा कि हम आर्टिकल 32 के तहत दी गई शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए याचिकाकर्ता को छूट देते हैं कि वह एनएसए से राहत के लिए उचित अथॉरिटी को अप्रोच कर सकता है।

तो क्या है आर्टिकल 32 जिसका सुप्रीम कोर्ट ने किया जिक्र?

सुप्रीम कोर्ट ने जिस अनुच्छेद 32 का जिक्र किया, वह भारतीय संविधान के मौलिक अधिकारों से जुड़ा अनुच्छेद है। भारतीय संविधान का आर्टिकल 32 मौलिक अधिकारों के उल्लंघन की स्थिति में किसी भी व्यक्ति को न्याय के लिए सर्वोच्च न्यायालय जाने का अधिकार देता है। इस आर्टिकल में कहा गया है कि कोई भी व्यक्ति अपने मौलिक अधिकारों के हनन की स्थिति में न्यायालय दरवाजा खटखटा सकता है। आर्टिकल 32 के तहत सुप्रीम कोर्ट को अधिकार दिया गया है कि वह संबंधित याचिकाकर्ता को संपूर्ण न्याय दिलाने के लिए 5 तरीके की रिट जारी कर सकता है।

संविधान का आर्टिकल 32। सोर्स-डॉ। अंबेडकर ने बताया था संविधान की आत्मा

भारतीय संविधान के निर्माता डॉ। भीमराव अंबेडकर ने आर्टिकल 32 को संविधान की 'आत्मा' करार दिया था। डॉ। अंबेडकर ने कहा था कि यदि कोई मुझसे पूछे कि एक ऐसा अनुच्छेद जिसके बगैर संविधान अधूरा रहेगा तो मैं आर्टिकल 32 का नाम लूंगा। यह आर्टिकल संविधान की आत्मा और हृदय दोनों है।

धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के दरबार में जाएंगे लालू

बीजेपी के विजय सिन्हा ने दी हाजिरी लगाने की सलाह

पटना, 8 मई (एजेंसियां)। राजधानी पटना से सटे नौबतपुर में बागेश्वर धाम के सरकार पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री की कथा होने वाली है। इस कार्यक्रम को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा सत्ता और विपक्ष के नेताओं में है। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव को भी इस कार्यक्रम में जाने की सलाह दी गई है। बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष विजय कुमार सिन्हा ने लालू प्रसाद की बढ़ रही राजनीतिक सक्रियता पर सलाह देते हुए कहा कि उम्र के आखिरी पड़ाव पर राजनीति से परहेज कर भगवत ध्यान में मन लगाना चाहिए। विजय सिन्हा ने यह बयान दिया है। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने रविवार को ट्वीट कर मणिपुर हिंसा सहित कई मुद्दों को लेकर पीएम नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा था। इसको लेकर विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि नरेंद्र मोदी देश के पहले प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने मणिपुर सहित उत्तर पूर्वी राज्यों के विकास और उन्हें देश की मुख्य धारा में जोड़ने के लिए भगीरथ प्रयास किया है। परिणाम लोगों के सामने है कि बीजेपी का परचम उत्तर पूर्वी राज्यों में लहराने लगा है। विजय कुमार सिन्हा ने कहा कि लालू यादव को तो बिहार की बर्बादी का नायक होने का न तो पश्चाताप है न ही बिहार के प्रति कोई संवेदना। यदि ऐसा होता तो उनका प्रथम कर्तव्य था कि वे बिहार की जनता से माफी मांगते। पटना के नौबतपुर में बाबा बागेश्वर के कार्यक्रम का जिक्र करते हुए विजय सिन्हा ने कहा कि लालू प्रसाद यादव अपना समय भगवत भजन और समाज सेवा में लगाए, अभी अच्छा अवसर भी आया है। कहा कि हम सभी और राज्य के लोग लालू यादव के गिरते स्वास्थ्य के प्रति चिंतित रहते हैं। भगवान ने अब उनके स्वास्थ्य को पहले से बेहतर बना दिया है। इसको बरकरार रखने के लिए आवश्यक है कि कथावाचक धीरेंद्र शास्त्री का बिहार में प्रवचन होने जा रहा तो वो इसमें सम्मिलित होकर इसका लाभ उठाएं।

फाइनेंस कर्मी हत्याकांड में 5 आरोपी गिरफ्तार

भागलपुर, 8 मई (एजेंसियां)। नवगछिया एसपी सुशांत कुमार सरोज ने परबत्ता थाना परिसर में एक प्रेस वार्ता का आयोजन किया। उस वार्ता में उन्होंने फाइनेंसकर्मी से लूटपाट और हत्या की पूरी कहानी का जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि 24 घंटे के अंदर फाइनेंस कर्मी से लूटे गये सामग्रियों, अवैध हथियारों को बरामद किया गया है। फाइनेंसकर्मी की हत्या की घटना को अपराधियों ने बड़ी ही सफाई और योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया था।

मथुरा पुलिस ने मुठभेड़ में शातिर बदमाश को किया गिरफ्तार

मथुरा, 8 मई (एजेंसियां)। जनपद के सुरीर थाना क्षेत्र इलाके में देर रात बदमाश होने की सूचना पर पुलिस और स्वाट टीम की संयुक्त कार्रवाई में इलाके की घेराबंदी की गई। पुलिस को आता देख बाइक सवार बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई करते हुए शातिर बदमाश मोहित को गिरफ्तार किया है। कार्रवाई के दौरान बदमाश के पैर में गोली लगी है। घायल बदमाश को उपचार के लिए जिला अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। पकड़ा गया शातिर बदमाश लूट की कई घटनाओं में वांछित चल रहा था।

नाइट गार्ड की गला दबाकर हत्या, एक सप्ताह में तीसरा मर्डर

मुजफ्फरपुर, 8 मई (एजेंसियां)। एक हफ्ते के अंदर बिहार के मुजफ्फरपुर में तीसरे नाइट गार्ड की हत्या के बावजूद भी अभी तक पुलिस के हाथ खाली हैं। अहियारपुर थाना अंतर्गत अयाची ग्राम फेज टू के पास समस्तीपुर अंतर्गत बंगरा थाना गौसपुर गांव निवासी शंकर कुमार करीब 3 महीने से गोसाले में रात में प्रहरी का काम करता था। रविवार की रात इसके हत्या की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस तफ्तीश में जुट गई है। इस मामले में डीएसपी नगर राघव दयाल ने कहा कि अहियापुर थाना क्षेत्र में एक रात्रि प्रहरी की हत्या हुई है। जिसकी जांच पड़ताल की जा रही है। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे और अन्य साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई चल रही है।

भागलपुर में एटीएम में लगी आग, 1.11 लाख जले

भागलपुर, 8 मई (एजेंसियां)। लोदीपुर थाना क्षेत्र के माछीपुर चौक स्थित स्टेट बैंक के एटीएम को काटकर शातिरों ने पैसे निकालने का प्रयास किया। इस दौरान एटीएम में आग लग गई और एक लाख 11 हजार रुपए जल कर राख हो गए। एटीएम में 23 लाख 51 हजार 700 रुपए थे। घटना शनिवार की रात करीब 2:30 बजे की है। बैंक के जोनल अधिकारी रितेश कुमार सिंह ने बताया कि एटीएम में गार्ड नहीं है। लेकिन ई-सेंसर लगा हुआ है, जिसके माध्यम से मुंबई कार्यालय को एटीएम में गड़बड़ी की सूचना मिली। इसके बाद इशाकचक पुलिस को इसकी सूचना दी गई। फिर इशाकचक ने लोदीपुर पुलिस को घटना की जानकारी दी।

मोतिहारी में फाइनेंस कंपनी से 15 लाख की लूट

मोतिहारी, 8 मई (एजेंसियां)। पूर्वी चंपारण जिले के मोतिहारी में बदमाशों ने एक फाइनेंस कंपनी के कार्यालय से करीब 15 लाख रुपये की लूट की है। घटना ढाका थाना गेट से करीब 400 मीटर की दूरी की है। सोमवार की सुबह हथियारबंद बदमाश फाइनेंस कार्यालय में घुसे और कर्मचारियों को बंधक बनाकर लूटपाट की घटना को अंजाम दिया।

निर्दलीय प्रत्याशियों के समर्थन में उतरे भाजपा सांसद वरुण गांधी

पीलीभीत, 8 मई (एजेंसियां)। पीलीभीत से भाजपा सांसद वरुण गांधी ने कहा कि आजकल राजनीति पैसे और बाहुबल पर टिकी हुई हैं। राजनीति में ईमानदार लोग काफी कम है। उन्होंने बीसलपुर नगर पालिका चुनाव में निर्दलीय प्रत्याशी के समर्थन में प्रचार किया। उनके लिए जनता से समर्थन मांगा। सांसद द्वारा भाजपा प्रत्याशी को छोड़ निर्दलीय प्रत्याशी का प्रचार करना चर्चा में है। वरुण गांधी ने रविवार शाम बीसलपुर के डाकखाना तिराहे पर नगर पालिका अध्यक्ष की निर्दलीय प्रत्याशी माधुरी देवी के समर्थन में आयोजित सभा में कहा कि बीसलपुर नगर पालिका के अध्यक्ष पद के जितने प्रत्याशी हैं, वह सभी पैसे वाले हैं और किसी ने किसी के सहारे चुनाव लड़ रहे हैं। केवल माधुरी देवी ही एकमात्र ऐसी प्रत्याशी हैं, जो पैसे से काफी कमजोर हैं लेकिन जन सेवा करने के लिए चुनाव लड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि माधुरी देवी के पति राजेश सिंह उनके पिछले 30 वर्षों से प्रतिनिधि हैं। वह पूरी तरह से ईमानदारी से काम कर रहे हैं। उन्होंने अगर ईमानदारी से काम नहीं किया होता तो वह भी बहुत पैसे वाले हो जाते। उन्होंने कहा कि बीसलपुर में कुछ लोग पैसे के दम पर नगर पालिका अध्यक्ष पद का चुनाव जीतना चाहते हैं ,लेकिन नगर की जनता उन्हें पालिका अध्यक्ष नहीं बनाएगी। सांसद ने कहा कि चुनाव माधुरी देवी का नहीं है बल्कि उनका अपना चुनाव है। सांसद ने कहा कि बीसलपुर नगर पालिका अध्यक्ष का चुनाव पैसे और बाहुबल के आधार पर नहीं होगा। केवल ईमानदारी के आधार पर होगा। सांसद वरुण गांधी रविवार को सराफा बाजार में विपिन सराफ के घर और प्रतिष्ठान में पहुंचे।

लखीमपुर खीरी में बाघ का दहशत, एक महीने में 3 को बनाया शिकार

लखीमपुर, 8 मई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी में पिछले एक महीने में खूंखार आदमखोर बाघ तीन लोगों को अपना शिकार बनाकर उन्हें मौत के घाट उतार चुका है जबकि कई लोगों को घायल कर चुका है। इसकी वजह से यहां के लोगों में बाघ को लेकर दहशत देखने को मिल रही है। लोगों में बाघ का खौफ साफ देखा जा सकता है, इसलिए वो घर से बाहर निकलने में भी डर रहे हैं और जो घर से बाहर आ रहे है तो वो झुंड में आ रहे हैं ताकि बाघ के हमले से बचा जा सके। बाघ के डर की वजह से यहां की सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहता है। एक महीने से इस इलाके में बाघ ने खूनी तांडव मचा रखा है और वन विभाग की टीम अब तक उसे पकड़ नहीं पाई है, जिसकी वजह से स्थानीय लोगों में भी आक्रोश बढ़ता जा रहा है। हालांकि वन विभाग ने सड़क के किनारे पेड़ और रेलवे ट्रैक के किनारे पर भी कैमरे लगाए है ताकि अगर बाघ यहां से गुजरे तो उसे पकड़ा जा सके।

आजम खान बोले 150 करोड़ के हिंदुस्तान में कोई अब्दुल्ला को नहीं हरा सकता

रामपुर, 8 मई (एजेंसियां)। रामपुर की स्वार विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव को लेकर चुनाव प्रचार जोरो पर है। समाजवादी पार्टी के कद्दावर नेता आजम खान स्वार उपचुनाव में अपनी पूरी ताकत लगा रहे हैं। अभी तक सपा की तरफ से कोई भी बड़ा नेता स्वार उपचुनाव में सपा उम्मीदवार अनुराधा चौहान का प्रचार करने नहीं आया है। ऐसे में उपचुनाव की पूरी कमान आजम खान ने ही संभाल रखी है। इसी बीच आजम खान लगातार चुनावी सभाओं में विवादित बयान और तीखी बातें कर रहे हैं। इसी दौरान आजम खान ने एक चुनावी सभा को संबोधित करते हुए यह दावा कर डाला कि 150 करोड़ के देश में कोई माई का लाल नहीं है जो उनके बेटे अब्दुल्ला आजम खान को हरा सके। चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए आजम खान ने जनता को संबोधित करते हुए कहा, तुम्हारे विधायक की सदस्यता इसलिए ले ली गई क्योंकि 150 करोड़ के हिंदुस्तान में कोई माई का लाल अब्दुल्ला को नहीं हरा सकता था। अब्दुल्ला इसलिए नहीं हार सकता क्योंकि यह अल्लाह का पसंदीदा नाम है।

सपा उम्मीदवार भी दे चुकी हैं अजीब बयान

इससे पहले स्वार उपचुनाव में सपा प्रत्याशी अनुराधा चौहान ने भी विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि मैं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के समाज से आती हूं। वह भी ठाकुर हैं, मैं भी ठाकुर हूं। वह मेरे बड़े भाई हैं। उनका मन मुझें आशीर्वाद देने के लिए जरूर करेगा मालूम हो कि सपा नेता आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम खान को अदालत द्वारा 2 साल की सजा सुनाई गई थी, जिसके बाद उनकी विधानसभा सदस्यता रद्द कर दी गई थी। अब्दुल्ला आजम खान, रामपुर की स्वार सीट से विधायक थे।

बोलेरो ने सास-दामाद को रौंदा, महिला की मौके पर ही मौत

बेगूसराय, 8 मई (एजेंसियां)। बिहार के बेगूसराय में एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है। जहां बेटी से मिलने जा रही बुजुर्ग महिला को तेज रफ्तार बोलेरो ने कुचल दिया जिससे महिला की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई है। जबकि हादसे में उसका दमाद गंभीर रूप से घायल हो गया। इस मौत की खबर लगते ही परिजनों में कोहराम मच गया। घटना मंझौल ओपी क्षेत्र अंतर्गत चौठैया टोला स्थित एनएच 55 की है।

युवक ने बड़े भाई को चाकू घोंपा नाराज परिजनों ने आरोपी को पीट-पीटकर मार डाला

नालंदा, 8 मई (एजेंसियां)। बिहार के नालंदा में एक व्यक्ति की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मानपुर थाना इलाके में किसी बात के लिए दो भाइयों में विवाद हो गया। तभी गुस्से में आकर व्यक्ति ने अपने बड़े भाई पर चाकू से हमला कर दिया। तभी परिजनों ने उसे लाठी-डंडे से पीट पीटकर मार डाला। सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को उठाकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है।

आगरा में बेजुबान से क्रूरता की हदें पार, कुत्ते को पत्थर और डंडों से पीटकर मार डाला

आगरा, 8 मई (एजेंसियां)। आगरा में कुत्ते से क्रूरता की एक और घटना सोमवार को सामने आई। हरीपर्वत के लंगड़े की चौकी क्षेत्र में कुछ लोग गली में रहने वाले कुत्ते को बोरे में डालकर ले गए। आरोप है कि बोरे में बंद कुत्ते को डंडों और पत्थर से पीट-पीटकर मार डाला। उसे वाटर वर्क्स चौराहे पर बंद बोरे में फेंक दिया। जानकारी होने पर गली के लोगों ने हंगामा कर दिया। कुत्ते के शव को गली में रखकर पोस्टमार्टम की मांग पर अड़ गए। मामले में ट्वीट के बाद पुलिस पहुंच गई। उसने दो लोगों को पकड़ा है, पूछताछ कर रही है।

शादी में मारपीट के बाद छोड़कर भागे दूल्हे के घर पहुंची दुल्हन

शेखोपुर सराय, 8 मई (एजेंसियां)। शेखोपुर सराय से एक सकारात्मक खबर सामने आई है, यहां शादी में विवाद के बाद दुल्हन को छोड़ आए ससुराल वालों के घर जब दुल्हन को लाया गया तो उन्होंने खुशी-खुशी उसे अपना लिया। इस तरह दोनों पति और पत्नी का मिलन हो गया। जानकारी देते हुए मीर बीघा गांव निवासी बाबा ब्रह्मदेव चौधरी ने बताया कि उनके पोते की शादी विहटा गांव निवासी कृष्णा चौधरी की बेटी खुशी कुमारी के साथ रात शेखपुरा के महादेव नगर स्थित अरघौति पोखर पर धूमधाम से की गई। शादी की रस्म के बाद शरारती लोगों ने बारात गए लोगों के साथ मारपीट की। इस घटना से मौके पर भगदड़ मच गई और सभी बाराती अपनी जान बचाकर किसी तरह अपने गांव वापस आए।

नवीन पटनायक से मिलेंगे नीतीश कुमार, 2024 के लिए होगी बात! क्या विपक्ष को मिलेगा बीजेडी का साथ?

पटना, 8 मई (एजेंसियां)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार 9 मई यानि मंगलवार को ओडिशा जाने वाले हैं। दरअसल नीतीश कुमार देशभर में विपक्षी एकता को एकजुट करने की मुहिम में जुटे हुये हैं। नीतीश कुमार इस कोशिश में लगे हुए हैं कि 2024 के लोकसभा चुनाव के पहले बीजेपी के खिलाफ एक बड़े मोर्चे का निर्माण हो जाए, ताकि 2024 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी को शिकस्त दी जा सके। सूत्रों के अनुसार इसी सिलसिले में नीतीश कुमार कल ओडिशा जाकर मुख्यमंत्री नवीन पटनायक से मुलाकात करेंगे। इस मुलाकत के दौरान नीतीश कुमार नवीन पटनायक से लोकसभा चुनाव 2024 में बीजेपी विरोधी मोर्चे में शामिल होने का आग्रह भी करेंगे। नीतीश कुमार की नवीन पटनायक से होने वाली मुलाकात को काफी अहम माना जा रहा है। दरअसल नवीन पटनायक की पार्टी बीजद एक मजबूत क्षेत्रीय पार्टी के रूप में जानी जाती है। इस पार्टी के पास फिलहाल 12 लोकसभा सांसद और 8 राज्यसभा सांसद हैं। नवीन पटनायक और उनकी पार्टी के नेताओं ने अभी तक नीतीश कुमार के अभियान को समर्थन देने की कोई बात नहीं कही है। हालांकि बीजद इससे पहले कुछ मामलों एनडीए को समर्थन देने की बात कह चुका है। ऐसे में अगर नीतीश कुमार इस मुलाकात के दौरान नवीन पटनायक को उनका साथ देने के लिए मना लेते हैं तो उनके लिए यह एक बड़ी उपलब्धि होगी। बता दें, इससे पहले ममता बनर्जी ने नवीन पटनायक से पहले मुलाकात कर ली है। वहीं ममता बनर्जी ने बंगाल में नीतीश कुमार से हुई मुलाकात के दौरान खुलकर देश में विपक्षी एकता को एकजुट करने के उनके अभियान को अपना समर्थन दे चुकी है। हालांकि इस मामले को लेकर बीजेपी के राज्यसभा सांसद सुशील मोदी का कहना है कि नवीन पटनायक नीतीश कुमार के अभियान में उनके साथ शामिल नहीं होने वाले हैं। वह राष्ट्रीय महत्वाकांक्षा के लिए नहीं बल्कि हमेशा ओडिशा के विकास के लिए काम करते हैं। बता दें, नीतीश कुमार इससे पहले दिल्ली में अरविंद केजरीवाल और राहुल गांधी से मुलाकात कर चुके हैं। वहीं वह लखनऊ में अखिलेश यादव से भी मिल चुके हैं। वहीं नीतीश कुमार शरद पवार के मुलाकात के लिए भी महाराष्ट्र जाने वाले हैं। वहीं नीतीश कुमार के उड़ीसा दौरे के पहले जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजीव रंजन सिंह ललन ने झारखंड में जाकर झारखंड के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी मुलाकात की है और इस मुलाकात को महत्वपूर्ण बताया। ललन सिंह ने न्यूज 18 से बातचीत में इस मुलाकात को महत्वपूर्ण बताया और कहा कि नीतीश जी लगातार इस कोशिश में लगे हुए हैं कि 2024 के पहले बीजेपी के खिलाफ एक बड़ा मोर्चा बने।

बिहार की बेऊर जेल में पुलिस की रेड

7 मोबाइल फोन सहित कई आपत्तिजनक चीजें बरामद, 3 जेलकर्मी सस्पेंड

पटना, 8 मई (एजेंसियां)। बिहार की सबसे बड़ी बेऊर जेल में पटना पुलिस ने छापेमारी की। करीब 4 घंटे तक चली इस छापेमारी के दौरान जेल के अंदर से कई आपत्तिजनक चीजें बरामद हुई। इस छापेमारी में पुलिस को एक साथ 7 मोबाइल फोन, चाकू समेत कई आपत्तिजनक सामान मिले। वहीं पटना पुलिस की इस कार्रवाई से जेल के अंदर खलबली मची हुई है। दरअसल, बेउर जेल के अंदर से मिल रही शिकायतों के आधार पर पुलिस की विशेष टीम ने पटना एसएसपी राजीव मिश्रा के नेतृत्व में बड़े पैमाने पर छापेमारी की। उनके साथ एसडीएम सदर एसपी फुलवारी थानाध्यक्ष समेत एक दर्जन दारोगा और 116 कॉन्स्टेबल की टीम मौजूद थी। छापेमारी सुबह 11 बजे शुरू होकर तकरीबन 4 घंटे तक चली। इस दौरान जेल के अंदर से कई आपत्तिजनक चीजें बरामद हुईं। वॉर्ड नंबर 3/11 और 3/10 के बीच में दूध के पैकेट में 4 मोबाइल एक साथ मिले जो कचरे के डब्बे में रखे हुए थे। वहीं तीन मोबाइल दीवार के पास छिपाए हुए मिले। मोबाइल के अलावा चार्जर डाटा केबल ,हीटर, चाकू समेत कई आपत्तिजनक चीजें बरामद हुईं।

बरात में डांस करने के विवाद में भिड़े दो समुदाय के लोग

गोरखपुर, 8 मई (एजेंसियां)। बरात गए दो युवकों में डांस करने को लेकर विवाद हो गया। सुबह बरात लौटी तो दोनों परिवार के लोग आमने-सामने आ गए। कहासुनी के बाद हाथापाई शुरू हो गई। मामला दो समुदाय का होने की वजह से अधिकारियों ने गांव में फोर्स तैनात कर दी है। दोनों पक्ष के छह लोग हिरासत में हैं। चेचुआपार गांव निवासी सच्चिदानंद सिंह की बरात संतकबीरनगर जिले के गायघाट, मुखलिसपुर गई थी। बरात में डांस करने के दौरान गांव के मेहताब और रघुबीर के बीच विवाद हो गया। गांव के लोगों ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। सुबह बरात लौटी तो दोनों युवक व उनके परिवार के बीच मारपीट शुरू हो गई। दोनों पक्ष के लोग लामबंद होने लगे।

अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन माफिया करार, पुलिस ने बताया- इस शूटर को रखती है साथ

प्रयागराज, 8 मई (एजेंसियां)। यूपी के प्रयागराज से एक बड़ी खबर सामने आई है। माफिया डॉन अतीक अहमद की पत्नी शाइस्ता परवीन को प्रयागराज पुलिस ने माफिया करार दिया है। पुलिस ने अपनी एफआईआर में शाइस्ता परवीन को माफिया अपराधी लिखा है। एफआईआर में यह भी लिखा गया है कि शाइस्ता परवीन अपने साथ शूटर रखती है। उमेश पाल शूट आउट केस में नामजद आरोपी और 5 लाख रुपए के इनामी साबिर को शाइस्ता परवीन का शूटर बताया गया है। प्रयागराज के धूमनगंज थाने के प्रभारी राजेश कुमार मौर्य ने 2 मई को अपने ही थाने में एक एफआईआर दर्ज कराई थी। शाइस्ता परवीन अपने बेटे असद के जिस दोस्त आतिन जफर के घर रुकी थी उसके घर में छापेमारी के बाद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की थी। 15 अप्रैल को अतीक अहमद की हत्या के बाद उसके जनाजे में शामिल होने के लिए 16 अप्रैल को शाइस्ता आतिन जफर के घर पर रुकी हुई थी। 2 मई को आतिन की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने अपनी तरफ से उसके खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। इसी एफआईआर में शाइस्ता परवीन को माफिया अपराधी बताया गया है। यह भी लिखा गया है कि शाइस्ता परवीन और उसके शूटरों को आतिन ने पनाह दी थी। इनामी अपराधी साबिर को शाइस्ता परवीन का शूटर बताया गया है। चर्चा है कि पुलिस अब जल्द ही शाइस्ता परवीन का नाम माफियाओं की सूची में भी डालने की तैयारी में है।

राजनीतिक पार्टियों के पास कहां से आ रहा है पैसा, कौन खोल रहा है तिजोरी?

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। चुनावी मौसम में अखबार से लेकर टीवी और होर्डिंग्स तक, अलग अलग पार्टियों और प्रत्याशियों के विज्ञापनों की भरमार रहती है. राजनीतिक पार्टियों को रैली और विज्ञापनों पर खर्च करने के लिए व्यक्ति, कॉरपोरेट और संस्थाओं से फंडिंग मिलती है. जानकारी के मुताबिक भारतीय स्टेट बैंक के आंकड़ों से पता चलता है कि इलेक्टोरल बॉन्ड का लगभग 90 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ पांच शहरों, मुंबई, कोलकाता, हैदराबाद, नई दिल्ली और चेन्नई में बेचा गया है. यानी देश की सबसे ज्यादा पॉलिटिकल फंडिंग इन्हीं पांच शहरों से हुई है. जबकि इलेक्टोरल बॉन्ड की कुल बिक्री का सिर्फ 2 फीसदी हिस्सा कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में बेचा गया है.

चुनावी बॉन्ड से 12,955.26 करोड़ रुपये जुटाए

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के 4 मई को जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार साल 2018 में इलेक्टोरल बॉन्ड योजना की शुरुआत के बाद से देश में 12,979.10 करोड़ रुपये के चुनावी बॉन्ड बेचे गए हैं. पिछले महीने यानी अप्रैल 2023 में हुई बिक्री की सबसे हालिया 26वीं किश्त राजनीतिक दलों द्वारा चुनावी बॉन्ड में 12,955.26 करोड़ रुपये भुनाए गए थे. गई आरटीआई आवेदन के जवाब में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने कहा कि 25 राजनीतिक दलों ने इस इलेक्टोरल बॉन्ड योजना के तहत इन बॉन्डों को भुनाने के लिए बैंक खाते खोले हैं.

मुंबई में बेचे गए कुल चुनावी बॉन्ड का 26.16 फीसदी हिस्सा

एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार अब तक बेचे गए कुल चुनावी बॉन्ड का 26.16 फीसदी हिस्सा मुंबई में है. वहीं 2,704.62 करोड़ रुपये यानी 20.84 प्रतिशत हिस्सा कोलकाता में है, हैदराबाद में चुनावी बॉन्ड का 18.64 प्रतिशत हिस्सा है यानी कुल 2,418.81 करोड़ रुपये के इलेक्टोरल बॉन्ड बेचे गए हैं. नई दिल्ली में 1,847 करोड़ रुपये यानी 14.23 फीसदी और चेन्नई में 1,253.20 करोड़ रुपये यानी 9.66 प्रतिशत के इलेक्टोरल बॉन्ड बेचे गए. कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरू 266.90 करोड़ रुपये यानी 2.06 फीसदी की बिक्री के साथ सातवें स्थान पर थी. इलेक्टोरल बॉन्ड की बिक्री के आंकड़ों से साफ पता चल रहा है कि देश के अलग-अलग पार्टियों का पैसा मुख्य रूप से पांच बड़े शहरों से बेचा गया है. एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार अब तक भुनाए गए बॉन्ड की कुल राशि में से 64.55 फीसदी यानी 8,362.84 करोड़ रुपये नई दिल्ली में भुनाए गए, जहां राष्ट्रीय दलों के खाते होने की संभावना है. दिल्ली के बाद दूसरे स्थान पर है हैदराबाद. यहां 12.37 यानी 1,602.19 करोड़ रुपये भुनाए गए हैं. वहीं कोलकाता 10.01 फीसदी (1,297.44 करोड़ रुपये) के साथ तीसरे स्थान पर है, चौथे नंबर पर है भुवनेश्वर, यहां 5.96 फीसदी यानी 771.50 करोड़ रुपये इलेक्टोरल बॉन्ड भुनाए गए हैं और चेन्नई में 5.11 फीसदी यानी 662.55 करोड़ रुपये भुनाए गए हैं. मुंबई में इलेक्टोरल बॉन्ड की कुल बिक्री का 26 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सा था, लेकिन सभी चुनावी बांडों का केवल 1.51 प्रतिशत ही भुनाया गया है.

जनवरी 2018 में लॉन्च की गई थी इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम

चुनावी बॉन्ड की पेशकश साल 2017 में फाइनेंशियल बिल के साथ की गई थी. पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साल 2018 के 29 जनवरी को चुनावी बॉन्ड स्कीम 2018 को अधिसूचित किया था.

क्या है इलेक्टोरल बॉन्ड

यह एक वचन पत्र होता है जिसे किसी भी राज्य, शहर के व्यक्ति या कंपनी भारतीय स्टेट बैंक की किसी भी शाखा से खरीद सकती है. इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदने वाला नागरिक या कॉर्पोरेट अपनी पसंद के हिसाब से किसी भी पॉलिटिकल पार्टी को अपना ये बॉन्ड डोनेट कर सकते हैं. राजनीतिक दल इस बॉन्ड को बैंक में भुनाकर रकम हासिल करते हैं. इलेक्टोरल बॉन्ड को डिजिटल या चेक के रूप में खरीदा जाता है. ये बॉन्ड बैंक नोटों के समान होते हैं, जो मांग पर वाहक को देने होते हैं.

कैसे काम करता है इलेक्टोरल बॉन्ड

इलेक्टोरल बॉन्ड का इस्तेमाल करना बेहद आसान है. ये बॉन्ड 1,000 रुपए के मल्टीपल में पेश किए जाते हैं. उदाहरण के तौर पर ऐसे समझिए की ये बॉन्ड 1,000, 10,000, 100,000 और 1 करोड़ की रेंज में हो सकते हैं. ये बॉन्ड आपको स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की कुछ शाखाओं पर मिल जाते हैं. कोई भी डोनर इस बॉन्ड को खरीद सकते हैं और बाद में वे इस बॉन्ड को किसी राजनीतिक पार्टी को दान में दे देते हैं. इसके बाद रिसीवर पार्टी इस बॉन्ड को एसबीआई की शाखा में इसे कैश में भुनवा सकता है. इसे कैश कराने के लिए पार्टी के वेरिफाइड अकाउंट का इस्तेमाल किया जाता है. इलेक्टोरल बॉन्ड भी सिर्फ 15 दिनों के लिए मान्य रहता है.

क्यों जारी हुआ था इलेक्टोरल बॉन्ड

चुनावी फंडिंग की प्रक्रिया में सुधार करने और ज्यादा पारदर्शिता लाने के लिए सरकार ने पिछले साल 2018 में इलेक्टोरल बॉन्ड की शुरुआत की थी. 2 जनवरी, 2018 को मोदी सरकार ने इलेक्टोरल बॉन्ड स्कीम को अधिसूचित किया था. ये बॉन्ड जनवरी, अप्रैल, जुलाई और अक्टूबर में जारी किए जाते हैं यानी एक साल में चार बार जारी किए जाते हैं.

क्या है इलेक्टोरल बॉन्ड की खूबी

इस बॉन्ड की खूबी ये है कि कोई भी डोनर अपनी पहचान को जगजाहिर किए बिना ही स्टेट बैंक ऑफ इंडिया से एक करोड़ रुपए तक का इलेक्टोरल बॉन्ड खरीद सकता है और अपनी पसंद के पार्टी को चंदे के रूप में दे सकता है. इस व्यवस्था के तहत दानकर्ताओं की पहचान छुपी रहती है और इससे टैक्स से भी छूट प्राप्त है. इस बॉन्ड से आम चुनाव में 1 फीसदी वोट हासिल करने वाले राजनीतिक पार्टी को ही चंदा हासिल हो सकता है. इलेक्टोरल बॉन्ड की शुरुआत इसी दावे के साथ की गई थी कि इस प्रक्रिया के बाद से राजनीतिक फंडिंग में पारदर्शिता बढ़ेगी. तत्कालीन वित्त मंत्री अरुण जेटली ने जनवरी 2018 में लिखा था, 'इलेक्टोरल बॉन्ड की योजना राजनीतिक फंडिंग की व्यवस्था में 'साफ-सुथरा' धन लाने और 'पारदर्शिता' बढ़ाने के लिए लाई गई है.' सरकार ने इस योजना को कैशलेस-डिजिटल अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ रहे देश में 'चुनावी सुधार' के रूप में वर्णित किया था. हालांकि इलेक्टोरल बॉन्ड योजना की मुख्य आलोचना यही होती रही है कि यह योजना मूल विचार यानी चुनावी फंडिंग में पारदर्शिता लाने के ठीक विपरीत काम करता है. बॉन्ड की आलोचना करने वालों का तर्क है कि चुनावी बॉन्ड की गुमनामी केवल व्यापक जनता और विपक्षी दलों तक की सीमित होती है. क्योंकि इस तरह के बॉन्ड सरकारी बैंक खासकर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से बेचे जाते हैं, ऐसे में कई आलोचकों का मानना है कि सरकार इसके माध्यम से यह जान सकती है कि विपक्षी दलों को कौन डोनेशन दे रहा है.

बीजेपी को फायदा मिलने का दावा

आलोचकों का कहना है कि ये इलेक्टोरल बॉन्ड योजना से सबसे ज्यादा फायदा बीजेपी को पहुंचने वाला है. एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने इलेक्टोरल बॉन्ड व्यवस्था को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती भी दी थी. एडीआर का तर्क था कि इलेक्टोरल बॉन्ड योजना से कॉरपोरेट और उद्योग जगत को जमकर फायदा हो रहा है और ऐसे बॉन्ड से मिले चंदे का 95 फीसदी हिस्सा बीजेपी को मिलता है. इस बात को चुनाव आयोग ने भी स्वीकारा था कि चुनावी बॉन्ड से साल 2017-18 में सबसे ज्यादा भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को ही चंदा मिला है. बीजेपी को जहां 210 करोड़ रुपये का चंदा मिला वहीं बाकी सारे दल मिलाकर भी इस बॉन्ड से सिर्फ 11 करोड़ रुपये का चंदा हासिल कर पाए थे.

इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर विपक्ष ने केंद्र पर साधा निशाना

1. साल 2019 में आरटीआई से ये खुलासा हुआ था कि रिजर्व बैंक ने इलेक्टोरल बॉन्ड जारी करने को लेकर सरकार को चेताया था. रिजर्व बैंक ने कहा था कि इस तरह के साधन जारी करने वाले अथॉरिटी को प्रभाव में लिया जा सकता है. जिसके कारण इस प्रक्रिया में पूरी तरह पारदर्शिता नहीं रखी जा सकती. रिजर्व बैंक के अनुसार इलेक्टोरल बॉन्ड मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट को कमजोर करेगा.

2. साल 2019 में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कपिल सिब्बल ने इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर केंद्र सरकार पर निशाना साधते हुए कहा था, इलेक्टोरल बॉन्ड का 95 फीसदी पैसा बीजेपी को गया, क्यों गया, ये क्यों हुआ. 2017 के बजट में अरुण जेटली ने इलेक्टोरल बॉन्ड पर जो रोक लगाई थी उसे ख़त्म कर दिया गया. अरुण जेटली ने यह रोक लगाई थी कि कोई भी कंपनी अपने लाभ के 15 फीसदी से अधिक ज्यादा पैसा नहीं लगा सकती. लेकिन अब उसे हटा लिया गया है. प्रधानमंत्री को इस पर जवाब देना होगा.

3. कांग्रेस सांसद अधीर रंजन चौधरी भी इसी मुद्दे को लेकर बीजेपी पर निशाना साध चुके हैं. उन्होंने कहा कि इलेक्टोरल बॉन्ड एक बहुत बड़ा घोटाला है, देश को लूटा जा रहा है.

4. कांग्रेस नेता प्रह्लाद जोशी ने इस मुद्दे को शून्य काल में उठाते हुए कहा था, शून्यकाल का इतिहास बन चुका है. भ्रष्टाचार का मुद्दा उस वक्त था तो हम वेल में आते थे. हमारी सरकार में भ्रष्टाचार का एक भी मुद्दा नहीं है आप शून्यकाल में अपना मुद्दा उठाइए. विपक्ष के पास इसे लेकर केवल राजनीति करनी है.

5. कांग्रेस नेता राहुल गांधी भी इलेक्टोरल बॉन्ड को लेकर केंद्र सरकार को घेर चुके हैं. उन्होंने साल 2019 में एक ट्वीट कर लिखा था, नए भारत में रिश्वत और अवैध कमीशन को चुनावी बॉन्ड कहते हैं. इसके अलावा उन्होंने मोदी सरकार पर आरोप लगाया भी था कि आरबीआई को दरकिनार करते हुए इलेक्टोरल बॉन्ड पेश किए, ताकि काले धन को बीजेपी के कोष में लाया जा सके. कांग्रेस ने योजना को तुरंत समाप्त करने की मांग भी की.

6. कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने कहा था, 'रिजर्व बैंक को दरकिनार करते हुए चुनावी बॉन्ड लाया गया ताकि कालाधन बीजेपी के पास पहुंच सके.'

बेलियाघाटा गोलीकांड का मास्टरमाइंड टीएमसी नेता राजू नस्कर सहित 4 अरेस्ट, पुलिस ने ओडिशा से दबोचा

कोलकाता, 8 मई (एजेंसियां)। कोलकाता के बेलियाघाटा गोलीकांड के मास्टरमाइंड तृणमूल नेता राजू नस्कर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने घटना के सात दिन बाद राजू नस्कर को ओडिशा के गोपालपुर से गिरफ्तार किया। गोपालपुर से राजू नस्कर समेत कुल 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। बेलियाघाटा का वार्ड नंबर 34 में 30 अप्रैल को तृणमूल कांग्रेस के दो गुटों के बीच संघर्ष की घटना घटी थी। तोड़फोड़ की गई थी। राजू नस्कर पर फायरिंग का आरोप लगा था। घटना के बाद बेलियाघाटा इलाके के तृणमूल नेता अपने साथियों के साथ फरार था। कोलकाता पुलिस का खुफिया विभाग कई दिनों से राजू की तलाश कर रहा था। लालबाजार पुलिस मुख्यालय के खुफिया विभाग को जानकारी मिली कि राजू ओडिशा में छिपा हुआ है। रात ओडिशा के एक लग्जरी होटल में छापा मारा गया और राजू समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया।

सोनीपत में युवक को तेजधार हथियार से काटा

सोनीपत, 8 मई (एजेंसियां)। हरियाणा के सोनीपत के गांव ककराई में आपसी विवाद में चचेरे भाई की तेजधार हथियार से वार कर हत्या कर दी गई। वह सुबह खेत में गया था, जहां उसके ताऊ के बेटों ने उसे अकेला देख घेर लिया। वारदात की सूचना के बाद डायल-112 की पुलिस टीम मौके पर पहुंची। चचेरे भाई की हत्या करने के बाद फरार हो रहे दोनों भाइयों को पुलिस दबोच लिया। पुलिस मौके पर छानबीन कर रही है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए नागरिक अस्पताल भेजा गया है।

विदेशी सर्वर पर पनप रहा सट्टा बाजार

लोकल बुकी तो पकड़े, पर विदेशी सर्वर पर बनी वेबसाइट, एप को ट्रैस करना चुनौती

ग्वालियर, 8 मई (एजेंसियां)। आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) का रोमांच चरम पर है। आईपीएल के शुरू होते ही गली-गली मोहल्ले में ऑनलाइन क्रिकेट सट्टा खिलाने वाले बुकीज सक्रिय हो गए हैं। ग्वालियर पुलिस ने एक महीने में 25 से ज्यादा सटोरियों को पकड़कर ऑनलाइन बेटिंग (सट्टा खिलाते) कराते पकड़ा है। लोकल बुकीज तक तो पुलिस आसानी से पहुंच जाती है, लेकिन जिन एप, वेबसाइट और लिंक पर यह बुकीज सट्टा खिला रहे होते हैं, उनको ट्रैस करना पुलिस के लिए चुनौती साबित होता है। सभी वेबसाइट, ऐप और लिंक के सर्वर विदेशों में होते हैं। ऐसे में इनको ट्रैस करना पुलिस के लिए मुश्किल ही नहीं नामुमकिन साबित हो रहा है। यही कारण है कि पुलिस लोकल बुकीज को तो पकड़ रही है, लेकिन ऑनलाइन एप, वेबसाइट व लिंक देने वाले पुलिस की पकड़ से दूर हैं।

कुर्सी पर बैठे शख्स को आया हार्ट अटैक जैसे तैसे बचा ली गई जान

मुंबई, 8 मई (एजेंसियां)। हार्ट अटैक के मामले देश में काफी ज्यादा देखने को मिल रहे हैं। कभी किसी को अचानक सड़क पर चलते हुए हार्ट अटैक आ जाता है। वहीं कुछ लोगों को बैठे-बैठे हार्ट अटैक आ जाता है। ऐसे में एक हार्टअटैक से जुड़ा मामला महाराष्ट्र में देखने को मिला है। यहां सांगली जिले में एक युवक जो मेडिकल क्लिनिक में गया हुआ था। वहां वह कुर्सी पर बैठा था। तभी अचानक कुछ ऐसा हुआ कि वह धड़ाम से जमीन पर गिर गया। इसके बाद लोगों द्वारा जब उठाने की कोशिश की गई और डॉक्टर के पास ले जाने पर पता चला कि उसे हार्ट अटैक आया है। दरअसल सांगली जिले के मिराज शहर में संजय जुजारे नाम के

एक शख्स को क्लिनिक में कुर्सी पर बैठे-बैठे ही हार्ट अटैक आ गया। इस घटना की पूरी रिकॉर्डिंग सीसीटीवी में हो गई है। गनीमत ये रही कि क्लिनिक के डॉक्टरों और स्टाफ ने मरीज को ऑटो रिक्शा में सीपीआर देते हुए दूसरे अस्पताल में भर्ती कराया। इस कारण शख्स की जान बच गई। मेडिकल जांच में पता चला कि उसके हार्ट में तीन ब्लॉकेज थे। ऑपरेशन के जरिए ब्लॉकेज को भी हटाया गया और अब उसकी जान बचा ली गई है।

डांस करते हुए पड़ा दिल का दौरा

बता दें कि इससे पहले एक वीडियो इंटरनेट पर वायरल हो रहा था। भोपाल में एक इवेंट में डांस कर रहे एक शख्स को उस वक्त दिल का दौरा पड़ा जब वह एक गाने पर डांस कर रहा था। इस शख्स की हार्टअटैक के बाद मौत हो गई। दरअसल यह शख्स कार्यक्रम में भोपाल डाक परिमंडल कार्यालय में कार्यरत असिस्टेंट डायरेक्टर सुरेंद्र कुमार दीक्षित समेत अपने साथियों के साथ डांस कर रहा था। इसी दौरान हार्ट अटैक से मौत हो गई।

'अरविंद केजरीवाल इस दिन जा सकते हैं जेल'

दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष का दावा

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। दिल्ली में बीजेपी और आप के बीच सियासी जंग चरम पर पहुंच चुकी है। सड़कों से लेकर पार्टी दफ्तर तक बीजेपी आम आदमी पार्टी को लगातार घेरने में जुटी है। इस बीच बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष ने बड़ा दावा करते हुए दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल के जेल जाने की भविष्यवाणी कर दी। सरोजनी नगर मार्केट स्थित एक जनसभा को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने जमकर आम आदमी पार्टी पर हमला बोला। इस दौरान उन्होंने 25 मिनट का एक लघु फिल्म दिखाते हुए कहा कि यह वही सरकार है जो आम आदमी का ढोंग रच कर सत्ता में आई और अब लगातार इनके विधायक मंत्री जनता के पैसों का दुरुपयोग कर रहे हैं। दिल्ली में बीजेपी का आप के खिलाफ डोर टू डोर अभियान- झूठा कहीं का और सीएम आवास के बाहर अनिश्चितकालीन धरने के माध्यम से दिल्ली भारतीय जनता पार्टी शराब घोटाले आरोप और करोड़ों रुपए के सीएम आवास पर रिनोवेशन खर्च को लेकर सीएम अरविंद केजरीवाल को घेरने का कोई मौका नहीं छोड़ रही है। सरोजनी नगर मार्केट स्थित एक जनसभा को संबोधित करते हुए बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने जमकर आम आदमी पार्टी पर हमला बोला। इस दौरान उन्होंने 25 मिनट का एक लघु फिल्म जारी किया, जिसमें यह बताया गया कि सत्ता में आने से पहले दिल्ली के सीएम ने कहा था कि ना वह गाड़ी लेंगे, ना सिक्योरिटी लेंगे, ना कोई बंगला, सिर्फ आम आदमी की तरह लोगों के बीच में रहकर जनता की सेवा करेंगे।

दीपावली से पहले केजरीवाल जाएंगे जेल

दिल्ली बीजेपी के अध्यक्ष सचदेवा का कहना है कि वर्तमान में सब कुछ इससे अलग हो रहा है। वह वर्तमान में न केवल सत्ता के सभी सुख भोग रहे हैं बल्कि जनता के पैसों का दुरुपयोग भी कर रहे हैं। वहीं इस दौरान बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने भविष्यवाणी करते हुए कहा कि जो हाल सत्येंद्र जैन और मनीष सिसोदिया का हुआ, ठीक वैसा ही दीपावली के पहले सीएम अरविंद केजरीवाल का होगा।

केरल नाव हादसे में अब तक 22 लोगों की मौत, रेस्क्यू में जुटा चेतक हेलीकॉप्टर; घटनास्थल पर जाएंगे सीएम विजयन

मलप्पुरम, 8 मई (एजेंसियां)। केरल में मलप्पुरम जिले में नाव पलटने से सात बच्चों समेत 22 लोगों की मौत हो चुकी हैं। इस हादसे पर पीएम मोदी ने भी दुख जताया है। अधिकारी ने बताया कि थूवलथीरम समुद्र तट के पास हुई पर्यटक नौका दुर्घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 22 हो गई है। अधिकारी ने बताया कि रविवार शाम को नाव पलटने के बाद आठ लोगों को बचाया गया और उनका विभिन्न अस्पतालों में इलाज चल रहा है। वहीं, इस हादसे के बाद मौके पर बचाव अभियान भी जारी है। भारतीय नौसेना के चेतक हेलीकॉप्टर को तलाशी और बचाव अभियान में मदद के लिए बुलाया गया है। अधिकारियों ने बताया कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और भारतीय तट रक्षक दल की टीम मौके पर पहुंच गई है और लापता लोगों की तलाश के लिए तलाशी अभियान जारी है। बता दें कि मलप्पुरम जिले के तानुर इलाके में थूवलथीरम समुद्र तट के निकट रविवार शाम एक हाउसबोट पलट गई थी, इसमें सवार महिलाओं और बच्चों समेत 22 लोगों की मौत हो गई है। ये हादसा लगभग 7:30 बजे हुआ था। जिले के एक वरिष्ठ अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि जिन 22 लोगों के शव बरामद किए गए हैं उनकी पहचान कर ली गई है। अधिकारी ने कहा कि हमने सभी एजेंसियों से मदद मांगी है। एनडीआरएफ और तटरक्षक बल की टीमें पहले ही मौके पर पहुंच चुकी हैं। हमने नौसेना से भी मदद मांगी है। अधिकारी ने कहा कि डूबे हुए जहाज में लोगों की सही संख्या का पता नहीं चल पाया है। केरल के मुख्यमंत्री कार्यालय ने बताया कि आज मुख्यमंत्री पिनराई विजयन घटनास्थल का दौरा करेंगे और अधिकारियों से हालात के बारे में जानकारी लेंगे। इसके अलावा विपक्ष के नेता वीडी सतीसन भी दुर्घटनास्थल का दौरा करेंगे। वहीं, राज्य सरकार ने सोमवार को एक दिन के शोक की घोषणा की है और दुर्घटना में जान गंवाने वालों के सम्मान में सभी आधिकारिक कार्यक्रमों को रद्द कर दिया है।

भाजपा कार्यकर्ता पर हुआ हमला, सांसद तेजस्वी सूर्या ने कांग्रेस पर लगाया आरोप

बेंगलुरु, 8 मई (एजेंसियां)। दक्षिण बेंगलुरु के सांसद तेजस्वी सूर्या ने आरोप लगाया कि बेंगलुरु के बीटीएम लेआउट में बीजेपी कार्यकर्ताओं में से एक पर रविवार रात कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हमला किया। उन्होंने कार्यकर्ता की तस्वीर साझा की, जिसमें वो चोटिल अवस्था में अस्पताल में भर्ती हैं। सांसद तेजस्वी ने कांग्रेस के पूर्व पार्षद मंजूनाथ रेड्डी पर भी आरोप लगाया और कहा कि हमले के पीछे उनका हाथ है। उन्होंने ट्वीट करते हुए कहा, "बीटीएम लेआउट में हमारे कार्यकर्ता हरिनाथ पर कांग्रेस के उपद्रवियों ने बेरहमी से हमला किया। वह अब अस्पताल में है। दो साल पहले भी उनपर इस तरह का हमला किया गया था। हरिनाथ ने साफ तौर पर कहा है कि उनके साथ पूर्व पार्षद मंजूनाथ रेड्डी ने मारपीट की थी, फिर भी अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है। हालांकि, बाद में सांसद ने स्पष्ट किया कि हरिनाथ पर हमला 2018 में हुआ था, दो साल पहले नहीं। सांसद तेजस्वी ने आरोप लगाया कि बेंगलुरु पुलिस ने हरिनाथ को ही गिरफ्तार कर लिया था, जब वो अपने ऊपर हुए हमले की शिकायत दर्ज कराने के लिए पुलिस स्टेशन गए थे। उन्होंने कहा, मैं अब हरिनाथ की बेटी के साथ मड़ीवाला पुलिस स्टेशन में हूं, जब पूर्व में उनके जीवन पर इसी तरह का प्रयास किया गया था, तो प्राथमिकी दर्ज की गई थी। अंदाजा लगाइए कि बीटीएम लेआउट पुलिस ने क्या किया? उन्होंने पीड़ित हरिनाथ को ही गिरफ्तार कर लिया। प्राथमिकी दर्ज होने के 7 घंटे बाद भी कोई कार्रवाई नहीं, कोई गिरफ्तारी नहीं। हालांकि, बाद में तेजस्वी ने कहा कि पुलिस ने सोमवार सुबह तक आरोपियों को गिरफ्तार करने का वादा किया है।

केदारनाथ में अगले कुछ दिन मौसम रहेगा खराब, पंजीकरण पर 15 मई तक लगी रोक

देहरादून, 8 मई (एजेंसियां)। केदारनाथ धाम की यात्रा के लिए पंजीकरण पर अब 15 मई तक रोक रहेगी। संयुक्त निदेशक पर्यटन योगेंद्र गंगवार ने बताया कि मौसम विभाग के पूर्वानुमान को देखते हुए यह फैसला लिया गया है। 15 तक नए पंजीकरण पर रोक रहेगी लेकिन जो यात्री पहले पंजीकरण कर चुके हैं वे यात्रा कर सकेंगे। बता दें कि 13 मई तक केदारनाथ के लिए 1.45 लाख यात्री पंजीकरण करा चुके है। चारधाम यात्रा में अब तक दर्शन करने वाले तीर्थयात्रियों का आंकड़ा पांच लाख पार हो गया है। केदारनाथ धाम में सबसे अधिक 1.75 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं। पर्यटन विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट के अनुसार 22 अप्रैल से 7 मई तक केदारनाथ, बदरीनाथ, गंगोत्री व यमुनोत्री धाम में 505286 लाख से अधिक यात्रियों ने दर्शन किए हैं। इसमें केदारनाथ धाम में 1.75 लाख, बदरीनाथ में 1,18,116, गंगोत्री में 1.13 लाख, यमुनोत्री मंदिर में एक लाख श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं।

बंगाल की 42 में से 40 सीट कैसे जीतेगी टीएमसी

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए रखा बीजेपी से ज्यादा का टारगेट

कोलकाता, 8 मई (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर बीजेपी और विपक्षी दल अपने-अपने स्तर पर तैयारियों में जुटे हुए हैं। अगले साल होने वाले चुनावों को लेकर अभी से सियासी पारा हाई है। अब तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने पश्चिम बंगाल से कुल 42 सीटों में से 40 सीटें जीतने का लक्ष्य रख दिया है। हालांकि, पार्टी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में 22 सीटों पर जीत हासिल की थीं। खास बात यह है कि टीएमसी ने बीजेपी से भी ज्यादा सीटें हासिल करने का लक्ष्य रखा है। इससे पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले महीने बीजेपी के लिए अगले साल होने वाले चुनाव में पश्चिम बंगाल की 42 लोकसभा सीटों में से 35 सीटें जीतने का लक्ष्य रखा था। उन्होंने कहा था कि अगर लक्ष्य हासिल कर लिया गया तो राज्य में ममता बनर्जी सरकार 2025 से आगे नहीं टिक पाएगी। अभिषेक बनर्जी ने कहा कि पार्टी आगामी लोकसभा चुनाव में 40 सीटें हासिल करने के लक्ष्य की दिशा में काम कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर हम अभी से काम करना शुरू कर दें, अगर आप बड़े पैमाने पर लोगों तक पहुंचे तो हम इस लक्ष्य को आसानी से हासिल कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि बीजेपी के सांसदों ने लोगों की समस्याओं को हल करने के लिए कुछ नहीं किया है। वे केवल राम मंदिर बनाने और लोगों को धर्म के नाम पर बांटने का काम कर रहे हैं।

काफिले के धक्के से एक की हुई थी मौत, शुभेंदु अधिकारी गए कलकत्ता एचसी; सीबीआई जांच की मांग की

कोलकाता, 8 मई (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के बीजेपी विधायक और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने चांदीपुर में कथित रूप से उनके काफिले से एक व्यक्ति की मौत की सीबीआई जांच की मांग को लेकर कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया है। शुभेंदु अधिकारी ने न्यायमूर्ति राजशेखर मंथा की अदालत में मामला दायर कर सीबीआई से दुर्घटना की जांच की मांग की है। बता दें कि सीआईडी ने रविवार को इस मामले की जांच अपने हाथ में ले ली हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस रूट पर काफिला जा रहा है, राज्य सरकार पर्याप्त सुरक्षा मुहैया नहीं करा रही है। इस मामले की सुनवाई अगले बुधवार को है। इस मौत के बाद टीएमसी के

नेता शुभेंदु अधिकारी की गिरफ्तारी की मांग कर रहे हैं। बता दें कि चांदीपुर में चार मई को सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गयी थी। शेख इसराफिल नाम का युवक बीते गुरुवार को चांदीपुर पेट्रोल पंप के पास सड़क पार कर रहा था। वहीं हादसा हो गया। इस मुद्दे को लेकर राज्य की राजनीति में उथल-पुथल मची हुई है। स्थानीय निवासियों ने विरोध में सड़क जाम कर विरोध करना शुरू कर दिया। विरोध में स्थानीय लोगों ने दीघा जाने वाले 116बी राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम कर दिया। इस घटना के बाद काफिले के चालक आनंदकुमार पांडेय ने चांदीपुर थाने में सरेंडर कर दिया। हालांकि बाद में स्थानीय कोर्ट ने उक्त ड्राइवर को जमानत पर रिहा कर दिया है। हादसे की जांच के लिए चांदीपुर थाने की पुलिस ने शुभेंदु अधिकारी के काफिले में शामिल चार लोगों को नोटिस जारी किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार चूंकि कार बुलेटप्रूफ कार है। इसलिए यह सामान्य कार से भारी है। वाहन ने काफिले से कम से कम दो से ढाई किलोमीटर की दूरी रखी थी।

दिल्ली में एक शख्स की गोली मारकर हत्या, 4 हजार रुपये को लेकर छिड़ा था विवाद

गोविंदपुरी, 8 मई (एजेंसियां)। दिल्ली के गोविंदपुरी में एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां 4000 रुपये को लेकर युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने हत्या में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इसी के साथ पूरे मामले की जांच में जुट गई है। गिरफ्तार आरोपियों के नाम अंकित और मुकीम बताए जा रहे हैं। यह वारदात देर रात को अंजाम दी गई। पुलिस घटना की गहराई से जांच कर रही है और अन्य लोगों की मौजूदगी होने का भी पता लगा रही है।

स्वतंत्र वार्ता

मंगलवार, 9 मई- 2023

विपक्षी कैसे करेंगे मोदी से मुकाबला

निरंकार सिंह

भ्रष्टाचार, महंगाई और बेरोजगारी हमारे देश के हर आम चुनाव में मुद्दे बनाए जाते हैं। जब भी भ्रष्टाचार मुख्य मुद्दा बनता है तो सत्तारूढ़ दल को अपनी सरकार गवानी पड़ती है। लेकिन यह तभी संभव हुआ जब भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान चलाने वाले नेता या समाज सेवी की छवि साफ-सुथरी हो। जयप्रकाश नारायण के आंदोलन में भी भ्रष्टाचार मुख्य मुद्दा बना था तब इंदिरा गांधी की सरकार पर भ्रष्टाचार के कई आरोप लगे थे और 1977 में उन्हें भारी हार का सामना करना पड़ा था। राजीव गांधी की सरकार के खिलाफ भी विश्वनाथ प्रताप सिंह ने बोफोर्स तोपों के सौदे में भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाया था और राजीव गांधी को सत्ता से बेदखल कर दिया था। सबसे ताजा उदाहरण दिल्ली कांग्रेस और दिल्ली की शीला दीक्षित सरकार के खिलाफ भ्रष्टाचार को मुद्दा बनाकर अन्ना हजारे का आंदोलन और शीला दीक्षित की सरकार चली गई। इस आंदोलन के गर्भ से पैदा हुए अरविंद केजरीवाल ने शीला दीक्षित और कांग्रेस तथा उसके सहयोगी दल के नेताओं पर भ्रष्टाचार को ही अपने मुख्य चुनाव का प्रमुख मुद्दा बनाया था तब वह राजनीति में नये-नये थे। उस समय उन पर भ्रष्टाचार कोई आरोप नही था और उन्हें अन्ना का आशीर्वाद प्राप्त था। कुल मिलाकर यह देखा गया है कि जब-जब चुनाव में मुख्य मुद्दा भ्रष्टाचार विरोधी अभियान बना है तब-तब भ्रष्टाचार का बचाव करने वालों की हार हुई है। 2024 के चुनाव की तैयारी कर रहे तमाम विपक्षी दल भ्रष्टाचार के खिलाफ नहीं बल्कि भ्रष्टाचार की जाँचों को रोकने के पक्ष में खड़े दिखाई देते हैं। यहां मामला बिल्कुल उल्टा है। केंद्र सरकार ने भ्रष्टाचारियों और देश का धन लूटने वालों के खिलाफ अभियान चला रखा है। इसके बाद भी 14 विपक्षी दल सुप्रीम कोर्ट के समक्ष यह शिकायत लेकर पहुंच गए कि सीबीआई और ईडी का दुरुपयोग किया जा रहा है। उन्हें वहां से खाली हाथ लौटना पड़ा। विपक्षी दल यह भूल गए कि जनता भ्रष्टाचार के खिलाफ रहती है। महंगाई और बेरोजगारी भी लगभग हर चुनाव में मुद्दा बनता है, लेकिन यह कोई खास असर नहीं दिखा पाता। दुनिया की कोई भी सरकार सबको रोजगार नहीं दे सकती है।

फिर क्या विपक्षी राज्य सरकारों ने बेरोजगारी और महंगाई को अपने राज्य में खत्म कर दिया है। चुनाव में मुद्दा भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था, पानी, बिजली, सड़क ही रहता है। इसलिए विपक्षी दल भाजपा हटाओ या मोदी हराओ का नारा लगाने के स्थान पर यह बताएं कि देश के लिए उनका साझा एजेंडा क्या है? क्या वह भ्रष्टाचार की जाँच के खिलाफ हैं। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के साथ जिस तरह ममता बनर्जी एवं अखिलेश यादव से भेंट की और विपक्षी एकता पर जोर दिया, उससे यह लगता है कि विपक्षी दलों को एकजुट करने की पहल तेज हो रही है। इसके पहले नीतीश कुमार दिल्ली आकर राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल से भी मुलाकात कर चुके हैं। वह केवल विपक्षी एकता की धुरी बनते हुए ही नहीं दिख रहे, बल्कि यह भी आभास करा रहे हैं कि उनकी पहल विपक्षी दलों को एक मंच पर ला सकती है।यह भविष्य बताएगा कि ऐसा हो पाएगा या नहीं, लेकिन इसमें संदेह नहीं कि फिलहाल विपक्षी एकता राजनीतिक चर्चा का केंद्र बन रही है। यह कोई नई बात नहीं है। जब भी विभिन्न दलों के नेता भाजपा के खिलाफ एकजुट होने की बात करते हुए मेल-मिलाप करते हैं तो वे चर्चा में आने के साथ ही मीडिया में भी स्थान बना लेते हैं, लेकिन फिर बात आगे बढ़ती नहीं दिखती। कहना कठिन है कि इस बार क्या होगा। यदि विपक्षी दल वास्तव में भाजपा के विरुद्ध कोई ठोस विकल्प खड़ा करना चाहते हैं तो सबसे पहले उन्हें यह स्पष्ट करना होगा कि उनकी एकजुटता का उद्देश्य क्या है? यह प्रश्न इसलिए, क्योंकि भाजपा हटाओ एक नारे की शक्ल तो ले सकता है, लेकिन वह जनता को आकर्षित नहीं कर सकता। जनता को आकर्षित कर सकता है ऐसा कोई एजेंडा, जो यह रेखांकित करता हो कि विपक्षी दल आपस में मिलकर देश को क्या दिशा देना चाहते हैं और वे यह काम कैसे करेंगे? इसलिए विपक्षी दल भाजपा हटाओ या मोदी हराओ का नारा लगाने के स्थान पर यह बताएं कि देश के लिए उनका साझा एजेंडा क्या है? इसके अलावा उन्हें इस प्रश्न का भी हल खोजना चाहिए कि प्रधानमंत्री पद का चेहरा कौन होगा? ऐसा लगता है कि विपक्ष का जो भी नेता विपक्षी एकता की पहल करता है, वह प्रधानमंत्री पद के लिए स्वयं की दावेदारी आगे बढ़ाता है। बात केवल इतनी ही नहीं है। कई विपक्षी दल ऐसे हैं, जो या तो कांग्रेस को सीमित भूमिका में देखना चाहते हैं या फिर उसके बिना विपक्ष को एकजुट करने की कोशिश करते हुए दिखते हैं। जो भी ऐसी कोशिश कर रहे हैं, वे इसलिए सफल नहीं हो सकते, क्योंकि तमाम कमजोरी के बाद भी कांग्रेस एक राष्ट्रीय दल है और उसके बिना विपक्षी दलों की एकता ठोस आकार नहीं ले सकती। इसी तरह इस प्रश्न को टालने से भी बात बनने वाली नहीं है कि विपक्ष की ओर से प्रधानमंत्री पद की दावेदारी का फैसला चुनाव नतीजों के बाद होगा। बीते नौ साल में पॉच से ज्यादा महत्वपूर्ण चुनाव देश में हो चुके हैं। विपक्ष एकजुट क्यों नहीं हो सका। यहाँ आप याद कीजिए चन्द्रबाबू नायडू को, जो कभी राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के संयोजक हुआ करते थे। वह 2018 में जब भाजपा से अलग हुए, तब उन्होंने साल 2019 के चुनाव से पहले यह कोशिश की थी कि तमाम विपक्षी दलों को एकजुट किया जा सके, ताकि भाजपा का हराया जाए। भाजपा के खिलाफ विपक्ष को एकजुट करने का यह पहला गंभीर प्रयास था, पर चन्द्रबाबू नायडू आज अपने राज्य की राजनीति में भी कहाँ हैं।

विपक्षी एकता के लिए केसीआर भी सक्रिय हुए थे। कोलकाता गये थे और उन्होंने ममता बनर्जी के साथ मिलकर कोशिश की थी कि गैर-भाजपा, गैर-कांग्रेस पार्टियों का तीसरा मोर्चा बनाया जाए। उसके बाद ममता बनर्जी भी कर्नाटक गई थीं और उन्होंने भी वहां कोशिश की थी कि विपक्ष एकजुट हो जाए, पर वह कोशिश भी आगे नहीं बढ़ी। आज सबसे बड़ा सवाल है कि जो विपक्षी गठबंधन बनेगा, उसमें कांग्रेस किस स्थिति में रहेगी? क्षेत्रीय नेता अपने-अपने राज्य में कांग्रेस के लिए कितनी सीटें छोड़ देंगे? राष्ट्रीय स्तर पर किसी भी पार्टी को अपने को एक विकल्प के रूप में दिखाने के लिए साढ़े चार सौ से पांच सौ उम्मीदवार खड़े करने पड़ते हैं। विपक्ष ने अभी तक ऐसा कौन सा फार्मूला सामने नहीं रखा, जिस पर जनता भरोसा करे? अभी विपक्ष सिर्फ इच्छा जता रहा है। पुराने मकान को ढहा कर नये मकान के निर्माण का इरादा है, पर इस निर्माण के लिए कहां से जरूरी सामग्रियां आयेंगी, यह जानने के लिए इंतजार करना होगा। जो लोग विपक्ष को एकजुट देखना चाहते हैं, उनके मन में भी यह सवाल आ रहा होगा कि आखिर विपक्ष एकजुट होने के लिए 2024 का इंतजार क्यों कर रहा है? दूसरी बात यह है कि आज विपक्ष के सामने ऐसा कोई सर्वमान्य नेता नहीं है, जिसे मोदी के सामने खड़ा किया जा सके।

क्षेत्रीय दल के नेताओं का उनके प्रदेश को छोड़कर अन्य प्रदेशों में उनका कोई जनाधार नहीं है। फिर उनकी छवि भी ऐसी नहीं है जो वह मोदी से मुकाबला कर सकें। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपनी छवि सुशासन बाबू के रूप में बनाई थी, किन्तु बार-बार इधर से उधर जाकर समझौता करने के कारण उनकी छवि भी धूमिल हो गई है। बची-खुची छवि बिहार के एक जिलाधिकारी की हत्या के मामले में जेल में बंद आनंद मोहन सहित कई अपराधियों को कानून बदलकर समय से पहले छोड़ने के कारण ध्वस्त हो गई है। कांग्रेस पार्टी के भी बड़े-बड़े नेता पार्टी को छोड़कर अलग हो गये हैं। श्रीमती सोनिया गांधी और राहुल गांधी भी नेशनल हेराल्ड के एक मामले में जमानत पर हैं। फिर राहुल गांधी की भी अब कोई धीर गंभीर नेता की छवि नहीं रह गई है। ऐसे में कोई बेदाग चेहरा नहीं हो अखिल भारतीय स्तर पर 2024 के चुनाव में मोदी का मुकाबला कर सके।

कब तक शहादत देंगे जवान

तमाम चौकसी और सघन तलाशी अभियान के बावजूद कश्मीर घाटी में एक बार फिर दहशतगर्दों ने उत्पात मचाना शुरू कर दिया है। इन दिनों इन आतंकियों का अड्डा राजौरी इलाका बना हुआ है। शुक्रवार को राजौरी इलाके में ही सेना तलाशी अभियान में जुटी थी। तभी दहशतगर्दों ने अत्याधुनिक विस्फोटक से सेना की एक टुकड़ी को उड़ा दिया, जिसमें पांच सैनिक शहीद हो गए। ज्यादा दिन नहीं हुए जब पुंछ में सेना के वाहन पर हमला किया गया था, उसमें भी पांच सैनिक शहीद हो गए थे। उसी घटना से जुड़े आतंकियों की तलाश में सेना की टुकड़ी ने राजौरी इलाके में सघन घेराबंदी की थी। बताया गया है कि इन दोनों घटनाओं में जिस तरह के आधुनिक हथियार और विस्फोटक इस्तेमाल किए गए, वे अपने देश में नहीं बनते। जाहिर है आतंकवादियों को ऐसे हथियार व विस्फोटक सामग्री सीमा पर के देशों से ही आ रहे हैं। सरकार का यह दावा भी सही है कि वहां का विशेष दर्जा समाप्त किए जाने और सीमा पर लगातार चौकसी बढ़ाए जाने की वजह से दहशतगर्दों में काफी कमी आई है। इसके बावजूद कुछ समय के अंतराल पर ही ऐसी विस्फोटक वारदात को अंजाम दे दिया जाता है कि सारी चौकसी पर सवाल उठने लगते हैं। दहशतगर्दों से निपटने में कहीं न कहीं चूक जरूर हो रही है। लगता है दहशतगर्दों से निपटने के लिए जैसी तैयारी की गई है उसमें कहीं न कहीं जरूर चूक हो रही है। इसलिए, इस दिशा में नए सिरे से रणनीति बनाने की जरूरत महसूस की जाने लगी है। माना कि सख्ती बढ़ने से दहशतगर्दों की गतिविधियों पर कुछ हद तक लगाम लगी है, लेकिन घाटी में उनकी मौजूदगी ही दहशतगर्दों के लिए काफी है। पिछले आठ-नौ वर्षों में वहां सुरक्षाबलों की बंपर तैनाती बढ़ाई गई है। सीमा पार से होने वाली घुसपैठ पर भी कड़ी चौकसी रखी जा रही है। सघन तलाशी अभियान के जरिए आतंकवादियों के ठिकानों को भी नेस्तनाबूत करने में कोई कसर बाकी नहीं रखी जा रही है। फिर भी इस हकीकत से इंकार नहीं किया जा सकता है कि वे अपनी रणनीति लगातार बदल कर सुरक्षा एजेंसियों को चकमा देने में कामयाब हो रहे हैं। जाहिर है इससे सुरक्षाबलों पर मनोवैज्ञानिक दबाव भी बढ़ रहा है, जो आतंकी समूह चाहता है। काफी समय तक तो उन्होंने कश्मीरी पंडितों और बाहरी लोगों को निशाना बना कर दहशत फैलाने का काम किया था तो अब सेना और सुरक्षबलों को निशाना बना कर मनोवैज्ञानिक दबाव बना रहे हैं। इससे तो यह भी शक होता है कि कहीं सेना की हर गतिविधि पर उनकी नजर तो नहीं है, क्योंकि वे मौका ताड कर अपनी साजिशों को अंजाम देने में कामयाब हो रहे हैं। दूसरी ओर खुफिया तंत्र उनकी निशानदेही में ही विफल साबित हो रहा है। ऐसे में सवाल लाजमी है कि इन आतंकवादियों को समर्थन और सहयोग कहां से मिल रहा है। जब घुसपैठ की दर में कमी आई है, हर हफ्ते दहशतगर्दों को मार गिराने में भी कोई चूक नहीं हो रही है, तो फिर सवाल खड़े हो रहे हैं ये दहशतगर्द कहां से पनप रहे हैं। दूसरी ओर आतंकी संगठन स्थानीय युवाओं को हथियार उठाने को आसानी से तैयार कर पा रहे हैं। देखा जाए तो सड़क मार्ग के जरिए पाकिस्तान से होने वाली तिजारत बंद है, जिसके जरिए आतंकवादियों तक हथियार और विस्फोटक पहुंचाने का बड़ा माध्यम माना जाता था। आतंकियों को वित्तीय मदद पहुंचाने वालों की पहचान कर उन्हें भी वडी संख्या में सलाखों के पीछे डाला जा चुका है। बाहर से होने वाली हर लेन-देन पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। फिर भी आतंकवादियों तक बाहरी देशों में बने हथियार और दूसरे साजो-सामान कैसे पहुंच रहे हैं? अब समय आ गया है कि इस पर नए सिरे से विचार किया जाए। दहशतगर्दी खत्म करने के लिए, सबसे जरूरी है कि स्थानीय लोगों का भरोसा हासिल किया जाए, क्योंकि बगैर जनता के समर्थन के इनसे पार पाना मुश्किल ही है। केवल बंदूक के बल पर वहां के लोगों का मन बदलने की कोशिश कब तक सफल होगी कहा नहीं जा सकता। जब यह तथ्य उजागर हो चुका है कि पाकिस्तान की जमीन से ही इन संगठनों को हथियारों व विस्फोटक की ताकत मिल रही है, तो क्यों न एक बार उससे भी दो-दो हाथ कर लिया जाए।

हल्दीघाटी का नायक महाराणा

सुनील कुमार महला

वीरशिरोमणी, मेवाड़ के महान हिंदू शासक महाराणा प्रताप ऐसे शासक थे, जो मुगल शासक अकबर को लगातार टक्कर देते रहे थे। महाराणा प्रताप का जन्म राजस्थान के कुम्भलगढ़ में महाराणा उदयसिंह के घर 9 मई, 1540 ई. को हुआ था।इनके पिता महाराजा उदयसिंह और माता राणी जीवत कंवर थीं। इसके साथ ही वह महान राणा सांगा के पौत्र थे। कहते हैं कि प्रताप का वजन 110 किलो और हाईट 7 फीट 5 इंच थी।महाराणा प्रताप को बचपन में कीका के नाम से पुकारा जाता था। उनका निधन 29 जनवरी, 1597 को चावंड में हुआ था। प्रताप ऐसे योद्धा थे, जो कभी मुगलों के आगे नहीं झुके। महाराणा प्रताप मातृप्रेम, शौर्य और स्वाभिमान के प्रतीक कहलाते हैं। मेवाड़ की रक्षा के लिए उन्होंने सब कुछ दांव पर लगा दिया था।अकबर की साम्राज्यवादी नीति में मेवाड़ हमेशा एक सशक्त अवरोधक के रूप में प्रस्तुत हुआ है और इस क्रम में महाराणा सांगा से लेकर राणा प्रताप तक एक सशक्त क्रमबद्धता दिखाई देती है। कहते हैं कि उनकी वाणी में साक्षात काली माता विराजती थी -'राणा थारी दकाल सुणनै अकबर धूज्यो जाय।' कहते हैं कि महाराणा प्रताप अपने साथ सदैव दो तलवारें रखते थे कि वीर कभी निहत्थे पर वार नहीं करता और यदि शत्रु निहत्था मिल जाता था तो वे उसे एक तलवार दे कर बराबरी पर युद्ध करते थे। युद्ध काल में उन्होंने गाँव-खेत-खलिहान खाली करवा दिए थे तो शान्तिकाल में खेती को विकसित करने के लिए 'विश्व-वल्लभ' नामक पुस्तक उन्होंने लिखवायी थी। हल्दी घाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप के पास सिर्फ 20000 सैनिक थे और मुगल शासक अकबर के पास 85000 सैनिक थे, इसके बावजूद भी महाराणा प्रताप ने अकबर से हार नहीं मानी थी और स्वतंत्रता के लिए लगातार संघर्ष करते रहे थे।

ऐसा माना जाता है कि हल्दीघाटी(18 जून 1576 ई.) के युद्ध में न तो अकबर जीत सका और न ही राणा हारे थे। यह युद्ध अनिर्णायक रहा था। महाराणा प्रताप का भाला 81 किलो वजन का था और उनकी छाती का कवच 72 किलो का था। महाराणा प्रताप के हथियारों को इतिहास के सबसे भारी युद्ध हथियारों में शामिल किया गया हैं।उनके भाला, कवच, ढाल और साथ में दो तलवारों का वजन मिलाकर 208 किलो था। कहते हैं कि अकबर ने महाराणा प्रताप को समझाने के लिए 6 शान्ति दूतों को भेजा था, जिससे युद्ध को शांतिपूर्ण तरीके से खत्म किया जा सके, लेकिन महाराणा प्रताप ने यह कहते हुए हर बार उनका प्रस्ताव ठुकरा दिया था कि राजपूत योद्धा यह कभी बर्दाश्त नहीं कर सकता। प्रताप ने अपनी पत्नी और बच्चों के साथ जंगलों में भटकते हुए तृण-मूल व घास-पात की रोटियों में गुजर-बसर किया किंतु कभी भी धैर्य और संयम नहीं खोया।कहते हैं कि बादशाह अकबर के 30 वर्षों के लगातार प्रयास के बावजूद भी वह महाराणा प्रताप को बंदी नहीं बना सके थे। प्रताप के घोड़े का नाम चेतक था, जो बहुत ही वफादार और बहादुर था। जानकारी मिलती है कि जब युद्ध के दौरान मुगल सेना उनके पीछे पड़ गई थी तो चेतक ने महाराणा प्रताप को अपनी पीठ पर बैठाकर कई फीट(लगभग 26 फीट) लंबे नाले को पार किया था।आज भी चित्तौड़ की हल्दी घाटी में चेतक की समाधि बनी हुई है। यहाँ यह भी बता दूं कि हल्दीघाटी के युद्ध में महाराणा प्रताप की तरफ से लड़ने वाले एकमात्र मुस्लिम सरदार हकीम खां सूरी थे।

जनाब भुट्टो ! पालते हो आतंक, हमें सिखाते हो अमन ?

भारत और पाकिस्तान के रिश्तों के मध्य जमी बर्फ फिलहाल पिघलती नहीं दिखती है। गोवा में सम्पन्न हुए शंघाई सहयोग संगठन के बैठक से कम से यही संदेश निकलता है। पाकिस्तान आतंकवाद के मसले पर दोगली नीति का पोषक है। पाकिस्तान यह अच्छी तरह जानता है कि भारत से सीधी लड़ाई में वह कभी भी जीत नहीं हासिल कर सकता है। वैश्विक मंच पर भी भारत बेहद मजबूती से खड़ा दिखता है। दुनिया में भारत की साख मजबूत है। भारत की वैश्विक कूटनीति अलग है। वह अपनी बात को दुनिया के सामने बड़ी साफगोई से रखता है। आतंकवाद के मसले पर उसकी नीति दो टूक है। भारत कभी भी आतंकवाद का समर्थन नहीं करता है। अमेरिका, रूस और चीन जैसे तागतवर मुल्कों के साथ भी उसकी नीति साफ है। भारत बुद्ध के सिद्धांत पर चलता है। वह जिओ और जीने दो में विश्वास रखता है। अरब देशों से भी भारत के बेहतर सम्बन्ध हैं। क्योंकि उसकी नीति स्पष्ट और साफ है। शंघाई हयोग संगठन की बैठक में पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो को भारत-पाकिस्तान संबंधों को लेकर कुछ ख़ास हासिल नहीं हो पाया। भारत आतंकवाद के मसले पर पाकिस्तान को कटघरे में खड़ा कर दिया। विदेशमंत्री जयशंकर प्रसाद ने जिस तरह पाकिस्तान को लताड़ा वह काबिलेगौर है। भारत शंघाई सहयोग संगठन के देशों को यह समझाने में कामयाब रहा कि आतंकवाद की नर्सरी पाकिस्तान की पाठशला में उगाई जाती है। आतंकवाद को लेकर इससे बड़ी शर्मनाक बात और क्या हो सकती कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री विलावाल भुट्टो भारत में हैं और कश्मीर में पाकिस्तान से ट्रेनिंग लेकर आए आतंकी हमारी सेना पर हमला कर रहे हैं। राजौरी विस्फोट में हमारे पांच सैनिकों को शहीद होना पड़ा।

आतंकवाद के मसले पर पाकिस्तान की इससे बड़ी दोगली नीति और क्या हो सकती है। ईद के दिन भी सेना की ट्रक पर ग्रेनेड से हमला किया गया जिसमें पांच जवान हमारे शहीद हो गए। कश्मीर के राजौरी में शुक्रवार को सर्च ऑपरेशन के दौरान आतंकियों ने घात लगाकर विस्फोट किया था, जिसमें सेना के पांच जवान शहीद हो गए थे। पाकिस्तान की सीमा से सटे पुंछ और राजौरी आतंक का अड्डा बन गया। आतंकी जंग के खिलाफ हमारी सेना को बड़ी कुर्बानी देनी पड़ी है।

30 माह में 26 सैनिक और नौ आम नागरिक मारे गए। धारा 370 हटने के बाद आतंकी घटनाएं और बढ़ गयीं हैं। दोनों जिले एलओसी से सटे हैं। पहाड़ी और जंगली हैं जिसकी वजह से यह जिला आतंक की शरणगाह बना हैं। आम नागरिक भी सेना के साथ नहीं आ रहे हैं। हाल के 17 दिनों में 10 सैनिकों की मौत हुई है। पाकिस्तान के विदेशमंत्री पाकिस्तान लौटने के बाद कहा है कि आतंकवाद के मसले पर दोनों मुल्कों मिलकर बात करनी चाहिए। यह दुनिया को दिखाने के लिए पाकिस्तान की छद्म कूटनीति है। 2016 के बाद भुट्टो पहले ऐसे नेता हैं जिन्होंने भारत का दौरा किया है। हलांकि भुट्टो के भारत दौरे को लेकर भी लोग बटे हैं। पाकिस्तान चाहता है कि भारत धारा 370 की कश्मीर में वापसी करे, लेकिन यह संभव नहीं है। क्योंकि कश्मीर भारत का आंतरिक मामला है। वह किसी दूसरे का हस्तक्षेप मंजूर नहीं करेगा। दूसरी तरफ पाक परस्त आतंकी घटनाएं चरम पर हैं उस लिहाज से पाकिस्तान से बातचीत करना मुमकिन नहीं है।

सम्बन्ध सुधारने की बात तो दूर की कौड़ी है। पाकिस्तान चाहकर भी भारत के साथ रिश्ते नहीं सुधार सकता है। क्योंकि पाकिस्तान में चुनी सरकारें स्वतंत्र नहीं होती हैं उस पर सेना का नियंत्रण रहता है। पाकिस्तान में सरकारें सिर्फ दिखवे की बनती हैं नीति तो सेना तैयार करती है।सेना खुद नहीं चाहती कि भारत के साथ सम्बन्ध सुधरें। पाकिस्तान की आर्मी आतंकियों को खुद ट्रेनिंग देकर भारत भेजती है। पाकिस्तान आतंकवाद पर दुनिया को दिखाने के लिए सिर्फ घड़ियाली आंसू बहाता है। भारत सरकार जम्मू -कश्मीर में अब चुनाव करना चाहती है जबकि पाकिस्तान कभी ऐसा नहीं चाहेगा। यहाँ आम कश्मीरी अमन चाहता है क्योंकि वह बहुत कुछ खो चुका है लेकिन पाकिस्तान परस्त वहां के राजनेता कश्मीर में कभी भी शांति नहीं चाहते हैं। कश्मीर शांत हो गया तो उनकी वहां कोई सुनने वाला नहीं रहेगा। धारा 370 की आड़ में राजनेताओं ने खूब लूटा है। भारत के विदेश मंत्री ने पाकिस्तान से साफ कर दिया कि आप खुद को आतंक का शिकार कहते हैं और आतंक फैलाने वालों के साथ बैठते हैं, ऐसा नहीं हो सकता। भारत पड़ोसियों से हमेशा शांति चाहता है। अगर ऐसा न होता तो शंघाई सहयोग संगठन की बैठक में पाकिस्तान को आमंत्रित ही न करता लेकिन भारत की कूटनीति बहुत मजबूत है। विदेशी मेहमानों के सामने पाकिस्तान की आतंक परस्ती नीति की भारतीय विदेश मंत्री ने बखिया उधेड़ दी । भारत हमेशा शांति का समर्थक रहा. साल 2015 में प्रधानमंत्री अचानक लाहौर पहुंच गए थे। जब भारत के प्रधानमंत्री अटल बिहारी बाजपेई रहे तो परवेज मुशर्रफ का जोरदार स्वागत हुआ।

समझौता एक्सप्रेस भी चली लेकिन संबंध सुधरने के नाम पर भारत को पठानकोट जैसे दर्द मिले। फिलहाल पाकिस्तान के संदर्भ में जयशंकर प्रसाद की तरफ से की गयीं यह टिप्पणी अहम है कि भुट्टो और पाकिस्तान आतंक की इंडस्ट्री के प्रवक्ता हैं, आतंक को बढ़ावा देने और सही ठहराने वाले हैं। फिलहाल पाकिस्तान से आतंक के मसले पर उम्मीद करना बेमानी है क्योंकि हाथी के दांत दिखाने और खाने के अलग हैं।

-प्रभुनाथ शुक्ल

पाकिस्तान में हिन्दुओं का जबरन कनवर्जन चिंताजनक !

मनोज कुमार अग्रवाल

पाकिस्तान में अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर अत्याचार और जबरन धर्म परिवर्तन का सिलसिला जारी है हाल ही में पचास हिन्दुओं को सामूहिक रूप से कनवर्जन कर मुस्लिम बनाया गया है। उधर पाकिस्तान में हिन्दू लडकियों के साथ दरिंदगी और जबरन कनवर्जन आम है। पाकिस्तान के ह्यूमन राइट्स कमीशन के मुताबिक हर साल करीब एक हजार लड़कियों का जबरदस्ती धर्म बदलवा दिया जाता है। इनमें से ज्यादातर लड़कियां सिंध प्रांत के गरीब हिंदू समुदाय से आती हैं। इसके अलावा सिख और क्रिश्चियन कम्युनिटी की भी काफी लड़कियां इसका शिकार बनती हैं।याद हो पिछले साल पांच नवम्बर 2022 को सिंध के बदिन जिले के कस्बे तंतु गुलाम अली से दो हिन्दू बच्चियों -11 साल की निशा और 13 साल की हिना कोहली का अपहरण किया गया। पिछले एक महीने में कोई 16 ऐसी घटनाएं पाकिस्तान के सिंध इलाके में हो चुकी हैं, जिसमें नाबालिग हिन्दू लड़कियों का अपहरण कर जबरन मुस्लिम से निकाह करवा कर उनका धर्म बदलवा दिया गया। इसी साल जनवरी में संयुक्त राष्ट्र ने भी पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हो रहे जुर्म को लेकर एक रिपोर्ट जारी की थी।संयुक्त राष्ट्र के 12 एक्सपर्ट्स ने पाकिस्तान में माइनॉरिटी की किडनैपिंग, धर्म परिवर्तन और छोटी उम्र में लड़कियों की शादी करने जैसे मामलों को लेकर चिंता जाहिर की थी।पाकिस्तान के मीरपुरखास में 10 परिवारों के 50 हिंदुओं को मुसलमान बनाया गया है। इनमें 1 साल की बच्ची भी शामिल है। इस मौके पर मजहबी मामलों के मंत्री मोहम्मद ताल्हा महमूद के बेटे मोहम्मद शमरोज खान भी मौजूद रहे। वो खुद भी सांसद हैं।हिंदुओं का सामूहिक धर्मांतरण कराने के लिए एक स्पेशल सेरेमनी ऑर्गेनाइज की गई। जिन लोगों का मजहब बदलवाया गया है, उन्हें चार महीने तक एक जगह रखा गया, इसे आम बोलचाल में इस्लामी ट्रेनिंग सेंटर कह सकते हैं।करीब एक महीने पहले हिंदू सांसद दानिश कुमार ने सदन में यह कहकर सबको चौंका दिया था कि उनके सहयोगी सांसद उन्हें इस्लाम अपनाने के लिए लालच देते हैं या दबाव डालते हैं। अब हिंदुओं के सामूहिक धर्मांतरण का मामला सामने आया है। जिस संगठन ने यह धर्मांतरण कार्यक्रम आयोजित किया, उसके मुन्तजिर कारी तैमूर राजपूत ने कहा- कुल 10 परिवारों को इस्लाम में शामिल किया गया है। वो मर्जी से मुस्लिम बनने को राजी हुए। हमने कोई दबाव नहीं डाला। इस मौके पर कई स्थानीय लोग मौजूद थे।एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के मुताबिक धर्मांतरण पाकिस्तान के मीरपुरखास में 10 परिवारों के 50 हिंदुओं को मुसलमान बनाया गया है। इनमें 1 साल की बच्ची भी शामिल है। इस मौके पर मजहबी मामलों के मंत्री मोहम्मद ताल्हा महमूद के बेटे मोहम्मद शमरोज खान भी मौजूद रहे। वो खुद भी सांसद हैं।हिंदुओं का सामूहिक धर्मांतरण कराने के लिए एक स्पेशल सेरेमनी ऑर्गेनाइज की गई। जिन लोगों का मजहब बदलवाया गया है, उन्हें चार महीने तक एक जगह रखा गया, इसे आम बोलचाल में इस्लामी ट्रेनिंग सेंटर कह सकते हैं।वास्तविकता यह है कि हिन्दू समाज के गरीब लोगों को बाकायदा टार्गेट कर इस तरह के हालात पैदा कर कनवर्जन के लिए मजबूर कर दिया जाता है। करीब एक साल पहले सर्वाधिक हिन्दू जनसंख्या वाले सिंध प्रांत के हरूनाबाद जिले के मिट्ठी कस्बे में 3700 और जैकबाबाद जिले के सग्घर कस्बे के 5700 लोगों का सामूहिक धर्म परिवर्तन करवा कर वहां के मंदिरों में ताले डाल दिए गए। यदि पाकिस्तान में यही हालात रहे तो आगामी एक दशक में वहां हिन्दुओं का नामोनिशान मिट जाएगा। सन 2021 में वहां बीस हजार हिन्दुओं का धर्म परिवर्तन करवाया गया, 11 मंदिर तोड़े गए, 28 हिन्दुओं की हत्या की गई और 18 ने धार्मिक प्रताडन्ना के चलते खुदकुशी कर ली। सबसे बड़ी बात शायद यह दुनिया का ऐसा विरला देश हो जहां अपने यहां अल्पसंख्यक आबादी के आंकड़े छुपाए जाते हैं। सन 2017 की जनगणना के मुताबिक पाकिस्तान की आबादी कोई 20.77 करोड़ है जिसमें से 22 लाख के करीब हिन्दू हैं। पाकिस्तान में धर्म परिवर्तन विरोधी कानून बनाए जाते हैं लेकिन कट्टरपंथी जमात के विरोध के चलते ठंडे बस्ते में चले जाते हैं। बीते साल वहां 18 साल से कम के लोगों के धर्म परिवर्तन पर पाबंदी का कानून आया लेकिन मुल्ला- मौलवियों के विरोध के चलते उसे वापस ले लिया गया। वहां धर्म परिवर्तन को सबाव अर्थात पुण्य का काम कहा जाता है और इस्लामिक कानून के तहत ऐसी पाबंदी धर्म विरोधी है कह कर गवर्नर ने कानून रद्द कर दिया था।

आपसे नहीं हो पाएगा

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

आप रहने ही दीजिए। आपसे नहीं हो पाएगा। भैया जी आज के जमाने में लोगों को ज्ञान देने के लिए उन्हें अज्ञानी बनाना जरूरी है। केवल वाट्सप ग्रुप बनाकर एडमिन बने रहने से सिर्फ घांस छील पाओगे। ऐसा करते रहोगे तो समझो हो गया, कारवाँ गुज़र जाएगा और आप गुबार में ही फसें रहोगे। टुकड़ों में यहाँ-वहाँ से बटोरने से कुछ नहीं होता। यह फेंकू ज्ञान है। असली ज्ञान से भी ज्यादा कीमती। असली ज्ञान की तथ्यता स्रोतों, संदर्भों, इंटरनेट से सिद्ध हो जायेंगे। लेकिन फेंकू ज्ञान को जलेबीदार उलझाऊ बातों से सिद्ध करना पड़ता है। समझे बरखुरदार! मैं और मेरे जैसे अनेक बंधु ताजमहल, ज्ञानवापी, कुतुब मीनार, जामा मस्जिद, लाल किला देखकर लौट भी आये और अब खुदाई करने वालों सहित सब को अपना ज्ञान रोजाना परोस रहे हैं और आप यहीं व्यंग्य जैसी बेकार चीज़ लिख रहे हैं। आपने कल देखा नहीं कि ऊधर खोजी लोग ज्ञानवापी पहुँचे कि नहीं इधर ज्ञान की सहस्त्रधारा चहुँ ओर बह निकलीं थीं। बिअंग भैया जैसे व्यंग्यकार के भीतर से व्यंग्य का कीड़ा निकालने की कसम खाए फेंकूराम ने कहा- हम वॉट्सऐपियों ने ही बताया कि ज्ञानवापी के तहखाने में शिवलिंग दैदीप्यमान की तरह चमक रहा है। एक से बढ़कर एक छवियाँ क्रॉप करके धड़ल्ले से पोस्ट कर डाले। सामने वाले की गैलरिया चुटकियों में फुल कर डाले। वह ससुरा इसी में उलझा रहेगा कि तस्वीरें देखें या गैलरी साफ करे। किसी की जगह पर कोई दूसरा कुछ बनाएगा तो खोजबीन होगी ही। आगे तेजोमहल का भी यही हाल होने वाला है। सारा इतिहास हम अपने व्हाट्सप में धरकर चलते हैं। ज्ञानवापी से शिवलिंग की ली गयी पहली तस्वीर को खोजियों को प्राप्त करने, देखने और जारी करने के पहले ही हम व्हाट्सपवीरों ने उसे सोशल मीडिया में वायरल कर दिया था। सारी दुनिया जैसा करती है, वैसा आप भी किया करो बिअंग भाई। जानते नहीं, हाथी के दाँत दिखाने के कुछ और तथा खाने के कुछ और होते हैं। भीड़ तंत्र का हिस्सा बनो भीड़ तंत्र का। गधा भी अपने को कभी गधा नहीं बोलता, वह चुप रहने के बजाय मौका मिलते ही अपने को घोड़ा साबित करने पर तुल जाता है चाहे उसका ढेंचू-ढेंचू पसंद किया जाये या न किया जाए। फेंकूराम ने कहा तुम मूरख के मूरख रहोगे। तुम्हारे काले अक्षर भैंस बराबर नहीं सारी दुनिया की कालिख बराबर है। तुम हमेशा अपनी मुर्गी की डेढ़ टांग पर अटक जाते हो। किसी चीज़ को समझने का प्रयास नहीं करते। अरे भाई जी, कुछ समझ में आये न आये, तो भी इस देश की पितृ भाषा अंग्रेजी में बोला करिये - यस, करेक्ट, सब समझ गया, आई कनो, आई कनो ऑल वैरी वेल। बिअंग भैया आपको कहीं भी 'नो' याने 'नहीं' तो भूल के भी नहीं बोलना है। 'नो' के स्थान पर 'कनो' चलेगा, दौड़ेगा।

जानते हैं न, आजकल सोशल मीडिया में सब कुछ दौड़ रहा है। सारी दुनिया दौड रही है, आप भी उस मैराथान दौड की भीड़ में शामिल हो जाइए। आप ये जताइए कि आप को सब आता है। बिअंग भैया इससे आगे नहीं सुन सकते थे। उन्होंने हाथ जोड़े और फेंकूराम की सुबह को शाम और शाम को सुबह बोलने का वादा कर वहाँ नौ दो ग्यारह हो गए।

पानी का मूल्य समझाता है ज्येष्ठ

सूर्य पूजा मंत्र जप, ध्यान और तीर्थ दर्शन की है परंपरा

तीसरा महीना ज्येष्ठ शुरू हो गया है। ये महीना 4 जून तक रहेगा। ज्येष्ठ मास में गंगा दशहरा (30 मई) और निर्जला एकादशी (31 मई) ऐसी व्रत-पर्व हैं, जो जल का महत्व बताते हैं। गंगा दशहरा पर गंगा नदी में स्नान और गंगा पूजन करने की परंपरा है। निर्जला एकादशी पर पूरे दिन अन्न और जल का त्याग किया जाता है। ये व्रत भगवान विष्णु के लिए किया जाता है। मान्यता है कि निर्जला एकादशी व्रत से पूरे साल की सभी एकादशियों के व्रत का पुण्य मिल जाता है। ज्येष्ठ मास में किए गए शुभ काम और ध्यान से पुण्य लाभ के साथ ही स्वास्थ्य लाभ मिलते हैं, मन शांत होता है।

निर्जला एकादशी के समय गर्मी काफी अधिक रहती है। भीषण गर्मी के समय में दिनभर भूखे-प्यासे रहकर पूजा की जाती है। ये व्रत हमें पानी की एक-एक बूंद की कीमत समझा देता है। जानिए ज्येष्ठ मास में कौन-कौन से शुभ काम किए जा सकते हैं...

सूर्य पूजा के साथ करें दिन की शुरुआत

ज्येष्ठ मास में सुबह जल्दी सूर्योदय हो जाता है। इस महीने में सूर्योदय से पहले उठना चाहिए और नहाने के बाद उगते सूर्य को अर्घ्य देना चाहिए। इसके लिए तांबे के लोटे का उपयोग करें। ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जप करते हुए जल चढ़ाएं। जल चढ़ाते समय सूर्य को सीधे नहीं देखना चाहिए। लोटे से जो जल की धार गिरती है, उसमें से सूर्य देव के दर्शन करें।

पूजा-पाठ के साथ ही मंत्र जप जरूर करें

घर के मंदिर पूजा-पाठ करें। इसके बाद अपने इष्टदेव के मंत्रों का जप करें। शिव जी के लिए ऊँ नमः शिवाय, विष्णु जी के लिए ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय, श्रीकृष्ण के लिए कृं कृष्णाय नमः, श्रीराम के लिए रां रामाय नमः, हनुमान जी के लिए श्री रामदूताय नमः, देवी मां के लिए दुं दुर्गायै नमः मंत्र का जप कर सकते हैं।

ध्यान करने से मन होता है शांत

मंत्र जप के बाद घर के मंदिर में या किसी अन्य स्वच्छ कमरे में बैठकर कुछ देर ध्यान करना चाहिए। दोनों आंखें बंद करके अपना ध्यान दोनों भौंहों के बीच आज्ञा चक्र पर लगाएं। इस दौरान सांस की गति सामान्य रखें। आप चाहें तो ध्यान करते समय मंत्र जप भी कर सकते हैं। ध्यान करते समय इधर-उधर के विचारों में मन को न भटकाएं, मन को एकाग्र रखें।

जरूरतमंद लोगों की मदद करें

ज्येष्ठ मास में दान-पुण्य करने का महत्व काफी अधिक है। गर्मी के दिनों में जल का दान जरूर करें। जरूरतमंद लोगों को धन और अनाज का दान करना चाहिए। जूते-चप्पल, कपड़े और छाते का दान भी कर सकते हैं। किसी प्याऊ में जल का और मटके का दान कर सकते हैं।

कम से कम एक बार किसी तीर्थ की यात्रा जरूर करें

ज्येष्ठ मास में गर्मी अधिक रहती है। इस माह किसी ऐसे तीर्थ की यात्रा जरूर करें, जहां जाकर गर्मी से राहत मिल सकती है। इन दिनों में उत्तराखंड के चार धाम केदारनाथ, बद्रीनाथ, गंगोत्री और यमनोत्री की यात्रा कर सकते हैं। इस यात्रा से गर्मी से राहत मिलेगी। मन शांत होगा और पुण्य लाभ मिलेगा। ऐसी यात्रा से हमें ऊर्जा मिलती है, सकारात्मकता बढ़ती है और नई-नई बातें जानने को मिलती हैं।

चक्र क्या हैं? किस चक्र का क्या है नाम?

हमने अक्सर लोगों को शरीर के सात चक्रों के बारे में बात करते हुए सुना है। हमारे शरीर में मूलतः सात चक्र होते हैं। इन चक्रों को मूलाधार, स्वाधिष्ठान, मणिपुर, अनाहत, विशुद्ध, आज्ञा और सहस्त्रार बोला जाता है। धार्मिक पुराणों के अनुसार जीवन की ऊर्जा इन्हीं 7 चक्रों में समाहित होती है। माना जाता है कि अगर इन सात चक्रों का कोई मनुष्य ठीक से प्रबंध कर ले तो वह असाधारण सफलता भी आसानी से प्राप्त कर सकता है। सांसों पर नियंत्रण और ध्यान से इस ऊर्जा को शरीर में खींचा जा सकता है। जैसे-जैसे ये ऊर्जा चक्र से ऊपर उठती जाती है। हमारे व्यक्तित्व में चमत्कारी परिवर्तन दिखने लगता है। भोपाल निवासी ज्योतिषी एवं वास्तु विशेषज्ञ पंडित हितेंद्र कुमार शर्मा बता रहे हैं, शरीर के इन सातों चक्र के बारे में।

चक्र क्या है ?

प्राचीन काल के ग्रंथों से पता चलता है कि चक्रों की उत्पत्ति प्राचीन हिंदू और बौद्ध परंपराओं से हुई है। चक्र मानव शरीर के भीतर मौजूद ऊर्जा के केंद्र हैं। सात चक्र हमारे पूरे शरीर में स्थित होते हैं। जो हमारी रीढ़ के आधार से शुरू होकर हमारे सिर के शीर्ष तक जाते हैं। प्रत्येक चक्र की अपनी अलग कंपन आवृत्ति होती है, और ये प्रत्येक चक्र शरीर में विशिष्ट कार्यों को नियंत्रण करते हैं। ये चक्र हमारे शरीर के रोगों के प्रतिरोध से लेकर भावनात्मक प्रसंस्करण तक हर चीज को प्रभावित कर सकते हैं।

7 चक्रों के नाम

मूलाधार चक्र

मूलाधार या मूल चक्र मनुष्य की प्रवृत्ति, सुरक्षा, अस्तित्व और मौलिक क्षमता से संबंध रखता है। ये चक्र गुप्तांग के बीच में होता है। ऐसा माना जाता है, कि जब किसी मनुष्य का अस्तित्व खतरे में होता है। तो मरने या मारने का दायित्व इसी चक्र का होता है।

स्वाधिष्ठान च्रक

स्वाधिष्ठान चक्र मनुष्य के कमर के पीछे की तिकोनी हड्डी में होता है। स्वाधिष्ठान चक्र को आमतौर पर मूत्र तंत्र से संबंधित माना जाता है। स्वाधिष्ठान चक्र का मुख्य संबंध हिंसा, व्यसनों, मौलिक भावनात्मक आवश्यकताएं और सुख होते हैं।

मणिपुर चक्र

मणिपुर चक्र चयापचय और पाचन तंत्र से संबंधित होता है। ये चक्र मनुष्य के नाभि स्थान पर व्यवस्थित होता है। ये चक्र पाचन क्रिया में शरीर के खाद्य पदार्थों को ऊर्जा के रूप में रूपांतरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है।

अनाहत चक्र

अनाहत या अनाहत पुरी चक्र का संबंध मनुष्य की बाल्यग्रंथि से होता है। ये चक्र मनुष्य के सीने में स्थित होता है। बाल्यग्रंथि प्रतिरक्षा प्रणाली का तत्व है। ये चक्र तनाव के प्रतिकूल प्रभाव से मनुष्य का बचाव का काम करता है। शारीरिक रूप से अनाहत चक्र संचालन को नियंत्रित करता है। भावनात्मक रूप से अपने और दूसरों के लिए समर्पित प्रेम मानसिक रूप से आवेश और आध्यात्मिक रूप से समर्पण को नियंत्रित करता है।

विशुद्ध चक्र

विशुद्धि चक्र मनुष्य के गले में स्थित होता है ये चक्र मनुष्य की थायराइड और हार्मोन को कंट्रोल करने का काम करता है। इसी चक्र की मदद से मनुष्य का विकास होता है, और परिपक्वता आती है। ये चक्र आत्मविभक्ति और संप्रेषण जैसे कार्यों को नियंत्रित करता है।

आज्ञा चक्र

आज्ञा चक्र मनुष्य की दोनों भौहों के मध्य में स्थित होता है। आज्ञा चक्र का मुख्य कार्य उच्च और निम्न को संतुलित करना है। मानसिक रूप से आज्ञा चक्र मनुष्य की दृश्य क्षमता के साथ जुड़ा होता है, और भावनात्मक रूप से शुद्धता के साथ सहज ज्ञान के स्तर से जुड़ा होता है।

सहस्त्रार चक्र

सहस्त्रार चक्र को मनुष्य के शरीर में शुद्ध चेतना का चक्र माना जाता है। ये हमारे मस्तिष्क के बीच में ऊपर की ओर स्थित होता है। ये चक्र आंतरिक बुद्धि और दैहिक मृत्यु से जुड़ा हुआ होता है।

मेहनत के बावजूद नहीं हो रहा काम तो मंगलवार को करें चंदन का उपाय

अगर आपको किसी कारणवश मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ रहा है या आप किसी बात को लेकर कुछ दिनों से चिंतित हैं तो इस परेशानी को दूर करने के लिए आज आर्द्रा नक्षत्र में चन्दन की माला लेकर गले में पहनें साथ ही आर्द्रा नक्षत्र में चन्दन को पीसकर, उसका तिलक मस्तक पर लगाएं। ऐसा करने से आपकी मानसिक परेशानियों का निवारण जल्द ही होगा।

अगर आप संतान सुख पाना चाहते हैं तो आज के दिन स्नान आदि के बाद एक जटा वाला नारियल और सवा मीटर लाल कपड़ा लें। अब नारियल पर उस लाल कपड़े को लपेट दें। इस प्रकार लाल कपड़े से लिपटे हुए नारियल को हनुमान जी के मन्दिर में चढ़ा दें। उसके बाद मन्दिर में या फिर अपने ही घर में उचित स्थान पर बैठकर हनुमानष्टक का पाठ करें। ऐसा करने से आपको संतान सुख की प्राप्ति होगी।

अगर आप विदेश में नौकरी करने के इच्छुक हैं और जल्द से जल्द वहां सेटेल होना चाहते हैं तो आर्द्रा नक्षत्र के दौरान एक कच्चा नारियल और साथ ही 11 साबुत बादाम लें । अब नारियल और बादाम को एक लाल कपड़े में बांधकर बहते जल में प्रवाहित कर दें। ऐसा करने से आपकी इच्छा जल्द ही पूरी होगी।

अगर आपको लाख मेहनत करने के बाद भी सफलता नहीं मिल पा रही, उसमें कोई न कोई अड़चन आ रही है तो आर्द्रा नक्षत्र में अपने घर के मंदिर में एक छोटी-सी लकड़ी की चौकी रखें और उस पर गंगाजल से छींटा मारें। अब उस चौकी पर पीले रंग का कपड़ा बिछाएं और मां सरस्वती की प्रतिमा को उस चौकी पर स्थापित करके, पीले रंग का वस्त्र मां को पहनाएं और सोलह श्रृंगार से मां को सजाएं। इसके बाद देवी मां के चरणों में सफेद पुष्प अर्पित करके खोए की मीठाई का भोग लगाएं। ऐसा करने से आपकी सफलता सुनिश्चित होगी।

अगर आप किसी विशेष कार्य से बाहर जा रहे हैं और चाहते हैं कि उस कार्य में आपको शत प्रतिशत सफलता मिले तो एक नीले रंग का धागा लेकर घर से निकलें और शीशम के पेड़ पर अपना काम कहते हुए वह नीले रंग का धागा बांध दें। ऐसा करने से आपके काम के सफल होने की संभावना कई गुना बढ़ जायेगी।

अगर आप किसी को अपनी तरफ आकर्षित करना चाहते हैं तो आर्द्रा नक्षत्र में संभव हो तो चांदी के बने हाथी को अन्यथा मिट्टी के हाथी को अपने घर में स्थापित करें। साथ ही पक्षियों को बाजरा डालें । यहां एक बात का खास ख्याल रखना है कि- बाजरा कबूतरों को नहीं डालना है। कबूतरों के अलावा किसी भी पंक्षी को डाल सकते हैं। ऐसा करने से आप जिसे चाहते हैं, उसे अपनी तरफ आसानी से आकर्षित कर पायेंगे।

अगर आप अपने बिजनेस को दूसरे राज्य में फैलाना चाहते हैं या विदेश में व्यापार करना चाहते हैं या बिजनेस को बहुत आगे बढ़ता देखना चाहते हैं तो आर्द्रा नक्षत्र के दौरान हाथ में कच्चा कोयला लेकर बहते जल में प्रवाहित कर दें और संभव हो तो चांदी की एक ठोस गोली अपने ऑफिस या दुकान की तिजोरी में रख दें। ऐसा करने से आपके बिजनेस में दिन-रात तरक्की ही तरक्की होगी।

अगर आपके किसी अजीज ने आपको कोई महत्वपूर्ण काम दिया है और आप उसे पूरी मेहनत के साथ पूरा करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन उसमें आपको सफलता नहीं मिल पा रही है तो आर्द्रा नक्षत्र में देवी सरस्वती के मन्दिर में जाकर आसन पर बैठकर देवी मां की विधिवत पूजा करें और सरसों के तेल का दीपक जलाएं। ऐसा करने से आपका कार्य समय पर पूरा होगा।

कहां गायब हो जाती है जलधारा?

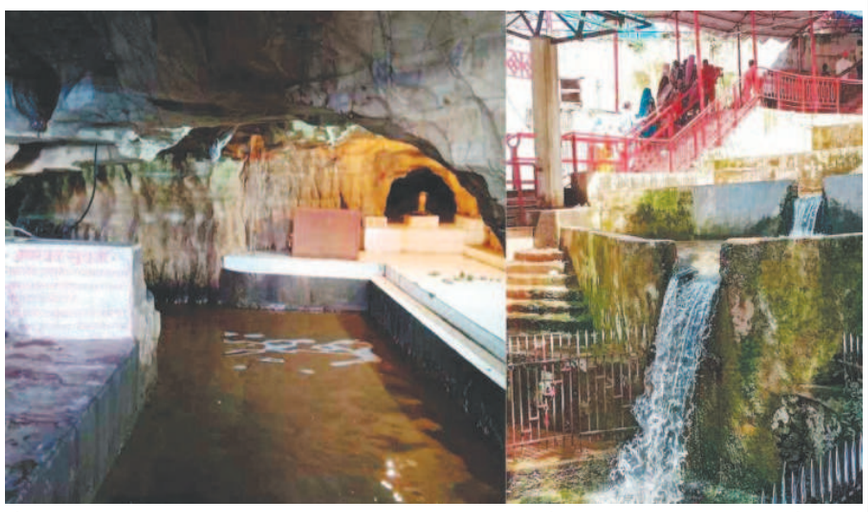

गोदावरी धारा की विशाल जलराशि वाली दूसरी गुफा से जल निकलकर बाहर कुंड के बाद दिखाई नहीं देता। कहा जाता है इस गुफा में बहने वाली गोदावरी के उद्गम के बारे में कई जानकारों और विशेषज्ञों ने खोज करने की कोशिश की। लेकिन अब तक रहस्य बरकरार है।

चित्रकूट एक धार्मिक नगरी होने के साथ-साथ अपनी खूबसूरती के लिए भी जानी जाती है। हजारों की संख्या में जहां श्रद्धालु रोज चित्रकूट दर्शन के लिए आते हैं। यहां चित्रकूट धाम का साधु संतों और ऋषि-मुनियों से सीधे नाता है। इस धाम में रहस्यों की कमी भी नहीं है। आज भी गोदावरी नदी उद्गम का रहस्य गुप्त है। गुफाओं से निकली गुप्त गोदावरी नदी का जल कुछ ही दूर तक दिखाई देने के बाद गुप्त हो जाता है।

ऐसी मान्यता है कि त्रेता युग के समय प्रभु श्री राम और उनके भाई लक्ष्मण इसी गुफा में कुछ देर रुक चुके थे, तब देवतागण भी यहां आए थे। महंत जगजीवन दास कहते हैं कि देवताओं और प्रभु राम से के दर्शन के बाद मां गोदावरी अपने स्थान में वापस चली गईं और उन्होंने अपने आप को घूंघट में डाल लिया।

भारत मन्दिर के महंत दिव्य जीवनदास जी ने बताया ₹सतयुग से इस गुफा को प्रभु श्रीराम का इंतजार था। त्रेता युग में प्रभु अपने वनवास के दौरान चित्रकूट जब आए, तब गुप्त गुफाओं में उनका कुछ समय बीता। इसी समय प्रभु श्रीराम से मिलने देवता का वास हुआ। सभी देवता गोदावरी गुफा के अंदर प्रभु राम से मिलने पहुंच गए। आज भी गुफा के अंदर पत्थर में बने सिंहासन के आकार में शिला कटी हुई है। आज भी वह स्थान गुफा के अंदर मौजूद है।

प्रकृति की अनमोल धरोहर गुप्त गोदावरी ऐसा स्थान है, जहां पर्यटक अपनी सुधबुध खो देता है। प्रकृति की विलक्षण कारीगरी वाली गुफाओं में नक्काशी देखते ही बनती है। एक गुफा सूखी है। यहां गोदावरी मां के साथ ही अन्य देवतागण स्थापित हैं और राजा इंद्र के पुत्र जयंत खटखटा चोर के रूप में आज भी लटके हैं।

गर्मियों में गुफा का वातावरण ठंडा रहता है। यह भी मान्यता है कि खुद प्रभु राम ने कहा था जो भी भक्त सच्चे मन से गुफा के अंदर आकर प्रभु राम, लक्ष्मण और माता सीता की आराधना करता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

वृद्धावस्था को खुशहाल बनाएं और ढेरों खुशियां पाएं

हम सभी इस तथ्य से अच्छी तरह परिचित हैं कि संसार के प्रत्येक जीव की जीवनयात्रा में बुढ़ापा एक आवश्यक पड़ाव है। जिसने जन्म लिया है, समय के साथ-साथ उसके शरीर का विकास भी अवश्य होगा और आयु बढ़ने के साथ-साथ शारीरिक क्षमताओं का ह्रास होगा तथा वृद्धावस्था भी जरूर आएगी। ये सब कुछ जानते हुए भी ऐसा देखा गया है कि संसार के अधिकांश लोग बुढ़ापे के नाम से ही घबराते हैं। पर क्यों? क्योंकि वे मानसिक रूप से खुद को इसके लिए तैयार नहीं करते। जीवन को यात्रा कहा गया है और कोई भी व्यक्ति जब यात्रा के अंतिम पड़ाव पर पहुंचता है तो वह प्रसन्नता का अनुभव करता है, क्योंकि बिना तैयारी के यात्रा कठिन हो जाती है और इसीलिए जीवन-यात्रा की मानसिक तैयारी भी हमें बाल्यकाल से ही करनी चाहिए।

स्मरण रहे ! यदि हमारी मनोभूमि शक्तिशाली है तो हमें हर बात अनुकूल दिखाई देती है, पर यदि मनोभूमि कमजोर हो तो हर बात प्रतिकूल नजर आती है। तभी तो हम देखते हैं कि आजकल 70-80 साल के बुजुर्ग बड़ी ही उमंग और उत्साह के साथ मैराथन दौड़ में भाग लेते हैं और 30-40 साल के युवा घुटनों के दर्द से पीड़ित होकर घर पर ही बैठे रहते हैं।

इसीलिए हृदय रोग के विशेषज्ञ हमेशा मरीजों को यह कहते हैं कि झुर्रियां हमारे माथे पर पड़नी ही हैं तो भी उन्हें हृदय पर मत पड़ने दो। अतः मन और हृदय को खुश और शक्तिशाली रखेंगे तो बढ़ती उम्र का आपके ऊपर कोई असर नहीं होगा।

क्रियाशीलता की दृष्टि से मानव जीवन का पूर्वार्द्ध अपने व अपने परिवार के लिए है, परन्तु उत्तरार्ध में अपने को ध्यान, साधना, परोपकार के लिए तैयार कर लेना आवश्यक है।

बड़ी होती संतान को उसके कर्तव्यों से परिचित करवाते हुए स्वयं को दीन-दुखियों की सेवा, सहायता, ज्ञान, सद् विचार, सद्भावों में व्यस्त कर लेना चाहिए। यह तो हम पर निर्भर करता है कि हम अपने इस अनमोल जीवन को कैसे जिएं। मन से बूढ़े होकर या मन से सदैव जवान होकर।

सपने में 5 चीजों का दिखना होता है शुभ

सपने देखना एक सामान्य प्रक्रिया है, जिसका अनुभव प्रत्येक व्यक्ति अक्सर करता है, परंतु क्या आप जानते हैं कि इन सपनों के कई अर्थ होते हैं। स्वप्न शास्त्र में मनुष्य जो सपने देखता है, उसके विषय में विस्तार से जानकारी दी गई है। ये सपने व्यक्ति को आने वाले भविष्य के बारे में सचेत भी करते हैं। कुछ सपने शुभता लाते हैं। वहीं कुछ सपने अप्रिय घटनाओं की तरफ भी संकेत करते हैं। आज दिल्ली निवासी ज्योतिष आचार्य आलोक पंडित पाण्डया हमें उन चीजों के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें सपने में देखने से माता लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है और कभी धन की कमी नहीं होती। यदि आप भी ऐसे कोई सपने देखते हैं तो इस आर्टिकल की मदद से धन लाभ के सपनों को पहचान सकते हैं।

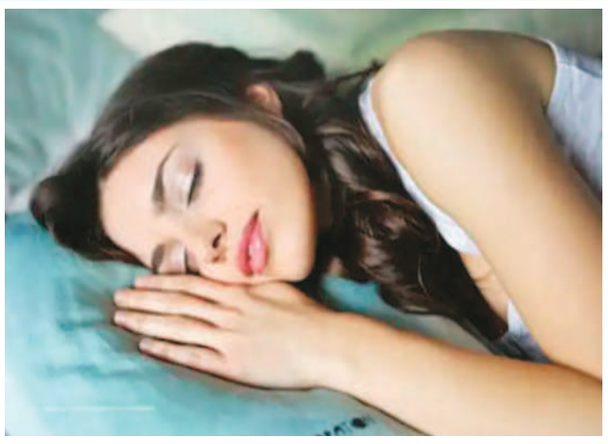

सपने में माता लक्ष्मी का दिखना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति के सपने में माता लक्ष्मी दिखाई देती हैं, तो ये संकेत है कि उस व्यक्ति को आकस्मिक धन लाभ होने वाला है। मां लक्ष्मी की कृपा उसके ऊपर बनी रहेगी।

पीला फल या फूल दिखाई देना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति के सपने में पीले रंग का फूल या फल दिखाई देता है तो उस व्यक्ति को स्वर्ण लाभ हो सकता है।

भारी वर्षा देखना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, यदि किसी जातक के सपने में भारी बारिश दिखाई देती है तो ये संकेत है कि उस व्यक्ति को धन लाभ होने वाला है उसके आय के नए स्रोत बनने वाले हैं।

मंदिर दिखाई देना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, यदि किसी व्यक्ति को सपने में मंदिर दिखाई देता है तो ये सपना बेहद शुभ माना जाता है। इस सपने के अनुसार, भगवान कुबेर की कृपा आपके ऊपर बनी रहेगी और आपको कभी भी धन की कमी नहीं होगी।

लाल रंग की साड़ी दिखाई देना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, यदि किसी जातक को सपने में लाल रंग की साड़ी दिखाई देती है या लाल रंग की साड़ी में कोई महिला दिखाई देती है तो यह संकेत है धन आगमन का।

ऊंचाई पर चढ़ना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति खुद को ऊंचाई पर चढ़ते हुए देखता है तो ये शुभ सपना माना जाता है। यह संकेत है

ब्रश करते देखना

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति सपने में अपने आप को ब्रश करते हुए देखते हैं तो ये शुभ संकेत माना जाता है। इस सपने का अर्थ है आपको मां लक्ष्मी का आशीर्वाद प्राप्त होने वाला है।

2 बार धोखा खाने के बाद फिर दुल्हन बनेंगी राखी?

नए 'शहजादे' संग इठलाती दिखी ड्रामा क्वीन

44 साल की हो चुकीं बॉलीवुड की 'ड्रामा गर्ल' राखी सावंत के नखरे अब भी कम नहीं हुए हैं. पहले पति का साथ छूटने, दूसरे को जेल भिजवाने के बाद राखी को अब 'सपनों का शहजादा' मिला है. ऐसा दुबई पहुंची राखी सावंत का दावा है. राखी एक्स हसबैंड रितेश और आदिल दुर्रानी को भूल फिर से प्यार की पींगे बढ़ा रही हैं. बॉलीवुड की आइटम गर्ल ने अपने शहजादे का दीदार फैन्स को एक वीडियो के जरिए कराया है।

मुंबई की जगह इस बार दुबई में मिला शहजादा

राखी सावंत इन दिनों दुबई में हैं. उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है. इस वीडियो क्लिप में राखी दुबई की शानदार सड़कों पर अपने शहजादे के साथ घूमते दिख रही हैं. बता दें कि राखी की दो शादियां पहले ही टूट चुकी हैं. इस बार राखी का दावा है कि उन्हें सपनों का राजकुमार मिल गया है. सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में राखी एक शेख संग मस्ती करती हुई नजर आ रही हैं.

वीडियो क्लिप में राखी लोगों को अपने शहजादे से परिचय कराती हुई कहती हैं कि जैसे ही मैं दुबई में आई, मुझे मेरा शहजादा मिल गया. ठीक है? चलो बेबी, चलो चलते हैं.' राखी के इस वीडियो पर फैंस जमकर प्रतिक्रिया दे रहे हैं. एक फैंस ने कहा कि राखी को 'नया बकरा' मिल गया है. एक यूजर ने कमेंट किया, 'लगता है अब यह भी आदिल के जैसे जेल में जाएगा."

राखी सावंत का फिल्मी सफर

राखी सावंत ने साल 1997 में फिल्म 'अग्निचक्र' से बॉलीवुड डेब्यू किया था. इसके बाद 'जोरू का गुलाम', 'ये रास्ते हैं प्यार के' और 'जिस देश में गंगा रहता है' में उनका डांस आइटम काफी हिट रहा. 2005 में 'परदेसिया' एल्बम में उन पर फिल्माया गया गाना 'परदेसिया ये सच है पिया' ब्लॉकबस्टर रहा. राखी ने छोटे पर्दे पर 'बिग बॉस', 'नच बलिए' और 'राखी का स्वयंवर' जैसे शोज में हिस्सा लिया.

राम्या कृष्णन साउथ इंडस्ट्री की जानी मानी अभिनेत्री

फिल्म डायरेक्टर केएस रविकुमार के साथ अपने कथित संबंधों को लेकर राम्या खूब सुर्खियों में रहीं

राम्या कृष्णन साउथ इंडस्ट्री की जानी मानी अभिनेत्री हैं, जिन्होंने कई हिंदी फिल्मों में भी काम किया है. अपने दमदार अभिनय के दम पर उन्होंने दुनियाभर में अपनी जबरदस्त पहचान बनाने में सफल रही हैं. लोग आज भी उन्हें फिल्म 'बाहुबली' के लिए जानते हैं. आज हम राम्या से जुड़ी एक ऐसी बात आपको बताने जा रहे हैं, जिसे जान आप हैरान रह जाएंगे.

दिग्गज अभिनेत्री राम्या कृष्णन पिछले 3 दशक से लगातार फिल्मों में सक्रिय हैं. इस दौरान उन्होंने लगभग 260 से अधिक फिल्मों में काम किया और अपने दमदार अभिनय से दर्शकों को काफी हैरान भी किया. 'बाहुबलीः द बिगिनिंग', 'बाहुबलीः द कन्क्लूजन' और 'सुपर डीलक्स' जैसी फिल्मों से तो वह दुनियाभर में अपनी पहचान बनाने में सफल रहीं.

इस दौरान राम्या ने 3 नंदी पुरस्कार, 1 तमिलनाडु राज्य फिल्म पुरस्कार (स्पेशल प्राइज) और 4 फिल्मफेयर पुरस्कार अपने नाम किया. अपने करिअर में इन सभी ऊंचाइयों को हासिल करने के बावजूद, राम्या लगातार बड़े बजट की फिल्में साइन करती रहती हैं, हालांकि वह अपने रील लाइफ के साथ-साथ अपने रियल लाइफ को भी लेकर सुर्खियां बटोर चुकी हैं.

फिल्म डायरेक्टर केएस रविकुमार के साथ अपने कथित संबंधों को लेकर राम्या खूब सुर्खियों में रहीं. एक समय था जब लोकप्रिय दक्षिण भारतीय अभिनेत्री राम्या कृष्णन निर्देशक केएस रविकुमार की बैक-टू-बैक फिल्मों में नजर आती थीं और समीक्षकों द्वारा उनकी जमकर तारीफ भी होती थी. 1999 में राम्या रविकुमार की फिल्में 'पदयप्पा ' और 'पाट्टली ' और 2002 में 'पंचतंथिरा ' में नजर आई थीं, और इन तीनों फिल्मों की जमकर तारीफ भी हुई थी.

मीडिया रिपोर्ट्स की माने तो इन्हीं फिल्मों के दौरान राम्या और रविकुमार की नजदीकियां बढ़ीं और दोनों के एक दूसरे को डेट करने लगे थे. इस बात को जानते हुए कि रविकुमार पहले से शादीशुदा हैं, राम्या ने उनसे प्यार कर बैठी थीं. बताया तो ये भी जाता है कि जब के एस रविकुमार की पत्नी को अपने पति और राम्या के संबंध में जानकारी हुई तो उन्होंने राम्या को धमकी भी दी थी. इस दौरान दोनों के अफेयर के साथ-साथ एक्ट्रेस की प्रेग्नेंसी की खबरों को खूब हवा मिली हुई थी. वहीं, इन खबरों का प्रभाव भी रविकुमार की बसे-बसाए घर पर भी दिखने लगा. उनके पत्नी के साथ रिश्ते बिगड़ने लगे थे.

रिपोर्ट्स की माने तो इन सारी चीजों से रविकुमार परेशान हो गए थे, तो उन्होंने राम्या से अलग होने का फैसला लिया और उनसे सारे रिश्ते खत्म करना चाहते थे. रिपोर्ट्स में ये भी दावा किया गया कि तब एक्ट्रेस ने अबॉर्शन के लिए 75 लाख रुपए मांगे थे. कहा जाता है कि उस समय दोनों में से कोई भी उस बच्चे के लिए तैयार नहीं था. इसके बाद एक्ट्रेस ने अबॉर्शन का फैसला किया था. राम्या पर लगे इस आरोप के बाद उनकी जिंदगी में भूचाल आ गया था. हालांकि, बाद में राम्या और रविकुमार दोनों ने उनके रिलेशनशिप, प्रेग्नेंसी और अबॉर्शन से जुड़ी सारी खबरों को गलत बताया था. बाद में, राम्या ने तेलुगू फिल्ममेकर कृष्णा वामसी से 12 जून, 2003 में शादी कर ली थी.

विजय देवरकोंडा पर कमेंट करना अनसूया को पड़ा भारी, ट्रोल्स ने कह दिया 'आंटी'

साउथ फिल्मों के मशहूर अभिनेता विजय देवरकोंडा अक्सर सुर्खियों में बने रहते हैं। लेकिन आज विजय की वजह से अभिनेत्री अनसूया भारद्वाज का नाम चर्चा में आ गया है। दरअसल, अभिनेत्री विजय देवरकोंडा और कुशी पोस्टर पर कथित तौर पर अपने कमेंट के लिए सुर्खियां बटोर रही हैं। जहां 'कुशी' का पोस्टर देखकर विजय के सभी फैंस बेहद खुश थे, लेकिन अनसूया को उसमें कुछ ऐसा दिखा कि वह अपने आपको कमेंट करने से रोक नहीं पाईं। हालांकि, अनसूया को विजय पर कमेंट करना भारी पड़ा गया क्योंकि अभिनेता के फैंस ने अभिनेत्री को जमकर ट्रोल किया।

'कुशी' पोस्टर पर, विजय के नाम के आगे 'द' लगा हुआ था, जो अनसूया को बिल्कुल भी पसंद नहीं आया। ऐसे में अभिनेत्री ने विजय देवरकोंडा के नाम को लेकर कमेंट करते हुए ट्वीट किया, जो वायरल हो रहा है। एक्ट्रेस ने अपने ट्वीट में किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन सोशल मीडिया यूजर्स को लग रहा है कि वह विजय देवरकोंडा के बारे में बात कर रही हैं। अभिनेत्री ने लिखा था, 'द देखा बस..बाइल पर?? बाबू!!! हम क्या कर सकते हैं.. बस यह देखते हैं कि यह चिपके नहीं।'

जैसे ही अनसूया ने यह ट्वीट किया, विजय देवरकोंडा के फैंस ने इस पर अपनी प्रतिक्रिया देनी शुरू कर दी। 'लाइगर' के फ्लॉप होने के बाद भी, अनसूया ने फिल्म का प्रसिद्ध डायलॉग- वाट लगा देंगे ट्वीट किया था। अब इस बार, अभिनेत्री ने विजय के नाम के आगे 'द' के प्रयोग पर टिप्पणी की, जो अभिनेता के फैंस को बिल्कुल भी रास नहीं आई। इसके बाद फैंस ने उन्हें आंटी तक कहकर ट्रोल करना शुरू कर दिया है।

बुरी तरह से ट्रोल होने के बाद, अनसूया ने एक और ट्वीट किया, जिसमें उन्होंने कहा कि सितारों को अपने फैंस को सोशल मीडिया पर लाइन क्रॉस नहीं करने देना चाहिए। उन्होंने लिखा, 'मुझे नहीं पता कि इन सभी सितारों को अपने प्रशंसकों के नाम पर किसी भी गलत काम पर स्टैंड लेने के लिए क्या रोकता है। महान शक्ति के साथ बड़ी जिम्मेदारी आती है। मेरी दी गई शक्ति में मैं जिम्मेदार हो रही हूं।'

अनन्या के सामने ही लोगों ने उड़ाया उनका मजाक, पूछा- बाल्टी है या पर्स?

बॉलीवुड सेलेब्स पार्टीज, इवेंट और अवॉर्ड शो में अपनी प्रिजेंस को खास और बिल्कुल अलग तरह से प्रिजेंट करते हैं. उनके आउटफिट और फैशन सेंस की तारीफ होती हैं. बीती रात मुंबई में एक मोस्ट स्टाइलिश अवॉर्ड्स इवेंट हुआ. इस इवेंट में कई सितारों ने शिरकत की और उन्होंने इवेंट में अपना बेहतरीन लुक प्रेजेंट किया. जाह्नवी कपूर , अनन्या पांडे, श्रिया सरन, रितेश देशमुख और जेनेलिया देशमुख समेत कई अन्य सेलेब्स भी इसमें शामिल हुए. लेकिन सबसे ज्यादा ध्यान अनन्या पांडे ने खींचा. वह इवेंट में सबसे खूबसूरत तो दिख ही रही थीं, लेकिन उनके पर्स ने उनसे भी ज्यादा सुर्खियां बटोरी.

अनन्या पांडे अपने लुक और खूबसूरती से ज्यादा अपने पर्स की वजह से चर्चा में रहीं. इवेंट से अनन्या का एक वीडियो सामने आया है. वीडियो में देखा जा सकता है कि उन्होंने गुलाबी रंग का एक आउटफिट पहना हुआ है. इसके साथ ही उन्होंने एक गोल्डन कलर का पर्स लिया हुआ है. इस पर्स को लेकर न सिर्फ पैपराजी ने उनका मजाक उड़ाया बल्कि नेटिजंस भी मजे ले रहे हैं.

दरअसल, अनन्या पांडे का पर्स बाल्टीनुमा है. अनन्या के हाथ में ऐसा पर्स देख खुद पैपराजी ने मजे लेते हुए एक्ट्रेस से पूछा बाल्टी लग रही है. पर्स है या बाल्टी? वीडियो में सुना जा सकता है कि बाकी पैपराजी के भी हंसने की आवाज आ रही हैं. अनन्या भी मुस्कुराते हुए हैरान जताती हैं और 'बाल्टी' बोलते हुए आगे निकल जाती हैं. अनन्या आगे बड़ जाती हैं लेकिन उनका ध्यान पैपराजी की हंसी पर ही रहता है.

इतना ही नहीं, सोशल मीडिया पर अनन्या पांडे का यह वीडियो आते ही नेटिजंस भी मजे लेने लगे. एक यूजर ने लिखा, "वो सब तो ठीक है, लेकिन उसमें रखा क्या होगा??" एक अन्य यूजर ने लिखा, "दाल तड़के की बाल्टी जाते समय भर के लेके जाना." एक यूजर ने तो पर्स की तुलना उनके स्ट्रगल से की. यूजर ने लिखा,"इस पर्स का साइज तो उनके स्ट्रगल के जितना है."

अनन्या पांडे की फिल्में

अनन्या पांडे का यह वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है. बात करें अनन्या के वर्कफ्रंट की, तो वह आयुष्मान खुराना के साथ 'ड्रीम गर्ल 2' में दिखाई देंगी. आखिरी बार वह विजय देवरकोंडा के साथ फिल्म 'लाइगर' में नजर आई थीं.

अदा शर्मा की फिल्म का जलवा कायम महज 3 दिन में कमाए 35 करोड़

डायरेक्टर सुदीप्तो सेन की विवादित फिल्म द केरल स्टोरी अपनी कहानी को लेकर एक हार्ड हिटिंग फिल्म है, जो अभी विवादों से घिरी है। वहीं, बात फिल्म के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की करें तो जो आंकड़े सामने आए है, उसे देककर कहा जा सकता है कि फिल्म को पसंद किया जा रहा है और शोज भी हाउसफुल जा रहे हैं। सामने आ रही रिपोर्ट्स की मानें तो फिल्म ने अपने ओपकनिंग वीकेंड कमाई की है। विवादों के बावजूद द करेला स्टोरी उस समय बॉक्स ऑफिस पर डटी है, जब सलमान खान जैसे सुपरस्टार की फिल्म किसी का भाई किसी की जान सिनेमाघरों में चल रही है। हालांकि, अब सलमान की फिल्म के कलेक्शन में भरी गिरावट देखने को मिल रही है। फिल्म 17 दिन में 108 करोड़ रुपए का कलेक्शन ही कर पाई।

ऐसी रही द केरल स्टोरी का 3 दिन की कमाई

पर धांसू कमाई की है। फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 35.75 करोड़ का कलेक्शन किया है। वहीं, रविवार को फिल्म का कलेक्शन 16.50 करोड़ रहा।

द कश्मीर फाइल्स को इस मामले में पछाड़

बता दें कि द केरला स्टोरी ने ओपनिंग वीकेंड कलेक्शन के मामले में 2022 की ब्लॉकबस्टर फिल्म द कश्मीर फाइल्स को मात दे दी है। बता दें कि इस फिल्म पर भी खूब विवाद हुआ था। रिपोर्ट्स की मानें तो अनुपम खेर की द कश्मीर फाइल्स ने ओपनिंग वीकेंड पर 27.15 करोड़ का कलेक्शन किया था। वहीं, द केरला स्टोरी ने 35.75 करोड़ की द केरल स्टोरी उस वक्त रिलीज हुई थी जब इसका हर तरफ विरोध किया जा रहा था। हालांकि, कई जगह फिल्म के शोज कैंसिल करने पड़े थे, लेकिन फिर भी फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। फिल्म ने पहले दिन 8.03 करोड़ का कलेक्शन किया था। वहीं दूसरे दिन शनिवार को फिल्म ने 11.22 कोरड़ का बिजनेस किया। तीसरे दिन रविवार को 16.50 करोड़ की कमाई की। ओवरऑल फिल्म ने 35.75 करोड़ का कारोबार किया। बता दें कि फिल्म में अदा शर्मा, योगिता बिहानी, सिद्धि इदनानी और सोनिया बलानी लीड रोल प्ले कर रही हैं।

करीना से फैंस बोले-आपकी उम्र जरा भी नहीं बढ़ी

प्रिंटेड कुर्ती-पैंट में स्पॉट हुईं बेबो, हाथ हिलाकर पैपराजी को ग्रीट किया

हाल ही में करीना कपूर को स्पॉट किया गया। इससे जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर भी सामने आया है। वीडियो में करीना फोन पर बात करती हुई दिख रही हैं। जैसे ही उनकी नजर पैपराजी की तरफ गई, करीना ने हाथ हिलाकर पैपराजी की तरफ वेव किया और बहुत प्यारी स्माइल भी दी।

प्रिंटेड बोहो लुक में दिखीं करीना कपूर

इस दौरान करीना आरामदायक और फ्लो वाली प्रिंटेड बोहो कुर्ती और पैंट में दिखाई दीं। उन्होंने अपने बालों को जुड़े में बांधा और ब्लैक कलर की सैंडल के साथ अपना आउट फिट कंप्लीट किया। एक्सेसरीज के तौर पर करीना ने सनग्लासेस लगाए और हाथ में गोल्डन ब्रेसलेट और कानों में गोल्डन हूप इयररिंग्स भी पहने। इसके अलावा उन्होंने अपने हाथ में ब्लैक कलर का बैग भी लिया हुआ है।

फैंस ने की करीना के लुक की तारीफ

करीना के इस वीडियो पर सोशल मीडिया पर उनके फैंस लगातार रिएक्ट कर रहे हैं।

एक यूजर ने वीडियो पर लिखा- करीना, क्या आपकी उम्र जरा भी नहीं बढ़ रही ? वहीं एक यूजर ने लिखा- बेबो इन बोहो, सिंपल लेकिन कितनी अच्छी लग रही हैं।

गर्म पानी पीना सेहत के लिए कितना असरदार?

पानी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से कई सारी बीमारियों से बचाव होता है और शरीर स्वस्थ रहता है। हालांकि कहा जाता है कि ठंडा पानी पीने के बजाए गर्म पानी ज्यादा सेहतमंद होता है। इस कारण लोग अक्सर गर्म पानी पीते हैं। जिन लोगों का वजन अधिक होता है, वह भी गर्म पानी का सेवन करते हैं। उन्हें लगता है कि गर्म पानी ज्यादा पीने से वजन कम होता है। गले में खराश, सर्दी -खांसी और जुकाम में भी लोग गर्म पानी पीते हैं। लेकिन एक्सपर्ट के मुताबिक ठंडा और गर्म पानी पीने के मुकाबले में नॉर्मल पानी पीना ज्यादा असरदार है। कब्ज की शिकायत होने पर भी लोग सुबह गर्म पानी पी लेते हैं। लेकिन अधिक गर्म पानी का सेवन स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है। इसलिए आपको पता होना चाहिए कि गर्म पानी सेहत के लिए कितना फायदेमंद और कितना नुकसानदायक हो सकता है? चलिए जानते हैं गर्म पानी के सेवन का सेहत पर असर।

गर्म पानी पीने के फायदे

कब्ज से राहत

हल्के गर्म पानी का सेवन पेट साफ करता है और मल त्याग में समस्या नहीं होती। अपच और एसिडिटी की शिकायत होने पर हल्के गर्म पानी का सेवन कर सकते हैं। इससे खाना खाने के बाद कब्ज की शिकायत नहीं होती और पेट में ऐंठन व दर्द कम हो सकता है।

वजन घटाने के लिए

भोजन पचाने के लिए गर्म पानी असरदार है। हल्का गुनगुना पानी सुबह शाम खाने के बाद पीना चाहिए, इससे वजन कम कर सकते हैं। स्वास्थ्य लाभ होने के साथ ही मन शांत रहता है और अधिक भूख

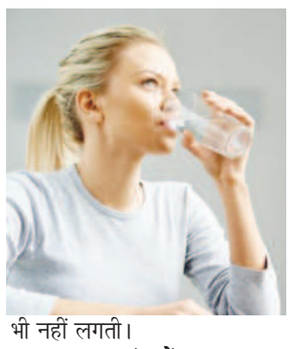

भी नहीं लगती।

पाचन तंत्र में सुधार

पाचन शक्ति को बढ़ाने के लिए गर्म पानी का सेवन कर सकते हैं। हल्का गर्म पानी पेट और आंतों को हाइड्रेट करने में मदद करता है। ऐसे में सही मात्रा में गर्म पानी का सेवन कर सकते हैं।

गर्म पानी पीने के नुकसान

अधिक गर्म पानी के सेवन से आपको कई शारीरिक समस्याएं हो सकती हैं, जैसे

किडनी पर असर

शरीर से टॉक्सिन्स को बाहर निकालने का काम किडनी करती है। लेकिन अधिक गर्म पानी के सेवन से डिहाइड्रेशन हो सकता है और किडनी पर असर पड़ता है। गर्म पानी शरीर के विषाक्त पदार्थ को बाहर नहीं निकालता और किडनी खराब होने लगती है।

नींद पर असर

रात में सोने से पहले गर्म पानी पीते हैं तो नींद पर असर पड़ सकता है। रात में गर्म पानी पीकर सोने से अधिक पेशाब महसूस होती है, साथ ही रक्त वाहिनी कोशिकाओं पर दबाव बढ़ सकता है। नींद प्रभावित होने से थकान महसूस करते हैं और अन्य शारीरिक व मानसिक समस्या हो सकती है।

डिहाइड्रेशन की शिकायत

एक अध्ययन के मुताबिक, शरीर में 55-56 प्रतिशत मात्रा पानी की होती है। पानी सेहत के लिए असरदार है। यह शरीर को हाइड्रेट करता है और टॉक्सिन को बाहर निकालने का काम करता है। लेकिन गर्म पानी का सेवन शरीर हाइड्रेट नहीं करता, बल्कि डिहाइड्रेशन की शिकायत को बढ़ा सकता है।

इलेक्ट्रोलाइट्स पर असर

हद से ज्यादा पानी रक्त में इलेक्ट्रोलाइट्स कोशिकाओं की तुलना में अधिक पतला कर सकता है। रक्त और कोशिकाओं के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए रक्त पानी कोशिकाओं में खींचा जाएगा। इससे कोशिकाओं में सूजन आती है और मस्तिष्क पर दबाव बढ़ता है। सिरदर्द और अन्य समस्याएं हो सकती हैं।

प्याज का रस लगाने से क्या सच में नए बाल आ सकते हैं?

बालों के झड़ने और गंजापन की समस्या युवाओं में तेजी से बढ़ती हुई देखी जा रही है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, गड़बड़ लाइफस्टाइल और आहार में पौष्टिकता की कमी के कारण लोगों में इस तरह की दिक्कतें अधिक देखी जा रही हैं। बालों को झड़ने से रोकने और दोबारा बालों के विकास को बढ़ाने का दावा करने वाले कई कॉस्मेटिक उत्पाद बिक रहे हैं, पर क्या इनसे लाभ मिलता है।

इस बीच बालों को स्वस्थ रखने के लिए प्याज का रस लगाने के उपाय को लेकर काफी चर्चा है। कहा जा रहा है कि प्रभावित हिस्से में रोजाना प्याज के रस से मालिश करने से न सिर्फ बालों का टूटना बंद होता है साथ ही नए बाल भी आते हैं।

क्या वास्तव में बालों के लिए प्याज का रस इतना असरदार है? क्या इससे वैश्विक स्तर पर बढ़ रही बालों की समस्या में लाभ पाया जा सकता है? आइए इस बारे में विस्तार से समझते हैं।

प्याज के रस के लाभ

अमेरिकन एकेडमी ऑफ डर्मेटोलॉजी के अनुसार, पुरुषों और महिलाओं दोनों में बाल झड़ने की स्थिति काफी सामान्य है। बालों के पतले होने या झड़ने का सबसे आम कारण वंशानुगत स्थिति है जिसे एंड्रोजेनेटिक एलोपेसिया कहा जाता है। इसके अलावा कुछ दवाओं के साइड इफेक्ट या हार्मोनल समस्याओं के कारण भी बाल झड़ सकते हैं।

मेडिकल रिपोर्ट्स में दावा किया जाता रहा है कि प्याज का रस बालों की कई समस्याओं जैसे- एलोपीसिया, स्कैल्प में खुजली या सूखापन को दूर करने, बालों का झड़ना रोकने, रूसी, समय से पहले बाल सफेद होना और नए बालों के ग्रोथ में मदद कर सकती है।

क्या प्याज का रस वास्तव में प्रभावी है?

वैसे तो बालों को फिर से उगाने के लिए प्याज के रस के उपयोग पर व्यापक शोध नहीं किया गया है। हालांकि जर्नल ऑफ डर्मेटोलॉजी में प्रकाशित छोटे अध्ययन से संकेत मिलता है कि स्कैल्प पर प्याज का रस लगाने से कुछ लोगों में बालों को फिर से उगाने में मदद मिल सकती है। अध्ययन में ऐसे प्रतिभागी शामिल थे जिन्हें एलोपेसिया एरीटा था, जिसमें पैच में बाल झड़ने लगते हैं।

शोधकर्ताओं ने पाया कि दिन में दो बार प्याज के रस का उपयोग करने के 2 सप्ताह बाद बालों का विकास शुरू हुआ। लगभग 74 प्रतिशत प्रतिभागियों में 4 सप्ताह के बाद कुछ बाल फिर से उग आए थे और 6 सप्ताह में लगभग

87 प्रतिशत ने बालों के फिर से उगने का अनुभव किया।

कैसे काम करता है प्याज का रस?

अध्ययनकर्ताओं का कहना है, बालों में प्याज का रस लगाने से जड़ों को पोषक तत्व प्राप्त होते हैं जिससे बालों की मजबूती में सुधार हो सकता है। ये बालों के टूटने और पतले होने को भी कम कर सकता है।

प्याज का रस बालों को फिर से बढ़ने में कैसे मदद करता है, इसके पीछे इसमें मौजूद डायट्री सल्फर को कारण माना जाता है। एंजाइम और प्रोटीन के पर्याप्त उत्पादन के लिए सल्फर की आवश्यकता होती है। प्याज के रस में मौजूद सल्फर बालों को बढ़ाने के लिए आवश्यक पोषण प्रदान कर सकता है।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं, कुछ लोगों को बालों के विकास और कंडीशनिंग के लिए प्याज के रस के उपयोग से लाभ मिल सकती है, पर सभी के लिए यह फायदेमंद हो ऐसा आवश्यक नहीं है। इसके अलावा प्याज के रस के इस्तेमाल से बहुत तेजी से बाल नहीं उगते हैं।

इसके सकारात्मक परिणाम के लिए कई हफ्तों का समय भी लग सकता है, परिणाम मिलें ही यह भी जरूरी नहीं है। बालों के झड़ने के कारण और उसके आधार पर उपचार के तरीकों के बारे में जानने के लिए किसी त्वचा रोग विशेषज्ञ की मदद लें।

ऐसी आदतें आपकी किडनी को पहुंचाती हैं नुकसान किडनी फेलियर का भी बन सकती हैं कारण

शरीर के संपूर्ण स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने के लिए सभी अंगों का ठीक तरीके से काम करते रहना आवश्यक माना जाता है। किडनी शरीर के उन अंगों में से एक है जो विषाक्त पदार्थों को शरीर से बाहर निकालने के साथ खून को साफ रखने में मदद करती है। किडनी, शरीर से पेशाब के माध्यम से अपशिष्ट पदार्थों को बाहर निकालने का काम करती है। इसके अलावा शरीर में तमाम रसायनों जैसे सोडियम, पोटेशियम और कैल्शियम को संतुलित रखने में भी इसकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। किडनी भी कुछ ऐसे हार्मोन का उत्पादन करती हैं जो ब्लड प्रेशर को नियंत्रित रखने के साथ लाल रक्त कोशिकाओं को बनाने के लिए अस्थि मज्जा को उत्तेजित करती हैं।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक इस अंग में होने वाली किसी भी तरह की समस्या का असर पूरे स्वास्थ्य पर पड़ सकता है। पेशाब में होने वाली दिक्कतों के आधार पर किडनी की समस्याओं का पता लगाया जा सकता है। हमारी कुछ आदतें किडनी के कार्यों को प्रभावित करके कई तरह की समस्याओं का कारण बन सकती हैं। आइए ऐसी ही कुछ आदतों के बारे में जानते हैं।

बहुत ज्यादा प्रोटीन की सेवन

शरीर के लिए प्रोटीन का सेवन बहुत आवश्यक माना जाता है, हालांकि इसकी अधिकता किडनी पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकती है। प्रोटीन की अधिकता के कारण रक्त में उच्च मात्रा में एसिड उत्पन्न होने लगता है जो एसिडोसिस का कारण बन सकती है। यह एक ऐसी स्थिति है जिसमें किडनी एसिड को खत्म नहीं कर पाती है, जिससे किडनी सहित कई अंगों पर हानिकारक प्रभाव पड़ सकता है।

शराब का ज्यादा सेवन

शराब के अधिक सेवन को लिवर के लिए नुकसानदायक माना जाता रहा है, हालांकि स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक इसका किडनी पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। अध्ययनों से पता चला है कि अधिक मात्रा में शराब का सेवन क्रोनिक किडनी रोग के जोखिम को दोगुना कर सकती है। शराब की अधिकता के कारण किडनी फेलियर की भी समस्या बढ़ जाती है।

कम पानी पीना

शरीर के हाइड्रेटेड रहने से किडनी, आसानी से शरीर से सोडियम और विषाक्त पदार्थों बाहर निकाल सकती है। वहीं कम मात्रा में पानी पीने से कई तरह के विषाक्त पदार्थ बढ़ने लगते हैं साथ ही किडनी स्टोन की भी समस्या का खतरा बढ़ जाता है। किडनी को स्वस्थ रखने के लिए सभी लोगों को रोजाना 3-4 लीटर पानी पीना चाहिए। अधिक पानी पीने से मूत्र उत्पादन भी अधिक होता है और किडनी पर दबाव कम होता है।

सुबह उठते ही शरीर में दिखाई दें ये लक्षण, तो हो सकती है ये बीमारी

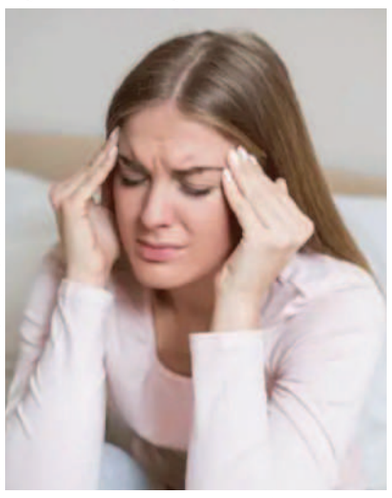

कुछ लोगों को सुबह उठते ही प्यास लगती है या उन्हें थकान महसूस होती है तो बता दें कि यह लक्षण डायबिटीज के मरीजों में देखे जाते हैं. वह इसके अलावा सुबह उठकर कुछ अन्य लक्षण भी नजर आ सकते हैं जो इस बात को दर्शाते हैं कि आपकी डायबिटीज की समस्या है या डायबिटीज की समस्या होने वाली है. ऐसे में इन लक्षणों के बारे में पता होना जरूरी है. डायबिटीज के मरीजों को सुबह उठते ही कौन से लक्षण नजर आ सकते हैं.

सुबह उठते ही नजर आएं ये लक्षण तो

यदि आपको सुबह उठते ही गला सूखा हुआ महसूस हुआ या मुंह सुखा हुआ महसूस हो तो इसका मतलब आपको डायबिटीज की समस्या है. यह लक्षण डायबिटीज के मरीजों में देखे जाते हैं.

यदि रात भर सोने के बाद भी आपको सुबह उठने पर थकान महसूस हो या उठने का मन ना करें तो यह भी डायबिटीज के लक्षणों में से एक है. यदि ऐसा रोज-रोज हो रहा है डॉक्टर से संपर्क करने की जरूरत है.

यदि आपको सुबह उठकर धुंधलापन महसूस हो यानी कुछ भी साफ नजर ना आए तो यह भी डायबिटीज के लक्षणों में से एक हो सकता है. ऐसा तब होता है जब शरीर में ब्लड शुगर बढ़ने लगता है और छोटी रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचता है इसके कारण व्यक्ति को धुंधला दिखने दिखाई देना शुरू हो जाता है.

सुबह उठने के बाद आपको पूरे शरीर में खुजली महसूस हो या खासतौर पर त्वचा, चेहरा या जननांग पर खुजली महसूस हो तो इसका मतलब यह है कि आपको डायबिटीज की समस्या है.

सुबह उठते ही आपको शरीर में झुनझुनाहट या सुन पन महल महसूस हो तो यह भी डायबिटीज के लक्षणों में से एक है. ऐसे में व्यक्ति को तुरंत डॉक्टर से संपर्क करने की जरूरत है.

शरीर को स्वस्थ रखना हो तो करें इन टिप्स को फॉलो

वर्तमान में कोराना की खबरों ने सभी के लिए एक्सरसाइज करने के लिए याद दिलाया है। अगर हमें कोराना से लडना है तो हमें अभी से उसके लिए श्रम करना होगा। ऐसे में कोरोना से जल्दी रिकवर होने के तरीकों के बारे में हम सभी को जानकारी होनी चाहिए। साथ ही, भविष्य में लॉन्ग कोविड के खतरे को कम करने के लिए भी इन 5 टिप्स को फॉलो करना जरूरी है।

शरीर को रखें हाइड्रेट

कोरोना से जल्दी रिकवर होना है तो पर्याप्त मात्रा में पानी पीना जरूरी है। ऑस्ट्रेलिया के वैज्ञानिक रॉबर्ट बूय कहते हैं कि हाइड्रेट रहने से शरीर को कोरोना से रिकवर होने में मदद मिलती है। इससे बॉडी की फंक्शनिंग सही तरह से होती है।

बेड रेस्ट लेना जरूरी

किसी भी बीमारी से रिकवर होने के लिए अच्छी तरह आराम करना जरूरी होता है। कोरोना के बाद डॉक्टर ये सलाह देते हैं कि शरीर को ज्यादा से ज्यादा आराम दिया जाए।

इसलिए इस सलाह को बिलकुल भी नजरंदाज न करें। ये टिप इगनोर करने से भविष्य में लॉन्ग कोविड होने की आशंका हो सकती है।

न्यूट्रीशन से भरपूर डाइट लें

बीमारी के वक्त हमारे शरीर में बहुत से महत्वपूर्ण पोषक तत्वों की कमी हो जाती है। इसलिए ज्यादा से ज्यादा न्यूट्रीएंट वाली चीजों को अपनी डाइट में शामिल करना जरूरी है। ऐसे समय तला, मसाले वाला खाना, जंक फूड, सॉफ्ट ड्रिंक्स और शराब का सेवन बिलकुल भी न करें।

रेगुलर एक्सरसाइज करें

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए रोजाना हल्की-फुलकी एक्सरसाइज कर सकते हैं। चाहें तो योगा भी किया जा सकता है। अनुलोम विलोम, कपाल भाति और साई (Sigh) जैसे प्राणायाम करने से आपके सांस तंत्र को बहुत फायदा पहुंचेगा। इसके अलावा, अगर आप इंटेंस वर्क आउट करने के शौकीन हैं, तो भी आपको रिकवरी के बाद सरल एक्सरसाइज से ही शुरुआत करनी चाहिए।

मेंटल हेल्थ को न भूलें

कोरोना महामारी ने हमारे मानसिक स्वास्थ्य को बहुत नुकसान पहुंचाया है। जब कोई इस बीमारी से जूझता है, तो न केवल उसका शरीर कमजोर होता है, बल्कि वो व्यक्ति मानसिक तौर पर भी कमजोर हो जाता है।

चिंता और तनाव से हमारी बीमारी और गंभीर हो सकती है। इसलिए मेंटल हेल्थ का ख्याल रखना जरूरी है। रिकवरी के समय मेडिटेशन या नई हॉबीज डेवलप कर सकते हैं।

क्या आपको भी नजले की शिकायत हैं?

प्रश्नः मेरी उम्र 18 वर्ष है। मेरे बाल झड़ने लगे हैं यही चिंता का कारण बना है। आपसे इसका आयुर्वेदिक इलाज बताने की प्रार्थना है ।

- माधव शर्मा, विजयवाड़ा

उत्तर : बालों के झड़ने के कई कारण हो सकते हैं। रूसी रहने से, फफूंद के संक्रमण से, बालों की जड़ों को पोषण नहीं होने से, बोरिंग के पानी से , बहुत अधिक मानसिक चिंता से , रक्ताल्पता से, कुछ अंग्रेजी दवाएं जैसे क्लोरोमायसिटिन, रिफैंमाइसिन आदि के प्रयोग से बाल झड़ने लगते हैं। बालों के गिरने को आयुर्वेद में 'खालित्य 'और समय पकने को 'पालित्य 'कहते हैं।

नीम टी ट्री शैंपू के प्रयोग से रूसी से छुटकारा मिलता है । फफूंद व अन्य जीवाणुओं के संक्रमण से भी राहत मिलती है। 'एलो रोज कंडीशनर शैंपू' से बाल काले और मुलायम रहते हैं । इसके प्रयोग से अन्य कारणों से झड़ते बालों को गिरने से रोका जा सकता है। महा भृंगराज केश तैल(सुगंध रहित) या 'हेयर लस्ट हर्बल हेयर ऑयल' को थोड़ा गुनगुना करके बालों की जड़ों में नित्य मालिश करने से झड़ते बालों को रोका जा सकता है। कमजोरी से बाल टूटने की स्थिति में आमलकी रसायन व ऊंझा ताप्यादि लौह टेबलेट का सेवन तुरंत लाभ देता है । 'केश योग कैप्सूल ' का सेवन भी बालों को झड़ने से रोकता है बालों को लंबा और मुलायम बनाने के लिए नारियल का तेल, ऊंझा आमलकी तेल का प्रयोग भी किया जा सकता है। खानपान में ऋतु फल का सेवन वह हरी सब्जियों का सेवन आवश्यक रूप से करना चाहिए।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है।मुझे नजले की शिकायत है । नाक हमेशा बहती रहती है। नाक से पीले रंग का गाढा रेशे जैसा तरल पदार्थ निकलता रहता है । सिर व आंखों में भी दर्द रहता है। कृपया उपचार बताएं।

- मनोज पांडे, सिकंदराबाद

उत्तर : नजला या दुकान आयुर्वेद का 'प्रतिश्याय' रोग है। इसमें नाक बहना , छींके आना , सर्दी लगकर

बुखार आना , नाक में संक्रमण होना, नाक में सूजन आना, नाक बंद रहना या नासामल से भरी रहना, सिर व आंखों में भारीपन के साथ दर्द होना- यह सब प्रतिश्याय के लक्षण हैं।

साधारण औषधि योग में त्रिकटु चूर्ण (सोंठ , काली मिर्च एवं पिपली का समभाग चूर्ण) सबसे सरल व कारगर योग है ।इसे 2 से 3 ग्राम की मात्रा में शहद में मिलाकर लेने से लाभ मिलता है। ऊंझा लक्ष्मी विलास रस की गोली को सादे पान के पत्ते में रखकर खाने से भी नजला ठीक होता है। ऊंझा चौंसठ प्रहरी पीपल टिकिया, ऊंझा काफकेतु रस के संग ऊंझा चंद्रामृत रस टिकिया को गुनगुने पानी से देना परम गुणकारी नतीजे देता है। भोजन के बाद द्राक्षारिष्ट को 15 से 20 मिलीलीटर की मात्रा में समभाग गुनगुने पानी में मिलाकर पीने से सर्दी जुकाम के पार्श्व प्रभाव जल्दी ही ठीक हो जाते हैं। इसमें खासकर ठंडी चीजों एवं कफ वर्धक आहार - विहार से बचें। तेज धूप से आते ही तुरंत पानी नहीं पीना चाहिए । थोड़ी देर ठहर कर पसीना सूखने के बाद ही पानी पीना चाहिए।

प्रश्न : मेरी उम्र 30 वर्ष है। पिछले 2 माह से ज्वर सता रहा है। मलेरिया, टाइफाइड ,सभी की जांच करवाई कोई नतीजा नहीं। शाम होते ही ज्वर आता है, जो सुबह तक बना रहता है। उचित परामर्श देवें।

- रमणा राव , खम्मम

उत्तर : ज्वर में अग्नि स्वर स्थान में न रहकर पूरे शरीर में फैल जाती है। लगातार बुखार की हालत में पाचन क्रिया बुरी तरह प्रभावित होती है। और धीरे-धीरे कमजोरी बढ़ती जाती है। ऐसे जीर्ण ज्वरों में आयुर्वेद की दवाएं अच्छा नतीजा देती है।

* ऊंझा संशमनी वटी , महासुदर्शन घन वटी, ऊंझा लघु मालिनी वसंत रस टिकिया को दिन में तीन बार गुनगुने पानी से देवें। अनुपान में - ऊंझा महासुदर्शन काढ़ा 15 से 20 मिलीलीटर की मात्रा में 3 गुने गुनगुने पानी में मिलाकर सेवन करें। ऐसा आधा मंडल यानी 20 दिन औषधि सेवन करने पर पुराना ज्वर शांत हो जाएगा।

* पुराने बुखार में ऊंझा अमृतारिष्ट एवं औरा गिलोय घनवटी, ऊंझा लक्ष्मी विलास रस दो-दो गोली दिन में तीन बार लेने से लाभ मिलता है।

* जीर्ण ज्वर का रोगी गरिष्ठ भोजन, तले - नमकीन पदार्थ, मिठाइयां ,बासी भोजन, दही आदि से बचें। सुपाच्य, ताजा, संतुलित, समयोचित भोजन लेवे।

भूख कम लगने पर या अरुचि की स्थिति में सूखा आलूबुखारा चुसे। मुनक्का को सेंककर सेंधा नमक लगाकर खाएं। इससे पुराने बुखार में राहत मिलेगी।

डॉ.च.पुरुषोत्तम बिदादा

email :
purushottambidada
@gmail.com

आप अपनी स्वास्थ्य समस्याओं का यदि आयुर्वेदिक इलाज चाहते हैं तो अपनी समस्या संक्षेप में हमें लिखकर भेजें। अपने पत्र पर नीचे दिया गया कूपन अवश्य कचपकाएं।

आयुर्वेदिक स्वास्थ्य प्रश्नोत्तरी
स्वतंत्र वार्ता
396, लोअर टैंक बंड,
हैदराबाद-80

अमेरिका-यूरोप बढ़ती महंगाई से परेशान

भारत बना नजीर, दुनियाभर में हो रही तारीफ

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। आज बढ़ती खाद्य महंगाई दुनिया के कई देशों के लिए चिंता का सबब बनी हुई है। खासकर विकसित देश भी बढ़ती महंगाई से त्रस्त दिख रहे हैं। हालांकि भारत ऐसे समय में पूरी दुनिया के लिए नजीर बना हुआ है, जहां महंगाई काबू में है। कंज्यूमर फूड प्राइस इंडेक्स के अनुसार, भारत में इस साल मार्च में महंगाई दर 4.79 प्रतिशत रही, जबकि बीती फरवरी में यह 5.95 प्रतिशत और बीते साल मार्च में 7.68 प्रतिशत थी।

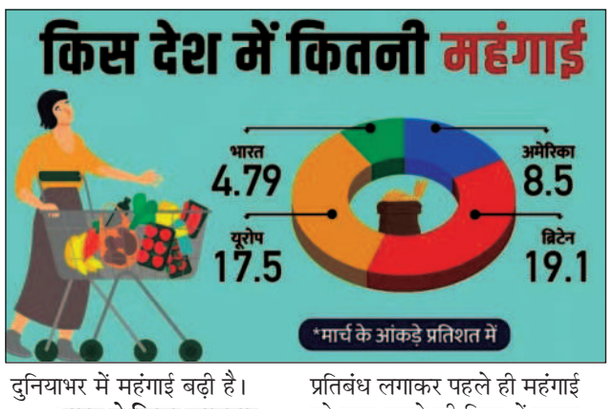

दुनियाभर में हालात खराब

भारत ने जहां महंगाई को काबू कर दुनिया के सामने एक नजीर पेश की है, वहीं दुनिया के विकसित देशों समेत कई देश बढ़ती महंगाई से परेशान हैं। अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोप में महंगाई दर क्रमशः 8.5 प्रतिशत, 19.1 प्रतिशत और 17.5 प्रतिशत है। वहीं लेबनान, वेनेजुएला, अर्जेंटीना और जिम्बाब्वे में यह क्रमशः 352 प्रतिशत, 158 प्रतिशत और 102 प्रतिशत तक पहुंच गई है। कोरोना महामारी और रूस-यूक्रेन युद्ध के चलते दुनियाभर में महंगाई बढ़ी है।

भारत ने किया शानदार काम

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद की सदस्य प्रोफेसर शामिका रवि ने वर्ल्ड ऑफ स्टेटिस्टिक्स के आंकड़े शेयर करते हुए भारत की तारीफ की।

बता दें कि जिन देशों में सबसे कम महंगाई है, भारत उनमें शामिल है। रूस और यूक्रेन में दुनिया का सबसे ज्यादा अनाज उगाया जाता है। दोनों देशों में युद्ध के चलते अनाज की सप्लाई दुनियाभर में प्रभावित हुई और यह महंगाई बढ़ने का कारण बनी। वहीं भारत ने गेहूं के निर्यात पर प्रतिबंध लगाकर पहले ही महंगाई को काबू करने की दिशा में कदम बढ़ा दिए थे। रूस से कच्चे तेल का आयात करके भी भारत को महंगाई काबू रखने में मदद मिली। रिजर्व बैंक ने भी रेपो रेट बढ़ाकर महंगाई को काबू में रखा।

आरबीआई ने जारी किया अनुमान

भारत में उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) अप्रैल 2022 में 7.8 प्रतिशत तक पहुंच गया था लेकिन मार्च 2023 में यह गिरकर 5.7 प्रतिशत रह गया है। भारत में खुदरा महंगाई लगातार तीन तिमाही तक 6 प्रतिशत से ज्यादा रही थी लेकिन नवंबर 2022 में यह गिरकर 6 प्रतिशत से नीचे आ गई है। रिजर्व बैंक ने ऋण पर ब्याज दर बढ़ाकर अर्थव्यवस्था में मांग को कम रखा, जिसकी वजह से महंगाई भी कम हुई है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में आरबीआई के अनुमान के मुताबिक पहली तिमाही में 5.1 प्रतिशत, दूसरी तिमाही में 5.4 प्रतिशत, तीसरी तिमाही में 5.4 प्रतिशत और चौथी तिमाही में 5.2 प्रतिशत रह सकती है।

आने वाले दिनों में बढ़ सकती है महंगाई

वित्त मंत्रालय का मानना है कि आने वाले दिनों में महंगाई बढ़ भी सकती है। दरअसल मई से तेल उत्पादक देश तेल उत्पादन में कटौती की तैयारी कर रहे हैं। साथ ही दूध और अनाज की सप्लाई में कमी के चलते भी महंगाई बढ़ सकती है। लंपी वायरस के चलते बड़ी संख्या में पशुओं की मौत हुई, जिससे दूध की सप्लाई बाधित हुई है। वहीं बेमौसम बारिश की वजह से देश के कई हिस्सों में गेहूं की फसल प्रभावित हुई है। इन वजहों से आने वाले दिनों में महंगाई बढ़ने का खतरा बना हुआ है।

25 साल से दिवालिया हैं एलन मस्क के पिता

एक बेडरूम वाले अपार्टमेंट में फर्श पर सोना पड़ता था, बचपन कभी खुशहाल नहीं रहा

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने उनके अतीत को लेकर उठाए सवालों का जवाब दिया है। कई लोगों ने दावा किया था कि मस्क के पिता दक्षिण अफ्रीका में एक पन्ना खदान के मालिक थे। मस्क ने एक ट्वीट में लिखा कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि यह खदान कभी अस्तित्व में थी। मस्क ने ये भी बताया कि उनका बचपन कभी खुशहाल नहीं था। इससे पहले भी एलन मस्क ने ट्वीट किया था कि जो भी उन्हें खदान के अस्तित्व का प्रमाण देगा उन्हें वो एक मिलियन डॉजकॉइन का पेमेंट करेंगे। एलन मस्क की मां माये मस्क ने भी ट्विटर पर लोगों से पूछा कि अगर ऐसी कोई खदान मौजूद होती, तो बचपन में उन्हें और एलन मस्क को एक बेडरूम वाले अपार्टमेंट में फर्श पर क्यों सोना पड़ता? मस्क अभी दुनिया के दूसरे सबसे अमीर कारोबारी है। उनकी नेटवर्थ 178.2 बिलियन डॉलर यानी 14.5 लाख करोड़ रुपए के करीब है। साउथ अफ्रीका में जन्मे मस्क एलन मस्क दक्षिण अफ्रीका में 28 जून 1971 को जन्मे एलन मस्क प्रिटोरिया में पले-बढ़े हैं। उनकी मां कनाडा में जन्मी दक्षिण-अफ्रीकी मॉडल हैं, जो 1969 की मिस साउथ अफ्रीका प्रतियोगिता में फाइनलिस्ट थीं। उनके पिता एरोल मस्क एक इंजीनियर हैं। उनके माता-पिता 1980 में अलग हो गए थे।

पेंसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी से फिजिक्स में डिग्री

मस्क ने 1995 में पेंसिल्वेनिया यूनिवर्सिटी से फिजिक्स और बिजनेस में बैचलर्स की डिग्री ली थी। वह स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी में फिजिक्स पीएचडी प्रोग्राम के ड्रॉपआउट हैं। मस्क ने साल 2000 में कनाडाई ऑथर जस्टिन विल्सन से शादी की थी। साल 2008 तक दोनों साथ रहे। इसके बाद 2010 में मस्क ने इंग्लिश एक्ट्रेस तलुलाह रिले से शादी कर ली जो 2016 तक चली। मस्क के विल्सन के साथ 6 बच्चे हैं और अपनी एक्स गर्लफ्रेंड सिंगर ग्रिम्स के साथ 2 बच्चे।

12 साल की उम्र में वीडियो गेम बनाकर बेचा

मस्क ने 10 साल की उम्र में कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग सीखी और 12 साल की उम्र में 'ब्लास्टर' नामक एक वीडियो गेम तैयार किया। इसे एक स्थानीय मैगजीन ने उनसे पांच सौ अमेरिकी डॉलर में खरीदा। इसे मस्क की पहली 'व्यापारिक उपलब्धि' कहा जा सकता है। 1995 में उन्होंने वेब सॉफ्टवेयर कंपनी जिप-2 बनाई थी। कॉम्पेक ने इस कंपनी को 1999 में 307 मिलियन डॉलर में खरीद लिया था। इस डील से मस्क को कंपनी में 7% हिस्सेदारी के बदले 22 मिलियन डॉलर मिले थे। यहीं से एलन मस्क के बिजनेस की असल शुरुआत हुई।

मस्क ने 1999 में पेपाल बनाई थी। ईबे ने 2002 में इसे 1.5 अरब डॉलर में खरीद लिया। मस्क को इस डील से 180 मिलियन डॉलर की कमाई हुई। इसके तुरंत बाद, मस्क ने स्पेसएक्स की स्थापना की। इस कंपनी के जरिए मस्क मंगल ग्रह पर कॉलोनी बसाकर ह्यूमेनिटी को मल्टी प्लेनेट स्पीशीज बनाना चाहते हैं।

दिवालिया होने के कगार पर थी टेस्ला, मस्क ने उबारा

2004 में मस्क ने इलेक्ट्रिक कार कंपनी टेस्ला की स्थापना की थी। 2008 में ऐसा दौर भी आया था, जब टेस्ला दिवालिया होने के कगार पर पहुंच गई थी। हालांकि मस्क ने कंपनी को इस बुरे दौर से उबारा और आज ये बहुत ही ज्यादा सक्सेसफुल कंपनी है।

हायर-पेंशन के लिए 26 जून तक कर सकते हैं अप्लाय

इस ऑप्शन को चुनने से कितनी बढ़ जाएगी पेंशन, जानें अप्लाय करने की पूरी प्रोसेस

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। रिटायरमेंट फंड बॉडी ईपीएफओ ने हायर पेंशन का ऑप्शन चुनने के लिए आवेदन की तारीख 3 मई से बढ़ाकर 26 जून 2023 कर दी है। हायर पेंशन के लिए ईपीएफओ को अब तक 12 लाख से ज्यादा आवेदन मिल चुके हैं। एम्प्लॉयर्स, एम्प्लॉइज और उनकी एसोसिएशन की ओर से लगातार तारीख बढ़ाने की मांग की जा रही थी। इन मांगों पर विचार करने के बाद ये फैसला लिया गया है। ईपीएफओ चाहता है कि उसके सब्सक्राइबर्स को किसी तरह की कोई परेशानी न हो। ऐसे में यहां हम हायर पेंशन ऑप्शन के लिए अप्लाय करने की पूरी प्रोसेस और एलिजिबिलिटी के बारे में विस्तार से बता रहे हैं। हर महीने एम्प्लॉई की बेसिक सैलरी और महंगाई भत्ता से 12% रकम काटकर ईपीएफ अकाउंट में जमा की जाती है। इतनी ही राशि एम्प्लॉयर भी एम्प्लॉई के अकाउंट में जमा करता है। हालांकि, एम्प्लॉयर का पूरा योगदान ईपीएफ अकाउंट में नहीं जाता। एम्प्लॉयर के 12% योगदान का बड़ा हिस्सा ईपीएफ और एक हिस्सा ईपीएस अकाउंट में जाता है। कर्मचारी पेंशन योजना 1995 यानी ईपीएस-95 को 16 नवंबर 1995 को लागू किया गया था। ईपीएस अकाउंट में मैक्सिमम कॉन्ट्रीब्यूशन के लिए 1 सिंतबर 2014 से पहले 5000/6500 रुपए का कैप था। इसके बाद कैप बढ़ाकर 15,000 कर दिया गया। मान लीजिए कि आप जनवरी 2010 में ईपीएफ स्कीम में शामिल हुए हैं। सैलरी (बेसिक + डीए) 20,000 रुपए थी।

5500 करोड़ मुनाफे के बाद बंपर डिविडेंड का एलान

शेयर बाजार में लुढ़के कंपनी के शेयर

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया ने चौथी तिमाही के नतीजे जारी करने के साथ चार रुपये प्रति शेयर के डिविडेंड का एलान किया है। डिविडेंड वह राशि होती है, जो कंपनी अपने मुनाफे में से निवेशकों को देती है। देश की सबसे बड़ी कोल माइनिंग कंपनी कोल इंडिया की ओर से रविवार को चौथी तिमाही के नतीजे जारी किए गए थे। वित्त वर्ष की मार्च तिमाही में कंपनी ने 5,527.62 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया है। इससे एक साल पहले समान अवधि में कंपनी को 6,715 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। वित्त वर्ष 2022-23 की चारों तिमाही में कंपनी को 28,125 करोड़ रुपये का मुनाफा

हुआ है, जो कि वित्त वर्ष 2021-22 में हुए मुनाफे 17,278 करोड़ रुपये के मुनाफे से 61 प्रतिशत अधिक है। इससे पहले कंपनी को 2018-19 में 17,464 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था।

मुनाफे में कमी आने का कारण

कंपनी की ओर से मुनाफे में कमी आने की वजह कर्मचारियों के वेतन संशोधन के लिए किए गए उच्च प्रावधान बताई गई।आगे कंपनी द्वारा कहा गया कि नॉन-एग्जीक्यूटिव कर्मचारियों का वेतन संशोधन 1 जुलाई, 2021 से लंबित है। यूनियन के साथ वेज एग्रीमेंट फाइनल होना बाकी है। इस कारण कंपनी ने 5,870.16 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है।

एक साल में कोल इंडिया द्वार दिया गया कुल डिविडेंड

वित्त वर्ष 2022-23 की मार्च तिमाही में घोषित किए गए 4 रुपये प्रति शेयर के डिविडेंड को मिला दिया जाए, तो कंपनी कुल 24.25 रुपये प्रति शेयर का डिविडेंड दे चुकी है। इससे पहले कंपनी ने फरवरी में 5.25 रुपये प्रति शेयर और नवंबर 2022 में 15 रुपये प्रति शेयर का डिवेडेंड दिया था। कोल इंडिया का शेयर सोमवार (8 मई) को 11 बजे 2.70 प्रतिशत नीचे 231 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

सोना 150 रुपये उछला, चांदी की कीमतों में 120 रुपये की गिरावट

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में बहुमूल्य धातुओं की कीमतों में तेजी के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में सोमवार को सोना 150 रुपये की तेजी के साथ 60,600 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इससे पिछले कारोबारी सत्र में सोना 60,450 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, इस दौरान चांदी 120 रुपये की गिरावट के साथ 77,580 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा, "दिल्ली के बाजारों में सोने का हाजिर भाव 150 रुपये की तेजी के साथ 60,600 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। विदेशी बाजारों में सोना तेजी के साथ 2,022 डॉलर प्रति औंस हो गया जबकि चांदी 25.65 डॉलर प्रति औंस के भाव पर लगभग अपरिवर्तित रही।

गो फर्स्ट को अगले आदेश तक टिकटों की बिक्री रोकने के निर्देश

परिचालन जारी रखने में विफल रहने पर शोकॉज

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने 'गो फर्स्ट' को अगले आदेश तक टिकटों की बिक्री तत्काल प्रभाव से रोकने का निर्देश दिया है। जानकारी के अनुसार डीजीसीए ने सुरक्षित, कुशल और विश्वसनीय तरीके से परिचालन जारी रखने में विफल रहने पर गो फर्स्ट को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। गो एयरलाइंस (इंडिया) लिमिटेड (गो फर्स्ट) की उड़ानों के अचानक रद्द होने और आईबीसी के तहत कॉर्पोरेट दिवाला समाधान प्रक्रिया शुरू करने के मद्देनजर डीजीसीए ने विमानन कंपनी से जवाब मांगा है। कुशल और विश्वसनीय तरीके से सुरक्षित रूप से सेवा संचालन जारी रखने में विफलता के लिए विमान नियम, 1937 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत गो फर्स्ट को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इसकी जानकारी दी है।एयरलाइन ऑपरेटर से नोटिस मिलने के 15 दिनों के जवाब मांगा गया है। गो फर्स्ट में एयर ऑपरेटर्स सर्टिफिकेट (एओसी) को जारी रखने पर आगे का निर्णय उनकी ओर से प्रस्तुत जवाब के आधार पर लिया जाएगा।

पहले कारोबारी दिन बाजार में हरियाली, सेंसेक्स 710 अंक चढ़ा, निफ्टी 18250 के पार

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद हुआ। सोमवार को सेंसेक्स 709.96 (1.16%) अंकों की बढ़त के साथ 61,764.25 के लेवल पर बंद हुआ। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 195.40 (1.08%) अंक उछलकर 18,264.40 अंकों पर बंद हुआ।

सोमवार के कारोबारी सेशन के दौरान टाटा मोटर्स के शेयरों में जहां पांच प्रतिशत का उछाल आया वहीं अदाणी ट्रांसमिशन के शेयरों में पांच प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। सोमवार को रुपया दो पैसे की गिरावट के साथ 81.80 रुपये (अस्थायी) के स्तर पर बंद हुआ।

मणिपुर क्राइसिस को एयरलाइंस ने बनाया कमाई का जरिया

एक घंटे के सफर के लिए वसूल रहे बेतहाशा किराया

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। देश में कहीं भी हिंसा होती है या प्राकृतिक आपदा आती है। ऐसे हालत में स्थानीय लोग अपना घर-बार छोड़कर हर हाल में राज्य से बाहर जाना चाहते हैं। लेकिन एयरलाइंस के लिए ये आपदा कमाई के सबसे बड़े अवसर में बदल जाता है। ये पहले भी होता आया है और एक बार फिर घरेलू एयरलाइंस की असवेंदनशीलता उजागर हो गई है। देश के पूर्वोतर राज्य मणिपुर में भारी हिंसा के बाद लोग राज्य से बाहर जाना चाहते हैं लेकिन एयरलाइंस का किराया आसमान छू रहा है जिससे लोगों की मुश्किलें बढ़ गई है। महज एक घंटे के सफर के हवाई सफर के लिए एयरलाइंस 11200 से लेकर 17000 रुपये तक के किराये की डिमांड कर रहे हैं। मणिपुर की राजधानी इंफाल से नजदीकी एयरपोर्ट गुवाहाटी और कोलकाता है। अगर आप 9, 10, 11 और 12 मई को इंफाल से गुवाहाटी जाना चाहते हैं तो आपको प्रति व्यक्ति 11,200 से लेकर 15,100 रुपये किराया चुकाना होगा जिस पर जीएसटी अलग से देना होगा। पहले 2700 रुपये के करीब किराया हुआ करता था। इंफाल से कोलकाता 1।10 घंटे के हवाई सफर के लिए एयरलाइंस 9 मई को डायरेक्ट फ्लाइट के लिए 17000 रुपये से ज्यादा एयर फेयर चार्ज कर रहे हैं। कनेक्टिंग फ्लाइट्स का चार्ज 20000 से 25000 रुपये है। सामान्य समय में एयरलाइंस 3700 रुपये किराया वसूलते थे। मणिपुर में हिंसा के बाद ज्यादातर लोग गुवाहाटी या फिर कोलकाता जाना चाह रहे हैं। मणिपुर में पिछले हफ्ते शुरू हुई हिंसा के बाद 54 लोगों की जानें जा चुकी है। जानमाल का भारी नुकसान हुआ है। सरकार ने वहां सेना तैनात किया है। लेकिन लोग अपनी जान बचाकर फिलहाल बाहर जाना चाहते हैं। लेकिन लोगों की जवन पर आफत बनी हुई तो भी एयरलाइंस का मकसद कमाई ही नजर आ रहा है। ये महला मौका नहीं है जब एयरलाइंस की तरफ से ऐसा हरकत देखा जा रहा है। इससे पहले हरियाणा में जाट आंदोलन के दौरान भी एयर फेयर आसमान छू रहा था। बीते वर्ष 31 अगस्त 2022 से पहले तक हवाई किराया का अपर और लोअर बैंड सरकार तय कर रही थी। कोरोना काल में लॉकडाउन के दौरान जब सरकार ने फिर से हवाई यात्रा को हरी झंडी दी तो सरकार ने हवाई किराये को रेग्युलेट करना शुरू कर दिया था। लेकिन 31 अगस्त 2022 के बाद से सरकार ने कोरोना पूर्व दौर के समान हवाई किराया तय करने का अधिकार फिर से एयरलाइंस को सौंपा दिया। उसके बाद से है हवाई किराये में जबरदस्त उछाल देखा गया है।

एचडीएफसी बैंक के ग्राहकों को झटका

बैंक ने बढ़ा दी लोन की ब्याज दरें

नई दिल्ली, 8 मई (एजेंसियां)। देश के निजी सेक्टर के सबसे बड़े बैंक एचडीएफसी बैंक ने अपने ग्राहकों को बड़ा झटका दिया है। बैंक ने अपने मार्जिनल कॉस्ट बेस्ड लैंडिंग रेट्स यानी एमसीएलआर में इजाफा कर दिया है और इसे 0.15 फीसदी से बढ़ा दिया है। बैंक ने कुछ निश्चित टेन्योर वाले कर्जों के ऊपर एमसीएलआर बढ़ा दिया है और इन बढ़ी हुई दरों को आज से लागू भी कर दिया है। एचडीएफसी बैंक ने अपने एमसीएलआर में 0.15 फीसदी या 15 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी कर दी है। बैंक की आधिकारिक वेबसाइट के मुताबिक एचडीएफसी बैंक के ओवरनाइट टेन्योर वाले लोन का एमसीएलआर 7.80 फीसदी से बढ़कर 7.95 फीसदी की दर पर पहुंच गया है। एक महीने की लोन की एमसीएलआर 7.95 फीसदी से बढ़कर 8.10 फीसदी पर आ गई है।

तीन महीने के एचडीएफसी के लोन का रेट इस समय बढ़कर 8.40 फीसदी पर आ गया है और छह महीने के लोन का रेट इस समय 8.80 फीसदी पर आ चुका है। इसके अलावा एक साल का एचडीएफसी एमसीएलआर का रेट इस समय 8.95 फीसदी से बढ़कर 9.05 फीसदी पर आ गया है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मेष में	मेष--	04-24 बजे
चंद्र-	धनु में	वृष--	06-08 बजे
मंगल	मिथुन में	मिथुन..	08-08 बजे
बुध-	मेष में	कर्क...	10-21 बजे
गुरु-	मेष में	सिंह...	12-32 बजे
शुक्र-	मिथुन में	कन्या..	14-40 बजे
शनि-	कुंभ में	तुला...	16-45 बजे
राहु-	मेष में	वृश्चिक.	18-56 बजे
केतु-	तुला में	धनु.....	21-08 बजे
		मकर..	23-16 बजे
		कुंभ...	01-06 बजे
		मीन ..	02-43 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य उत्तरायणे,ऋतु- **ग्रीष्म**
महावीर निर्वाण संवत् **-2549,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय- 05-50 सूर्य अस्त- 18-45
भोग्य कलि वर्ष-**426876**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल •• उत्तर - गुड खाकर घर से निकले
तिथि- चतुर्थी - **16 -08** तक उपरान्त पंचमी
मास - ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष , मंगलवार **May 09**
नक्षत्र - मूल - **17- 44** - तक उपरान्त पूर्वाषाढा
योग - सिद्ध - **21 - 15** - तक उप - साध्य
करण- बालव **-16 -08** - तक उप- कौलव
विशेष:-
व्रत -त्योहार - **मंगला चौथ**

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 15:25 से 17:01 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
रोग	05:50 - 07:24 अशुभ	काल	18:35 - 20:01 अशुभ
उत्पात	07:24 - 09:00 अशुभ	लाभ	20:01 - 21:25 शुभ
चंचल	09:00 - 10:36 शुभ	उत्पात	21:25 - 22:49 अशुभ
लाभ	10:36 - 12:13 शुभ	शुभ	22:49 - 00:12 शुभ
अमृत	12:13 - 13:49 शुभ	अमृत	00:12 - 01:36 शुभ
काल	13:49 - 15:25 अशुभ	चंचल	01:36 - 02:59 शुभ
शुभ	15:25 - 17:01 शुभ	रोग	02:59 - 04:24 अशुभ
रोग	17:01 - 18:35 अशुभ	काल	04:24 - 05:50 अशुभ

आपका राशिफल

मेष — चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आज आपका स्वास्थ्य अच्छा रहने की संभावना है जिससे आपको सफलता मिलेगी। लेकिन आपको ऐसी किसी भी चीज़ से बचना चाहिए जो आपकी ताकत को नष्ट करे। प्राचीन वस्तुओं और गहनों में निवेश लाभ और समृद्धि लाएगा। परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताना सुखद रहेगा।

वृष — ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपका झगड़ालू स्वभाव आपके शत्रुओं की सूची में शामिल हो सकता है। किसी को भी आपको इतना गुस्सा न करने दें कि आप बाद में पछताएं। बिना उचित सलाह के निवेश करने से हानि होने की संभावना है। यदि आप सभी की मांगों का ध्यान रखने की कोशिश करेंगे तो आप कई अलग-अलग दिशाओं में बिखर जाएंगे।

मिथुन — का, की, कू, घ, ङ, झ, के, को, हा,

आप पार्टी में हीन भावना से ग्रसित हो सकते हैं। इसके बिना सकारात्मक सोच से खुद को इससे उबरने के लिए प्रोत्साहित करें- आप आत्मविश्वास नहीं रख पाएंगे। दिनभर के लिए जीने और मनोरंजन पर जरूरत से ज्यादा खर्च करने की अपनी प्रवृत्ति पर ध्यान दें। अगर आप उनके साथ समय नहीं बिताएंगे तो प्रियजन नाराज़ हो सकते हैं।

कर्क — ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो,

आज आपको आराम करने और क़रीबी दोस्तों और परिवार के सदस्यों के बीच ख़ुशियाँ तलाशने की ज़रूरत है। आज धन हानि होने की संभावना है इसलिए लेन-देन या किसी दस्तावेज पर हस्ताक्षर करते समय आपको सतर्क रहने की आवश्यकता है। किसी धार्मिक स्थान या किसी रिश्तेदार की यात्रा आपके कार्ड पर होने की संभावना है।

सिंह — मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आपकी कम जीवन शक्ति सिस्टम में पुराने ज़हर की तरह काम करेगी। बेहतर होगा कि आप खुद को किसी रचनात्मक काम में लगाएं और बीमारी से लड़ने के लिए प्रेरित करते रहें। अपने अतिरिक्त पैसे को एक सुरक्षित स्थान पर रखें जो आने वाले समय में आपको रिटर्न देने का वादा करेगा।

कन्या — टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ट, पे ,पो,

भागदौड़ भरे दिन के बावजूद सेहत उत्तम रहेगी। संपत्ति के सौदे फलीभूत होंगे और शानदार लाभ देंगे। कोई ऐसा व्यक्ति जिसके साथ आप रहते हैं, आपके आकस्मिक और अप्रत्याशित व्यवहार से निराश और परेशान हो सकता है। सिर्फ खुद को सही साबित करने के लिए आज के दिन आप अपने पार्टनर से झगड़ सकते हैं।

तुला — रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

अपनी लंबी बीमारी को ठीक करने के लिए स्माइल थेरेपी का प्रयोग करें क्योंकि यह सभी समस्याओं के लिए सबसे अच्छा एंटीडोट है। निवेश करने और सट्टा लगाने के लिए दिन अच्छा नहीं है। आपके लुक्स में किए गए कुछ बदलाव परिवार के सदस्यों को नाराज़ कर सकते हैं।

वृश्चिक — लो,ना,नी, ने,नू, या, यी ,यू,

काम का दबाव और घर में अनबन कुछ तनाव दे सकती है। लंबित मुद्दे अस्पष्ट हो जाते हैं और ख़र्चे आपके दिमाग़ पर छा जाते हैं। दोस्त निजी जीवन को लेकर आपको अच्छी सलाह देंगे। अपने प्रिय की वफादारी पर शक न करें। ऐसा लगता है कि कार्यस्थल पर आपके वरिष्ठ आज फरिश्तों की तरह व्यवहार कर रहे हैं।

धनु — ये, यो,य, मी, मू धा ,फा, ढा, मे

आप अपने परिवार की खातिर अपनी खुशियों का त्याग करेंगे। लेकिन यह किसी भी रुचि और अपेक्षाओं से रहित होना चाहिए। जिन लोगों ने कहीं निवेश किया था उन्हें आज आर्थिक नुकसान हो सकता है। आज आपके पास सीमित धैर्य होगा- लेकिन सावधान रहें क्योंकि कठोर या असंतुलित शब्द आपके आस-पास के लोगों को नाराज़ कर सकते हैं।

मकर — मो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, ग, गी

आपका उदार रवैया भेष में एक आशीर्वाद होगा क्योंकि आप संदेह, बेवफाई, अवसाद, विश्वास की कमी, लालच, मोह, अहंकार और ईर्ष्या जैसे कई दोषों से मुक्त होने की संभावना रखते हैं। जमीन-जायदाद और आर्थिक लेन-देन के लिए दिन शुभ है। परिवार के सदस्यों का हँसमुख स्वभाव घर के वातावरण को हल्का करेगा।

कुंभ — गू, गे ,गो, सा, सि, सू, से, सो, द,

गर्भवती माताओं के लिए विशेष देखभाल का दिन। दिन के उत्तरार्ध में आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। आज कोई ऐसा व्यक्ति जिसके मन में आपके प्रति दुर्भावना थी, वह मामले को सुलझाने की कोशिश करेगा और इसे आप तक पहुचायेगा। आपके प्रेमी या प्रेमिका आज पारिवारिक परिस्थितियों के कारण नाराज़ रह सकते हैं।

मीन — दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

मानसिक भय आपको परेशान कर सकता है। सकारात्मक सोच और उज्जवल पक्ष को देखने से यह दूर रहेगा। अचानक आए अप्रत्याशित ख़र्चों से आर्थिक दबाव बढ़ सकता है। दोस्त आपको एक सुखद शाम के लिए अपने घर आमंत्रित करेंगे। पूरे ब्रह्मांड का परमानंद उन दोनों के बीच होता है जो प्यार में हैं। हाँ, तुम भाग्यशाली हो।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

बर्फ वाला गन्ने का जूस करेगा पाचन गड़बड़

लंग्स भी होंगे खराब, क्या घर पर जमा बर्फ भी नुकसानदेह

हैदराबाद, 8 मई (एजेंसियां)। गर्मी के दिनों में घर से बाहर निकलते ही तेज प्यास लगती है। इस प्यास को बुझाने के लिए हम कभी ठेले पर मिलने वाले गन्ने का रस पीते हैं, तो कभी जूस, तो कभी नींबू सोडा। इन सबमें एक चीज कॉमन होती है- बर्फ। इस मौसम में घर पर भी बर्फ डालकर पानी पीना और दूध वाली चाय की जगह आइस टी और कोल्ड कॉफी पीना नॉर्मल है। आज समझते हैं कि बर्फ का सेहत पर क्या असर पड़ता है। सर्दी-जुकाम के साथ यह हमें किस तरह नुकसान पहुंचाता है। क्या घर की फ्रिज में जमा बर्फ भी हेल्थ के लिए हानिकारक है। एक्सपर्ट के अनुसार बर्फ का पानी पीने से बचना चाहिए। आपको पानी हमेशा कमरे के तापमान के हिसाब से ही पीना चाहिए। इसका मतलब न ज्यादा ठंडा पानी पीना सही न ही ज्यादा गर्म। जब हम तेज धूप से आकर सीधे बर्फ वाला पानी पीते हैं, तब यह पानी शरीर के टेम्परेचर से मेल नहीं खाता। इससे शरीर का टेम्परेचर बिगड़ जाता है। जिससे हम बीमार पड़ने लगते हैं। यह हमारे पाचनतंत्र को बिगाड़ देता है। बर्फ डालकर कुछ खाने-पीने से होने वाली बीमारियों की वजह डिटेल में समझते हैं ।

हेपेटाइटिस : बर्फ अगर साफ पानी से नहीं जमाया गया है, पानी गंदा है तो उससे हेपेटाइटिस ए और ई वायरस होने का रिस्क रहता है। कई बार घर की फ्रिज में भी महीनों बर्फ जमकर पड़ा रहता है। वहां भी गंदगी होती है जो हमें बीमार करती है। जॉन्डिस होने के पीछे भी यही कारण है।

माइग्रेन : यह दूसरों के मुकाबले माइग्रेन वालों को ज्यादा तकलीफ दे सकता है। जब आप ठंडा पानी पीते हैं तो यह आपके नाक और रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट को ब्लॉक कर देता है। जो माइग्रेन के दर्द को बढ़ा देता है।

गले में खराश : बर्फ वाला पानी पीने से नाक में रेस्पिरेटरी म्यूकोसा बनता है, जो रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट की एक प्रोटेक्टिव लेयर होती है। जब यह लेयर जम जाती है तो रेस्पिरेशन यानी सांस लेने में समस्या होती है। रेस्पिरेटरी ट्रैक्ट कई संक्रमणों की चपेट में आ जाता है, जिससे गले में खराश होती है।

बर्फ का पानी किसी भी समय पीने की सलाह मेडिकली नहीं दी जा सकती। यह हर वक्त नुकसानदायक है।

बॉडी हाइड्रेट नहीं रहती : बर्फ का पानी ठीक तरह से बॉडी को हाइड्रेट नहीं कर पाता है। कभी भी खाने के तुरंत बाद बर्फ वाला पानी पीने से बचना चाहिए। यह शरीर को नुकसान पहुंचाता है।

न्यूट्रिएंट्स का नुकसान : आमतौर से बॉडी टेम्प्रेचर 37 डिग्री तक होता है। जब आप बर्फ का पानी पीते हैं तो शरीर को टेम्प्रेचर मेंटेन करने के लिए बहुत सारी एनर्जी खर्च करनी पड़ती है। जो एनर्जी डाइजेशन या न्यूट्रिएंट्स को ऑब्जर्व करने के लिए इस्तेमाल होती है। वह बर्फ का पानी पचाने में लग जाती हैं। इसकी वजह से शरीर में न्यूट्रिएंट्स की कमी हो जाती है।

मोटापा : हर वक्त बर्फ वाला पानी पीने से शरीर में मौजूद फैट आसानी से बर्न नहीं हो पाता है। इसकी वजह यह है कि ठंडा पानी फैट को सख्त बना देता है। जिसकी वजह से वजन कम करने में परेशानी होती है।

कम होती है प्यास : पानी जब बहुत ठंडा होता है तो थोड़े से पानी से ही आपको ऐसा महसूस होगा, जैसे बहुत ज्यादा पानी पी लिया हो। यह आपकी प्यास पर कंट्रोल लगा देता है। इससे आपके शरीर में पानी की मात्रा भी कम होती है। डॉक्टर की मानें तो हमे हमेशा 20 से 22 डिग्री टेम्प्रेचर वाला पानी ही पीना चाहिए। दरअसल फ्रिज में बर्फ जमाने के लिए इस्तेमाल होने वाला पानी बहुत महत्व रखता है। घर पर आप इसे आरओ वॉटर या फिल्टर के पानी से जमाते हैं। इस वजह से वो उतना नुकसान नहीं पहुंचाता। इसके बावजूद इसे पीने से बचें और कभी-कभी पी भी रहे हैं तो बर्फ के ट्रे और फ्रीजर को साफ रखें।

बाहर जो बर्फ मिलती है वो आर्टिफिशियल होती है। उसे जमाने का तरीका हाइजीनिक नहीं है। इसमें कैमिकल यूज होता है, देर तक जमाकर रखने के लिए। अगर बर्फ को जमाने के लिए ज्यादा कार्बन मोनो डाइऑक्साइड यूज करते हैं तो वो पाचन को खराब करता है। ज्यादा बर्फ का पानी आप पीते हैं तो उससे कार्बन मोनोऑक्साइड के मोलेक्यूल्स पेट में चले जाते हैं तो लंग्स भी खराब होता है। फूड रेगुलेटर अथॉरिटी की एक रिपोर्ट भी इस बारे में है, जो बताती है कि खाने-पीने की चीजों को ठंडा करने वाला बर्फ खतरनाक है। वहीं, सड़क किनारे बर्फ के गोले से लेकर जूस तक में फैक्ट्री में बनी बर्फ का ही इस्तेमाल किया जाता है।

बाजार में मिलने वाला बर्फ यानी आर्टिफिशियल बर्फ कैसे जमता है? तो बता दें कि बर्फ बनाने के लिए एक फैक्ट्री में Ice Cans रखे जाते हैं। इनमें अमोनिया गैस भरी जाती है। टैंक में गैस आने के बाद वो लिक्विड बनती है। Cooling Coil की मदद से गैस वाष्प में बदल जाती है। टैंक में पहले से ही 30% तक नमक मौजूद रहता है।टैंक में ह्यूमिडिटी यानी आद्रता के टेम्परेचर को 15 F तक लाया जाता है। अब फाइनली इसमें पानी भर दिया जाता है। पानी की हाई फ्रीजिंग क्षमता 30 F होने पर यह बर्फ बन जाती है। बर्फ बनने में लगभग 18 घंटे लगते हैं। पानी की किल्लत वाली बहुत सी जगहों पर बर्फ बनाने के लिए गंदे पानी और कैमिकल का यूज किया जाता है। इससे पेट संबंधी बीमारियों की चपेट में आने का खतरा बढ़ जाता है।

कुछ लोगों को बर्फ खाने की भी आदत होती है, इससे हेल्थ को नुकसान होता है। बर्फ खाने से एनीमिया कॉम्प्लिकेशन और कई डायट्री प्रॉब्लम भी होने लगती हैं। इससे दांत के एनेमल को नुकसान पहुंचता है और दांत टूटने लगते हैं। मुंह की कई समस्याएं जैसे सेंसिटिविटी और दर्द भी होने लगता है। बर्फ खाने से धमनियों पर असर पड़ता है और वो सिकुड़ जाती हैं। जो हेल्थ के लिए डेंजरस है। बर्फ खाने से इम्यून सिस्टम पर बुरा असर पड़ता है। जिसकी वजह से सर्दी और जुकाम जैसी समस्याएं बनी रहती हैं। बर्फ खाने से मल सख्त होता है जिससे बवासीर या फिर आंतों में घाव यानी अल्सर की प्रॉब्लम हो सकती है।

एनिमिया : आयरन की कमी की वजह से लोग बर्फ खाते हैं। ऐसे लोगों में खून की कमी होती है जिसे एनीमिया कहते हैं। इस बीमारी में आरबीसी यानी लाल रक्त कोशिकाओं का लेवल कम हो जाता है। यह ऑक्सीजन शरीर को मिले इसके लिए जरूरी है। आयरन की कमी इन कोशिकाओं का स्तर कम कर देती है। जिसकी वजह से बर्फ खाने की इच्छा बढ़ जाती है।

प्रेग्नेंसी और पीरियड : इस दोनों ही कंडीशन में महिलाओं के शरीर में आयरन की कमी होती है। इसलिए वो बर्फ खाती हैं।

पोषक तत्वों की कमी : इस वजह से भी बर्फ खाने की इच्छा बढ़ती है। इस कंडीशन में पेशेंट को बर्फ का गोला, बर्फ वाले शरबत या कोल्ड पीने की इच्छा होती हैं।

हम पानी क्यों पीते हैं? इसे कितना पीना चाहिए?

डाइजेस्टिव सिस्टम को ठीक रखने और इम्युनिटी को स्ट्रॉन्ग रखने के लिए हम पानी पीते हैं। यह बॉडी को हाइड्रेट करता है। इसके बावजूद अगर हम ज्यादा पानी पीते हैं तब पेट फूल जाता है। इससे पाचन बिगड़ जाता है। इसलिए इंसान को अपने शरीर की जरूरत के हिसाब से ही पानी पीना चाहिए।

मल्लिकार्जुन खड़गे की हत्या की साजिश

छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने एमएलए के खिलाफ सभी जिलों के थानों में दर्ज कराई एफआईआर

रायपुर, 8 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे एवं उनके परिवारजनों की हत्या की साजिश के विरोध में छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने मोर्चा खोल दिया है।

इस क्रम में कर्नाटक के चित्तुर से भाजपा उम्मीदवार मणिकांत राठौर और भाजपा विधायक मदन दिलावर के खिलाफ प्रदेश के सभी जिला के थानों में एफआईआर दर्ज कराई गई है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम, एआईसीसी सचिव एवं प्रदेश प्रभारी सचिव चंदन यादव ने बिलासपुर के सिविल लाइन थाना क्षेत्र में शिकायत दर्ज कराई है।

पुलिस से की गई शिकायत में हत्या के षड्यंत्र रचने वाले आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग की गई है। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष मोहन मरकाम ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा राजनीतिक तौर पर कांग्रेस का मुकाबला नहीं कर पा रही है। कर्नाटक में भाजपा की करारी हार स्पष्ट नजर आ रही है। कर्नाटक की जनता भाजपा की 40% कमीशन लेने वाली सरकार से त्रस्त है मोदी और शाह का जुमला भी कर्नाटक की जनता समझ चुकी है। हवा हवाई बातें करने वाले और कर्नाटक को लूटने वाली भाजपा को अब अपनी विदाई नजर आ रही है। ऐसे में भाजपा अब कांग्रेस नेताओं एवं के पार परिवार जनों की हत्या की साजिश रच रही है। साजिश कर्ताओं को भाजपा के बड़े नेताओं का समर्थन है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस डरने वाली नहीं है। कर्नाटक की जनता कांग्रेस के साथ खड़ी है। कांग्रेस की विचारधारा और नीतियों पर भरोसा कर रही है पूरा देश देखा है कि 1991 के चुनाव के दौरान किस प्रकार से चुनाव प्रचार के समय राजीव गांधी की हत्या की गई थी। अब भाजपा के विधायक प्रत्याशी मणिकांत राठौर भी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडंगे एवं उनके परिवारजनों की हत्या की साजिश रच रहे हैं।

टीआई ने दो युवकों को पीट-पीटकर किया लहूलुहान

बलरामपुर, 8 मई (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बलरामपुर जिले में खाकी की दबंगई का मामला सामने आया है। वाड्रफनगर पुलिस चौकी प्रभारी विनोद पासवान ने श्याम चौक पर दो युवकों की जमकर पिटाई कर दी। पूरे घटनाक्रम का वीडियो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो दोनों युवकों की गलती महज यह थी कि वह सड़क में दवाई लेने के दौरान कुछ देर बाइक लेकर सड़क पर खड़े थे। इसी बीच विनोद पासवान ने दोनों युवकों को सड़क से हटने के लिए कहा लेकिन बाइक स्टार्ट नहीं होने के कारण युवकों को कुछ देरी हो गई। इस बात से नाराज चौकी प्रभारी ने सरे राह दोनों युवकों को जमकर पीट दिया। इस दौरान वहां काफी भीड़ लग गई। पूरे घटनाक्रम में एक युवक को काफी चोटें भी लगी है। उसके नाक काफी खून बहने लगा। लोगों के मुताबिक दोनों युवकों को चौकी प्रभारी ने बस स्टैंड में घुमा-घुमा कर जमकर पीटा है।

बेरोजगारी भत्ते पर भाजपा का बवाल

रोजगार कार्यालय में ताला लगाने पहुंचे युवा मोर्चा के कार्यकर्ता पुलिस से भिड़े,

जमकर धक्का-मुक्की

रायपुर, 8 मई (एजेंसियां)। रायपुर में सोमवार को भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने बेरोजगारी भत्ते को लेकर जमकर विरोध प्रदर्शन कर दिया। रोजगार कार्यालय के बाहर भाजयुमो नेता यहां ऑफिस में तालाबंदी करने पहुंचे। पहले से ही कार्यालय के बाहर मौजूद पुलिस के साथ युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं की जबरदस्त झूमाझटकी हुई। इस धक्का-मुक्की में एक दो भाजयुमो कार्यकर्ता घायल भी हुए हैं। पुलिस ने रोजगार कार्यालय के बाहर बैरिकेडिंग कर रखी थी। टीन शेड को हटाने के चक्कर में कार्यकर्ता घायल हुए। एक से डेढ़ घंटे तक यहां लगातार कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की होती रही। सभी कार्यालय के भीतर जाकर ताला लगाना चाह रहे थे और पुलिस सभी को रोक रही थी। इस प्रदर्शन में युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत और रायपुर के भाजपा नेता संजय श्रीवास्तव भी मौजूद थे।

भत्ता सबको देना चाहिए

भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष रवि भगत ने इस दौरान दैनिक भास्कर को बताया कि हम बेरोजगारी भत्ता सभी को दिए जाने की मांग कर रहे हैं। प्रदेश के रोजगार कार्यालय कार्यालयों में जितने भी लोग पंजीकृत हैं सभी को बेरोजगारी भत्ता मिलना चाहिए। सरकार तरह-तरह के नियमों का अड़ंगा लगाकर सिर्फ कुछ लोगों को ही भत्ता दे रही है जबकि चुनावी साल में वादा प्रदेश के सभी बेरोजगार युवाओं को भत्ता देने का किया गया था । युवाओं के साथ यह धोखेबाजी ठीक नहीं है इसी वजह से हम यह आंदोलन प्रदेश भर में कर रहे हैं।

कुछ देर चले विरोध प्रदर्शन के बाद जिला प्रशासन के अधिकारी रोजगार कार्यालय के बाहर पहुंचे और प्रदर्शन कर रहे नेताओं से मुलाकात की । इस दौरान युवा मोर्चा के पदाधिकारियों ने अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर नरेश के सभी बेरोजगार युवकों को भत्ता दिए जाने की मांग की।

भीतर घुस नहीं पाए

पुलिस की बैरिकेडिंग के बावजूद भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने पूरी कोशिश की कि वह कार्यालय के अंदर जाकर ताला लगा सकें, मगर ऐसा नहीं हो सका। काफी देर तक पुलिस भी पूरी मशक्कत करती रही और इसके बाद गेट पर ही बैठ कर कुछ देर युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने धरना दिया, फिर लौट गए।

बाबूलाल मरांडी ने जारी किया झारखंड करप्शन का पोस्टर

सोशल मीडिया पर लिखा-कवर पोस्टर किरदारों की बस एक झांकी है

रांची, 8 मई (एजेंसियां)। राज्य में लगातार चल रही ईडी की जांच, कर्मचारियों से लेकर अधिकारियों तक से पूछताछ और गिरफ्तारी को लेकर विपक्ष के नेता बाबूलाल मरांडी हेमंत सोरेन की सरकार को घेर रहे हैं। कभी सवालों के जवाब देने के लिए उन्हें चैलेंज करते हैं तो कभी जनता से मिलने वाले जवाब का इंतजार करने को कहते हैं।

अब एक बार फिर बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया पर हेमंत सरकार को आड़े हाथों लिया है। उन्होंने अपने फेसबुक पर एक पोस्टर जारी की है। इस पोस्टर में उन्होंने उन 10 लोगों के नाम जारी किए हैं जो इन दिनों ईडी की रडार में है। कुछ को ईडी गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है तो कईयों से अब भी पूछताछ कर रही है। बाबूलाल मरांडी ने इसे 'द झारखंड स्टोरी' : करप्शन के किरदार नाम दिया है। उन्होंने लिखा है कि ये कवर पोस्टर किरदारों की बस एक झांकी है। इंतजार कीजिए..बाकि किरदारों के नाम आने बाकि है।

ज्योतिषियों की सलाह पर गरीबों को खिचड़ी खिला रहे

बाबूलाल मरांडी ने लिखा है कि झारखंड में लोगों की गाढ़ी कमाई और गरीबों का खून चूसने वाले कुछ भ्रष्ट अधिकारी, सत्ता संरक्षित और पोषित दलाल लुटेरे अब ईडी की कार्रवाई से बचने के लिए रांची से दिल्ली तक ज्योतिषों के चक्कर काट रहे हैं। सत्ता के संरक्षण में भ्रष्टाचार की मलाई खाने और झारखंड के ग़रीबों, दलित-आदिवासियों का खून चूसने के बाद अब ज्योतिषियों की सलाह पर गरीबों को खिचड़ी खिला रहे हैं।

अधिकारियों को जनता की आह लगी

भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी ने फेसबुक में लिखा है कि इन भ्रष्टाचारियों पर साढ़े साती नहीं बल्कि झारखंड की गरीब जनता की आह से वक्र दृष्टि लगी है। जिसका कोई ज्योतिषीय उपाय नहीं है। अब बोया बबूल तो आम कहां से होए। इनका भविष्य सबको पता है। जल्द ही इनका राजयोग अब कारावास योग में बदलने वाला है।

पापों का प्रायश्चित करिए

उन्होंने अधिकारियों को सलाह भी दी है। लिखा है कि इनके आगे का समय अब आरामदेह केबिन से निकल कर अब होटवार जेल वाले कमरों में कटेगी। मेरी सलाह मानिए अब झाड़ फूंक, तंतर मंतर, ज्योतिषियों के जादू-टोना के चक्कर में पड़ने की बजाय अपने पापों का प्रायश्चित करिए। गरीबों की गाढ़ी कमाई लौटाइए। लूटी गई पाई-पाई का हिसाब के साथ जनता को सच बताइए तो शायद इसी से पाप का बोझ कुछ हल्का हो जाए।

पूजा सिंघल को सुप्रीम कोर्ट से भी नहीं मिली जमानत

रांची, 8 मई (एजेंसियां)। निलंबित आईएएस पूजा सिंघल के हाथ फिर निराशा लगी है। सुप्रीम कोर्ट ने पूजा सिंघल की जमानत याचिका पर सुनवाई की जिसमें उन्हें जमानत नहीं मिली है। अभी उन्हें सितंबर तक जेल में ही रहना होगा। उनकी जमानत पर अब 25 सितंबर को होगी। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस ए अमानुल्ला की बेंच में पूजा सिंघल की बेल पर सुनवाई हुई।

अंतरिम जमानत पर वह तीन जनवरी को जेल से बाहर आयी थीं। चार फरवरी को फिर जेल चली गई। सुप्रीम कोर्ट ने फिर 10 फरवरी को दो महीने की अंतरिम जमानत की सुविधा प्रदान की थी। हाल ही में ईडी कोर्ट ने पूजा सिंघल सहित अन्य पर आरोप गठित किया है।

खुदकुशी से पहले नीट के छात्र ने बनाया था वीडियो

पेरेंट्स को लगता है प्रेशर नहीं है एग्जाम ही तो है-लेकिन ऐसा नहीं है

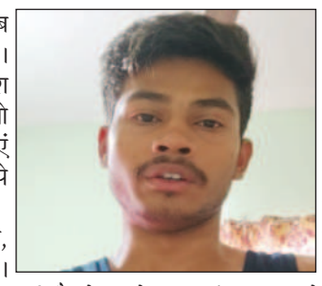

भिलाई, 8 मई (एजेंसियां)। सब का करियर एक जैसा नहीं बनता। जिसका बन जाता है वो बहुत खुश रहता है। जिसका नहीं बनता वो क्या करता होगा। सभी की अपेक्षाएं होती हैं कि बेटा क्या करेगा, ये करेगा वो करेगा।

पेरेंट्स को लगता है प्रेशर नहीं है, एग्जाम ही तो है। पर ऐसा नहीं है। बहुत सारी चीजें हमारे माइंड में भी रहती हैं। ये कहते हुए प्रभात ने मौत को गले लगा लिया। प्रभात कुमार निषाद डॉक्टर बनने के लिए नीट की तैयारी कर रहा था। वो बेमेतरा जिले के बेरला के रहने वाले शिक्षक कमलेश निषाद का बेटा था।

नीट की तैयारी के चलते पिछले एक साल से अपना घर छोड़कर दुर्ग जिले के नेवई में किराये के मकान में रहता था। दो बार नीट का एग्जाम दिया, लेकिन सफलता नहीं मिली थी। प्रभात के दोस्त के मुताबिक, शायद प्रभात जान चुका था कि मेडिकल की पढ़ाई उससे नहीं की जा रही है। लेकिन पिता का अरमान पूरा करने के लिए वह अपने मुताबिक करियर नहीं बना पा रहा था। हर बार उसके ऊपर डॉक्टर बनने का दबाव बढ़ता जा रहा था। इसलिए उसने हमेशा के लिए खामोश रहना ही ठीक समझा।

नीट की परीक्षा से एक दिन पहले 6 मई 2023 को प्रभात ने अपने कमरे में फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। खुदकुशी से पहले प्रभात ने अपने मोबाइल में दो वीडियो बनाए थे। पहले वीडियों में प्रभात ने कहा, हेलो दोस्तों, मैं प्रभात इस घटिया समाज और घटिया शिक्षा प्रणाली के साथ काम कर रहा हूं। मैं पूरी तरह से फेल हो चुका हूं। मैं ऐसा इंसान हूं जो अपने मिजाज के साथ खुलकर रहना पसंद करता हूं और रहता भी था। अब मैं बहुत डरा हुआ हूं कि मैं आगे क्या करूंगा क्या नहीं करूंगा। ज्यादा कुछ है नहीं मेरे पास बोलने को।

डायन प्रथा को जड़ से उखाड़ने में जुटी झारखंड सरकार की 'गरिमा', प्रधानमंत्री भी कर चुके हैं तारीफ

रांची, 8 मई (एजेंसियां)। 40 वर्षीय भिखनी आज भी अपने साथ हुई उस घटना को याद कर सिहर उठती हैं, जब उन्हें उनके ही पड़ोसी ने डायन बताकर पीटना शुरू कर दिया था। भिखनी बताती हैं कि उन्हें निर्वस्त्र कर बाल पकड़कर खींचा गया था और प्रताड़ित और अपमानित किया गया था। उस घटना से भिखनी आज तक नहीं उबर पाई हैं और आज भी उसे याद करके डर जाती हैं। अब भिखनी की झारखंड सरकार की योजना 'गरिमा' के तहत काउंसलिंग की जा रही है, ताकि वह अपने साथ हुई उस भयावह घटना से उबर जाएं और गरिमा के साथ अपना आगे का जीवन जिएं।

क्या है गरिमा योजना

झारखंड के पिछड़े जिलों में आज भी महिलाओं को डायन बताकर मार देने की घटनाएं सामने आती रहती हैं। यही वजह है कि अब झारखंड सरकार ने लोगों को डायन प्रथा के खिलाफ जागरुक करने और इस प्रथा का शिकार हो चुकीं महिलाओं की मदद के लिए गरिमा योजना की शुरुआत की है। भिखनी की तरह ही झारखंड के पिछड़ों जिलों में से एक गुमला में कई ऐसी महिलाएं हैं, जिन्हें डायन बताकर प्रताड़ित किया गया या मार डाला गया। भिखनी की तरह ही 45 वर्षीय रेबेका तिर्की को भी डायन बताकर प्रताड़ित किया गया और समाज से बहिष्कृत कर दिया गया था। शांति खलखो को भी डायन बताकर घर से बाहर घसीटकर लाया गया था और उन्हें जिंदा जलाने की कोशिश की गई थी। एक अधिकारी ने बताया कि अकेले गुमला जिले में ही महिलाओं को

डायन बताकर प्रताड़ित करने या समाज से बहिष्कृत करने की 476 घटनाएं हो चुकी हैं।

पीड़िताओं को दी जा रही कई सुविधाएं

इस प्रोजेक्ट के तहत जगह-जगह गरिमा सेंटर खोले गए हैं, जहां डायन प्रथा से पीड़ित महिलाओं की काउंसलिंग की जाती है। गुमला जिले में ही अब तक 253 महिलाओं की काउंसलिंग की जा चुकी है। पीड़ित महिलाओं को इस योजना के तहत जीवन यापन के लिए रोजगार भी मुहैया कराया जाता है। इसके लिए स्वयंसेवी संस्थाएं बनाई गई हैं, जिनमें 385 महिलाओं को शामिल किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि धीरे-धीरे लोगों में जागरुकता आ रही है। माओवाद प्रभावित गांवों में भी गरिमा प्रोजेक्ट चलाया जा रहा है। इन इलाकों में प्रोजेक्ट से जुड़े लोगों को ले जाने के लिए पुलिस की मदद भी ला जा रही है।

प्रधानमंत्री भी कर चुके हैं सम्मानित

डिप्टी कमिश्नर सुशांत गौरव ने लोगों को जागरुक करने और डायन प्रथा को खत्म करने के लिए यह पहल की है, जिसके लिए सुशांत गौरव को प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें अप्रैल में सम्मानित भी किया था। सुशांत गौरव ने बताया कि प्रोजेक्ट गरिमा के तहत गांव-गांव नाटकों का मंचन किया जा रहा है, ताकि लोगों को इस प्रथा के खिलाफ जागरुक किया जा सके। उन्होंने बताया कि एक ऐसे ही मामले में तो 19 महिलाओं को ही गिरफ्तार किया गया था और इस प्रथा की वजह से इलाके में महिलाओं की जनसंख्या भी गिर रही है। अधिकारियों का कहना है कि झारखंड के कई जिलों में डायन प्रथा समाज में काफी गहरे तक बैठी हुई है।

ईरान हर 6 घंटे एक व्यक्ति को फांसी दे रहा

मानवाधिकार संगठन का दावा-10 दिनों में 42 को दी जा चुकी मौत की सजा

बलुच, 8 मई (एजेंसियां)। ईरान ने पिछले 10 दिनों में हर 6 घंटों में एक व्यक्ति को फांसी पर लटकाया है। इसका खुलासा ईरान ह्यूमन राइटस (आईएचआर) की रिपोर्ट में किया गया है। इसमें बताया गया है कि ईरान में पिछले 10 दिनों में 42 लोगों को फांसी दी जा चुकी है। मौत की सजा पाने वाले लोगों में ज्यादातर अल्पसंख्यक बलूच समुदाय के लोग हैं। दो दिन पहले ही ईरान और स्वीडन की दोहरी नागरिकता वाले व्यक्ति हबीब फराजोल्हा छाब को फांसी पर लटकाया गया था। इस पर आतंकवाद के आरोप थे, रिपोर्टर्स के मुताबिक ईरान ने 2020 में इसे स्वीडन से किडनैप किया था।

5 महीनों में 194 लोगों को मौत की सजा

मानवाधिकार संगठन की रिपोर्ट में बताया गया है कि ईरान ने 2023 की शुरुआत से लेकर अब तक 194 लोगों को फांसी दी है। जबकि इनमें से केवल 2 फांसी की सजा को ही सार्वजनिक किया है। ज्यादातर मामलों में मौत की सजा

पाने वाले लोगों पर ड्रग्स के मामलों से जुड़े आरोप थे। हिजाब विरोधी प्रदर्शनों के बीच ईरान ने साल 2022 में भी 582 लोगों को फांसी की सजा दी थी। इनमें ईरान में खुफिया जानकारी देने के आरोप में देश के पूर्व उप रक्षा मंत्री अलिर्जा अकबरी भी शामिल थे. ये खुलासा भी दो मानवाधिकार संगठनों ने एक रिपोर्ट जारी कर किया गया था।इतनी बड़ी तादाद में लोगों को सजा ए मौत देने पर ईरान को फांसी देने की मशीन कहा गया था।

प्रदर्शन रोकने के लिए लोगों को डरा रहा

मानवाधिकार संगठन की रिपोर्ट में दावा किया गया था कि ईरान लोगों को प्रदर्शनों में हिस्सा लेने से रोकने के लिए उनमें मौत की सजा का डर पैदा कर रहा है। 4 लोगों को केवल हिजाब विरोधी प्रदर्शन में हिस्सा लेने के आधार पर फांसी दे दी गई थी। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि पिछले एक साल में ड्रग्स से जुड़े अपराधों में भी काफी लोगों को मौत की सजा दी गई है। अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को डर है कि कहीं ईरान ड्रग्स की आड़ में प्रदर्शनकारियों को तो सजा नहीं दे रहा है। इसकी वजह ये है कि 2022 में फांसी पर चढ़ाए गए 582 लोगों में 44% लोग ड्रग्स यानी नशीली दवाओं की तस्करी से जुड़े अपराधों के दोषी थे।

नाबालिगों को मौत की सजा देने में टॉप पर है ईरान

नाबालिगों को मौत की सजा न देने के युनाईटेड नेशन कंवेंशन को साइन करने के बावजूद ईरान उन टॉप देशों में शामिल है जहां नाबालिगों को फांसी की सजा दी जाती है। एमनेस्टी इंटरनेशनल के मुताबिक ईरान में 9 साल की उम्र पार करने के बाद लड़कियों को मौत की सजा दी जा सकती है। लड़कों के लिए ये उम्र 15 साल है। साल 2005 से 2015 के बीच लगभग 73 बच्चों को मौत की सजा दी जा चुकी है। फांसी के तख्त पर पहुंचने से पहले ईरान का हर युवा जिसे मौत की सजा सुनाई गई है वो औसतन सात साल जेल में गुजारता है। कई मामलों में तो यह 10 साल भी है। अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के तहत 18 साल से कम उम्र के शख्स को फांसी की सजा देने पर रोक है।

ताबड़तोड़ हमलों के बीच एक रात में रूस के 35 ड्रोन मार गिराए, यूक्रेन की सेना का दावा

कीव, 8 मई (एजेंसियां)। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को एक साल से ज्यादा का समय हो गया है। 24 फरवरी 2022 को शुरू हुए इस भीषण युद्ध ने यूक्रेन को खंडहर में तब्दील कर दिया है। पिछले साल 24 फरवरी को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के आदेश पर रूसी सैनिकों ने यूक्रेन पर हमला किया था। रूस की तुलना में सैन्य शक्ति के मुकाबले काफी कमजोर देश होने के बावजूद यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने हार नहीं मानी और ये युद्ध लगातार जारी है। रूस को ईरान का भी साथ मिल गया है।

इस बीच, एक बार फिर रूस द्वारा हमले तेज करने की खबर आई है। यूक्रेन की सेना ने दावा किया है कि उसने ईरान के बने 35 शहीद ड्रोन को नष्ट कर दिया है। इन ड्रोन से रूस ने यूक्रेन में अलग-अलग ठिकानों पर हमला किया था। यूक्रेन के सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के अनुसार, रूस ने खार्किव, खेरसॉन, मायकोलाइव और ओडेसा जैसे क्षेत्रों के शहरों में ताबड़तोड़ हमले किए।

कनाडा के अल्बर्टा में जंगलों में लगी आग

अब तक 30 हजार लोगों ने घर छोड़ा, 31 जगहों पर स्थिति कंट्रोल से बाहर

अल्बर्टा , 8 मई (एजेंसियां)। कनाडा के अल्बर्टा में जंगलों में लगी आग ने 30 हजार लोगों को अपने घर छोड़ने के लिए मजबूर किया है। शाम तक वहां की 108 जगहों पर जंगलों में आग लगी थी। इनमें से 31 जगहों पर स्थिति नियंत्रण से बाहर बताई गई है।

ये जानकारी अल्बर्टा की वाइल्ड फायर यूनिट की सूचना अधिकारी क्रिस्टी टकर ने दी है। उन्होंने बताया कि ये आग बुझाने के लिए हेलिकॉप्टर और एयर टैंकर का इस्तेमाल किया जा रहा है। इलाके से बचाए गए लोगों को सुरक्षित जगह पर भेजा गया है।

अल्बर्टा प्रांत में इमरजेंसी लगाई गई

क्रिस्टी के मुताबिक धुएं और आग की वजह से अभी प्रॉपर्टी को हुए नुकसान की जानकारी दे पाना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा अभी हमारा मकसद लोगों की जान को बचाना है। जंगलों की आग से खतरे का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि बारिश होने के बावजूद उस पर कोई असर नहीं पड़ा। पर्यावरण पर काम करने वाले एरिन स्टाउंटन ने कहा कि इससे आग पर न के बराबर ही असर पड़ेगा। वहीं, पूरे अल्बर्टा राज्य में आग से निपटने के लिए इमरजेंसी लगानी पड़ी है। खुद प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो इस मामले में नजर बनाए हुए हैं। अल्बर्टा की प्रीमियर डेनियल स्मिथ ने बताया कि आग से अब तक 3 लाख एकड़ से ज्यादा का एरिया जल चुका है। सबसे ज्यादा प्रभावित इलाका ड्रायटन वैली को बताया जा रहा है। जहां 140 किलोमीटर प्रति घंटा से चल रही हवाओं की वजह से आग तेजी से फैल रही है। जंगल की आग से हर साल 4 मिलियन स्कवायर किलोमीटर का इलाका जल

जाता है। आग जलने के लिए हीट, ईंधन और ऑक्सीजन जरूरी होते हैं। जंगल में ऑक्सीजन हवा में ही मौजूद होती है। पेड़ों की सूखी टहनियां और पत्ते ईंधन का काम करते हैं। वहीं एक छोटी सी चिंगारी हीट का काम कर सकती है।

ज्यादातर आग गर्मी के मौसम में लगती है। इस मौसम में एक हल्की चिंगारी ही पूरे जंगल को आग की चपेट में लेने के लिए काफी होती है। ये चिंगारी पेड़ों की टहनियों के आपस में रगड़ खाने से या सूरज की तेज किरणें भी कई बार आग का कारण बनती हैं।

गर्मी में पेड़ों की टहनियां और शाखाएं सूख जाती हैं, जो आसानी से आग पकड़ लेती हैं। एक बार आग लगने पर इसे हवा बढ़ावा देती है। इसके अलावा प्राकृतिक रूप से बिजली गिरने, ज्वालामुखी और कोयले के जलने की वजह से भी जंगल में आग लग सकती है। फिलहाल तापमान में बढ़ोतरी को कनाडा में लगी आग की मुख्य वजह बताया जा रहा है।

सऊदी अरब में क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान से मिले भारत-अमेरिका के एनएसए, कई मुद्दों पर हुई चर्चा

वाशिंगटन, 8 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन ने सऊदी क्राउन प्रिंस और अपने भारतीय व अमीराती समकक्षों से सऊदी अरब में मुलाकात की।

इस दौरान उन्होंने भारत और दुनिया के साथ जुड़ी परियोजना और अन्य क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा। बता दें, बैठक रविवार को जेद्दा में हुई थी। व्हाइट हाउस ने जानकारी दी कि सुलविन और डोभाल इस महीने के अंत में ऑस्ट्रेलिया में क्वाड शिखर सम्मेलन से इतर फिर से मिलेंगे। जनवरी में यहां महत्वाकांक्षी 'इंडिया-यूएस आईसीईटी (इनीशिएटिव ऑन क्रिटिकल एंड इमर्जिंग टेक्नोलॉजी)' संवाद शुरू करने के बाद डोभाल और सुलिवन के बीच यह पहली बैठक है। सुलिवन फिलहाल सऊदी अरब की यात्रा पर हैं।

व्हाइट हाउस के अनुसार, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवान ने सऊदी अरब में 7 मई को सऊदी प्रधान मंत्री और क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान, संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार शेख तहनून बिन जायद अल नाहयान और भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल से मुलाकात की। इस मौके पर भारत और दुनिया के साथ जुड़े हुए समृद्ध तथा अधिक सुरक्षित पश्चिम एशिया के साझा दृष्टिकोण को आगे बढ़ाने के लिए चर्चा की गई। जानकारी के अनुसार, सुलिवन ने द्विपक्षीय और क्षेत्रीय मामलों पर चर्चा करने के लिए क्राउन प्रिंस, शेख तहनून और डोभाल के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी कीं।

व्हाइट हाउस ने अदा किया शुक्रिया

व्हाइट हाउस ने कहा कि सुलिवन ने सूडान से अमेरिकी नागरिकों को निकालने में सऊदी अरब के सहयोग के लिए क्राउन प्रिंस को धन्यवाद दिया। चारों प्रतिनिधि नियमित रूप से विचार विमर्श करते रहने और दिन भर हुई चर्चा में शामिल मुद्दों पर आगे की कार्रवाई करने पर सहमत हुए। क्राउन प्रिंस मोहम्मद के साथ सुलिवन ने यमन में अब 15 महीने से चल रहे संघर्ष विराम को और मजबूत करने के लिए वार्ता की। इस दौरान कई मुद्दों पर सहमति बनी।

भारतीय कैदी की मौत के बाद 199 मछुआरों को रिहा करेगा पाकिस्तान

इस्लामाबाद, 8 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान की जेल में एक भारतीय कैदी की मौत के बाद खबर आई है कि पाकिस्तान की सरकार 199 भारतीय मछुआरों को रिहा करने की तैयारी कर रही है। सद्भावना के तहत पाकिस्तान की सरकार इन भारतीय मछुआरों को जेल से रिहा करेगी। इन कैदियों को कराची की जेल से लाहौर भेजा जाएगा और लाहौर से इन कैदियों की वाघा बॉर्डर के जरिए वतन वापसी होगी।

12 मई को होगी रिहाई

कराची के एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी काजी नजीर ने बताया कि संबंधित मंत्रालय से भारतीय कैदियों को रिहाई का आदेश आया है। शुक्रवार यानी कि 12 मई को

इन कैदियों को रिहा कर लाहौर भेजा जाएगा। जिन कैदियों को रिहा किया जाएगा, वो पाकिस्तान की लंडी जेल में बंद हैं। बता दें कि पाकिस्तान की जेल में बंद भारतीय कैदी जुल्फिकार की हाल ही में एक अस्पताल में मौत हो गई थी। जुल्फिकार को तबीयत खराब होने पर कराची के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया था लेकिन वहां इलाज के दौरान भारतीय कैदी ने दम तोड़ दिया। जांच में पता चला कि फेफड़ों में संक्रमण के चलते कैदी की मौत हुई।

पाकिस्तान की जेलों में हालात खराब

पाकिस्तान की जेलों में कैदियों के कल्याण के लिए काम करने वाली पाकिस्तानी संस्था ईदी वेलफेयर ट्रस्ट भारतीय कैदियों को लाहौर ले जाने का इंतजाम करेगी। ट्रस्ट के अधिकारियों ने आरोप लगाया कि पाकिस्तान की जेलों में हालात बेहद खराब हैं और वहां डॉक्टरों और इलाज की भी समुचित व्यवस्था नहीं है, जिसकी वजह से कैदी बीमार पड़ते हैं और कई बार उनकी मौत भी हो जाती है।

अब पाकिस्तान-अफगानिस्तान में मेल कराने में जुटा चीन, बीआरआई प्रोजेक्ट पर काम होगा शुरू

इस्लामाबाद, 8 मई (एजेंसियां)। सऊदी अरब और ईरान में मेल कराने के बाद से दुनिया में अपने को शांति दूत के रूप में पेश करने में जुटे चीन ने अब पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच मेल-मिलाप कराने की पहल की है। चीन के विदेश मंत्री चिन गांग ने अपनी पाकिस्तान यात्रा के दौरान अफगानिस्तान के विदेश मंत्री को भी यहां बुला लिया। उसके बाद रविवार को तीनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच के बीच त्रिपक्षीय वार्ता हुई।

बाद में चीन ने दावा किया कि इसके साथ ही अफगानिस्तान-चीन-पाकिस्तान के बीच त्रिपक्षीय सहयोग की शुरुआत हो गई है। चीन के सरकार समर्थक अखबार ग्लोबल टाइम्स में इस बारे में एक विशेष टिप्पणी प्रकाशित की, जिसमें कहा गया- 'यह एक अति महत्त्वपूर्ण घटना है, जिससे पूरे क्षेत्र में स्थिरता आएगी। साथ ही अफगानिस्तान और पाकिस्तान में आपसी भरोसा बढ़ेगा, जिन्हें पिछले कुछ वर्षों में सीमा विवाद का सामना करना पड़ा है।' यहां पर्यवेक्षकों ने ध्यान दिलाया है कि अफगानिस्तान के कार्यवाहक विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी के इस्लामाबाद दौरे के समय उनसे पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल सईद असीम मुनीर ने भी मुलाकात की। इस दौरान जनरल मुनीर ने दोनों देशों के बीच आपसी सहयोग मजबूत करने और आतंकवाद एवं चरमपंथ जैसी साझा चुनौतियों' का मिल कर मुकाबला करने पर जोर दिया। पाकिस्तान सरकार की तरफ से जारी एक बयान के मुताबिक जनरल मुनीर और मुत्ताकी ने साझा हितों के मसलों पर बातचीत की, जिनमें क्षेत्रीय सुरक्षा, सीमा प्रबंधन और द्विपक्षीय सुरक्षा व्यवस्था को औपचारिक रूप देना शामिल है। बाद में जनरल मुनीर की चीन के विदेश मंत्री के साथ भी बातचीत हुई। पाकिस्तान के सत्ता तंत्र में सेनाध्यक्ष की सर्वोपरि भूमिका को देखते हुए इन मुलाकातों को यहां मीडिया में खासी अहमियत दी गई है। ग्लोबल टाइम्स की रिपोर्ट में बताया गया है कि चिन, मुट्टाकी और पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के की बीच त्रिपक्षीय वार्ता के दौरान अफगानिस्तान और पाकिस्तान दोनों ने चीन की तरफ से पेश वैश्विक सुरक्षा पहल (जीएसआई) और वैश्विक विकास पहल (जीडीआई) पर अमल करने का संकल्प जताया। उधर ने चीन आश्वासन दिया कि वह दोनों देशों के साथ त्रिपक्षीय सहयोग को मजबूत करने में अपनी पूरी भूमिका निभाएगा। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच हाल के महीनों में कई मौकों पर गंभीर टकराव हुए हैं। सीमा पर कई बार दोनों देशों की फौज के बीच गोलीबारी भी हुई है। पाकिस्तान ने बार-बार अफगानिस्तान पर आतंकवाद को संरक्षण देने के इल्जाम लगाए हैं।

मी टू के आरोप : जर्मन सरकार ने दी फिल्म इंडस्ट्री की सब्सिडी रोकने की चेतावनी

बर्लिन, 8 मई (एजेंसियां)। जर्मनी में #MeToo आंदोलन के उठ खड़े होने के बाद अब सरकार को इसमें दखल देना पड़ा है। जर्मनी में इल्जाम लगे हैं कि महिला कलाकारों से दुर्व्यवहार के कारण वहां की फिल्म इंडस्ट्री में 'भय का माहौल' बना हुआ है। देश के सबसे बड़े फिल्म स्टारों पर सहकर्मी महिलाओं को डराने-धमकाने और उनसे बदसलूकी करने के आरोप भी लगे हैं।

कई अवार्ड जीत चुके अभिनेता और निर्देशक टिल श्वेइगर पर आरोप लगा है कि उन्होंने हाल में एक फिल्म निर्माण के दौरान साथी कलाकारों को धमकाया और उनसे बदजुबानी की। इस फिल्म को श्वेइगर ने निर्देशित भी किया है। मार्च में रिलीज हुई यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर हिट साबित हुई है। 50 लोगों ने उनके दुर्व्यवहार के बारे में विवरण दिए हैं। इन विवरणों को जानी-मानी पत्रिका डेर स्पीगेल ने प्रकाशित किया है। इसमें कुछ लोगों ने कहा है कि श्वेइगर एक दशक से ऐसा ही सलूक कर रहे हैं। जर्मनी की संस्कृति मंत्री क्लाउडिया रोथ ने इस बारे में 'व्यापक जांच' कराने को कहा है। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगर फिल्म निर्माण के दौरान फिल्मकारों ने श्रमिक सुरक्षा के नियमों का उल्लंघन जारी रखा, तो सरकार फिल्म उद्योग को मिलने वाली सब्सिडी पर रोक लगा देगी। उन्होंने कहा कि दुनिया में #MeToo आंदोलन शुरू होने के पांच साल बाद अब जर्मनी को भी इस सच का सामना करना पड़ रहा है।

अमेरिका में सड़क पर खड़े लोगों को कार ने रौंदा

8 लोगों की मौत, 10 घायल

ब्राउन्सविल , 8 मई (एजेंसियां)। अमेरिका के टेक्सास में सिटी बस स्टॉप पर खड़े लोगों को एक एसयूवी ने टक्कर मार दी। रविवार को हुए हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई, वहीं 10 लोग घायल हो गए। हादसा टेक्सास के ब्राउन्सविल में एक प्रवासी शेल्टर होम के बाहर स्थित बस स्टॉप पर हुआ। मारे गए लोगों में कुछ प्रवासी भी हैं। पुलिस ने टक्कर मारने के आरोपी व्यक्ति को हिरासत में ले लिया है।

शेल्टर होम के डायरेक्टर ने बताया कि लोगों को टक्कर मारने के बाद गाड़ी पलट गई और लुढ़कते हुए 200 फीट दूर तक गई। जांच अधिकारी पता लगा रहे हैं कि ये एक हादसा था या जान-बूझकर टक्कर मारी गई थी।

जांच में सहयोग नहीं कर रहा आरोपी

पुलिस अधिकारी सैंडोवल ने बताया कि आरोपी ड्राइवर कुछ भी बताने से इनकार कर रहा है। वो जांच में बिल्कुल सहयोग नहीं कर रहा है। इलाज के बाद उसे सिटी जेल में ट्रांसफर किया जाएगा। इसके बाद उसके फिंगर प्रिंटस और फोटो लेकर उसकी पहचान की जाएगी। वहीं आरोपी के नशे में होने का पता लगाने के लिए उसके ब्लड सैंपल की रिपोर्ट ली गई है।

रिपोर्टर्स के मुताबिक ब्राउन्सविल में एक ही प्रवासी शेल्टर होम है, जो हजारों प्रवासियों को मैनेज करता है। टाइम मैग्जीन की रिपोर्ट के मुताबिक इस शेल्टर हाउस की कैपिसिटी केवल 250 लोगों की है, जबकि इनके पास रोजाना करीब 400 लोग आते हैं। कुछ हफ्तों में तो प्रवासियों की तादाद इतनी बढ़ गई है कि लोकल प्रशासन को वहां पर इमेरजेंसी तक लगानी पड़ी है।

पाकिस्तानी फौज से बेहतर हथियार आतंकियों के पास

16 दिन में 21 सैनिक मारे गए, अब अमेरिकी वेपन्स से हमला कर रहा तालिबान

इस्लामाबाद, 8 मई (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा राज्य के खुर्रम जिले में शनिवार को आतंकी हमले की दो घटनाएं हुईं। इसके पहले गुरुवार को 8 टीचर्स के अलावा 7 फौजी मारे गए थे। 16 दिन में अकेले इस राज्य में कुल 21 पाकिस्तानी सैनिक मारे जा चुके हैं। जवाब में सिर्फ दो ही आतंकी मारे गए हैं।

पाकिस्तानी फौज अफगानिस्तान बॉर्डर से लगे इस राज्य में दो महीने से ऑपरेशन चला रही है। अब तक तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) का पलड़ा ही भारी नजर आ रहा है। इसकी एक बड़ी वजह यह है कि टीटीपी के पास पाकिस्तानी फौज से बेहतर वेपन्स और सर्पोटिंग हथियार मौजूद हैं। ये वही हथियार हैं जो अगस्त 2021 में अफगानिस्तान से लौटते वक्त अमेरिकी फौज छोड़कर गई थी।

सऊदी अरब के अखबार की इन्वेस्टिगेटिव रिपोर्ट

सऊदी अरब के अखबार 'द नेशनल' की एक इन्वेस्टिगेशन में कुछ अहम बातों का खुलासा हुआ है। इसके मुताबिक पाकिस्तान के सिक्योरिटी ऑफिशियल्स अब ये मानने पर मजबूर हो गए हैं कि तालिबान (अफगान और पाकिस्तान) के मामले में उनकी हर चाल उल्टी साबित हो रही है।

टीटीपी और अफगान तालिबान कंधे से कंधा मिलाकर पाकिस्तान की फौज पर हमले कर रहे हैं। हर रोज पुलिस और फौज के लोग मारे जा रहे हैं। इतना ही नहीं बलूचिस्तान के विद्रोही संगठन भी इनके साथ हाथ मिला चुके हैं। लिहाजा, अब फौज को

जबरदस्त नुकसान हो रहा है। पाकिस्तान के सिक्योरिटी एक्सपर्ट रफीकउल्लाह काकर ने कहा- तालिबान को हवाई हमलों का खतरा नहीं रहा, क्योंकि अमेरिका यहां से वापस जा चुका है। ट्रैडीशनल वॉर फेयर में हथियारों की क्वॉलिटी बेहद अहम होती है, इस मामले में अब दहशतगर्द बाजी मार चुके हैं। आप बताइए जो हथियार, इक्विपमेंटस और टेक्नोलॉजी उनके पास हैं, वो पाकिस्तान की आर्मी के पास कहां है? वो आए दिन हमला करते हैं और पाकिस्तान के फौजी मारे जाते हैं।

आतंकी नहीं, फौज भाग रही है

काकर ने आगे कहा- तालिबान अब जहां चाहे, वहां हमले कर रहे हैं। गुरुवार को ही उन्होंने 7 सैनिक मार डाले। अब आतंकियों के बजाय फौज को जान के लाले पड़ गए हैं। फरवरी में मस्जिद पर हमला हुआ। 107 पुलिसवाले मारे गए। हर रोज सैनिक मारे जा रहे हैं। एक साल में 37% आतंकी हमले बढ़ गए। इस दौरान 419 लोग मारे गए। इनमें 65% सैनिक या पुलिसवाले थे। रिपोर्ट के मुताबिक दावा किया जाता है कि अमेरिका करीब 7.2 अरब डॉलर के हथियार और इक्विपमेंटस अफगानिस्तान में छोड़कर गया। हकीकत में यह अमाउंट करीब दोगुना है। जरा सोचिए, पाकिस्तान का सालाना डिफेंस बजट भी इतना नहीं है। तालिबान अगर फौज को निशाना बना रहे हैं तो बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) उन जगहों को निशाना बना रही है, जहां चीन ने इन्वेस्टमेंट किया है। चीनी भी मारे जा रहे हैं। पाकिस्तानी फौज बेबस है। हमलों की वजह से चीन और पाकिस्तान के रिश्ते भी बिगड़ते जा रहे हैं। दो साल में 23 चीनी नागरिक आतंकी हमलों में मारे जा चुके हैं।

एक साल में 118 पुलिसवाले मारे गए

पाकिस्तान की होम मिनिस्ट्री के मुताबिक अकेले खैबर पख्तूनख्वा में 2022 में आतंकी हमलों में 118 पुलिसकर्मी मारे गए। दो मिलिट्री बेस पर हमले हुए। 29 सैनिक मारे गए। रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तानी फौज के पास वैसे छोटे हथियार नहीं हैं, जो अब आतंकियों के पास हैं। उनके पास नाइट विजन गॉगल्स, हेलमेट, बुलेटप्रूफ जैकेट और दूसरे हाईटेक इक्विपमेंटस हैं। उन्हें दूसरे देशों से सीक्रेट ट्रेनिंग मिली। पाकिस्तान के पास इतना बजट ही नहीं कि वो बराबरी कर सके। बजट मिलता भी है तो वो अब सिर्फ चीन से हथियार खरीद सकता है, भारत के दबाव की वजह से इजराइल या अमेरिका उसे वेपन्स बेचेंगे नहीं।

1989 में रूसी सेना की वापसी के बाद पहले मुजाहिद्दीन और बाद में तालिबानी रूसी एके 47 के साथ T-55 टैंकों पर सवार नजर आते थे और अब यही तालिबानी लड़ाके अमेरिकी बख्तरबंद फौजी गाड़ी हमवी पर अमेरिका में ही बनी M16 राइफल के साथ नजर आ रहे हैं। पिछले साल जारी फोर्ब्स मैगजीन की एक रिपोर्ट के मुताबिक अमेरिका अफगानिस्तान में 8,84,311 लेटेस्ट मिलिट्री इक्विपमेंटस छोड़कर गया है। इनमें M16 राइफल, M4 कार्बाइन, 82 mm मोर्टार लॉन्चर जैसे इंफेंट्री हथियारों के साथ humvee जैसे सैन्य वाहन, ब्लैक हॉक हेलिकॉप्टर, A29 लड़ाकू विमान, नाइट विजन, कम्युनिकेशन और सर्विलांस में इस्तेमाल होने वाली डिवाइस भी शामिल हैं।

तालिबान और अल-कायदा के खिलाफ जंग छेड़ने वाले अमेरिका ने 2003 के बाद से अफगान सेना और पुलिस को हथियार और ट्रेनिंग पर 83 अरब डॉलर, यानी 6 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च किए थे। अफगानिस्तान में छूटे सैनिक साजो-सामान में 5.99 लाख से ज्यादा खालिस हथियार, 76 हजार से ज्यादा सैन्य वाहन और 208 सैन्य विमान शामिल हैं। अब इनका इस्तेमाल अफगान और पाकिस्तान तालिबान कर रहे हैं।

वसुंधरा बोलीं- मेरी तारीफ गहलोत का बड़ा षड्यंत्र

वे झूठ बोल रहे हैं; सीएम ने कहा था- 2020 में राजे ने बचाई थी कांग्रेस सरकार

जयपुर, 8 मई (एजेंसियां)। सियासी संकट के वक्त सरकार गिराने में सहयोग नहीं देने पर सीएम अशोक गहलोत के पूर्व सीएम वसुंधरा राजे की तारीफ करने पर विवाद हो गया है। राजे ने गहलोत पर निशाना साधते हुए उनकी तारीफ को षड्यंत्र बताया है। राजे ने रविवार देर रात लिखित बयान जारी कर कहा, 'मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 2023 में होने वाली हार से भयभीत होकर झूठ बोल रहे हैं। उन्होंने गृहमंत्री अमित शाह पर आरोप लगाया है, जिनकी ईमानदारी और सत्य निष्ठा सब जानते हैं।'

राजे ने कहा, 'जीवन में मेरा जितना अपमान गहलोत ने किया कोई कर ही नहीं सकता। वे 2023 के चुनाव में होने वाली ऐतिहासिक हार से बचने के लिए ऐसी मनगढ़ंत कहानियां गढ़ रहे हैं। जो दुर्भाग्यपूर्ण है। उनकी ये चाल कामयाब होने वाली नहीं है।' राजे ने कहा, 'रिश्वत लेना और देना दोनों अपराध हैं। यदि उनके विधायकों ने पैसा लिया है, तो एफआईआर दर्ज करवाएं। सच तो यह है कि अपनी ही पार्टी में हो रही बगावत और कम होते जनाधार के कारण बौखलाहट में उन्होंने ऐसे अमर्यादित और झूठे आरोप लगाए हैं।'

गहलोत तो विधायकों की खरीद-फरोख्त में माहिर

वसुंधरा राजे ने कहा, 'विधायकों की खरीद-फरोख्त की जहां तक बात है, इसके महारथी तो खुद अशोक गहलोत हैं। जिन्होंने 2008 और 2018 में अल्पमत में होने के कारण ऐसा किया था। उस वक्त न भाजपा को बहुमत मिला था और न ही कांग्रेस को। हम भी सरकार बना सकते थे, पर यह भाजपा के सिद्धांतों के खिलाफ था। इसके विपरीत गहलोत ने विधायकों को खरीद कर दोनों समय सरकार बनाई थी।'

गहलोत ने रविवार को धौलपुर के राजाखेड़ा में बीजेपी से निष्कासित विधायक शोभारानी कुशवाह के साथ वसुंधरा और कैलाश मेघवाल की तारीफ की थी।

गहलोत ने कहा था कि शोभारानी ने हमारा साथ दिया तो भाजपा वालों की हवाइयां उड़ गईं। कैलाश मेघवाल और वसुंधरा जी को मालूम था कि भैरों सिंह शेखावत मुख्यमंत्री थे, उस वक्त उनकी पार्टी के लोग सरकार गिरा रहे थे।

कैलाश मेघवाल और वसुंधरा राजे ने कहा कि हमारे यहां पैसे के बल पर चुनी हुई सरकारों को गिराने की कभी परंपरा नहीं रही है, तो क्या उन्होंने क्या गलत किया?

शोभारानी कुशवाह ने वसुंधरा राजे और कैलाश मेघवाल की सुनी

गहलोत ने दोनों बार लेन-देन से सरकार बनाई

और इनकी अंतरात्मा ने कहा मुझे भी ऐसे लोगों का साथ नहीं देना चाहिए तो क्या गलत किया? इसलिए हमारी सरकार बची है। मैं जिंदगी में यह घटना कभी भूल नहीं सकता जो मेरे साथ बीती थी।

28 अप्रैल को हनुमानगढ़ के रावतसर में सीएम अशोक गहलोत ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के रावण वाले बयान पर पलटवार करने के बहाने राजस्थान की सियासी खींचतान के इतिहास को लाकर नई बहस शुरू कर दी थी।

गहलोत ने भैरोंसिंह शेखावत सरकार गिराने के षड्यंत्र में शामिल नहीं होने का उदाहरण दिया था। साथ ही उसकी तुलना खुद की सरकार पर पायलट खेमे की बगावत से करते हुए इशारों में सियासी निशाना साधा था। साथ ही पूर्व सीएम वसुंधरा राजे और कैलाश मेघवाल की तारीफ करके फिर सियासी चर्चा को हवा दे दी थी। 20 अप्रैल को सूरतगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने गहलोत के साथ मिलीभगत के आरोपों को लेकर पायलट पर जमकर निशाना साधा था।

वसुंधरा ने कहा था- कई लोग जानबूझ कर एक ही झूठ बोलते आ रहे हैं कि वो तो मिले हुए हैं, उनमें तो मिलीभगत है। जिनसे सिद्धांत नहीं मिलते, जिनसे विचारधारा नहीं मिलती, जिनसे रोज-रोज अमर्यादित भाषा सुनने को मिलती हो, उनसे मिलीभगत कैसे संभव है। क्या कभी दूध और नींबू रस आपस में मिल सकते हैं?

गहलोत ने कहा- नींबू और दूध में यही फर्क, राजे के समय की योजनाओं को हमने बंद नहीं किया

26 अप्रैल को बीकानेर के नोखा विधानसभा क्षेत्र के जसरासर गांव में गहलोत ने कहा था- बीजेपी ने आते ही रिफाइनरी सहित हमारी योजनाओं को बंद कर दिया। नींबू और दूध में यही फर्क है। वसुंधरा राजे के समय की योजनाओं को हमने बंद नहीं किया। हमने तो उनकी ईआरसीपी सहित सारी योजनाओं को चालू रखा है। वसुंधरा राजे ने बीकानेर संभाग के सूरतगढ़ में ही बोला था कि नींबू और दूध मिल नहीं सकते तो आप दोनों में फर्क देख सकते हैं।

मिलीभगत के आरोपों पर गहलोत ने खुद ही मुहर लगा दी

वसुंधरा राजे और कैलाश मेघवाल की तारीफ करके सीएम गहलोत ने बीजेपी की अंदरूनी सियासत को भी गर्मा दिया है। गहलोत के बयान के दो बड़े सियासी मायने हैं। एक तो वसुंधरा राजे की बीजेपी में असहज स्थिति कर दी, उन्हें अब सफाई देनी पड़ रही हैं।

गहलोत की सरकार का जिस दिन 14 अगस्त 2020 को बहुमत परीक्षण होना था, उस दिन बीजेपी के चार विधायक सदन से गायब थे। अब गहलोत ने सरकार गिराने के सहयोग नहीं देने पर वसुंधरा की तारीफ करके चुनावी साल में नई बहस छेड़ दी है।

आम आदमी पार्टी (आप) और आरएलपी की ओर से वसुंधरा और गहलोत की मिलीभगत के आरोप लगाते रहे हैं। हाल ही में सचिन पायलट ने भी बीजेपी राज के करप्शन पर कार्रवाई नहीं होने पर सवाल उठाते हुए कहा था कि इससे कहीं यह मैसेज नहीं जाए कि कहीं किसी स्तर पर कोई मिलीभगत है। पायलट कई बार यह बयान दे चुके हैं। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि गहलोत ने सियासी रणनीति के तहत सरकार गिराने में सहयोग नहीं करने पर वसुंधरा राजे की तारीफ की है। बीजेपी में राजे विरोधी खेमा गहलोत के इस बयान को भुनाने का प्रयास करेगा। इस बयान से पर्सेप्शन के मोर्चे पर राजे को नुकसान हुआ है।

बीजेपी की टॉप लीडरशिप के साथ पार्टी के कैडर में भी वसुंधरा को नुकसान हो सकता है, इसलिए इस बयान को सोची समझी रणनीति के तहत दिया हुआ माना जा रहा है। राजनीतिक प्रेक्षकों के मुताबिक राजे को चुनावी साल में हाईकमान आगे नहीं करता है तो गहलोत इसमें सियासी फायदा देख रहे हैं।

आकाशीय बिजली गिरने से आग

खेत में बने झोपड़े में आग लगी, लाखों रुपए की फसल के साथ यूरिया और डीएपी भी स्वाह

बीकानेर, 8 मई (एजेंसियां)। बीकानेर में पिछले दो दिन में बारिश तो ज्यादा नहीं हुई लेकिन बिजली गिरने से एक झौपड़े में आग जरूर लग गई। आग इतनी जबर्दस्त थी कि वहां रखी फसल के साथ पंप मशीनें, यूरिया और डीएपी भी जलकर राख हो गई। किसान को इस हादसे से लाखों रुपए का नुकसान हुआ है।

बीकानेर के लालमदेसर बड़ा कस्बे के समीपवर्ती गांव राजेडू की रोही में रविवार को आकाशीय बिजली गिरने से ढाणी में अचानक लगी। घास के बने इस झौपड़े में आग बहुत जल्दी से फैली और वहां रखा सामान जलकर राख हो गया।

लालमदेसर बड़ा के मनीराम गोदारा की ढाणी में आग लगने से 91 क्विंटल मैथी, 53 क्विंटल गेहूं, 25 कट्टे डी ए पी, 30 कट्टे यूरिया, दूध की केन, दो ड्यूक कंपनी के मोटर पंप जिसकी कीमत ढाई लाख रुपए है, 27 क्विंटल मूंगफली बीज, बड़ी मात्रा में मूंगफली चारा, 170 पानी की पाइप लाइन, पशु आहार और घरेलू सामान जलकर खाक हो गया। खेत पड़ोसियों और ढाणी मालिक मनीराम गोदारा ने बताया कि आकाशीय बिजली गिरने से लगी आग पर लगभग ढाई घंटे से काबू पाया गया। गनीमत रही कि उस वक्त ढाणी में कोई नहीं था।

घास के कारण आग तेज

दरअसल, यहां घास से झौपड़े बनते हैं। इस घास में आग भी जल्दी लगती है, जो फैलने में कुछ सैकंड का वक्त लेती है। ऐसे में अगर कोई झौपड़े में होता तो उसे बचने के लिए कुछ सेकेंड्स ही मिलते। बीकानेर में हर साल दर्जनों झौपड़ों में आग लगती है।

'पैसा लेने वाले विधायकों पर एफआईआर क्यों नहीं करवाते?'

राठौड़ बोले- गहलोत जिन विधायकों पर आरोप लगा रहे उन्हें मंत्री क्यों बना रखा है?

जयपुर, 8 मई (एजेंसियां)। पायलट कैंप के विधायकों पर अमित शाह से लिया पैसा वापस लौटाने की सलाह देने के के सीएम अशोक गहलोत के बयान पर सियासी वार पलटवार शुरू हो गया है। नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र सिंह राठौड़ ने सीएम अशोक गहलोत के बयान पर निशाना साधा है। राठौड़ ने कहा- मुख्यमंत्री जिन विधायकों पर आरोप लगाते हैं उन्हें ही मंत्री क्यों बना रखा है, जनता यह सब समझती है। आपके विधायकों ने पैसा लिया तो उनके खिलाफ कार्रवाई क्यों नहीं कर रहे हैं?

राठौड़ ने कहा- सीएम अशोक गहलोत फिर पुराना राग फिर अलाप रहे हैं। मानेसर गए उन्हीं के विधायकों ने पैसा लिया, उस समय एफआईआर दर्ज कराई और मुख्यमंत्री जो गृहमंत्री भी हैं, उन्हीं के निर्देश पर एफआर भी लगाई। जब उन्हें पूरी जानकारी है कि उनके किस विधायक ने कितना पैसा लिया और कहां उपयोग किया तो फिर गृहमंत्री के रूप में

मुख्यमंत्री इतने बड़े अपराध को घटित होते क्यों देख रहे हैं? क्यों एफआईआर दर्ज नहीं कराते? कथनी और करनी का अंतर राजस्थान का आवाम अपनी आंखों से अच्छी तरह से देख रहा है। राठौड़ ने कहा- आपने देश के गृहमंत्री को आरोपित करने की तोहमत उठाई है तो यह भी बता ही दें कि सरकार भी आपकी पुलिस पर नियंत्रण भी आपका,गृहमंत्री भी आप। आपकी नजरों में आए बिकाऊ विधायकों की सर्वाधिक जानकारी भी आपको,तो फिर देरी किस बात की? दो साल गुजर जाने के बाद भी विधायकों की सूची जारी क्यों नहीं कर रहे? किन विधायकों को कितने करोड़ मिले और कितने खर्च हुए, इनका ब्यौरा भी आप लिये बैठे हैं। तो फिर तथाकथित बिकाऊ विधायकों के विरुद्ध पुलिस केस दर्ज करने में देरी क्यों? राठौड़ ने कहा- तत्कालीन मुख्य सचेतक जोशी ने फोन टैपिंग प्रकरण में एसीबी व एसओजी दर्ज कराई गई, एफआईआर नंबर 47,48,49, 129 में एफआर भी आपके निर्देश पर लगी और अब आरोप भी आप लगा रहे हैं। जो विधायक आपकी नजरों में धोखेबाज थे वह आज मंत्रिमंडल में विराजमान है।

गहलोत ने कल धौलपुर जिले में राजाखेड़ा के पास महंगाई राहत कैंप की सभा में पायलट कैं।प के विधायकों पर अमित शाह से पैसा लेने का आरोप लगाकर सियासी विवाद को ताजा किया था। गहलोत ने कहा था कि अमित शाह, धर्मेंद्र प्रधान और गजेंद्र सिंह शेखावत इन सबने मिलकर हमारी सरकार को गिराने का षडयंत्र किया। राजस्थान में विधायकों को पैसे बांट दिए। यह लोग वापस पैसा नहीं ले रहे हैं। मुझे चिंता लगी हुई है, ये वापस पैसा क्यों नहीं ले रहे हैं? हमारे विधायकों से मैंने यहां तक कह दिया कि जिसने 10 करोड़, 20 करोड़ लिया है,उसमें से कुछ खर्च कर दिया हो तो वह खर्च किया हुआ पॉर्शन मैं दे दूंगा, मैं एआईसीसी से दिलवा दूंगा।

ईआरसीपी को लेकर सीएम फिर हमलावर

गहलोत बोले- बीजीपी के नेताओं से पूछना ईआरसीपी को नेशनल प्रोजेक्ट घोषित क्यों नहीं किया

दौसा, 8 मई (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत रविवार शाम को दौसा जिले के गीजगढ़ कस्बे के दौरे पर पहुंचे। यहां उन्होंने सबसे पहले महंगाई राहत कैंप का अवलोकन किया। इसके बाद जनसभा को संबोधित करते हुए ईआरसीपी (पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना) को राष्ट्रीय परियोजना घोषित नहीं करने पर भाजपा को आड़े हाथों लिया। उन्होंने कहा आने वाले दिनों में भाजपा के नेता आपके बीच में आएंगे। आपको उनसे एक ही सवाल करना है कि ईआरसीपी को राष्ट्रीय परियोजना घोषित क्यों नहीं किया जा रहा। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री 13 जिले के लोगों को ईआरसीपी क्यों नहीं दे रहे। रिफाइनरी को भी इन्होंने बंद कर दिया था जो चालीस हजार करोड़ का प्रोजेक्ट था। यदि समय पर ईआरसीपी पूरी होती तो आज लोगों को पानी मिलता।

एसटी व एससी वर्ग को साधते हुए सीएम ने अपने भाषण में कहा हमारी सरकार में परसादी लाल मीणा, मुरारी लाल मीणा, रमेश मीणा,

महेंद्रजीत सिंह मालवीय, ममता भूपेश, गोविंद राम मेघवाल, भजन लाल जाटव व टीकाराम जूली समेत एसटी व एससी वर्ग के कई विधायक एक साथ मंत्रिमंडल में शामिल हुए हैं। यह राजस्थान की किसी भी सरकार में पहली बार हुआ है कि आदिवासी व दलित वर्ग को भी पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिला हुआ है। उन्होंने कहा दौसा जिले के पांच विधायकों में से दो कैबिनेट मंत्री हैं। एक विधायक राज्यमंत्री व एक को राज्यमंत्री का दर्जा मिल गया। हमने पानी, बिजली, शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर काम करने का प्रयास किया है। सिकराय में जो मांगा वो दिया है। आप मांगते-मांगते थक जाओगे में देते-देते नहीं थकूंगा। यहां कॉलेज, स्कूल, पुलिस थाने, नगर पालिका खोल दिये। हम 2030 तक राजस्थान को नम्बर वन बनाएंगे, तब जाकर हमारा सपना पूरा होगा। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने कहा राज्य सरकार ने दौसा जिले को ईसरदा बांध की सौगात दी, जिससे लोगों को पानी मिल सके। ईआरसीपी राष्ट्रीय परियोजना घोषित हो, इसके लिए सीएम ने हजारों करोड़ का प्रावधान किया है। हमारे कार्यकर्ताओं को जनता के बीच जाकर सरकार की योजनाओं का प्रचार प्रसार करते हुए भाजपा के झूठ का जवाब देना चाहिए। डोटासरा ने कहा ममता भूपेश ने ऐतिहासिक सभा का आयोजन किया, इसके लिए धन्यवाद देता हूं।

वहीं मंत्री ममता भूपेश ने कहा सीएम के आशीर्वाद से दौसा जिला आगे बढ़ रहा है। मेहंदीपुर बालाजी धाम में सीएम की दीर्घायु की कामना करती हूं। भूपेश ने कहा मुख्यमंत्री अभिभावक के रूप में काम करते हुए हमारी मांगों को पूरा कर रहे हैं। जिले में स्कूल - कॉलेजों से लेकर पंचायत समिति, तहसील, सड़क, बिजली, पानी, नगर पालिका व उप जिला अस्पताल आदि के अनेकों कार्य हुए हैं। इससे लोगों को राहत मिली है।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन के अंत से स्थानीय विधायक में मंत्री ममता भूपेश की मांग पर सिकराय को नगरपालिका बनाने, पापड़दा को तहसील में क्रमोन्नत करने समेत क्षेत्र की 4 स्कूलों को सीनियर सेकेंडरी में क्रमोन्नत करने की घोषणा की। इससे पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट व नारों से गूंज उठा। सीएम ने भाषण के दौरान कई बार मंत्री ममता भूपेश की प्रशंसा भी की।

बजरंग दल पर प्रतिबंध सहन नहीं किया जाएगा

देवनानी बोले- कांग्रेस सरकार तुष्टिकरण की नीति छोड़े, सनातन धर्म प्रेमी करेंगे कड़ा विरोध

अजमेर, 8 मई (एजेंसियां)। पूर्व शिक्षा मंत्री व अजमेर उत्तर के विधायक वासुदेव देवनानी ने बयान जारी कर कहा कि यदि कांग्रेस सरकार तुष्टिकरण की नीति पर अमल करते हुए बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाती है तो इसे कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और सनातन धर्म प्रेमी इसका कड़ा विरोध करेंगे। देवनानी ने कहा कि कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस ने बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने का वादा किया है। राजस्थान के आपदा प्रबंधन मंत्री गोविंद मेघवाल ने बयान दिया है कि राजस्थान में भी बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाया जाएगा।

देवनानी ने कहा कि पीएफआई से बजरंग दल की तुलना सरासर गलत है। यह कांग्रेस की तुच्छ चाल है। वह वोटों के लिए किसी भी स्तर तक जा सकती है। उन्होंने कहा कि पीएफआई आतंकवादी संगठन है और आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त पाया जाता रहा है। जबकि बजरंग दल की आज तक ऐसी कोई भी गतिविधि नहीं रही है। देवनानी ने कहा कि बजरंग दल पूर्ण रूप से हिंदूवादी व राष्ट्रवादि संगठन है और उसका वास्ता धार्मिक कार्यों से है। इसके बावजूद कांग्रेस तुष्टिकरण की नीति अपनाते हुए बजरंग दल को बदनाम कर रही है।

देवनानी ने कहा कि यदि बजरंग दल पर प्रतिबंध लगाने का कांग्रेस सरकार ने तनिक भी प्रयास किया तो उसे इसका विधानसभा चुनाव में भारी खामियाजा भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और उसकी सरकारें हमेशा से तुष्टिकरण की नीतियों पर चलती आई है और अब भी चल रही है।

असम की महिला आईएएस अजमेर से गिरफ्तार

105 करोड़ के घोटाले के मामले में थी फरार, दो साथी भी पकड़े गए

अजमेर, 8 मई (एजेंसियां)। असम की स्टेट काउंसलिंग ऑफ एजुकेशनल रिसर्च एंड ट्रेनिंग में 105 करोड़ रुपए के कथित घोटाले के मामले में असम की विजिलेंस टीम रविवार देर रात अजमेर पहुंची। टीम ने अजमेर की कोतवाली थाना पुलिस की मदद से सोमवार सुबह असम की निलंबित महिला आईएएस सेवाली देवी शर्मा सहित तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। जिन्हें सीजीएम कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है।

फिर असम स्पेशल पुलिस महिला आईएएस सहित तीनों आरोपियों को असम लेकर रवाना हो गई। इनसे इस घोटाले के मामले में पूछताछ की जाएगी। तीनों आरोपी फरारी काटने के लिए अजमेर पहुंचे थे।

दरअसल, रविवार देर रात असम की विजिलेंस टीम अजमेर पहुंची। कोतवाली थाना पुलिस से संपर्क किया गया। टीम के द्वारा स्थानीय पुलिस को घोटाले से संबंधित जानकारी दी गई। आरोपियों के अजमेर होने की सूचना दी गई। सोमवार सुबह असम विजिलेंस टीम और कोतवाली थाना पुलिस ने लोकेशन के आधार पर जयपुर रोड स्थित होटल क्रॉस लैन से सेवाली देवी शर्मा, अजीत पाल सिंह और राहुल आमीन को गिरफ्तार किया है। इस दौरान वहां पर पुलिस को निलंबित महिला आईएएस की नौकरानी को भी हिरासत में लिया गया। तीनों आरोपी फरारी काटने के लिए

अजमेर पहुंचे थे।

सीजेएम कोर्ट में किया पेश

असम विजिलेंस की स्पेशल टीम इंस्पेक्टर प्रीतम सेकिया के नेतृत्व में अजमेर पहुंची थी। इंस्पेक्टर प्रीतम ने बताया- असम के एजुकेशन इंस्टीट्यूट में लगभग 105 करोड़ के घोटाले में फरारी काट रही महिला आईएएस सेवाली देवी और दो अन्य आरोपियों को अजमेर से गिरफ्तार किया गया है। जिन्हें अजमेर के सीजेएम कोर्ट में पेश कर यात्रा रिमांड पर लिया गया है।

बता दें कि सेवाली देवी शर्मा पर आरोप है कि 2017-2020 के बीच जब वे एससीईआरटी के एग्जीक्यूटिव के रूप में पदस्थ थी। तब उन्होंने सरकार की सहमति के बिना 5 बैंक अकाउंट खुलवाए थे और उन पर कथित रूप से 100 करोड से अधिक के घोटाले किए थे। बताया जा रहा है कि इस घोटाले में उनके दामाद भी शामिल है। जो कि एक कांट्रेक्टर है, आईएएस अधिकारी पर आरोप है कि उन्होंने बिना कोई वर्क आर्डर दिखाएं 105 करोड़ रुपए निकल वाली है।

1992 बैच की है अधिकारी

सेवाली देवी शर्मा 1992 कैडर की अधिकारी है। उनका रिक्रूटमेंट SCS-2010 के तहत हुआ है। उन्होंने बीए और एलएलबी से ग्रेजुएशन किया है। घोटाले के मामले पर अब सरकार सख्ती से जांच कर रही है। इस सिलसिले में फिलहाल स्पेशल टीम अधिकारी से पूछताछ भी कर रही है। इससे पहले मामला उजागर होते ही सरकार ने उन्हें निलंबित कर दिया था।

'जिस टीम के सदस्य चोर, उसका मुखिया डकैत': बीजेपी विधायक बोले- गहलोत ने एफआईआर दर्ज क्यों नहीं की? छापा मारकर रूपए बरामद करें

कोटा, 8 मई (एजेंसियां)। बीजेपी के प्रदेश महामंत्री व रामगंजमंडी से विधायक मदन दिलावर ने सीएम गहलोत के बयान पर पलटवार किया है। दिलावर ने वीडियो बयान जारी कर कहा कि कांग्रेस चोरों व भ्रष्टाचारियों से भरी पड़ी है। उसके नेता अशोक गहलोत है।क्योंकि विधायक दल के नेता व प्रदेश के सीएम भीअशोक गहलोत हैं। जिस टीम के सदस्य चोर हो, उस टीम का मुखिया डकैत होता है।

बता दें रविवार को धौलपुर के राजाखेड़ा के पास महंगाई राहत कैंप की सभा में गहलोत ने सचिन पायलट कैंप पर बगावत के वक्त बीजेपी से करोड़ों रुपए लेने का आरोप दोहराया था। साथ ही, अमित शाह को पैसा वापस लौटाने की सलाह दी थी। गहलोत ने कहा- उस वक्त हमारे विधायकों को 10 से 20 करोड़ बांटा गया। वह पैसा

अमित शाह को वापस लौटा देना चाहिए। अमित शाह, धर्मेंद्र प्रधान और गजेंद्र सिंह शेखावत इन सबने मिलकर हमारी सरकार को गिराने का षड्यंत्र किया। राजस्थान में विधायकों को पैसे बांट दिए। यह लोग पैसा वापस नहीं ले रहे हैं। मुझे चिंता लगी हुई है, ये वापस पैसा क्यों नहीं ले रहे हैं? यह पैसा वापस क्यों नहीं मांग रहे हैं? गहलोत के बयान पर दिलावर ने कहा कि मुख्यमंत्री ने जादूगरी से मालूम किया कि उनके विधायकों ने उनको सत्ता से हटाने के लिए अमित शाह से 20-20 करोड़ रूपए लिए। जब गहलोत ने पता ही कर लिया तो उनपर एफआईआर दर्ज क्यों नहीं करवाई ? उन्हें गिरफ्तार क्यों नहीं किया? क्या 20-20 करोड़आपके खाते में जमा करवा दिए? आपने विधायकों से 20-20 करोड़ रूपए लेकर कहां रखें, स्पष्ट बताइए।

कांग्रेस नेता बोले माफी मांगें शेखावत

मुख्यमंत्री को रावण और खुद की भगवान राम से की तुलना

पाली, 8 मई (एजेंसियां)। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और भारतीय कृषि बीमा निगम के पूर्व अध्यक्ष सुपारस भंडारी ने कहा कि केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत को माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री को रावण और खुद को राम बताया है। उन्होंने कहा कि शेखावत तो बाहर के व्यक्ति है। फिर भी जोधपुर की जनता ने उनको भरपूर प्यार देकर सांसद और मंत्री बना दिया। अशोक गहलोत मारवाड़ की शान है। जोधपुर के जाए जन्मे है जिनको शेखावत ने रावण व खुद को राम कहकर राम के बराबर खुद तुलना की है। इसके लिए उनको माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस नेता भंडारी ने कहा कि शेखावत या भाजपा के नहीं बल्कि देश की जनता के आराध्य देव है भगवान श्रीराम। राम की ओट में आप अशोक गहलोत के बारे में कुछ भी कहेंगे तो मारवाड़ की जनता बर्दास्त नहीं करेगी। सुपारस भंडारी ने कहा कि प्रदेश में अशोक गहलोत सरकार के जन हित की योजनाओं को लेकर प्रदेश की जनता खुश है।

अग्रवाल समाज दुनिया का सबसे बड़ा समाज : दयानंद अग्रवाल

अग्रवाल समाज तेलंगाना का बैंक्वेट हॉल का शुभारंभ

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज तेलंगाना के बैंक्वेट हॉल के उद्घाटन अवसर पर पैराडाइज में आयोजित कार्यक्रम में अग्रवाल समाज के बैंक्वेट हॉल की नाम पट्टिका का उद्घाटन मुख्य अतिथि ट्रस्टी दयानंद अग्रवाल, ट्रस्ट बोर्ड का उद्घाटन अग्रवाल समाज टीम ट्रस्ट के सलाहकार करोड़ीमल अग्रवाल, बैंक्वेट हॉल का उद्घाटन परामर्शदाता राम गोयल, कॉन्फ्रेंस हॉल का उद्घाटन परामर्शदाता डॉ. मोहन गुप्ता ने किया। अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दयानंद अग्रवाल ने कहा कि अग्रवाल समाज दुनिया का सबसे बड़ा समाज है जो सेवा के कार्य में हमेशा तत्पर रहता है। अग्रवाल समाज का कोई ऐसा बंदा न होगा जो किसी न किसी रूप में सहयोग नहीं करता। उन्होंने कहा कि अग्रवाल समाज में विकास के 2030 के विजन को वर्ष 2027 में पूर्ण करने की ताकत है। बैंक्वेट हॉल 1,01,000 रुपये में जरूरतमंद समाज की कन्या के विवाह हेतु दिया जाएगा। सभी हॉल के माध्यम से विभिन्न धार्मिक, वाणिज्य कार्यक्रम करवाएं ताकि राजस्व आता रहे। अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल ने बैंक्वेट हॉल में सहयोग प्रदान करने वाले दानदाताओं, हॉल समिति के सदस्यों तथा शाखाओं का आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि हॉल के लिए कुल 4.50 करोड़ रुपये प्राप्त हुए थे और इसका खर्च 4.65 करोड़ रुपये हुआ है। बाकी के शार्टफाल को कवर किया जायेगा। ऐसी व्यवस्था की जाए कि साल के 365 दिन कार्य हो ताकि इसके राजस्व मिलते रहें। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद समाज की कन्या का विवाह 1,01,000 रुपये में कराया जाएगा जिसमें 200 लोगों के बैठने और खाने की व्यवस्था के साथ-साथ कन्या को दी जाने वाली सामग्री आदि शामिल होंगे।

ए.के. अग्रवाल ने कहा कि अग्रवाल समाज ने विजन 2030 बनाया है जिसके अंतर्गत इस प्रकार से या इससे बड़े दो तीन और हॉल का निर्माण शहर के चारों कोने में स्थापित करने के साथ-साथ शमशाबाद में विशाल कन्वेंशन हॉल का निर्माण करवाया जिसके लिए शमशाबाद में जमीन तय कर ली गई है। इसके अतिरिक्त समाज के लिए 200 बेड वाले अस्पताल का निर्माण करवाया तथा महाराजा अग्रसेन के नाम पर विश्वविद्यालय का निर्माण करना इसके लिए भी कार्य लगभग तय हो गया है। इसके अतिरिक्त समाज की संख्या को भी 50000 तक पहुंचाने का लक्ष्य है। यह तभी संभव होगा जब समाज का सहयोग होगा।

उन्होंने सभी का आभार प्रकट किया। अवसर पर सभी का स्वागत बैंक्वेट हॉल समिति के चेयरमैन पुरुषोत्तम अग्रवाल ने किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2021-23 के चुनाव में जो वादा किया था उनमें से एक बैंक्वेट हॉल का निर्माण पूरा कर लिया गया है। ऐसा कार्य पिछले 25 साल में नहीं हुआ जो वर्तमान पदाधिकारियों ने करवाया है। वाइस चेयरमैन मनीष अग्रवाल ने दानदाताओं का आभार प्रकट किया।

अवसर पर करोडीमल अग्रवाल ने कहा कि अग्रवाल समाज सहायता ट्रस्ट द्वारा कई सेवा कार्य चलाये जा रहे हैं। इसमें बच्चों की शिक्षा के लिए छात्रवृत्ति, समाज बंधु को चिकित्सा में सहायता आदि शामिल हैं। गांधी अस्पताल में 10 डायलिसिस सेवा तथा निम्स अस्पताल में 6 वेंटिलेटर बेड सहित अन्य सेवाएँ दी जा रही हैं। इस अवसर पर अग्रमंजूषा का विमोचन किया गया। अवसर पर अग्रवाल समाज के उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप कुमार पंसारी ने बैंक्वेट हॉल प्रबंधन टीम को मंच पर आमंत्रित किया।

सचिव सूर्य कमल अग्रवाल ने बैंक्वेट हॉल में उपलब्ध सुविधा की जानकारी दी। कार्यक्रम में अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल, उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप कुमार पंसारी, मानद मंत्री कपूरचन्द गुप्ता, सह-मंत्री सतीश कुमार अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राकेश जालान, निवर्तमान अध्यक्ष गोविंद अग्रवाल, कमेटी चेयरमैन पुरुषोत्तम अग्रवाल, वाइस चेयरमैन मनीष अग्रवाल, प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर सूर्यकमल गुप्ता, महादेव प्रसाद अग्रवाल, अग्रमंजूषा के संपादक अशोक आर, डाणी, अशोक बंसल, डी. पी. अग्रवाल, तुलसीराम बंसल, महेश नरेठा, गिरधरलाल गुप्त, प्रदीप अग्रवाल व अन्य उपस्थित थे।

श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा लक्ष्मीनारायण महायज्ञ जुलाई में, हुई बैठक

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। श्री जगन्नाथ सेवा समिति द्वारा श्री पंचकुंडीय लक्ष्मीनारायण महायज्ञ का आयोजन बुधवार 19 जुलाई से मंगलवार 25 जुलाई 2023 तक आयोजित किया जाएगा। एक प्रेस विज्ञप्ति द्वारा समिति के प्रचार व प्रसार संयोजक मुकुंद लाल अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि श्री जगन्नाथ मंदिर के प्रांगण, रोड नंबर 12, बंजारा हिल्स में आयोजित किया जाएगा इस बार श्रावण मास में अधिक मास होने के कारण इस यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है ।कलश यात्रा 19 जुलाई को प्रातः 8-30 बजे कनकादुर्गा मंदिर रोड नम्बर 12, बंजारा हिल्स से निकाली जाएगी। इस संदर्भ में एक बैठक होटल बीकानेरवाला, बंजारा हिल्स में आयोजित की गई जिसमें निम्न पदाधिकारियों की नियुक्ति की गयीं। अध्यक्ष मुकुंद लाल सोन्थलिया, उपाध्यक्ष महेश कुमार डाकोतिया, मानद मंत्री सुरेश कुमार अग्रवाल (दिल्ली वाले) सहमंत्री अमर लाल टीबरेवाला, कोषाध्यक्ष सी ए रवींद्र कुमार अग्रवाल परामर्शदाता में विट्ठलदास अग्रवाल, प्रमोद कुमार अग्रवाल आगरा वाले, महेश कुमार अग्रवाल (दिल्ली वाले) राजेंद्र कुमार अग्रवाल, मुन्नालाल अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार गोयल , बजरंग प्रसाद गुप्ता को नियुक्त किया गया। विभिन्न कमिटीयों में मुकुंद लाल अग्रवाल को प्रचार प्रसार, सुरेश कुमार जगनानी को भोजन व प्रसाद, शंकर लाल अग्रवाल को यज्ञ स्थल, बजरंग लाल गुप्ता को कलश यात्रा का संयोजक नियुक्त किया गया। बैठक में मुकुंद लाल सोंथलिया, महेश कुमार डाकोतिया, सुरेश कुमार अग्रवाल, अमर लाल टीबरेवाले, सीए रवींद्र अग्रवाल, विट्ठल दास अग्रवाल, प्रमोद कुमार अग्रवाल आगरावाले, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, मुन्नालाल अग्रवाल, बजरंग लाल गुप्ता, शंकर लाल अग्रवाल, सीए सुरेश कुमार अग्रवाल, विनोद कुमार डाकोतिया, आदि उपस्थित थे।

थोरूर में नि:शुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर आयोजित

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। आजादी के अमृत महोत्सव थीम के तहत स्वास्थ्य और कल्याण समारोह के एक भाग के रूप में राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, गड्डिअन्नारम, हैदराबाद द्वारा तुर्कयांजल नगर पालिका के थोरूर गांव में निःशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के प्रभारी सहायक निदेशक, डॉ.गोलि पेंचल प्रसाद, और थोरूर ग्राम पंचायत पार्षद एन.शिवलिंगम गौड़ द्वारा किया गया।

इस चिकित्सा शिविर में डॉ.गोलि पेंचल प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक, डॉ. संतोष एस.माने अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद), डॉ. श्रीवाणी, एसआरएफ (आयु.), डॉ. हेमा राजू ,एसआरएफ, (आयु.), डॉ. विजयलक्ष्मी एसआरएफ (आयु.), डॉ. साजिथ एसआरएफ (आयु.) द्वारा ग्रामीणों को चिकित्सा सेवाएं प्रदान की गईं, जिसमें उनके स्वास्थ्य की जांच एवं निःशुल्क औषधियाँ वितरित की गई। चिकित्सा शिविर के माध्यम से लगभग 120 लोग लाभान्वित हुए। संस्थान के प्रभारी सहायक निदेशक ने ग्रामीणों को भविष्य में इस तरह के चिकित्सा शिविर में शामिल होकर आयुर्वेद स्वास्थ्य सेवाओं से लाभान्वित होने का आह्वान किया। चिकित्सा शिविर को सफलतापूर्वक सम्पन्न करने में ग्राम पंचायत के सदस्यों तथा राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान की टीम में के. श्रीनिवास राव, पुस्तकालयध्यक्ष, जी. रवि बाबू, मधुसूदन रेड्डी, श्रीनिवास, धनराज ने सहयोग प्रदान किया।

अग्रवाल समाज, हिमायत नगर शाखा के चुनाव संपन्न

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल समाज, हिमायत नगर शान की वार्षिक सर्वसाधारण सभा हिमायत नगर स्थित ब्लू बेसिल में भव्य रूप से संपन्न हुई। जानकारी देते हुए शाखा की मानद मंत्राणी रमा बाजोरिया ने बताया कि सभा में वर्ष 2023-25 के लिए पाँच पदाधिकारी एवं केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्य का चुनाव संपन्न हुआ। चुनाव अधिकारी मिट्ठनलाल मित्तल एवं अनिल बाजोरिया ने घोषणा की कि राजकुमार गुप्ता अध्यक्ष, रमा बाजोरिया सचिव, नवीन अलमाल उपाध्यक्ष, आनन्द डालमिया सहसचित, विकास अग्रवाल कोषाध्यक्ष, डीपी अग्रवाल केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्य निर्विरोध चुने गये हैं। डॉ. मोहन गुप्ता, एडवोकेट प्रताप नारायण संधी एवं मिट्ठनलाल मित्तल परामर्शदाता नियुक्त किये गए। मेघा बदरूका को महिला संयोजिका तथा कमल केडिया को युवा संयोजक नियुक्त किया गया। पवन भुवानिया निर्वतमान अध्यक्ष रहेंगे। डॉ. मोहन गुप्ता ने सभी नवनिर्वाचित सदस्यों को स्ट्रोल पहना कर सम्मान किया।

सभा का शुभारंभ अग्रसेन महाराज की पूजा-अर्चना से हुआ। अध्यक्ष पवन भुवानिया ने सभा का स्वागत किया। मानद मंत्राणी रमा बाजोरिया ने वर्ष 2022-23 की विभिन्न गतिविधि यथा वार्षिक सर्वसाधारण सभा, दीपावली एवं अन्नकूट, होलिका दहन व होली की धमाल, सावन की सैर, अग्रसेन जयन्ती, अग्र ज्योति रथ यात्रा का स्वागत, अग्रसेन प्रतिमा पर माल्यार्पण, श्री श्री ज्ञान मंदिर में नोट-बुक्स वितरण, महिला समिति द्वारा गणगौर उत्सव आदि की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत की जिसे करतल ध्वनि से स्वीकार किया गया। संस्थापक डी.पी अग्रवाल ने वार्षिक आय-व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया। उन्होंने केन्द्रीय समिति के कार्यक्रमों की भी जानकारी सभा को दी। डॉ मोहन गुप्ता एवं मित्तल ने शाखा के द्वारा किये गए कार्यों के लिए शाखा को बधाई दी। संजय अग्रवाल ने भी अपने विचार एवं डॉ उद्भव बंसल ने भी अपने विचार रखे। परामर्शदाता डॉ मोहन गुप्ता, संस्थापक एवं केन्द्रीय कार्यकारिणी सदस्य डीपी अग्रवाल, अध्यक्ष पवन भूवानिया, सचिव रमा बाजोरिया, सहसचिव नवीन आलमाल, महिला संयोजिका सुमन भुवानिया मंच पर विराजमान थे।

शब्दाक्षर द्वारा सम्मान समारोह एंव काव्य अनुष्ठान सम्पन्न

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय साहित्यिक संस्था 'शब्दाक्षर' की तेलंगाना प्रदेश अध्यक्ष ज्योति नारायण एंव राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह (कोलकाता) द्वारा हैदराबाद के लब्धप्रतिष्ठत अन्तर्राष्ट्रीय साहित्यकारवृंद, कवि वेणुगोपाल भट्टड़ को शब्दाक्षर काव्यश्री भास्कर सम्मान, डॉ.अहिल्या मिश्र को शब्दाक्षर काव्यश्री मार्तण्ड सम्मान, प्रो.ऋषभदेव शर्मा को शब्दाक्षर काव्यश्री दिनकर, एंव अजित गुप्ता को शब्दाक्षर काव्यश्री आदित्य सम्मान से उनके हिन्दी साहित्य सृजन में अतुलनीय योगदान हेतु कीमती हॉल, रामकोट में गत सम्मानित किया गया। तत्पश्चात दूसरे सत्र में काव्य अनुष्ठान का आयोजन हुआ। काव्य पाठ करने वाले प्रमुख रचनाकारों में मंचासीन साहित्यकारों के अतिरिक्त अन्य प्रमुखों में पुष्पा वर्मा, सत्यप्रसन्न, वर्षा शर्मा, राशि सिन्हा, विनोद गिरि 'अनोखा', दयाशंकर, शिल्पी भटनागर, अनुराधा पाण्डेय, संगीता शर्मा, तरुणा, मुक्ता मिश्रा, देवप्रसाद मायला, सुहास भटनागर, संदीप तिवारी, मंजुला, पूनम जोधपुरी, नितेश सागर, राजीव सिंह व दर्शन सिंह शामिल रहे।

अधिकारियों ने अनुभव साझा किया

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। देश तेजतर्रार आईएएस अधिकारियों में गिने जाने वाले तेलंगाना सरकार के पूर्व मुख्य प्रधान सचिव व विभिन्न महत्वपूर्ण पदों की जिम्मेदारी संभालने वाले आईएएस अधिकारी (अवकाश प्राप्त) राजेश्वर तिवारी से हैदराबाद आए यूपी सरकार जौनपुर के वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारियों डीडीओ बृजभान सिंह, पीडी जयकेश त्रिपाठी, डीसी मनरेगा भूपेंद्र कुमार सिंह, डीसीएनआरएलएम ओपी यादव, ईओ नपा संतोष मिश्रा, जिला सेवायोजन अधिकारी व डीसी स्किल राजीव कुमार सिंह, डीएसटीओ आरडी यादव, बीएसए गोरखनाथ पटेल, बेसिक शिक्षा विभाग में तैनात राजू ने मुलाकात की। इस दौरान अधिकारियों ने अनुभव साझा किए और शैक्षिक, विकास, रोजगार आदि विभिन्न मामलों पर संक्षिप्त चर्चा की। इस अवसर पर प्रमुख रूप से बिहार सहयोग समिति के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव, महासचिव राज नारायण सिंह रहे। अधिकारियों की टीम तेलंगाना में एक निजी कार्यक्रम में भाग लेने पहुंची थी।

सिखवाल ब्राह्मण समाज ने की बैठक, श्रृंग ऋषि महोत्सव के संदर्भ में चर्चा

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। श्रृंगेरी कर्नाटक में श्रृंगऋषि महोत्सव के आयोजन के विचारार्थ सिखवाल ब्राह्मण समाज, वैश्विक संगठन की बैठक श्रृंगऋषि भवन, फीलखाना में रखी गई। बैठक में अध्यक्ष भगवान व्यास ने बताया कि श्रृंगऋषि महाराज की जन्मस्थली श्रृंगेरी कर्नाटक में श्रृंग ऋषि महोत्सव का आयोजन आगामी 2 जनवरी से 9 जनवरी 2024 तक किया जायेगा। श्रृंगेरी शारदा पीठ मठ में श्रीमद्भागवत कथा, गंगा आरती, मूलपाठ, माता शारदा की पूजा एवं रूद्राभिषेक और प्रसाद का कार्यक्रम होगा। विभिन्न तीर्थ स्थलों की यात्रा अन्तर्गत गोकर्ण, मुर्देश्वर, उडापी, धर्मस्तला, कूके सुब्रमण्यम, अन्नपूर्णा मंदिर, मुगांबिका माता की यात्रा की जायेगी। अध्यक्ष ने बताया कि जगतगुरु शंकराचार्य के आशीर्वाद स्वरूप उन के सानिध्य में कार्यक्रम होगा। बैठक में भगवान व्यास, श्यामसुन्दर तिवारी, कन्हैयालाल ओझा, रामदेव नागला, मोतीलाल तिवारी, जगदीश तिवारी, रामदेव तिवारी, सुरेश उपाध्याय, नरसिंह जोशी, संदीप जायलवाल, महेन्द्र व्यास, रामनारायण तिवारी, रामदेव व्यास, परसराम भानु, श्याम नागला, कन्हैयालाल उपाध्याय, दामोदर जोशी, सुनील व्यास, भगवान तिवारी, दामोदर व्यास, घनश्याम व्यास, पवन उपाध्याय, विजय उपाध्याय, नरेश पांड्या, जगदीश तिवारी बलुंदा और अन्य समाज बन्धु उपस्थित थे।

नगर में अयोजित एक कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला व सूरत से पधारे गोविंद ढोलकिया (काकाजी) से मुलाकात करते हुए समाजसेवी बीपी सिंघल।

नगर में आयोजित एक पुस्तक लोकार्पण समारोह में केंद्रीय मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला व गौभक्त डायमंड किंग गोविंद ढोलकिया (काकाजी) से मुलाकात कर सम्मान करते हुए विजय सुराणा, सोहनसिंह राजपुरेंहित व अन्य।

बाबा गंगाराम भजन संध्या आयोजित

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। विष्णु अवतारी श्री बाबा गंगाराम जी की भजन संध्या का आयोजन आगापुरा स्थित श्री दीन बंधु अग्रवाल जी के निवास स्थान पर किया गया। इस अवसर पर बाबा गंगाराम जी का पंचदेव दरबार सजाया गया जिस में बाबा गंगाराम सहित भक्त शिरोमणि श्री देवकीनन्दन जी, शक्ति स्वरुपा देवी गायत्री, माता लक्ष्मी, श्री शिव परिवार, श्री हनुमान, यथा माता दुर्गा का अलौकिक शृंगार किया गया। हैदराबाद के प्रसिद्ध भजन गायक श्री घनश्याम शर्मा ने इस अवसर पर अपनी मधुर वाणी में भजनों की अमृत वर्षा की। भजन संध्या में बड़ी संख्या में परिवारिक सदस्यों तथा मित्रों के साथ बाबा गंगाराम सेवा समिति हैदराबाद के सभी सदस्य सपरिवार उपस्थित रहे और भजनों का आनंद लिया।

अंतर्राष्ट्रीय मदर्स डे पर गुजराती समाज की माताओं को प्रोत्साहन के लिए दि गुजराती सोशियल वेलफेयर सोसायटी कार्यालय में निःशुल्क रूप से 'केरल' फिल्म दिखाने की घोषणा सोसायटी के अध्यक्ष जिग्नेश दोशी ने की तथा समिति की महिला सदस्याओं हेतल समाणी, पूजा जसाणी, मयुरी तन्ना, अल्पा वोरा के साथ फिल्म टिकट जारी की।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

टेक्सास मॉल गोलीबारी ...

परिवार के एक अन्य सदस्य एन. राम रेड्डी जिनकी बेटी भी अमेरिका में रहती है ने अगली सुबह स्थानीय जिला अधिकारियों और अस्पतालों से ऐश्वर्या रेड्डी की मौत की पुष्टि करने के लिए पूछताछ की। रेड्डी परिवार के एक सदस्य ने कहा ऐश्वर्या के माता-पिता सदमे की हालत में हैं। उन्होंने कहा, हम नहीं जानते कि क्या हुआ और हम किसी भी चीज के बारे में बात नहीं करना चाहते।

ऐश्वर्या रेड्डी का शव बुधवार तक घर पहुंचने की उम्मीद :

ऐश्वर्या रेड्डी का परिवार उसके शव को वापस लाने के लिए अमेरिका में तेलुगु एनआरआई संघों और सरकारी अधिकारियों के संपर्क में है। ऐश्वर्या रेड्डी के परिजन बुधवार तक उसका शव घर पहुंचने की उम्मीद कर रहे हैं। ऐश्वर्या आखिरी बार दिसंबर में अपने बड़े भाई श्रीकांत रेड्डी की शादी में शामिल होने घर आई थीं।

पाकिस्तान ने दो दिन में ही गंवाया ओडीआई नंबर-1 पोजीशन

न्यूजीलैंड पांचवां वनडे 47 रन से जीता, पाक का सीरीज पर 4-1 से कब्जा

ICC ODI टीम रैंकिंग

रैंक	टीम	पॉइंट्स
1	ऑस्ट्रेलिया	113
2	भारत	113
3	पाकिस्तान	112
4	इंग्लैंड	111
5	न्यूजीलैंड	108

खेल डेस्क, 8 मई (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड ने पाकिस्तान को पांच मैचों की वनडे सीरीज के पांचवें और अंतिम मुकाबले में 47 रन से हरा दिया है। ये सीरीज पाकिस्तान ने 4-1 से अपने नाम की। कराची में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी न्यूजीलैंड की टीम ने 49.3 ओवर में 299 रन पर ऑलआउट हो गई और पाकिस्तान को 300 रन का टारगेट दिया।

जवाब में पाकिस्तान 46.1 ओवर में 252 रन पर ही सिमट गई। न्यूजीलैंड के हेनरी शिप्ले ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन किय। उन्होंने नौ ओवर फेंके, इस दौरान 34 रन देकर तीन अहम विकेट भी झटके। इसमें एक मेडन ओवर भी शमिल है। शिप्ले को उनके इस प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वहीं प्लेयर्स ऑफ द सीरीज का खिताब फखर जमान को दिया गया। उन्होंने इस सीरीज में 363 रन बनाए।

252 रनों पर सिमटी पाकिस्तान की टीम

पांचवें वनडे मुकाबले की बात करें टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए न्यूजीलैंड की टीम कराची में टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी न्यूजीलैंडकी टीम ने 49.3 ओवर में 299 रन पर ऑलआउट हो गई। जवाब में पाकिस्तान 46.1 ओवर में 252 रन पर ही सिमट गई।

न्यूजीलैंड की ओर से विल यंग ने 87, टॉम लाथम ने 59 और मार्क चैपमैन ने 43 रन की पारी खेली। पाकिस्तान के लिए शाहीन शाह अफरीदी तीन, उसामा मीर और शादाब खान ने दो-दो विकेट झटके। वहीं मोहम्मद वसीम और हारिस रऊफ ने एक-एक विकेट लिए।

जवाब में पाकिस्तान की टीम 46.1 ओवर में 252 रनों पर सिमट गई। इफ्तिखार अहमद ने सबसे ज्यादा नाबाद 94 और आगा सलमान ने 57 रन बनाए। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम के करियर का यह 100वां वनडे मैच था। बाबर इस मैच में यादगार पारी नहीं खेल सके और मात्र एक रन बना कर आउट हो गए। न्यूजीलैंड की ओर से हेनरी शिप्ले और रचिन रवींद्र ने तीन-तीन जबकि एडम मिल्ने, मैट हेनरी और ईश सोढी ने एक-एक विकेट लिए।

ओडीआई रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंचा पाकिस्तान

इसके साथ ही न्यूजीलैंड से मिली हार के बाद पाकिस्तान टीम को नुकसान हुआ। वनडे रैंकिंग में पाकिस्तान टीम पहले स्थान से तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। ऑस्ट्रेलिया ने 113 रेटिंग के साथ पहले स्थान पर फिर से कब्जा कर लिया है। दूसरे स्थान पर टीम इंडिया मौजूद है। पाकिस्तान तीसरे पायदान पर 112 रेटिंग के साथ काबिज हैं। इससे पहले 5 मई 2023 को क्रिकेट इतिहास में पहली बार पाकिस्तान टीम ODI रैंकिंग में नंबर-1 बनी थी। पाकिस्तान से दो दिन में ही नंबर-1 का ताज छीन गया।

विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप

दीपक ने ओलंपिक पदक विजेता को हराया

हुसामुद्दीन भी क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

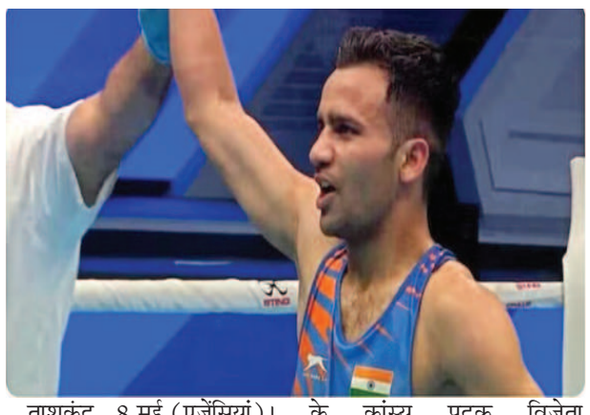

ताशकंद, 8 मई (एजेंसियां)। दीपक को विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघाल की जगह टीम में शामिल किया गया था और उन्होंने आखिरी तीन मिनट में आक्रामक अंदाज अपनाते हुए मैच जीत लिया।

भारतीय मुक्केबाज दीपक भोरिया ने रविवार को दमदार प्रदर्शन करते हुए टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता कजाखस्तान के साकेन बिबोसिनोव को हराकर विश्व चैंपियनशिप के प्री-क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। दीपक को विश्व चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता अमित पंघाल की जगह टीम में शामिल किया गया था और उन्होंने आखिरी तीन मिनट में आक्रामक अंदाज अपनाते हुए मैच जीत लिया।

भारतीय मुक्केबाज ने 2021 विश्व चैंपियन साकेन को 5-2 से शिकस्त देकर अगले दौर में जगह बनाई। दीपक ने मुकाबले में धीमी शुरुआत की और उन्हें अपनी लय पकड़ने में थोड़ा समय लगा। इसका फायदा साकेन ने उठाया और उन पर कुछ पंच जड़ दिए। इसके बाद दीपक तीसरे राउंड में अपनी लय को पकड़ते हुए पूर्व विश्व चैंपियन मुक्केबाज पर हावी हो गए। दीपक अगले मैच में चीन के झांग जिमाओ के खिलाफ रिंग में उतरेंगे।

हुसामुद्दीन क्वार्टर फाइनल में

दो बार के राष्ट्रमंडल खेलों के पदक विजेता मोहम्मद हुसामुद्दीन (57 भारवर्ग) ने रूस के एडुआर्ड साविन को 5-0 से पराजित करके क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। उनका अगले दौर में सामना अजरबैजान के उमिद रुस्तामोव से होगा।

तिहरी कूद में चित्रावल ने बनाया राष्ट्रीय कीर्तिमान

साबले व पारूल का भी रिकॉर्ड प्रदर्शन

खेल डेस्क, 8 मई (एजेंसियां)। इक्कीस साल के चित्रावल ने 2023 बुडापेस्ट विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के क्वालिफाइंग मानक 17.20 मीटर को भी पार कर लिया।

त्रिकूद एथलीट प्रवीण चित्रावल ने क्यूबा में आयोजित प्रतियोगिता में 2023 विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के लिए क्वालिफाइंग मानक हासिल करने के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड अपने नाम किया तो वहीं अविनाश साबले और पारुल चौधरी ने अमेरिका में चल रही ट्रैक स्पर्धा में क्रमशः पुरुषों और महिलाओं की 5000 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय कीर्तिमान बनाए। इक्कीस साल के चित्रावल ने क्यूबा के हवाना में 'वी प्रुएबा डे कॉन्फ्रॉन्टासियन प्रतियोगिता' में 17.37 मीटर की कूद के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। विश्व एथलेटिक्स की 'एफ' श्रेणी की इस स्पर्धा में उन्होंने 2016 में रंजीत महेश्वरी के 17.30 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया।

इक्कीस साल के चित्रावल ने 2023 बुडापेस्ट विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप के क्वालिफाइंग मानक 17.20 मीटर को भी पार कर लिया। इससे पहले उनका व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 17.18 मीटर था जो उन्होंने पिछले साल चेन्नई में राष्ट्रीय अंतरराज्यीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने के दौरान हासिल किया था। मौजूदा सत्र में उनका 17.37 मीटर का प्रयास, हवा की मदद के बिना सबसे लंबी छलांग लगाने वाले एथलीटों में दूसरे स्थान पर है। चित्रावल फिलहाल क्यूबा में कोच योआंद्री बेटनजोस की देखरेख में अभ्यास कर रहे हैं।

विराट कोहली को आरसीबी नहीं इस टीम के लिए खेलते देखना चाहते हैं केविन पीटरसन

खेल डेस्क, 8 मई (एजेंसियां)। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने विराट कोहली को लेकर एक अनोखी इच्छा जताई है जिसे सुनकर आप भी हैरान रह जाएंगे।

इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर केविन पीटरसन ने विराट कोहली को लेकर एक अनोखी इच्छा जताई है जिसे सुनकर आप भी हैरान रह जाएंगे। पीटरसन चाहते हैं कि विराट कोहली अगले साल आरसीबी नहीं बल्कि अपनी होम टीम दिल्ली कैपिटल्स के लिए खेले। इसके लिए उन्होंने दिल्ली के मैनेजमेंट से विशेष अपील की है।

बता दें कि विराट कोहली रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के सबसे पुराने खिलाड़ी हैं। इस फ्रेंचाइस के लिए उन्होंने 7 हजार रन बनाए हैं वे ऐसा करने वाले इकलौते बल्लेबाज भी हैं। हालांकि परिस्थितियां अलग हो सकती थीं। 2008 में दिल्ली डेयरडेविल्स ने कोहली को ड्राफ्ट पिक में शामिल नहीं किया था और प्रदीप सांगवान को अपनी टीम में लिया था। जिसके बाद कोहली पर आरसीबी ने भरोसा जताया जिसपर वे खरे उतरे।

केविन पीटरसन ने दिल्ली कैपिटल्स से की ये मांग

दरअसल शनिवार को दिल्ली कैपिटल्स और आरसीबी के बीच मैच खेला गया। इस मैच का आयोजन दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में किया गया जिसमें कोहली ने अपने गुरू के पैर छुए और लोगों ने भी अपने स्टार खिलाड़ी की घर वापसी पर उनका जमकर स्वागत किया। इसे देखकर केविन पीटरसन को एक सुझावा आया।

उन्होंने दिल्ली कैपिटल्स के मैनेजमेंट से मांग की और डेविड बैकहम, मेसी और रोनाल्डो का भी जिक्र किया। उन्होंने ट्वीट किया कि 'कोहली का अपने बचपन के कोच से मिलने की फुटेज देखकर मैं यह सोचने पर मजबूर हो गया, 'विराट को घर लेकर आओ' दिल्ली को बड़ी ट्रांसफर रकम देकर विराट को अगले सीजन के लिए अपने घर लेकर आना चाहिए। बैकहम, रोनाल्डो, मेसी सभी अपने करियर में मूव हुए हैं।'

26% लिवर है फिर भी जीत लाई डबल गोल्ड

वर्ल्ड ट्रांसप्लांट गेम्स में भोपाल की बेटी ने नाम रोशन किया, ऐसा करने वाली वो देश की पहली एथलीट

खेल डेस्क, 8 मई (एजेंसियां)। भोपाल की अंकिता श्रीवास्तव ने ऑस्ट्रेलिया के पर्थ में आयोजित वर्ल्ड ट्रांसप्लांट गेम्स 2023 में 21 अप्रैल को तीन पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है। उन्हें लॉन्ग जंप में गोल्ड और रेसवॉक व शॉट पुट इवेंट में सिल्वर मेडल मिले हैं। यही नहीं, अंकिता ने वर्ल्ड ट्रांसप्लांट गेम्स 2019 में डबल गोल्ड जीता था। वे ये कारनामा कर दिखाने वाली देश की पहली एथलीट भी हैं।

आपको यह जानकर हैरानी होगी कि अंकिता अपना 74 प्रतिशत लिवर डोनेट कर चुकी हैं। उनकी उपलब्धियां जानने के बाद कोई यह नहीं कह सकता कि उन्हें किसी भी तरह की शारीरिक तकलीफ है। वर्ल्ड ट्रांसप्लांट गेम्स में वे खिलाड़ी पार्टिसिपेट करते हैं, जो अपना कोई अंग डोनेट कर चुके हों। मां के लिए 18 साल की उम्र में ही अंकिता ने अपना लिवर डोनेट कर दिया, लेकिन यह इतना आसान नहीं था। मां के लिए इतनी बड़ी कुर्बानी देने वाली और देश का नाम रोशन करने वाली भोपाल की बेटी से बात की। पढ़िए उन्हीं की जुबानी, जज्बे की पूरी कहानी...। लिवर डोनेट करने के लिए मुझे 7 साल इंतजार करना पड़ा, लेकिन ये मेरे लिए किसी भयानक समय जैसा था। जिस उम्र में बच्चे स्कूल के बाद ट्यूशन पढ़ने जाते थे, मैं अपनी मां को एंडोस्कोपी के लिए अस्पताल ले जाया करती थी। अपनी मां को उस हालत में देखकर मैं असहाय महसूस करती थी। जब मैं 18 साल की हुई तब मैंने अपना लिवर डोनेट किया, लेकिन यह इतना आसान नहीं था। 2014 में किसी को नहीं पता था कि लिवर ट्रांसप्लांट क्या होता है? गूगल पर भी ज़्यादा जानकारी और तस्वीरें मौजूद नहीं थीं। हार्ट ट्रांसप्लांट की तरह ही लिवर ट्रांसप्लांट में डोनर की जान जाने का खतरा रहता है। डॉक्टर और परिवार मुझे मना कर रहे थे। मगर मैं अड़ गई थी कि मेरी मां ने मुझे जन्म दिया है। यह मेरा फर्ज था कि मैं अपनी मां को अपना एक हिस्सा दे सकूं। यह सबसे छोटी चीज़ थी, जो एक बेटी अपनी मां के लिए कर सकती थी।

ऑपरेशन दिल्ली के अपोलो अस्पताल में होना था। साल 2014 की बात है, जब मैंने खुद को ट्रांसप्लांट के लिए तैयार करना शुरू किया। उस समय मेरा वजन 50 किलो था जबकि मेरी मां का वजन मुझसे दोगुना था। मुझे लिवर डोनेट करने के लिए अपना वजन बढ़ाना जरूरी था। मैंने बहुत खाना खाया और एक दिन अपनी मंजिल पर पहुंच गई। जब ट्रांसप्लांट का समय आया तो मेरी मां कोमा में चली गईं। हमें और इंतजार करना पड़ा। ऑपरेशन के दौरान मैंने अपनी मां को 74 प्रतिशत लिवर डोनेट कर दिया, लेकिन अफसोस इस बात का है कि ट्रांसप्लांट करवाने के चार महीने बाद ही जून 2014 में मेरी मां गुजर गई।

इसके बाद का जीवन मेरे लिए और मुश्किल भरा हो गया था। ट्रांसप्लांट के बाद मैं शारीरिक और मानसिक रूप से कमजोर हो गई थी। ट्रांसप्लांट के बाद आपका पूरा जीवन बदल जाता है। बहुत हौसला चाहिए। ऑपरेशन के दिन सुबह मैं खुद अस्पताल गई, एडमिट हुई और ट्रांसप्लांट के लिए लिवर डोनेट किया। ऑपरेशन के दो दिन बाद मुझे होश आया। जब मैंने खुद को देखा, तब मैं व्हीलचेयर पर थी। मेरे पूरे शरीर पर तारें और मॉर्फिन की बोतलें लगी हुई थीं। मुझे खुद को देखकर डर लग रहा था। मेरे पेट पर एक बड़ा सा घाव था।

ऑपरेशन के एक महीने बाद तक मुझे अस्पताल में रखा गया। धीरे-धीरे मुझे बैठना, उठना और चलना सिखाया गया। जब मैं बिस्तर पर करवट लेती थी तो मेरा लिवर भी अपनी जगह से फिसलता था। एक साल तक मुझे खड़ा होने या बैठने के लिए किसी का सहारा लेना पड़ता। मुझे एक छोटे बच्चे की तरह ही अपना जीवन वापस शुरू करना पड़ा। डाइट के अलावा मेरे मूवमेंट पर भी कई पाबंदियां हैं, जैसे कहीं भी जाने से पहले मुझे वहां का तापमान जानना पड़ता है। मेरे लिवर का साइज बहुत छोटा है, इसलिए शरीर बहुत जल्दी गरम हो जाता है। मुझे ठंडे वातावरण में रहना पड़ता है। मैं कुछ भी खाती हूं तो डाइजेस्ट नहीं होता। मैं कहीं भी ट्रेवल करती हूं तो मुझे खाने का सामान जैसे काजू, बादाम और नारियल पानी लेकर घूमना पड़ता है, क्योंकि मैं बाहर का खाना नहीं खा सकती। रिकवरी के दौरान मेरे पिता ने मुझे उनके एक दोस्त से मिलवाया। उनका हार्ट ट्रांसप्लांट हुआ था। उन्होंने मुझे वर्ल्ड ट्रांसप्लांट गेम्स के बारे में बताया था। उस समय राष्ट्रीय खेलों के लिए सिलेक्शन चल रहा था। मैं बचपन से ही स्पोर्ट्स में रुचि लेती थी। मुझमें देश के लिए खेलने का जज्बा था। मैंने स्टेट-लेवल पर स्विमिंग और रनिंग जैसे कई खेल खेले थे। मुझे पता था कि ट्रांसप्लांट के बाद मैं दोबारा नहीं खेल पाऊंगी। जब मुझे वर्ल्ड ट्रांसप्लांट गेम्स के बारे में पता चला तो मुझे लगा कि यह नया जीवन शुरू करने का सही मौका है। इस विचार ने मेरे भीतर ऊर्जा और उत्साह भर दिया। इसका नतीजा यह हुआ कि मेरी रिकवरी तेज होने लगी। पिछले 10 साल से मैंने बाहर का खाना नहीं खाया है। पिज्जा, बर्गर और कोल्ड ड्रिंक का सेवन नहीं कर सकती। मुझे एलर्जी हो जाती है। मैंने साल 2017 से तैयारी शुरू कर दी। साल 2018 में मेरा सिलेक्शन हो गया। मैं साल 2019 में न्यू कासल (यूके) अपना पहला वर्ल्ड ट्रांसप्लांट गेम खेलने गई और पदक जीता।

मैड्रिड ओपनः स्वियातेक को हराकर सबालेंका बनीं चैंपियन

इस सत्र में तीसरा और करियर का 13वां खिताब जीता

खेल डेस्क, 8 मई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन सबालेंका का यह इस सत्र में तीसरा और कॅरिअर का कुल 13वां खिताब है।

दुनिया में शीर्ष रैंकिंग की दो खिलाड़ियों के बीच खेले गए फाइनल मुकाबले में आर्यना सबालेंका ने इगा स्वियातेक को हराकर मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल का खिताब जीता। विश्व में दूसरी रैंकिंग की खिलाड़ी सबालेंका ने तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में शीर्ष रैंकिंग वाली स्वियातेक को 6-3, 3-6, 6-3 से हराया।

बेलारूस की खिलाड़ी सबालेंका दो सप्ताह पहले स्टुटगार्ट ओपन के फाइनल में हार गई थी और इससे पहले वह पोलैंड की अपनी प्रतिद्वंदी स्वियातेक के खिलाफ क्लेकोर्ट पर खेले गए तीन मुकाबलों में जीत दर्ज नहीं कर पाई थी। उन्होंने हालांकि यहां आक्रामक रवैया दिखाया तथा ढाई घंटे तक चले मैच में जीत दर्ज की। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन सबालेंका का यह इस सत्र में तीसरा और कॅरिअर का कुल 13वां खिताब है।

हरियाणा कुश्ती संघ का एक्शनः धरने पर बैठे रेसलर्स का समर्थन करने पर 3 जिला कुश्ती संघों के सचिव सस्पेंड

" डडलाइन का उल्लंघन करने पर लिया एक्श

रोहतास नांदल, HWA प्रदेशाध्यक्ष

पानीपत, 8 मई (एजेंसियां)। भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह की गिरफ्तारी को लेकर लगातार 15 दिन से धरने पर बैठे पहलवानों का समर्थन करना हरियाणा के तीन जिलों की कुश्ती इकाई अध्यक्ष को महंगा पड़ गया। हरियाणा एमेच्योर कुश्ती संघ ने राज्य में झज्जर, नूंह और हिसार की जिला कुश्ती इकाई के सेक्रेटरी को सस्पेंड कर दिया है। यह कार्रवाई फेडरेशन की गाइडलाइन के उल्लंघन और धरने पर बैठे रेसलर्स के समर्थन में जंतर-मंतर पर जाने की वजह से की गई।

एचडब्ल्यूए के प्रदेशाध्यक्ष रोहतास नांदल ने झज्जर जिला कुश्ती संघ के सचिव वीरेंद्र सिंह दलाल, हिसार जिला कुश्ती संघ के सेक्रेटरी संजय सिंह मलिक और मेवात जिला कुश्ती संघ के सचिव जय भगवान को निलंबित करने का आदेश जारी किया। एचडब्ल्यूए के प्रदेशाध्यक्ष रोहतास नांदल और महासचिव राकेश डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के गुट से ही ताल्लुक रखते हैं।

सस्पेंशन ऑर्डर में दिया गया हवाला

एचडब्ल्यूए के प्रदेशाध्यक्ष रोहतास नांदल की ओर से कहा गया कि धरने पर बैठे पहलवानों के पक्ष में चल रही गतिविधियां गैर-नैतिक और डब्ल्यूएफआई के उद्देश्य व नियमों के खिलाफ है। चूंकि इन तीनों पदाधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया है इसलिए सभी जिला संघों से अनुरोध है कि वे इन्हें एचडब्ल्यूए की ओर से आयोजित किसी गतिविधि में शामिल न करें। इनके अखाड़ों, एकेडमी और स्कूलों में भी कोई एक्टिविटी आयोजित नहीं की जाएगी।

मिर्चपुर की कुश्ती एकेडमी सस्पेंड

एचडब्ल्यूए प्रदेशाध्यक्ष रोहताश नांदल ने हिसार जिले में मिर्चपुर की भगत सिंह कुश्ती एकेडमी को भी निलंबित कर दिया। एकेडमी के संचालकों पर आरोप है कि वह छोटे पहलवानों को धरने में ले गए। एचडब्ल्यूए ने इस एकेडमी के संचालक अजय सिंह ढांडा और जय भगवान लाठर पर बैन भी लगा दिया

एचडब्ल्यूए ने एकेडमी और इसके दोनों संचालकों को तत्काल प्रभाव से बैन करते हुए सभी जिला इकाइयों को सलाह दी कि वे इन्हें किसी गतिविधि में शामिल न करें क्योंकि इनके पास हरियाणा खेल विभाग के साथ-साथ एसएआई के नर्सरी/केंद्र भी हैं।

एशियन गेम्स के लिए बैडमिंटन टीम का ऐलान

साइना नेहवाल को जगह नहीं, 20 खिलाड़ी करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

एशियन गेम्स 2022

इंडियन बैडमिंटन स्क्वाड

मेंस सिंगल्स
- एचएस प्रणय
- किदांबी श्रीकांत
- लक्ष्य सेन
- मिथुन मंजूनाथ

विमेंस सिंगल्स
- पीवी सिंधु
- अश्मिता चालिहा
- अनुपमा उपाध्याय
- मालविका बंसोड़

मेंस डबल्स
- चिराग शेट्टी/सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी
- एमआर अर्जुन/ध्रुव कपिला

विमेंस डबल्स
- गायत्री गोपीचंद/त्रिशा जॉली
- तनीषा क्रेस्टो/अश्विनी पोनप्पा

मिक्स्ड डबल्स
- रोहन कपूर/एन सिक्की रेड्डी
- साई प्रतीक कृष्णा प्रसाद/तनीषा क्रेस्टो

खेल डेस्क, 8 मई (एजेंसियां)। एशियन गेम्स 2022 के लिए भारतीय बैडमिंटन टीम की घोषणा कर दी गई है। एशियन गेम्स 2022 को कोरोना वायरस की वजह से पोस्टपोन कर दिया गया था, जो इस साल 23 सितंबर से 8 अक्टूबर तक खेला जाएगा। इन एशियन गेम्स में कुल 20 खिलाड़ी भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे, जिनमें 10 पुरुष और 10 महिलाएं शामिल हैं।

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी साइना नेहवाल और पारुपल्ली कश्यप को टीम में जगह नहीं मिली है। वहीं दो बार की ओलिंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु और दुनिया के 9वें नंबर के खिलाड़ी एचएस प्रणय भारतीय बैडमिंटन टीम का नेतृत्व करेंगे। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु, एचएस प्रणय, मेंस डब्लस जोड़ी चिराग शेट्टी और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी के अलावा गायत्री गोपीचंद और त्रिशा जॉली की महिला जोड़ी ने बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में टॉप- 20 में होने की वजह से पहले ही इसके लिए क्वालीफाई कर लिया था। उन्हें रैंकिंग के आधार पर एशियन गेम्स 2022 में सीधे एंट्री दी गई है। वहीं बाकी खिलाड़ियों को ट्रायल के आधार पर प्रवेश मिला है।

बर्मिंघम में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स 2022 में विमेंस सिंगल्स का स्वर्ण पदक जीतने के बाद लंबी चोट के कारण पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु ने काफी समय तक कोर्ट से दूर रहने के बाद 2023 सीजन में वापसी की। स्विस ओपन में सिंधु ने दूसरे राउंड तक अपनी जगह बनाई थी। हालांकि, इससे पहले उन्हें मलेशिया ओपन, इंडिया ओपन, ऑल इंग्लैंड चैंपियनशिप के पहले राउंड में ही हारकर बाहर होना पड़ा था।

धार्मिक अज्ञानता और कट्टरता हमारे लिए खतरा : केसीआर

हरे कृष्णा हेरिटेज टावर 'भूमि पूजा' कार्यक्रम सम्पन्न

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। सीएम केसीआर ने कहा ने मनुष्य एक छोटा सा जीव है। ईश्वर मनुष्य को कई रूपों में, कई तरीकों से आशीर्वाद देता है। भाषा, अर्थ, देश, महाद्वीप अलग-अलग हो सकते हैं। लेकिन, ईश्वर की पूजा मानव जीवन की शुरुआत से लेकर अंत तक एक निरंतर कार्य है। यदि कोई व्यक्ति अपने लिए कुछ प्राप्त करता है, तो वह कहता है कि उसने इसे प्राप्त कर लिया है। जब प्राकृतिक आपदा आती है और कोई असफलता होती है तो हम ईश्वर को दोष देते हैं। हरे कृष्णा हेरिटेज टावर 'भूमि पूजा' कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जब हमारे घर में बड़े-बुजुर्ग गुजर जाते हैं या कोई बड़ी मुश्किल आ जाती है तो पुजारी घर में आकर परिवार के सदस्यों को सांत्वना देते हैं और दुख दूर करने की कोशिश करते हैं। मंदिर सामुदायिक केंद्र है। सभी धर्म मंदिर से जुड़ते हैं। धर्म सार्वभौम है। धर्म में कुछ भी गलत नहीं है। धार्मिक अज्ञानता और कट्टरता हमारे लिए खतरा है। धर्म हमें गलतियाँ करने के लिए प्रोत्साहित नहीं करता है, लेकिन धार्मिक मूर्खता मनुष्यों को पागलपन की ओर ले जाती है। धार्मिक उन्माद मनुष्य को अमानवीय कृत्य करने के लिए प्रेरित करता है। किसी भी धर्म में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। धर्म पूरी दुनिया में हिंसा का कारण है। हमारे हिंदू धर्म में इसका जिक्र नहीं है। भगवान कृष्ण ने हिंसा के बारे में नहीं कहा। कुछ लोगों ने धार्मिक कट्टरता को जोड़ा और बहुत परेशानी पैदा की। उन्होंने कहा कि राहुल सांकृत्यायन एक महान लेखक हैं। इसी बात का जिक्र उन्होंने अपनी कृति वोल्गा टू गंगा में भी किया है। राहुल सांकृत्यायन ने इस बात को उठाया कि वेदों और उपनिषदों के सार को समझने और ब्रह्मांड में संदेश फैलाने के लिए कोई और बड़ा देवत्व नहीं है। तेलंगाना सरकार को हरे कृष्ण का सहयोग सराहनीय है। अक्षय पात्र स्कूली बच्चों को अन्नपूर्णा के माध्यम से भोजन की आपूर्ति कर रहा है और हैदराबाद में एक भी दिन बिना रुके गरीबों के लिए भोजन उपलब्ध करा रहा है। यह उनके समर्पण का प्रमाण है। तेलंगाना के लोगों की ओर से अक्षय पात्र को धन्यवाद। जब भी अवसर आएगा, चाहे कोरोना या दूसरी आपदा, आप सबसे पहले मदद करने वाले और आगे आने वाले होंगे। हरेकृष्ण संस्थान को धर्म के नाम पर फूटने वाले बुरे परिणामों को रोकने के लिए भी कड़ी मेहनत करनी चाहिए।

धर्म में आस्था रखने वाले कभी भी हिंसा नहीं चाहते थे। हम सार्वभौमिक शांति के लिए यज्ञ करते हैं। हम विश्व की शांति और सुरक्षा के लिए यज्ञ कर रहे ह। हैदराबाद में जिंदगी रफ्तार से चल रही है। हम तरह-तरह की बीमारियों का सामना कर रहे हैं।

इस अवसर पर शिक्षा मंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी, सांसद जोगिनीपल्ली संतोष कुमार, एमएलसी सुरभि वनीदेवी, पल्ला राजेश्वर रेड्डी, नवीन राव, विधायक टी. प्रकाश गौड़, जयपाल यादव, बीआरएस नेता कार्तिक रेड्डी, जिला परिषद अध्यक्ष अनीता रेड्डी, पर्यटन के पूर्व अध्यक्ष विभाग उप्पला श्रीनिवास गुप्ता, पूर्व मुख्य सचिव सोमेश कुमार सहित अन्य ने भाग लिया। हरे कृष्ण आंदोलन के अध्यक्ष मधु पंडिता दास, हरे कृष्ण आंदोलन-हैदराबाद के अध्यक्ष सत्य गौरा चंद्र दास, श्रीकृष्ण गोसेवा मंडली के सचिव सुरेश कुमार अग्रवाल, अरबिंदो फार्म लिमिटेड के एमडी नित्यानंद रेड्डी, श्रीकृष्ण गोसेवा मंडली के ट्रस्टी श्याम सुंदर गुप्ता, श्रीनिधि एजुकेशनल ग्रुप के अध्यक्ष के.टी. माहे आदि ने भाग लिया।

हरे कृष्ण हेरिटेज टॉवर का निर्माण 200 करोड़ रुपये की लागत से 400 फीट (120 मीटर) की ऊंचाई पर नरसिंगी, हैदराबाद में छह एकड़ जमीन पर किया जाएगा। टावर हैदराबाद शहर के लिए एक और सांस्कृतिक मील का पत्थर होगा। 1500 श्रद्धालुओं के ठहरने की व्यवस्था रहेगी। तेलंगाना की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए काकतीय लोगों के कौशल के साथ अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करके निर्माण कार्य किए जाएंगे। एक बार में 500 लोगों के लिए भोजनदान की व्यवस्था करने के लिए आवास की व्यवस्था की जाएगी।

तेलंगाना के लोगों के सपने को पूरे नहीं होने दे रही है सरकार : प्रियंका

सरकार बनने पर निजी कंपनियों में तेलंगाना के युवाओं को 75 प्रतिशत आरक्षण देने का किया वादा

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने सोमवार को नगर के सरूरनगर स्टेडियम में 2023 के आखिर में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले युवा घोषणा पत्र जारी किया। इस दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार आने पर बेरोजगार युवाओं को हर महीने 4 हजार रुपए बेरोजगारी भत्ता मिलेगा।

राज्य में सरकार की मदद से चलने वाली निजी कंपनियों में तेलंगाना के युवाओं को 75% आरक्षण मिलेगा। हम राज्य में 2 लाख रिक्त पदों को सालभर के भीतर भरने का प्रयास करेंगे। तेलंगाना को अलग राज्य बनाने की मांग के आंदोलन में शहीद हुए लोगों के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी मिलेगी। शहीदों के माता-पिता या उनकी पत्नी को 25 हजार रुपए की मासिक पेंशन दी जाएगी। पढ़ाई कर रही 18 साल से अधिक उम्र की लड़कियों को इलेक्ट्रिक स्कूटर दिया जाएगा। राज्य के हर जोन में स्किल डिवेलपमेंट केंद्र बनाए जाएंगे।

इस धरती के लिए सैकड़ों लोग कुर्बान हुए

आप तेलंगाना को मां बोलते हैं। ये राज्य आपके लिए सिर्फ एक जमीन का टुकड़ा नहीं है, न नक्शे पर बनाई एक लकीर है। ये वो धरती है जिसे आप मां मानते हैं। इस धरती के लिए सैकड़ों लोगों ने कुर्बानी दी। मेरे परिवार ने भी कई कुर्बानियां दी हैं, इंदिरा अम्मा देश के लिए शहीद हुईं। हम कुर्बानी का मतलब जानते हैं, मेरी मां सोनिया ने आपकी बात समझी थी, फैसला मुश्किल था फिर भी हमने राजनीति के बारे में नहीं सोचा। देश और तेलंगाना के लिए शहीद हुए लोगों का सपना था कि राज्य के हर नागरिक को उनका अधिकार मिले। शहीदों का नारा था पानी, फंड्स और रोजगार, लेकिन आज राज्य में सिर्फ सत्ताधारी पार्टी को पानी मिल रहा है। उन्हें फंड मिल रहा है, सरकार के करीबियों को नौकरी मिल रही है।

केसीआर सरकार तेलंगाना के लोगों के सपने पूरे नहीं होने दे रही है। उन्हें लगता है कि यह प्रदेश उनकी जागीर है और वे इसके नए जागीरदार हैं। उन्हें यहां से उखाड़ फेंकिए। प्रियंका ने कहा कि तेलंगाना के ढाई लाख किसान पर डेढ लाख का कर्ज है। सरकार ने किसानों का कर्ज माफ करने का वादा किया था, लेकिन उन्होंने अपना वादा पूरा नहीं किया। 8 हजार किसानों ने 2014 के बाद से आत्महत्या की। रोज 3 किसान आत्महत्या करते हैं। केसीआर सरकार बनने से पहले कहते थे हर घर में रोजगार देंगे, क्या आपके घर में नौकरी मिली। बेरोजगार युवाओं को हर महीने 3000 रुपए भत्ता देने की बात कही थी, आपको भत्ता मिला क्या? राज्य में 2 लाख सरकारी नौकरियों के पद खाली पड़े हैं। टीपीएससी का पेपर लीक हो गया, कोई एक्शन लिया गया क्या? मौजूदा सरकार ने पिछले पांच साल में एक भी सरकारी विश्वविद्यालय नहीं बनाया। प्राइवेट यूनिवर्सिटी बनाई है, लेकिन उसकी फीस गरीब परिवार नहीं दे सकता। शिक्षा का ही बजट कम कर दिया है। आपके बड़े-बड़े सपनों का क्या हुआ, जिसके लिए आपने नया प्रदेश बनाया था। सरकार ने आपके सपने तोड़े। अब आपको तय करना पड़ेगा। कुछ महीनों में तेलंगाना में चुनाव है।

दादी इंदिरा से तुलना कर जिम्मेदारी का अहसास दिला रहे

आप लोग मुझे देखकर कहते हैं कि मैं इंदिरा अम्मा जैसी एक और इंदिरा अम्मा हूं। इससे मुझे अपनी जिम्मेदारी का अहसास होता है। वो 40 साल पहले देश के लिए शहीद हो गई थीं, लेकिन अब तक आप उन्हें याद करते हैं, उनका सम्मान करते हैं। आप लोग मुझमें इंदिरा गांधी को देखते हैं, तो मेरी भी जिम्मेदारी है कि मैं यहां झूठा वादा नहीं करूंगीं। तेलंगाना में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद सारे वादे पूरे किए जाएंगे।

सिकंदराबाद स्टेशन के उन्नयन का काम जोरों पर

अस्थायी बुकिंग कार्यालय इसी माह पूरा होने की संभावना

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। रेल मंत्रालय द्वारा 'रेलवे स्टेशनों के प्रमुख उन्नयन' के हिस्से के रूप में दक्षिण मध्य रेलवे द्वारा सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन का उन्नयन कार्य तेजी से प्रगति पर है। अस्थायी बुकिंग कार्यालय और आरपीएफ भवन से संबंधित प्रमुख कार्य तेजी से चल रहे हैं। इन उन्नयन कार्यों को चरणबद्ध तरीके से लिया जा रहा है और प्रस्तावित योजना और कार्यक्रम के अनुसार पूरा किया जा रहा है। सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के लिए स्टेशन उन्नयन कार्यों के हिस्से के रूप में, मिट्टी जांच कार्य और स्थलाकृतिक सर्वेक्षण पूरा करने के बाद अस्थायी कार्यालयों के लिए निर्माण कार्य शुरू कर दिया गया है। अस्थाई बुकिंग कार्यालय के लिए नींव रखना, कॉलम खड़ा करना और आश्रय कार्य पूरा कर लिया गया है। फ्लोरिंग, प्लाबिंग, इलेक्ट्रिकल और फाल्स सीलिंग का काम प्रगति पर है।

नया अस्थायी बुकिंग कार्यालय मई 2023 में खोले जाने की संभावना है। इसी तरह नए बनने वाले आरपीएफ भवन का काम तेजी से चल रहा है। नींव और कॉलम के निर्माण से संबंधित कार्य पहले ही पूरा हो चुका है, जबकि स्लैब और विभाजन संबंधी कार्य तेजी से चल रहे हैं। नए भवन के अगले दो माह में शुरू होने की संभावना है। मौजूदा स्टेशन भवन के दक्षिण दिशा में एक नया स्टेशन भवन भी आने की संभावना है। इस दिशा में आने वाले यात्रियों को ठहराने के लिए भूमिगत पार्किंग की सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। इस संबंध में स्टेशन के साउथ साइड में बेसमेंट के लिए खुदाई और नींव का काम चल रहा है। स्टेशन उन्नयन योजना में भूमिगत टैंकों में 11 लाख लीटर क्षमता का पानी रखने का प्रावधान है। इस संबंध में 9.5 लाख लीटर भूमिगत टैंकों पर काम शुरू हो चुका है। प्लेटफॉर्म 10 व पीआरएस भवन में भूमिगत टैंकों के लिए पीसीसी बेड बिछाने के साथ ही खुदाई का काम पूरा हो चुका है। अगले चरण में रीइन्फोर्समेंट बार बाइंडिंग का कार्य प्रगति पर है। साथ ही उत्तर दिशा के भवन में कार्यालयों को स्थानांतरित करने का कार्य प्रगति पर है।

अब तक, उपयोगिताओं का 60 प्रतिशत स्थानांतरण पूरा हो चुका है, जबकि शेष उपयोगिताओं का स्थानांतरण प्रगति पर है। अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने कहा है कि सिकंदराबाद स्टेशन, जुड़वा शहरों के प्रमुख रेलवे स्टेशन को सुंदर रूप देने और विश्व स्तरीय सुविधाएं प्रदान करने के लिए पुनर्विकास किया जा रहा है. पुनर्विकसित स्टेशन लगातार बढ़ते यात्रियों को पूरा करेगा और अगले 40 वर्षों के लिए यात्रियों की मांग को पूरा करने में सक्षम होगा। लगभग 700 करोड़ रुपये की लागत से स्टेशन का उन्नयन कार्य किया जा रहा है और इस प्रतिष्ठित परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए परियोजना के प्रत्येक चरण की निगरानी की जा रही है।

मणिपुर हिंसा : तेलंगाना के 72 छात्र, नागरिक विशेष विमान से लौटे

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। हिंसा प्रभावित मणिपुर में फंसे तेलंगाना के 72 छात्रों और नागरिकों को सोमवार दोपहर इम्फाल से हैदराबाद के लिए सीधी उड़ान से निकाला गया। वे दोपहर 1.22 बजे शमशाबाद के राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक विशेष उड़ान से पहुंचे। अन्य 34 यात्रियों के सोमवार शाम तक कोलकाता होते हुए हैदराबाद पहुंचने की उम्मीद है। तेलंगाना के शेष 130 छात्र सोमवार रात और बुधवार सुबह दो बैच में विमान से हैदराबाद पहुंचेंगे। इसके अलावा, कुछ छात्र रायपुर, पटना और भुवनेश्वर के रास्ते आने वाली उड़ानों से हैदराबाद पहुंचेंगे। माना जाता है कि तेलंगाना के लगभग 250 छात्र इम्फाल और आसपास के क्षेत्रों में विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में पढ़ते हैं।

एनआईटी, आईआईआईटी, जेआईएमएस, मणिपुर कृषि विश्वविद्यालय में पढ़ने वाले छात्रों और निर्मल के भैंसा कस्बे से पांच दिन के बच्चे को ले जा रहे एक दंपति सहित कई नागरिकों को सोमवार को सुरक्षित वापस लाया गया। छात्रों और अन्य लोगों ने उन्हें सुरक्षित घर वापस लाने के लिए राज्य सरकार को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर अतिरिक्त महानिदेशक (कल्याण) अभिलाषा, एडीजीपी (सीआईडी) महेश एम भागवत, डीआईजी (महिला सुरक्षा विंग) बी सुमति, रंगारेड्डी कलेक्टर एस हरीश, अतिरिक्त सचिव (प्रोटोकॉल और एनआरआई मामले) एस अरविंदर सिंह और अन्य के साथ श्रम मंत्री सीएच मल्ला रेड्डी आरजीआई हवाई अड्डे पर उपस्थित रहे।

मीडिया से बात करते हुए, मंत्री मल्ला रेड्डी ने कहा कि मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव ने मणिपुर में फंसे तेलंगाना के छात्रों और नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए विशेष ध्यान रखा है। मणिपुर से आने वाले छात्रों को बसों में उनके गृहनगर भेजने की व्यवस्था की गई है। सूर्यापेट सीएच भारती की एक छात्रा ने बताया कि फ्लाइट में आई करीब 26 लड़कियां एनआईटी मणिपुर की थीं। भारती ने कहा कि उन्होंने बीआरएस एमएलसी के कविता से संपर्क किया था और उन्होंने उन्हें हिम्मत दी और उनकी मदद की।

घटकेसर के एक अन्य छात्र साईं किरण ने मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव और आईटी मंत्री केटी रामाराव को उनकी त्वरित प्रतिक्रिया के लिए धन्यवाद दिया।

मुख्य सचिव ए शांति कुमारी और डीजीपी अंजनी कुमार ने डीजीपी कार्यालय में चौबीस घंटे नियंत्रण कक्ष के साथ एक विशेष कार्यदल का गठन किया था।

राज्य सरकार ने मणिपुर में स्थिति की निगरानी के लिए एक विशेष प्रकोष्ठ भी खोला है और तेलंगाना के छात्रों और मणिपुर में रहने वाले लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपाय कर रही है। मुख्य सचिव ने पहले इम्फाल से हैदराबाद तक तेलंगाना के छात्रों के सुरक्षित पारगमन की सुविधा के लिए अपने मणिपुर समकक्ष से संपर्क किया।

इंटर के नतीजे आज घोषित किए जाएंगे

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में इंटरमीडिएट बोर्ड परीक्षा के नतीजे मंगलवार सुबह करीब 11 बजे शिक्षा मंत्री पी सबिता इंद्रा रेड्डी द्वारा घोषित किए जाने हैं।15 मार्च से 4 अप्रैल तक आयोजित परीक्षाओं के लिए 4,82,677 प्रथम वर्ष और 4,65,022 द्वितीय वर्ष के छात्रों सहित कुल 9,47,699 ने पंजीकरण कराया था।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

G20 | Azadi Ka Amrit Mahotsav

भारतीय रिज़र्व बैंक / Reserve Bank of India
आंध्र प्रदेश / Andhra Pradesh
पर्यवेक्षण विभाग / Department of Supervision

बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 56 के साथ पठित धारा 35ए के तहत दिशा-निर्देश - दुर्गा को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड, विजयवाड़ा- अवधि-विस्तार

भारतीय रिज़र्व बैंक ने बैंकिंग विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 56 के साथ पठित धारा 35ए के तहत दुर्गा को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड, विजयवाड़ा को दिनांक 28 जुलाई, 2022 के निदेश सं. HYD.DOS.INSP4.No.S241/15-36-070/ 2022-2023 द्वारा 29 जनवरी, 2023 तक छह महीने की अवधि के लिए विस्तार प्रदान किया था, जिसे 25 जनवरी, 2023 के निदेश सं. डीओआर.मोन/डी-69/12.24.020/2022-23 द्वारा 29 अप्रैल, 2023 तक की तीन महीने की अवधि के लिए आगे बढ़ाया गया था।

2. भारतीय रिज़र्व बैंक इस बात से संतुष्ट है कि जनहित में दुर्गा को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड, विजयवाड़ा को 28 जुलाई 2022 के निदेश संख्या HYD.DOS.INSP4.No.S241/ 15-36-070/2022-2023 द्वारा जारी की गई और दिनांक 25 जनवरी 2023 के निदेश सं. डीओआर.मोन/डी-69/12.24.020/2022-23 द्वारा संशोधित की गई संचालन-अवधि को बढ़ाना आवश्यक है। तदनुसार, भारतीय रिज़र्व बैंक, बैंककारी विनियमन अधिनियम, 1949 की धारा 56 के साथ पठित धारा 35ए की उपधारा (1) के तहत, यह निदेश देता है कि श्रीदुर्गा को-ऑपरेटिव अर्बन बैंक लिमिटेड, विजयवाड़ा को 28 जुलाई 2022 के निदेश संख्या HYD.DOS.INSP4.No.S241/15-36-070/2022-2023 द्वारा जारी किया गया निदेश जिसे पिछली बार दिनांक 25 जनवरी 2023 के निर्देश सं. डीओआर.मोन/डी-69/12.24.020/2022-23 द्वारा संशोधित कर 29 अप्रैल 2023 तक विस्तारित किया गया था, को 30 अप्रैल 2023 से 29 जुलाई 2023 तक की तीन माह की अवधि हेतु आगे भी मान्य रखा जाए और यह समीक्षाधीन होगा।

3. संदर्भाधीन निदेश के अन्य नियम एवं शर्तें अपरिवर्तनीय रहेंगी।

मई 09, 2023

ए.ओ. बशीर
क्षेत्रीय निदेशक

एमएलसी कविता ने टेक्सास मॉल शूटिंग में ऐश्वर्या की मौत पर शोक जताया

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस एमएलसी कल्वाकुंतला कविता ने सोमवार को ऐश्वर्या थाटिकोंडा की मौत पर दुख व्यक्त किया, जिनकी टेक्सास, अमेरिका में एक बंदूकधारी ने गोली मारकर हत्या कर दी। एक ट्वीट में कविता ने कहा कि मैं ऐश्वर्या थाटिकोंडा के परिवार और प्रियजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं, जो हाल ही में टेक्सास मॉल शूटिंग त्रासदी का शिकार हुईं। दुख की इस घड़ी में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं उनके परिवार के साथ हैं। न्यूयार्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के डलास इलाके में मॉल के बाहर शनिवार को एक बंदूकधारी व्यक्ति ने दुकानदारों पर गोलियां चलाईं, जिसमें नौ लोगों की मौत हो गई, जिनमें 27 वर्षीय ऐश्वर्या थाटिकोंडा भी शामिल थीं।

ऐश्वर्या डलास में एक निजी कंपनी के साथ एक परियोजना प्रबंधक के रूप में काम कर रही थी और अपने मंगेतर के साथ एक मॉल में खरीदारी कर रही थी जब उस व्यक्ति ने भीड़ पर गोली चला दी।

हैदराबाद के सरूरनगर की रहने वाली ऐश्वर्या टेक्सास के डलास में रह रही थीं।

आंप्र में बारिश की चेतावनी : रायलसीमा में भारी बारिश

अमरावती, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। चक्रवात मोचा को देखते हुए बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव बना है और अगले 24 घंटों के भीतर एक दबाव बन जाएगा। नतीजतन, रायलसीमा में व्यापक रूप से फैला पवन अभिसरण क्षेत्र है, जो शाम के दौरान छिटपुट बारिश और रात के मध्य में भारी बारिश लाता है। अनंतपुर, कुरनूल, कडप्पा, सत्य साईं, अन्नमय्या, नंद्याला और चित्तूर जिलों में सोमवार शाम से मंगलवार सुबह तक बारिश की प्रबल संभावना है।

कर्नाटक के करीब के क्षेत्रों में भारी बारिश देखी जाएगी। इस बीच, तटीयआंध्र प्रदेश, विशेष रूप से प्रकाशम, नेल्लोर, गुंटूर, एनटीआर, एलुरु, पश्चिम गोदावरी, अनाकापल्ली, और औलरी सीताराम राजू जिलों में छिटपुट बारिश और गरज के साथ छींटे पड़ने की उम्मीद है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा कि उत्तरी तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, दक्षिण तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ बिजली गिरने की संभावना है।

हरित ऊर्जा : जल्द सौर ऊर्जा क्षमता बढ़ाएगी मेट्रो

हैदराबाद, 8 मई (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य की हरित ऊर्जा पहल के हिस्से के रूप में, जल्द ही शहर के 13 मेट्रो स्टेशनों और डिपो पर रूफटॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए जाएंगे।

एल एंड टी मेट्रो रेल (हैदराबाद) लिमिटेड, तेलंगाना सरकार और लार्सन एंड टूब्रो लिमिटेड के बीच एक सार्वजनिक-निजी भागीदारी परियोजना ने हाल ही में एम्प एनर्जी इंडिया के साथ 4 मेगावाट की संयुक्त क्षमता के साथ सौर संयंत्र स्थापित करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे पहले, एएमपी एनर्जी ने अपने 24 स्टेशनों और दो डिपो को सौर ऊर्जा प्रदान करने के लिए एल एंड टी मेट्रो परियोजना के लिए 7.8 मेगावाट का सौर संयंत्र स्थापित किया था। पहले चरण का सोलर प्लांट 26 दिसंबर, 2020 को पूरी तरह से चालू हो गया था। प्रस्तावित 4 मेगावाट के साथ, एलएंडटी मेट्रो रेल की सौर संयंत्र क्षमता 11.8 मेगावाट तक पहुंच जाएगी।

एक बार 4 मेगावाट सौर ऊर्जा संयंत्र परियोजना पूरी हो जाने के बाद कुल 37 मेट्रो स्टेशन सौर ऊर्जा से जुड़ जाएंगे। हैदराबाद मेट्रो के वर्तमान में इसके तीन गलियारों और 3 इंटरचेंज स्टेशनों में कुल 66 स्टेशन हैं। सौर ऊर्जा की खरीद के लिए एएमपी एनर्जी के साथ पावर परचेज एग्रीमेंट (पीपीए) 25 साल के लिए है और इससे एक साल में 11,300 मेगावाट हरित ऊर्जा पैदा होगी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.